

he Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाकित PUBLISHED BY AUTHORITY

ffo 29]

नई विक्लो, गलिबार, जुलाई 20, 1985/आवाह 22, 1907

No. 29]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 20, 1985/ASADHA 29, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप मं रखा जा सके

Americance Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—चण्ड ३—चण-चण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मन्त्राजय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्राक्षयों द्वारा जारी किये गये सांविधिक आवेश और अधिसूचनाएं Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

> गृह मंत्रालय नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1985

भग श्रा. 3323—केन्द्रीय सरकार, ग्रासंकवादी क्षेत्र (विशेष न्यायालय) श्रिधिनियम, 1984 (1984 का 61) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए, इससे संलग्न ग्रनुस्ची के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को उनके नामों के सामने उक्त ग्रनुस्ची के स्तम्भ (3) में तत्संबंधी प्रविष्टि में विशेष न्यायालयों में अपर लोक ग्रभियोजक नियुक्त करती हैं:—

श्रनुषुची

जिला सहायक घटर्नी—1 (संगरूर) ग्रभियोजन एजेन्सी, संगरूर। 2. श्री विकम लुम्बा, जालन्धर जुडिशियल जो जिला सहायक घटर्नी—1 (गुरदासपुर) ग्रभियोजन एजेन्सी,	ν η.	सं. व्यक्तिकानाम	विशेष न्यायालय का नाम
जिला सहायक भ्रटर्नी—1 (गुरदासपुर) म्रभियोजन एजेन्सी,		जिला सहायक घटनीं-1 ग्रभियोजन एजेन्सी,	पटियाला जुडिशियल जोन (संगरूर)
गुरदासपुर	2.	जिला सहायक ग्रटर्नी -1	जालन्धर जुडिगियल जोन (गुरदासपुर)

[सं. 3/5/84-लीगल सैल] एन. पी. नवानी, संयक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 11th July, 1985

S.O.3323.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 9 of the Terrorist Affected Areas (Special Courts) Act, 1984 (61 of 1984), the Central Government hereby appoints the persons named in column (2) of the Schedule annexed hereto to be Additional Public Prosecutors for the Special Courts specified against their names in the corresponding entry in Column (3) thereof:—

SCHEDULE

S. No. Name of the person Name of the Specicial Court

1. Shri Kaur Chand, Patiala Judicial Assistant District Attorney-I Zone (Sangrur) Prosecuting Agency, Sangrur.

2. Shri Vikram Loomba, Jalandhar Judicial Asstt. District Attorney-I Zone (Gurdaspur) Prosecuting Agency, Gurdaspur.

[No. 3/5/84-Legal Cell] N.P. NAWANI, Jt. Secy. कार्मिक और प्रशिक्षण, प्रशासनिक मुधार और लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(पेंशन और पेंशन भोगी कल्याण विभाग) नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1985

का० ग्रा० 3324---राष्ट्रपति, संविधान के ग्रानुच्छेद 148 के खंड (5) के साथ पठित ग्रानुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग की सेवा में कर रहे व्यक्तियों के संबंध में नियंत्रक महालेखा परीक्षक से परामर्ण करने के पण्चात्, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंगन) नियम, 1972 का और संगोधन करने के लिए निम्न-लिखित नियम बनाते हैं, ग्राथां :---

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) (संशोधन) नियम, 1985 है।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्न होंगे।
 - 2. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 में,
- (1) नियम 48 के उपनियम (1) में निम्नलिखित और परन्तुक अंतःस्यापित किया जाएगा, प्रयात् :--

परन्तु यह और भी कि इस उपनियम के खंड (क) के उपबंध किसी ऐसे सरकारी सेवक, जिसके अंतर्गत वैज्ञानिक या तकनीकी विशेषज्ञ भी हैं, को जो :--

- (i) विदेश मंत्रालय के भारत तकनीकी और म्राधिक सहयोग (म्राई. टी.ई.सी.) कार्यक्रम तथा भ्रन्य सहायक कार्यक्रमों के मधीन नियोजन पर है,
- ् (ii) मंत्रालयों/विभागों के विदेश स्थित कार्यालयों में तैनात हैं.
- (iii) किसी विदेशी सरकार के किसी विनिर्दिष्ट संविदा नियोजन पर है,

तब तक लागू नहीं होंगें जब तक कि भारत में स्थानांतरण हो जाने के पण्चात् उसने भारत में पद का कार्यभार न संभाल लिया हो और कम से कम एक वर्ष की प्रविध तक सेवा न कर ली हो ।

- (2) नियम 48-क के उपनियम (1) में निम्नलिखित परन्तुक श्रन्तःस्थापित किया जाएगा श्रर्थात :——
 परन्तु यह भी कि यह उपनियम ऐसे किसी सरकारी सेवा जिसके अंतर्गत वैज्ञानिक या तकनीकी विशेषक भी है को
- (i) विदेश मंत्रालय के भारत तकनीकी और प्राधिक महयोग (ग्राई. टी. ई. सी.) कार्यंकम तथा श्रन्य सहायक कार्यक्रमों के श्रधीन नियोजन पर है,
- (ii) मंद्रालयों/निभागों के विदेश स्थित कार्यालयों में तैनात हैं ,

(iii) किसी विदेशी सरकार के किसी विनिर्दिष्ट संविदा नियोजन पर है, तब तक लागू नहीं होंगे जब तक कि भारत में स्थानांतरण हो जाने के पश्चात् उसने भारत में पद का कार्यभार नसंभाल लिया हो और कम से कम एक वर्ष की भ्रविध तक सेवा न कर ली हो।

टिप्पण:— केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 का. आ. 934, तारीख 1-4-72 के रूप में प्रकाणित किए गए थे। इन नियमों का तीसरा संस्करण (दिसंबर 1981 तक संशोधित) 1982 में मुद्रित किया गया था। तत्पण्चात्, कार्मिक और प्रशासनिक मुधार विभाग की श्रिधसूचना सं. 32/4/83-पेंशन यूनिट, तारीख 26-8-1983 (दा.आ. आ. सं. 3477, तारीख 10/9/83) और श्रिधसूचना सं. 29/4/83 पेंशन यूनिट तारीख 15/11/84 (दा.श्रा.सं. 4041, तारीख 1-12-84 और श्रिधसूचना सं. 7/3/84– पेंशन यूनिट, तारीख 17/11/84, (दा.श्रा.सं. 4218, तारीख 8-12-84 द्वारा संशोधित किया गया ।

[संख्या 38/15/85---पेंशन यूनिट] एन.एस.शंकरन, श्रवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMN. REFORMS AND PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(Department of Pension and Pensioners' Welfare)

New Delhi, the 1st July, 1985

- S.O. 3324.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309, read with clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptioller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Central Civil Scrvices (Pension) (Amendment) Rules, 1985.
- (2) They shalf come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972—
 (i) In sub-rule (1) of rule 48, the following further proviso shall be inserted, namely:—

"Provided further that the provisions of clause (a) of this sub-rule shall not apply to a government servant, including scientist or technical expert who is—

- on assignments under the India Technical and Economic Cooperation (ITEC) Programme of the Ministry of External Affairs and other aid programmes,
- (ii) posted abroad in foreign based offices of the Ministries Departments,
- (iii) on a specific contract assignment to a foreign government,

unless, after having been transferred to India he has resumed the charge of the post in India and served for a period of not less than one year.

- (2) In sub-rule (1) of rule 48-A, the following proviso shall be inserted, namely :---
 - "Provided that this sub-rule shall not apply to a government servant, including scientist or technical expert who is—
 - (i) on assignments under the India Technical and Economic Cooperation (ITEC) Programme of the Ministry of External Affairs and other aid programmes,
 - (ii) posted abroad in foreign based offices of the Ministries/Departments,
 - (iii) on a specific contract assignment to a foreign government,

unless, after having been transferred to India, he has resumed the charge of the post in India and served for a period of not less than one year.

Note:—The Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 were published as S.O. 934 dated 1-4-1972. The Third Edition (corrected upto December, 1981) of the fules was printed in 1982. Subsequently amended by Department of Personnel and A.R. Notification No. 32/4/83-Pension Unit, dated 26-8-1983 (S.O. No. 3477, dt. 10-9-83) and Notification No. 29/4/83-Pension Unit, dated 15-11-84 (S.O. No. 4041 dated 1-12-1984) and Notification No. 7/3/84Pension Unit dated 17-11-1984 (S.O. No. 4218 dated 8-12-84).

[No. 38/15/85-Pension Unit] N. S. SANKARAN, Under Secy.

(कार्मिक और प्रणिक्षण विभाग) नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1985

का. आ. 3325:—-राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक, और अनुच्छेद 148 के खंड (5) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में सेवा कर रहे व्यक्तियों के संबंध में नियंत्रक महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पण्चात् मूल नियमों का और संणोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाते हैं, अर्थान्:

- 1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मूल (पहला संशोधन) नियम, 1985 हैं ।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाणन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. मूल नियमों के नियम 56 में, खंड (ट) (1) के परन्तुक (क) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक (ख) के रूप में अतःस्थापित किया जाएगा तथा विद्यमान परन्तुक (ख) को परन्तुक (ग) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा, श्रथित् :——
 - "(ख) इस खंड की कोई बात, किसी ऐसे सरकारी सेवक, जिसके अंतर्गत वैज्ञानिक या तकने की विशेषज्ञ भी है, को जो (i) विदेश मंत्रालय के भारत तकनी की और श्राधिक सहयोग (साई.टी.ई सी.) कार्यक्रम और अन्य सहायक कार्यक्रमों के श्रधीन नियोजन पर है; (ii) किसी मंत्रालय/विभाग के विदेश स्थित कार्यालय में तैनात है, और (iii) किसी विदेशी मरकार के विनिर्दिष्ट मंविदा नियोजन पर जाता है, तब तक लागू नहीं होगी जब तक

कि भारत में स्थानांतरण हो जाने के पण्चात् उसने भारत में पद का कार्यभार न संभाल लिया हो और कम से कम एक वर्षकी प्रविध तक सेवान करली हो।"

> [सं० 25013/25/83-स्था०(क)] ए. जयरामन, निदेशक

(Deptt. of Personnel & Training)

- S.O. 3325.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in regard to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Fundamental Rules, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Fundamental (1st Amendment) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazettc.
- 2. In Rule 56 of the Fundamental Rules, after proviso (a) to clause (k) (1), the following shall be inserted as proviso (b) and the existing proviso (b) shall be re-numbered as proviso (c) namely:—
 - "(b) nothing in the clause shall also apply to a government servant, including scientist or technical expert who (i) is on assignment under the India Technical and Economic Co-operation (I.T.E.C) Programme of the Ministry of External Affairs and other Aid programmes, (ii) is posted abroad in a foreign based office of a Ministry/Department and, (iii) goes on a specific contract assignment to a foreign government unless, after having been transferred to India, he has resumed the charge of the post in India and served for a period of not less than one year."

[No. 25013/25/83-Estt.(A)] A. JAYARAMAN, Director

विन मंत्रालय

राजस्य विभाग

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1985

म्रा देश

स्टाम्प

का. श्रा. 3326. — भारतीय स्टाम्प ग्रिधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स टांटा कैमिकत्स लिमिटेड, बम्बई को मान्न तरह लाख बारह हजार पांच मौ रुपये की समेक्तित स्टाम्प मुल्क ग्रदा करने की श्रनुमित देती है जो उक्त कंपनी द्वारा सन्न ह करोड़ पच्चाम लाख रुपए के अंकित मूह्य में ऋण पन्नों के रूप में जारी किए जाने वाले 3500001 से 52,50,000 मंद्र्या वाले बंधपन्नों पर स्टाम्प मुल्क के कारण प्रभार्य है।

[सं. 27/85-स्टाम्प/फा.सं. 33/22/85-वि. क.] भगवान दास, भ्रवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 2nd July, 1985.

ORDER

STAMPS

S.O. 3326.—In exercise of the powers coneferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the India Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits M/s. Tata Chemical's Limited, Bombay, to pay consolidated stamp duty of rupees thirteen lakhs, twelve thousand and five hundred only, chargeable on account of the stamp duty on bonds bearing Sl. Nos. 3500001 to 52,50,000 in the form of debentures of the face value of rupees seventeen crores and fifty lakhs to be issued by the said company.

[No. 2785-Stamps/F. No. 33/22/85-ST] BHAGWAN DAS, Under Secy.

नई विरुली, 26 जून, 1985

का० अा० 3327.— प्रादेशिक प्रामीण मैंक प्रिधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपघारा 2 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री एस. प्रार. विश्वकर्मा की, जिनकी उक्त प्रिधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के अंतर्गत हरदोई-उन्नाव बैंक, हरदोई के श्रध्यक्ष के रूप में इससे पहले की गई 3 वर्ष की नियुक्ति की श्रवधि 31 मार्च, 1985 को समाप्त हो गई थी, दिनांक पहली प्रप्रैल 1985 को शुरू होने वाली और 17 भ्रप्रैल, 1985 को समाप्त होने वाली श्रवधि उसी पद पर पुनः नियुक्त करती है।

[सं 2-6/85-बारअर वी]

New Delhi, the 26th June, 1985

S.O. 3327.—In exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government reappoints Shrips S.R. Vishwakarma as the Chairman of Hardoi-Unnao Gramin Bank, Hardoi whose earlier tenure of three years appointment under sub-section (1) of section 11 had expired on 31-3-1985 for a period commencing from 1-4-85 and ending with 17-4-85.

[No. F. 2-6/85-RRB]

नई दिल्ली, 27 जून, 1985

का॰ अा॰ 3328.—प्रादेशिक प्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) को धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रवस्त प्राक्षियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री आर. एन. चतुर्वेदी को, जिन्की प्रारा 11 की उपधारा (1) के अंतर्गत इससे पहले 3 वर्षे के लिए नियुक्ति की अवधि 31-3-85 को समाप्त हो गई थी, दिनांक पहलो अप्रैल, 1985 को सुरू होने वाली और 31 मार्च, 1986 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए देवास शाजापुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, देवास के अध्यक्ष के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[एफ 2-4/85-आरमार बी] चा. वा. मीरचन्दानी, निदेशक New Delhi, the 27th June, 1985

S.O. 3328.—In exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government reappoints Shri R. N. Chaturvedi as the Chairman of Dewas Shajapur Kshetriya Gramin Bank, Dewas whose earlier tenure of three years appointment under sub-section (1) of Section 11 had expired on 31-3-85 for a period commencing from 1-4-85 and ending with 31-3-86.

[No. F. 2-4/85-RRB] C. W. MIRCHANDANI, Director

नई दिल्ली, 3 जलाई, 1985

का. आ. 3329-—वैंक कारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रवस्त मिनतयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिम्नारिश पर एतद्द्वारा यह घोषणा करती है कि उकत अधिनियम को धारा 19 की उपधारा (2) के उपबंध वैंक ऑफ़ इंडिया पर, गिरवोग्राहों के रूप में 28 मई, 1986 तक की अविध के वास्ते मैंसर्त करण एन्टरप्राइजेज प्राईवेंट लिमिटेड को प्रवस्त भेयर पूंजी की 30 प्रतिभत से अतिरिक्त की भेयरधारिता के संदर्भ में लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15/11/84-वी. ओ. -[[[] एम. के. एम. कृट्टि, अवर साचिव

New Delhi, the 3rd July, 1985

S.O. 3329.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of subsection (2) of Section 19 of the said Act shall not apply to Bank of India for a period upto the 28th May, 1986 in respect of its holding of shares in excess of 30 per cent of the paidup share capital of M/s. Karan Enterprises Pvt. Ltd. as pleadgee.

[No. 15/11/84-B.O.III] M.K.M. KUTTY, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1985

का. अ। 3330.—भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 6 की उप-धारा (1) के खंड (ग) के उप खण्ड (iv) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा श्री डी. एन. घोष, अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक, बम्बई को भारतीय औद्योगिक विकास बैंक का निदेशक मनौनीत करती है।

[सं. एफ. 7/8/85-बो. औ. माई(1)] एस. एस. हस्रकर, निदेशक

New Delhi, the 4th July, 1985

S.O. 3330.—In pursuance of sub-clause (iv) of clause (c) of sub-section (1) of section 6 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby nominates Shri D. N. Ghosh, Chairman,

State Bank of India, Bombay as the Director of the Industrial Development Bank of India.

[No. F. 7/8/85-BO.I(1)] S.S. HASURKAR, Director

(बीमा विभाग) -

मई दिल्लो, 2 जुलाई, 1985

का. आ. 3331:—जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 4 द्वारा प्रदरत गिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्रो एस. वो. मारायणन को निगम में प्रबन्ध निदेशक के पद का कार्यभार ग्रहण करने को तारीख से 2 वर्ष के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम में सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[फाईल सं. 108/1/85 इंग्योरेंश-JV] एन. दास, अवर सःचिय

(Insurance Division) New Delhi, the 2nd July, 1985

S.O. 3331.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Life Insurance Corporation Act, 1956, (31 of 1956), the Central Government hereby appoints Shri S. V. Narayanan as Member of the Board of Life Insurance Corporation of India from the day he takes over as Managing Director of the Corporation for a period of 2 years.

[File No. 108/1/85-Ins.IV] N. DAS, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

आवेश

नई दिल्ली, 20 जून, 1985

का. आ. 3332.--- मुख्क मछलों को निर्यात से पूर्व क्वालिटो निर्यत्रण और निरोक्षण के अधीन रखने के लिए कितप्य प्रस्ताव निर्यत (क्वालिटो निर्यत्रण और निरोक्षणों नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत के राजपत्र भाग-II खंड-3, उपखंड-(ii) तारीख 5 जनवरी, 1985 में भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आवेग संख्या का. आ. 25, तारीख 20 दिसम्बर, 1985 के अधीन प्रकाणित किए गए थे, जिसमें उन सभा व्यक्तियों से, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, राजपक्ष में इस आदेश के प्रकाशित होने की तारीख से पैतालीस दिन के भीतर आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे;

और उक्त राजपत्न की प्रतियां जनता को 11-1-85 को उपलब्ध करा दी गयी थी;

और केन्द्रोय सरकार ने उक्त प्रारुप प्रस्ताव के संबंध में जनता से प्रान्त अक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है; अतः अब, केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्यालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश मं. का. आ. 2137 तारोख 5 जूम, 1970 की उन बातों के सिनाय अधिकान्त करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने से लोग किया गया है, निर्यात निरोक्षण परिषद से परामणं करने के पश्चात्, यह राय होने पर कि भारत के निर्यात ज्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है, ——

- (1) यह अधिसूचित करतो है कि णुष्क मळलो निर्मात से पूर्व क्वालिटो नियंत्रण और निरोक्षण के अधीन होंगी;
- (2) ऐसी पुष्क मळला के लिए इस अदिश के उपाबंध में दिए गए जितिर्देशों की नामक विभिर्देशों के रूप में मान्यता देती है।
- (3) यह विनिदिष्ट करतो है कि शुष्क मछलो नियात (क्वालिटो नियंत्रण और निरोक्षण) नियम, 1985 में दिया गया निरोक्षण का प्रकार निरोक्षण का वह प्रकार होगा जो नियति से पूर्व ऐसी शुष्क मछलो को लागू होगा; और
- (4) शुष्क मछलो के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान निर्यात को तब तक प्रतिविबद्ध करती है अब तक कि उसके साथ उकत अधिनियम की धारा 7 के अधीन, मुम्बई कलकरता, कोचीन, दिल्लो और मद्रास में स्थापित निर्यात निरोक्षण आंभकरणों में से किमी एक द्वारा जारी किया इस आंगय का प्रमाण-पन्न न हो कि उक्त सूखी मछलो उप-पैरा (2) के अधीन मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है और निर्यात योग्य है।
- (2) इस आदेश को कोई भी बात भावी क्रेताओं के लिए अल-मार्ग, भूमि-मार्ग या वायु-मार्ग हारा शुष्क मछलीं के नमूनों के रूप में निर्यात को लागू नहीं होगो, परन्तु यह तब जब कि प्रत्येक ऐसा नमूना भार में दो किलोग्राम से अधिक न हो।
- (3) इस आदेश के प्रयोजन के लिए "गुष्क मछली" से गुष्क मछलो को निम्नलिखित किस्मों में व्यापार से कोई एक अभिन्नेत हैं, अर्थात :---

क्रम सं. किस्म	वैज्ञातिक भाम (जाति)
1 3	3
1. सियर	स, इवियम
2. एंगाइला	साइबियम
3. बलाया (टुना)	थ ।ईन्न स
4. परावा	क ारानक्स
5. काट्टा	चोरीनेमज
 को बुका (ज्यू मस 	ज्लो धोल) सियामा, स्युष्ठो सियामा
(मछली)	

1 2	3	1 2	3
7. लंबाया	—— —— से रा नस	26. व्लाईकील्डम	 चिरोसेट्स
9. स्प्रैटस एनचं <i>।</i> विस	स्टोलफ़ोरस एनचो(बला	27. थालापंथ	मिसक्रियोफ़ोरस
9. वालाईनेथोल: 10. कूने (जावल:) 11. णैल रहित सागे	स्टोलफोरस पोल्पस (छोटा) पोल्पअस, मैटापीनिअस पैराबिना ओपसिस	28. मगराचैरी कारचारीनस (खाल और हड्डी के बिना कार्क स्ट्राइप्स)	कारचारीनस विशेष इल-कोटे विशेष
 मौल रहित झोंगे (कड़ा) मार्क 	पीनियस, मैटापीनियस पैरापिना ओपसिस क.रचारितम, स्मिर्टना, प्रिसटिस पैलकुंडा	29. मूथिरुला 30. पुलुन्नों (लेपियः) 31. नमक गुक्त और गुष्क थोने- दया	दलकाट ।वशय लैक्टेरेरनस विशेष दुस्सुमेरिया विशेष
14. महुषा (रे मछनी)	ट्राईगप, माईलियोबाटाईडे, राईनकोबाटस रिनाबट्स	32. बोलान 33. कोलो (नम [्] रहिंद)	डोकैपटैरस विशेष एक्सोक ट्सं
15. ऐंगुलुका (कैट मळली)16. ऐंगुलुका (त्तोकोरोन)17. हरुला	ऐंदिअस ऐंदिअस स इंक्लिल्ला सर्म	34. कोली (नमक गुक्त) 35. सालाया (मालाबार का नैकी सरडाइन)	एक्सोकाट्स सः रॉडनल्ला लोगीसेप्स
18. सूड्या 19. मोरोल्लो 20. बैनगपदा	सार्डनिल्लः गिब्बोसः हमिरहम्फस पिल्लोना	36. सःलाया	सः रिडनेल्ला गिब्बोसः सः रडीनेल्ला फिबेट सारडीनेल्ला अलयेल्ला कोलो विशेष ।
21. पेरावा छोटा 22. कुम्बालवा (मैक्सल) 23. थोनदया भुष्क 24. चोव्याकीलम	कारानक्स राष्ट्रेलिंगर का नागुर्ता दुर्मुमिरिया लिथरीनस् एपरिओन, लूटियानस्, गेटीरिया और प्रिस्टोपोना	37. गुष्क मुम्बई डक 38. लेमिनेटेड मुम्बई डक 39. एंगुलुबा छोटा (ड्बर) 40. सिल्बर बैल्ली (मुल्लेन) 41. मोल भछली (मेथल)	हारपोडेन नेहरिअस हारपोडेन नेहरिअस एरिअस लियोनेयस विशेष साईनोलोसम विशेष
25. जीला	आर प्रस्टापाना स्फिरेना	41. माल मछला (मयल <i>)</i> 42. रिब्बन मछली	साइनालासम् ।वशप टिचिरस विशेष

उपाबंध 2

सूखं. मछलं। के लिए विनिर्देश

सामान्य :- -- रख मप्टल स्वाग्ध्यप्रद होगी। विसं गर्त-संसाधित मछल या ऐसं मछल, जिससे पानं निकलता हो (पचपव, म्रन्य-शुल्क, मर्द्ध-शुल्क स्वय-शुल्क) या ओ सूर्ख (रोगजीवाणु वाली) या फर्मूब से ग्रस्त (फर्मूब। ग्रस्त) है या कटों द्वारा खाई हुई या कट ग्रस्त मछल यापिरकृत मछल अनुजात नहीं की जाएगी।

ऋमसं. किस्म		वैज्ञनिक नाम (जानि)			ते क्वालिट। का स्तर			सान्ध पदार्थ	भ्रन्य वि	टेपण
				धाकार	रू प	गंध ,	शृदक भवस्या			
1	2	3	4	5	6	7	8	9		10
1.	सियर	माड नियम	केवल कीलम के रूप में नमक में संसाधित मालावार तट के सियर मछलं को दशा में यह सिर सित्त या रहित अथवा खंड- खंड रूप में हो सकेगं। टुकड़ों में कटा हो सकेगं।	37.5 मेम. श्रौर उससे ग्रधिका	ग्रन्छं नरहसे णुटक ग्रम्छं सियर मछन। कं विभिष्टिता ।	, यासङ्गला मछलीबालः	प्र तिसत से	कोई नहीं ।	द क	का मौस होगा भौ ों में नहीं

2	Q	5
٠.,	o	v

[भाग II खंड 3 (i	ii)]	भारतका —	राजवश जुल	ा ± 20, 1985/काषा 	\$ 29. 1907 		- 	
1 2	3	4	5	6	7	8	9	10
2. ऍगाइला	 साइवियम	केवल क लम के रूप में नमक से संसाधित वह भिर सहित या रहित प्रणवा खंडखड भें हो सकेगी टुकड़ों में कटा हो सकेगा	37.5 सं. मंः. से कम	रंग भूरा होगा या धच्छ तरह से शृष्क धच्छ सियर सछला की विशिष्टता	संड भनः प्र	—: प्रार्द्वता ४६ तिशवसे (धिक नहीं	काई नही	
চ बलाया (टूना)	षाद्रन्तस्	क लम के रूप में नमक में संसाधित	थिर स डिस	टंब में गाउ। 🦿	बित्कृल ताजः अ संसाधित गंध कोई भः सङ्गल गध नहीं होगं।		कोई गर्दी	
4. परीवा	मतराक्तंस	कलम के रूप में नमक से ससःधित	, 	रंग भूरा	बिस्कुल ताजः संसाधित गंध कोईभ सड़ गल गंध नहीं होगः।	म्राद्वेता ३५ प्रतिगत मे म्राधिक नहीं	काई नहीं	**
5 काट्टा	घोर नेमज	क लम के रूप में तमक से संसाधित	सिरं सहित या रहित	रग भरा	बिल्कुल ताज। संसाधित गंध कोई भः सडः। गलः गंध नही हो गः।	प्रतिशय स	कोई नहीं ।	
6. कोडुझा (न्यू सफल जोल सफल)	सिथाना स्यूडो सियाना	- कलम केरूप में नमकसे संमाधित	सिर सहित या रहित	भूग रंग	बित्कुल ताजे। ध संसाधित गंध कोई भ सड़ गलः गंध नहीं होगे ।	प्रतिशत से	को ई नहीं	~~
7. लावाया	सेरानस	कलम के रूप में नमक से संसाधित .	सिर महिन या रहिन	भूरा रंग	क्षित्रकुत ताजं। श्र संसाधित गंध कोई भंसड़ो यक्षा गंध नहीं होगें।	प्रतिशत से	कोई नहीं	- -
s स्पैट्लेस ए चा व	स्टोलेफोरस एंचोबिल्ला	नंमक युक्त या नमक रहित	मिर महित	गकेद या संद रंग या का ताप व निष् हुए २भ	स्मास्थ्यम्बर भागान्यस्थानस्थानस्थानस्थानस्थानस्थानस्थानस्थान	न म ह एदित कि इन के लिए आईना 18 प्रतिशत में श्रीधक नहीं और नमक युक्त किस्म के लिए 25 प्रतिशत	स्रोटस या किन अन्य किस्म के टुटे टुकडे या छोड़ा अळला के अन्य किस्म का मिश्रण 6 प्रतिशत मे श्रधिक नहीं होगा।	भुन ^{्दे} त का भ्रंण भारसे 7 प्रति- णत से ग्राधिक नहीं होगा !
हैं 9 *वालाइनेथा ल	इटोलफोरस ऍचोविस्ला	नमक युक्त या नमक रहित	सिर रहित पूर्णतया शत्कों से श्रावृत्त	सफेद या मंद रंग कालापन लिए हर रंग		नमक रहित किरम के लिए प्राईता 18 प्रतिशत से प्रनिधक भीर नमक युक्त किस्म के लिए 25 प्रतिशत	किस। सळलो त के दृढे दुकड़े त या छोटा किस्तों अस्य क मळत क सिक्षण 6%	

1 2		3	4	5	6	7_	8	9	10
 10. *मृुमे (ज	ावला)		गुष्क हो ब्यौर नमक से संसाधित न हो।		सकेद या मंद रंग या कालापन लिए हुए रंग		मार्जेना 25 प्रतिभान से प्रथिक नहीं।	कोई नहीं	
			भंग 14.5 प्रतिगत तक र गए, परन्तु यह तब जब कि						जातियों के स्रति
	` f		उबले हुए बिना उबले हुए सुष्क मोर बिना गुल्क के	साबुन झींगे ' भ्रन्य जातियों के झींगे भार 10 से अधिक महीं होंगे।	काले घब्चे से मुक्त विजिष्टि रंग	ताजे न कि ताखे	(i) जब प्रश तित कक्षों में पोत लदान किया जाए तो झाईता 30% से श्रिधिक नहीं। (ii) जब भ्रत्यथा पोत सर्थान किया जाए तो 2:	भार में 15% से अधिक नह होंगे टूटे हुए दुकड़ों की	ो प्रधिक नहीं 4 प्रतिगत तक प्रम्म प्रश्नुलनगाल भस्म प्रमुजात है यदि केता उसके लिए सहमत हो।
12. ^{कं} माल्क सा क्षीमें (कड़) #		उबले हुए बिना उबले हुए, गरूक सहित भुष्क	-	काले धब्ब से मु क् त विशिष्टि रंग	ता ज न कि त खे	भाईता 25% से भधिक नहीं	खराब टुकड़े धार में 5 % से प्रधिक नहीं। होंगे।	भस्म प्रश्नुलनक्षील भम्ल 5% भक्षिक नहीं।
			 धेक हैं तो परेषण को साबुः नहीं होंगे तब विनिर्देश कैर						
 13. ^क शार्क	f	 हारनारिनस रिफरना प्रेमटिस गौलियोरदा	सिर सहित/रहिन भीर रीब क हहू। कतले के रूप में या नमक से संसाधित *कोलम के रूप में	टुक है पुच्छ य के साथ धारित या कतलों के रूप में हो सकते हैं		गार्क को विशिष्ट रे गंध्र (हल्को सो तम्बो)	श्राद्वीता 35% से श्रधिक नहीं	कोई नहीं	
14. म हुवा (रे मछल)	f	•	कतलों या कोलमों के रूप में नमक में संसाधित	टुकड़े मुच्छ।य के साथ धारित या कतलों के रूप में हो सक्षते हैं।	<u></u>	महुवाकः विशिष्टगं (हल्कासो तखा)		% कोई न हों हों	
15. एंगुलुबा (म छ ल)	(कैंट ।	ऐरिश्रस	लम्बाई में कटे हुए आंते निकालः हुई भीर खंड- खंड मछले. या कं लम नमक युक्त भीर शुष्क	सिरमहिन <i>या</i> रहित 30 में. मं _ं . से प्रधिक		संमाधित मछलः को ताजः गंध	्रिपाईता 35 प्रतिशत से प्रधिक नहीं	कोई नहीं ृ	
16. एंगुलुबा (⁹ कोर न)	सृत ए	`रिधस	लम्बाई में कटे हुए आंते और निकाला हुई भीर खंड-खंड मछल या कं लम नमक युक्त भीर शुष्क	सिर महित य रहित 20 सें. म . से प्रसिक्त		संसाधित मछल⊹कः ताज, गंध	भाईता 35 प्रतिशत से भधिक नहीं होगः	कोई नहीं	

1	2	3	4	5	6	.7	8	9	10
7. ş	टुसल् म ा	माडिनेल्ला सर्भ	गोलामतर स्प में नम क से संसा धित		भूरा या सफेद	ताजो संसा- धित मछली का गंध कोई अन्य अमोतियाई या अस्विकर गंध नही होगी।	সং হিনা 30 সংশিদন	कोई तहीं	मांन दृष होगा स्रौर नेगों में नहीं होगा ।
8. 7	मुङ्या	सा र्डि नेल्ला गि म्मो सा	गोलाकार रूप में नमक से मंगाधित	- 	भूराया मफेद	ताजः समा- धित मछणा का गंध कोई अन्य श्रमो- नियाई या श्रक्षकर गंध नहीं होगः।	भ्रार्द्वमा 30 प्रतिशत में श्रिष्ठिक नही	ग्रन्थ	मांस वृद्ध होगा श्रीर रेगों में नही होगा ।
19. 1	मोंग्ल्लो	हमि रहम्फस	गोलाकार रूप में नमक युक्त क्रीन शुब्क	~ -	भूरायासफेव	ताजा मंसा- धिन मछला का गंध काई प्रत्य अमो- नियाई या अरुचिकर गंध नहीं होगी।	प्रार्द्वता 30 प्रतिषत से धिधक	कोई नही	मांस दृढ होगा भौर रेशों में नहीं होगा।
20-	वे नगतवा	चिल्लोन ।	गोलाकार च्व में नमक के संभाधित और अच्छी तरह से मुखाई हुई।		मफ़ेब से पीला	ताजी संसा- धिन मछली की गंध कोई अन्य अमी- नियाई मा अदिचकर गंध नहीं होग	आर्थ्वना ३०% से अधिक नहीं	कोई नहीं ः	मांस दृढ़ होगा और रेशों में नहीं होगा।
31.	पराचा क्वोटा	कः। रा न क्ष	गोलाका र ख्य में नमक से संसाधित और अच्छी तरह से सु चार्दै हुई ।	_	सफेद से हरूका भू र		आर्थता 30% . से		मांसदृढ़ ह्योग। और रेशों में नहीं होगा।
22.	कुम बास श (मैकरल)	राष्ट्रेलिगर कावागुर्ता	आंतों और गलफड़ों को निकास दिया जाएगा नमक से संसाधित और शुब्क	· -	⊶ सफेबसे हल्का पीलायाहल्काभृव	नाजी	आर्देता 30 प्रतियत के अधिक नहीं (यदि केता सहमत हो। आर्देता 35 प्रतियत तक अनुसात)	कोई नक्षी सो	नमक की पपड़ी लगाने के सिवाय अधिक से अधिक 4 प्रतिशत खुला नमक किंतु टेयर जोड़ने की ब्ययस्वा सहित ।
23.	घोनवया शुरुक	षुसुमि(रम ा	गोलाकार रूप में गुक्त तय ा भमका युक्त नं मक रहि त	•	मक्रलीकाप्राकृ- तिकरंगिकितुर्फाका चमकीलानद्वी	हरूकी ती की गंध किंतु तार्ज मुक्त गंध अञ्चला कोई सड़ी गसी गंध न हीं हो	अर्जित(20) प्रतिशत से. अधिक नश्ची	स्प्रेट्स के टूटे हुए या छोटी मछली के अन्य किर का मिश्रम 5 प्रतिशत अधिक नक्षी होगा।	की हुई रेत टेंबर । बनाणगी। क्षों से

10	9	8	7	6	5	4	3	2	_ 1
~-	कोर्ड नहीं	आर्द्रता 35 प्रतिशत मे अधिक नहीं	ा प्र.जी मंमा- धिन गंध कॉर्ड दुर्गध नहीं होंगी।	 झन्कापीलासेग.का मृरा		कीलम के रूप में नमक से मंसाधित और शृष्क सिर महित या रहित हो सकती है।	नियरीन्स एपित्रओन लुहियानस गेटिरिना और प्रिस्टीपोम	ची⊲ाकीलम	24.
कींलम लंबाई वे कटे हुए खंड-खंड और आंतें निकाल हुई मछली के अधिमान्यता दी जाएगी	कोई नहीं	आईना 35 प्रतिभान से अधिक नहीं होगी	नाजी संसा- धित गंध, कोई दुर्गंध नहीं होगीं।	रंग मे गाढ़ा		खाड-खंड याकीलम	ॉक्फि रेम ।	र्ज ला	25
	कोई नहीं	आर्द्रमा 35 प्रमिशत से अधिक नाहीं	त.जी	मफेद मा गंद भूरा		मछर्षि से अति निकाली हुई । टुकड़ों में कटी हुई । समक से संसाधित तथा शृष्क	चिरोसेंट्रस	वलाईकडम	26
	कोई नही	अधिता 35 प्रतिमत से अधिक नहीं	ैं। जीं	सफेद या भू रा	यथास्थिति साबुस मछली के रूप में या ट्कडों के रूप में।	कर्ट हुई रूप में या कीलम या स्ट्राइप कलनों के रूप में (सिर मित या सिर रिष्ट्रत (हो गकर्न) है। (साबुत रूप में मछली या ट्कड़ों में यदि मछली बहुत बहु आकार की है, मंसाधित।	मिश्रपियोफ्री- षस	घात्नाप।थ	27.
	कॉर्डनहीं	आर्द्रेसः ३५ प्रतिगत मे अधिक नहीं				ष्टई. याखाल या पंख के _{बि} ना शार्क मछली के कटे छटें टुकड़े और नमक से संभाधित तथा गुष्क		मगराचेरः (खाल और हड्ड) के बिना शार्क स्ट्राइप्स)	28.
	कोई नाष्ट्री	आर्हतः 35 प्रतिणत्से से अधिक नहीं	विक्रम और मड़ी-गली मछली की गंध नहीं होगी	भूग		नमक से सैसाधित औरश्वड- स्रांड में शुष्क या शिर महित या रक्षित कीलम केल्प मे	विष्णेष	मूधिल्ला इला- काटे	29.
 -	ત	आर्द्रना भ _ा र में 35 प्रतिश से अधिक नर्ह्	विकृत या मड़ी-गर्ला मछ्ली की गंध न हीं होगी ।			नमक से संसाधित और आंनो सहित या रहित गोलाकार रूप में शुष्क खंड-खंड रूप में भी संसाधित की जा सकेगी।	लेक्टेरिअम (वणेष	पुनुल्लों (ले- पिसा)	3 0.
	कोई न हीं	आईना 30 प्रतिशय से अधिक नहीं।		~ ~		गोल कार च्या में समक से संसःधित और गुष्क	दुम्सू मेरिया विशेष	र्थानदया	31.
पैकिस के समय 4 प्रतिशत तक नमक लगाने की अनुका होशी किस् यह टेयर में जोड़ा आएसा।	त से	गध प्रतिश	विकृतिया सर्ड मळली की नहीं होती	मफेद से हुल्का भूग काला		गोलाकार रूप में नमक से सस्राधित और शुष्क	डिकेपटेरस विशेष	बोसान	32
_	कोई नहीं	आईंगः 25 प्रतिगत से अधिक नाही ।	विकृत या सडो गर्ली मछल। की गध मही होगी।	हिल्क≀ नीलाया काला		नांबुह्न रूप में शूष्क तमक नहीं लगाया अभएगा।	ए स्सोक :ट्स विषो ष	कोली (नमक रहित)	33.
अध्रुलनर्गत्य भस्य भार में 5 प्रतिक गान हो सकती है	कोई न हीं	आर्द्रता ३५ प्रतिगत में अधिकानशिं।	ा विक्रंतया सई।-गल। मछलीको गंध नहीं होगैः।	हल्कानीलासेपील		गोलाकार रूप में नमक से समाधित और ग्रुप्क ।	एक्सोकाट्स विशेष	कोली (नमक युक्स	34.

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
35.	सलाया (मालादार का तैर्वःय सरङ्ग्हन		आंते निकासने के बाद नमक व संसाधित और गृष्क ।	ti –	– हरिताभ से मूरा	विक्रत पा सर्थः-गर्लः सळलः कः। गंध नही होर्ग	प्रतिशत से अधिकानहीं।		पैकिश के लिए प्रयुक्त रखा या मूर्ण के रूप मे नमक भार में 4 प्रतिशत मे अधिक नहीं होगा और टेयर में जोड़ा जाएगा।
36	भलाया	मरख।धनल्या गिड्योगः, मरडाइनल्ला फिस्झिएट, सरडाइनल्ला अलबेला, काली विशेष	गोलाकार रूप में नमक ने सभाधित और <i>णुष्क </i> आते निकाली हुई	-	हरिकाभ से भूग	विकृत या सई/-सर्लः मछन्दः की संध नेहीं होती ।	आर्द्रेतः 3 । प्रसिशत से अधिक नही	कोई नहीं	पीकग क्रूके लिए प्रशुक्त रेता या चूर्ण के रूप में समक भार 4 प्रति शक्त में अधिकानहीं होगा और सह टेयर में जोड़ा जाएगा।
37.	मुष्क मुंबर्ध प्रक	ह् पॉइन नेह- रियम	स्वास्थ्यक्षर दशा में धृष में सुखाई हुई या कृत्रिम शोधक सुखाई हुई	-	-		आर्थ्रन भार इ. में अधिकतम ७३ शिस		(अर्ग्धनः मुमन आधारपर)अम्ल मे अधुलनर्णाल भस्म अधिक से अक्षिक 5 प्रतिशतः।
38.	लेभिनेटेड मुबई : उक्	हौ।र्षोडेन नी- रियम	मिर, पंख और असि की हिटाने के पण्यास गुष्क मुख्यतः की उपयुक्त रूप से काट-छाटकर तथा समान आकार के दुकड़े प्राप्त करने के लिएदाए और बाएं भागी की भाटछाटकर तैयार की	धर्क्व से मृक्षत विक्षाप्ट रंग ।		-	आर्बनः भार वे - ८० प्रतिशत से अधिक नहीं		(आर्ब्रेसा भूक्त आधार पर) अम्स अघुलनगोत्स भस्म अधिक से से अधिक 2.5 प्रतिसन ।
39.	एगुलूबा छोटा (रबर)	ऐरिअय	-	15 सें .मी . से अधिक	सफेद ना यूरा फेका सूरा	संस्⊤धित मछर्ल किं≀ त√र्जाः सध	आर्द्रनः 35 प्रतिणतः से अधिकः नही	कोर्डनहीं	*****
40.	सिल्थर बेल्लो (मुरेन)	नियोग्नेथस विशेष	सिर महित नमक युक्त या नमक रहिन गृ ष्क		रग वमकद)र सफेंद से सफेंद होगा शुष्क मिल्लर येल्ली की विणिष्टित।	स्व'स्थ्पप्रय गुप्क मछर्न' की ग्रंध न कि नेस्बी' ग्रंथ	आंद्रेश तनक यूक्त किस्म के लिए 35 प्रतिगत और तमक रहित्र किस्म के लिए 25 प्रतिगत में अधिक तही	अन्य जिम्भो की मठलियों 5 प्रतिगत से अधिक नहीं ! हैंगीं।	अम्य अघुजनणीय भस्म 2 प्रतिगय से अभिक नहीं होगीः।
41.	सोज मछली व (मैथल)	नः इनोगलासंय विशेष	सिर महित नमक युक्त गा समक रहित शृष्क		विशिष्टित शुष्क सील मछलें का भूरेसे गहराबेगर्न रग	मछली की	ा आहेता नभक युक्त शिल्म के लिए 3.5 प्रतिगत और नम्भ रहित किस्म के लिए 25 प्रतिशत से अधिक नहीं		अम्ल अघुलनशील भस्म भार में 1 5 प्रतिगत से अधिक नहीं होंकी।
42.	रिवन म छ र्ल।	टिभिरम विशेष	सःश्रुत मछलो नमक से संसा- धित औरशुष्कः		विणिष्टितः स जी गुष्क रिथन मछली का सफेद रंग	स्वास्थ्यप्रद गुष्क मछली की गंध न कि दीखी गंध।	आर्द्रना 35 प्रतिगत से	कोई नहीं	अम्ल अघुलनर्गाःल भस्म भार में 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

का.श्रा. 3332 (क); किन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी निर्वक्षण और निरीक्षण) श्रिधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की श्रिधसूचना सं. का.श्रा. 2138 तारीख 5 जून, 1970 को उन बातों के विवाय श्राधिश्रांत करने हुए, जिन्हें ऐसे श्रिधित्रमण से पहले किया गया है या करने से लाप किया गया है, निम्नलिखित नियम बनाती है, श्रथित :—

- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :-- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम णुष्क मछली निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1985 है;
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रयृत्त होंगे।
- 2. परिभाषाएं : इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से ग्रन्थथा ग्रपेक्षित न हो :--
 - (1) "ग्रधि नयम'' से निर्यात (स्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) ग्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) ग्रभिनेत हैं;
 - (2) "ग्रभिकरण" से ग्रधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन मुम्बई, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली और मद्रास में स्थापित ग्रभिकरणों में से कोई एक ग्रभिकरण ग्रभिग्रेत है;
 - (3) "परिषद" से श्रिधिनियम की धारा 3 के ग्रधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण परिषद ग्रभिप्रेत है;
 - (4) "शुष्क मछली" से इन नियमों से उपाबद्ध श्रनुसूची में विनिदिष्ट शुष्क मछली की व्यापारिक किस्मों में से कोई किस्म श्रभिप्रत है।
- 3. निरोक्षण का आधार:— निर्यात के लिए आशियत गुक्त मछली का निरीक्षण यह देखने के उद्देश्य किया जाएगा कि गुष्क मछली अधिनियम को धारा 6 के अधीन केन्द्रीय नरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विनिद्यों के अनुरुप है।
- 4. निरीक्षण की प्रिक्तिया :—— (1) मुष्क मछली का निर्यात करने का इच्छुक निर्यातकर्ता, निर्यात किए जाने के लिए प्रामियत परेषण की विमिटिचयां देते हुए, प्रभिकरण के निकटतम कार्यालय को प्रावेदन देगा ताकि वह ऐसे परेषण को परीक्षा इस दृष्टि से कर सके या करना सके कि पिरेषण नियम 3 के निर्दिष्ट विनिर्देशों के अनुसार है या नहीं,
- (2) उपनियम (1) के श्रधीन प्रत्येक शाबेदन निर्यात-कर्ता के परिसद से परेषण पोत लदान के लिए भेजे जाने की प्रत्याणित तारीख से कम से कम तोन दिन पूर्व कियां जाएगा
- (3) उपानियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर, ग्राभिकरण परिषद द्वारा इस निमित्त जारी किए गए धानुदेशों के ग्रानुसार गुष्क मछली के परेषण का निरीक्षण करेगा और ग्रापन। यह समाधान करेगा कि परेषण अधिनियम की धारा 6 के खंड (ग) के ग्राभीन मान्यता

- प्राप्त या निर्यात संविदा में अनुबद विनिदेशों की अपे-क्षाओं का अनुपालन करता है:
- (4) निर्यातकर्ता ग्राभिकरण को सब ग्रावश्यक सुविधाएं देगा ताकि वह ऐसा निरीक्षण करने में समर्थ हो सके।
- 5. प्रमाणन :— यदि परेपण का निरीक्षण करने के पश्चात् अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि वह प्रधिनियम की धारा 6 के खंड (ग) के प्रधीन मान्यता प्राप्त या निर्यात संविदा में प्रमुबद्ध है, और उसे इन नियमों के अनुसार पैक और चिन्हित किया गया है तो वह निरीक्षण तारीख से तीन दिन के भीतर यह घोषणा करते हुए एक प्रमाण-पन्न जारी करेगा कि परेपण निर्यात योग्य है।
- (2) जहां श्रिभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है, वहां वह उक्त तीन दिन की श्रविध के भीतर, ऐसा प्रमाण पन्न जारी करने से इंकार कर देगा और ऐसे इंकार की सूचना उसके कारणों सिहत निर्यातकर्ता को देगा।
- 6. निर्यात के लिए पैकिंग और चिहिन्त किया जाना :----(1) गुष्क मछली को निर्यात संविदा में विनिद्दिष्ट राथ में पैक किया जाएगा।
- (2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट किसी कशर के न हो ने पर, उसे चटाई और मजबूत बोरियों/मजबूत दोहरी बौरियों मजबूत हैसियन कपडों/लकडी की पेटियों में पैक किया जाएगा।
- (3) प्रत्येक पैकेज पर निम्नलिखत विशिष्टियों भ्रमिट स्थाही से अंकित की जाएंगी या निम्नलिखित विशिष्टियों सहित लेबल लगाया जाएंगा, प्रयात् :--
 - (क) सामग्री का नाम और किस्म,
 - (ख) अंतवस्तु का शुद्ध भार और पैकेजों का कुल भार;
 - (ग) पोत लदान चिन्ह; और
 - (ध) गन्तच्य पत्तन;
- 7 निरीक्षण का स्थान :— (1) इन नियमों के प्रयोजन के लिए निरीक्षण निर्यालकर्ता के परिसर में किया जाएगा जिसमें प्रकाश की श्रव्छी व्यवस्था होगी और जिसे स्वव्छ और स्वास्थ्यपद दशाओं में रखा जाएगा और उसमें तोलने, पैक करने आर निरीक्षण को सावश्यव सुधिधाए भी होगी।
- (2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट परिसरों पर निरीक्षण के अतिरिक्त अभिकरण को परेषण की क्वालिटी का भंडार, अभिवहन में या पत्तनों पर पुनः निर्धारण करने का अधिकार होगा जैसा वह इन नियमों के प्रयोजन को कियांवित करने के लिए आवश्यक समझे।
- (3) परेषण के उपनियम (2) में निर्दिष्ट किसी भी प्रक्रम पर अधिनियम की धारा 6 के खंड (ग) के अधीन मान्यता प्राप्त या नियति संविदा में अनुबद्ध विनिर्देशों के अनुरुप, न पाए जाने की दणा में, नियम 5 के अधीन जारी किया गया प्रमाण पक्ष वापिस ले लिया जाएगा।

8. निरीक्षण	फीस: प्रति	परेषण न्यूनता	न 50 रुपए के
अधीन रहते हुए,			
0.4 प्रतिशत की	दर से फीर	अभिकरण के	दी जाएगी।

- 9. अपील: (1) अभिकरण द्वारा नियम 5 के अधीन प्रमाण पत्न जारी करने से इंकार करने से व्यथित कीई नियितिकर्ता, उसके द्वारा ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के दो दिन के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त विशेषज्ञों के पैनल की, जिसमें कम से कम तीन और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, अपील कर सकेगा।
 - (2) विशवज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता से कम से कम दो तिहाई सदस्य गैर-सपकारी होंगे।
 - (3) पैनल की गणपूर्ति तीन सदस्यों से होगी।
 - (4) अपील उसकी प्राप्ति के पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

अनुसूची [नियम 2(4) देखें]

-		-(+) '-1			3, 341, 4, 311,
कम स	, किस्म	वैज्ञानिक नाम (जाति)			प्रिस्टीपोमा र
(1)	(2)	(3)	25	जीला 	स्फिरेना िरोजेन स
			26.	ब्लाइकन्टम	चिरोसेन्टस
1.	स्यर	साइबियम	27.	थालापाथ	मिसफियोफोरस
$2\cdot$	एंगाइला	साइबियम	28.	मगराघेरी कारचम रीनसि	कारचारीनस
3-	विलाया	थाइक्सन		(स्त्राल और हडडी के बिना शार्क	विणेष
$4\cdot$	पराबा	क'रा भ क्स		स्ट्राइप्स)	
5.	काट्टा	चोरीनमज	29.	मूथिल्ला	इलाकाटे विशेष
6.	कोडुवा	सियाना स्यूडो-	30.	पुल्नो (लापिसा)	लैक्टरिअस विशेष
		सियाना	31.	नमक युक्त और गु ल्क शोनदया	दुम्सुमेरिया बिशे ष
7	सवाया	सेरान्स	32.	बोलान	डीकेपटरस बिगेष
8.	मोट्स/एनचार्विस	स्टोलेफोरस/एनचे।-	33.	कोली (नसक रहिंस)	एँ क्संकाटेस
		विला	34.	कोली (नमकयुक्त)	ऐक्साका टे स
9.	वालाइनेथांली	स्टोलेफोरस/	3 5.	सालायार (मालागर कातैलीय	सारडीनेल्ला
		एनथाविले		सरहाइन)	लोंगीसेट्स
10	कुने (जाबना)	पीनियस (छोटा)	36.	संलाया	सरडीनेल्ला सारडीनेल्ला
11.	णल्क रहित झोंगे	पीनियस,			गिडबोसा,
		मैटापी नियस,			मारडीनेल्ला
		पैरामिना-			फिम्ब्रिपेट,
		अंपिसस			स⊤रङीनेल्ला
12.	गैल रहित झींग (कड़ी)	पिनीयस,			अलबेल्ला कोली
	, , ,	भैटापीनियस,			विष्णेष
		पैरापिना औपसिस	37.	णुष्क मुम्ब ई डक	हारपोडेन नेहरियस
13.	शार्क	कारचारिनस,	38.	लिमनेटेड मुम्बई डक	हार्पोडेन नेहरियस
	•	स्फिटना, प्रिसदिस,	39.	एंगुलुका छोटा (डूबर)	ऐ रिअम
		गोलकुंडा	40.	सिल्बर बेल्लो (मुल्लेन)	लियोनेयस विशेष
	· <u> </u>		40.	indian (day)	1411144

1985	/प्राषाद 29, 1907	3857
(1)	(2)	(3)
14.	मडुबा	ट्राइगनः माइलियों,
		बाटाइडे राइन
		कोबाट्स डिनो-
		बंट्स
15.	एं गुलु बा	ऐरिअस
16.	एंगुलुवा (तूतीकोरन)	ऐरिअस
17.	हु ^{स्ट} ल्ला	साडी नेल्ला सम
18.	- सूड्या	सार्डिनेल्ला गिब्बोस
19.	मोरोल्लो	हमि रहम्पस
20.	बे नगनवा	पिल् नोना
21.	पेरावा छोटा	कारानक्स
22.	कुमबालया	गाष्ट्रलिंगर
		कानागुतां ,
23.	थोनदया शुष्क	ट्सुमिरिया
24.	चिब्धाकील्म	लीथरीनस,
		एपरिओन,
		गेटीरिमा
		लुरियानस और
		ब्रिस्टीपोमा
25.	जीला	स्फिरेना
26.	ब्लाइकन्टम	चिरोसेन्टस
27.	थालापाथ	मिसफियोफोरस
28.	मगराघेरी कारचम रीनसि	कारचारीनस
		शार्क विणेष
	स्ट्राइप्स)	
29.	मूथिल्ला	इलाकाटे
		विशेष
30.	पुलुनो (लापिसा)	लैक्टरिअस विशेष
31.	नमक युक्त और शुल्क वोनदय	ा दुम्सुमेरिया बि शेष
32.	बोलान	डीकेपटरस बिशेष
44	कोली (नगर रविष्ठ)	प्रै≉संक्षाटे <i>स</i>

	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
	2	3
41.	सोल मछली (मैथल)	साइनोगलासस
		विष्येष
42.	रिब्बन मछली	टिचिरस विशेष
	[फाइल सं	. 6/1/84-ई आई एण्ड ई.पी.]
		सी बी ककरेती संयक्त सचिव

साः वाः कुकरताः, संयुक्त साचव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 20th June, 1985

ORDER

S.O. 3332,-Whereas certain proposals for subjecting dried fish to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 5th January, 1985 under the order of the Government of India, Ministry of Commerce No. S.O. 25, dated the 20th December, 1984, inviting the objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within forty-five days from the date of publication of the said order in the Official Gazette;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on 11th January, 1985.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft proposal have been considered by the Central Government;

- Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2137 dated the 5th June, 1970, except as respect things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of export trade of India hereby,
- (1) notifies that dried fish shall be subject to quality control and inspection prior to export
- (2) recognises the specifications as set out in Annexure to this Order as the standard specifications for such dried fish;
- (3) specifies that the type of inspection set out in the Export of Dried Fish (Quality Control and Inspection) Rules, 1985 shall be the type of inspection which shall be applied to such dried fish prior to export; and
- (4) prohibits the export, in the course of international trade of such dried fish, unless the same is accompalied by a certificate issued by any of the export inspection agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras, under section 7 of the said Act. to the effect that the said dried fish conform to the standard specifications as recognised under subparagraph (2) and are exportworthy.
- 2. Nothing in this order shall apply to export by sea, land or air of dried fish as samples to the Prospective buyers, provided that each such sample does not weigh more than two kilograms.
- 3. For the prrpose of this order "dried fish" means any of the following trade varieties of dried fish, namely:-

SI. No.	Variety	Scientific Name (Species)
1	2	3
1.	Seer	Cybium
2.	Angila	Cybium
3.	Balaya (Tuna)	Thynnus

985/A	SADHA 29, 1907	[Part II—Sec. 3(ii)]
1	2	3
4.	Parawa	Caranx
5.	Katta	Chorinemuz
6.	Koduwa (Jew Fish/-	Sciaena, Pseudo-Scianea
-	Ghol Fish)	_
7.	Lavaya	Serranus
8.	Spratts/Anchovis	Stolephorus/Anchovilla
9.	Valainetholi	Stolephorus
10,	Kooney (Jawla)	Penaeus (small)
11.	Prawns without shell	Parapenaeopsis
12.	Prawns with shell- (Kardi)	Penacus Metapenaeus Parapenaeopsis
13.	Shark	Carcharinus, Sphyrna, Pristis Galeourda
14.	Maduwa (Ray fish)	Trygon, Myliobatidae,
		Rhynchobatus Rhina- batus
15.	Anguluwa Cat (fish)	Arius
16.	Anguluwa (Tuticorin) Arius
17.	Hurulla	Sardinella Sirm
18.	Soodaya	Sardinella gibbosa
19.	Morollo	Hamirhamphus
20.	Venganawa	Pellona
21.	Parawa Small	Caranx
22.	Kumbalawa (Mack- eral)	Restrelliger Kanagurta
23.	Thondaya Dried	Dusumeria
24.	Chevva Keelam	Lethrimus, Aprion, Lutianus Gaterina & Pristipoma
25.	Jeela	Sphyraena
26,	Valaikandam	Chirocentrus
27.	Thalapath	Misfiophorus
28.	Magaracheri Carch- arinus (Shark st- rips without skin -	Carcharinus spp.
	and bone)	•
29.	Moothilla	Elacto spp.
30.	Pulunno (lapisa)	Lactarius spp.
31.	Thondaya salted & -	Dussumeria spp.
32.	Bolan	Decapterus spp.
33,	Koli (unsaited)	Exocaetus
34.	Koli (salted)	Exocaetus
35.	Salaya (Oil Sardine of Malabar)	Sardinella Longiceps
36.	Salaya	Sardinella Gibbosa
		Sardinella fimbriate, Sardinella albella, Colic spp.
37.	Dried Bombay Duck	Harpoden nehereus
38	Laminated Bombay Duck	Harpoden nehereus
39,	Anguluwa small (Dubar)	Arius
40.	Silver Belly (Mullen)	Leiognathus spp,
41	Sole Fish (Manthal)	Cynoglosus spp.

Thichurus spp.

42

Ribbon fish

ANNEXURE

SPECIFICATIONS FOR DRIED FISH

General: Dried Fish shall be wholesome No pit-cured fish or fish oozing with water (pachaped, "semi-dried" "half-dried", "Soft dried" or having 'red' (bacjeria) or mould attack (fungalattach) or maggotridden or insect intested fish or reconditioned fish shall be permitted.

Sl. Variety	Scientific	Method of cure in		Standrd o	f quality			n Other
No.	Name (species)	bricf	Size/ Type	Appearance	Smell	Driage	matter	Remarks
	3	4	₅	6	7	8	9	10
1. Secr	Cybi _u m	Cured with salt as keelam only. May be with or without head or in split open form in case of seer fish from the Malabar coast. May be cut into pieces.	37.5cm & above without head	Colour shall be brown or characteristic of well dried goods seer fish	Shall not be that of rancid or decomposed fish	Moisture not exceeding 40%	Nil	Fish flesh shall be firm and shall not come off in shreds
2. Angila	Cybi _u m	Cured with salt as keelam. May be with or without head or in split open form may be cut into pieces	Below 37.5 cm	Colour shall be brown of characteris- tic of well dried good Angila Fish	Shall not be that of rancid or decomposed fish	Moisture not exceed- ing 35%	Nil	
3. Balaya (Tuna)	Thynnus	Cured with salt as keelam	Without head	Dark in cofour .	Freshly cured smelf. Shall not have any decomposed odour	Moisture not exceed- ing 35%	Nil	-
4. Parawa	Caranx	Cured with salt as keelam	_	Brown coloured	Freshly cured smell. Shall not have any decomposed odour	Moisture not exceeding 35%	Nil	~
5. Katta	Chorinemuz	Cured with salt as keelam	With or without head	Brown coloured	Freshly cured smell. Shall not have any decomposed odour	Moisture not exceed- ing 35%	Nil	
V	Sciaena/ / Pseudo- n) scianca	Cured with salt as keel _a m	With or out head	Brown coloured	Freshly cured smell. Shall not have any decomposed odour	Moisture not exceed- ing 35%	Nil	-
7. Lavaya	Serranus	Cured with salt as keelam	With or out head	Brown . coloured	Freshly cured smell. Shall not have any decomposed odour	Moisture not exceed- ing 35%	Nil	
8. Spratts/ Anchovy	Stolephorus/ Anchoviella		With head	White or dull coloured or blackish coloured	Wholesome dried fish smell and not pungent	Moisture not exceed- ing 18% for unsalted varie- ty & 25% for salted variety	spratts	5

[PART	IISec.	3(ii)	1
11.461	11-060	-2(11)	И

I	2	3	4	5	6	7	8	7	10
9.	Valaina- tholi	Stolephorus/ Anchoviella	Salted or unsalted dried	Without head fully covered with	White or dull coloured or blackish coloured	Wholesome dried fish smell and no pungent	Moisture not exceed in 18% for unsalted variety & 25% for salted variety.	y hits of spratts or any other	i I
10.	Kooney (Jawla)	Pengeus (Small)	Dried and not salt cured		White or dull coloured or blackish coloured	Wholesome dried prawn smell and not pungent	Moisture not exceed- ing 25%	Nil	
To	 t _i la ilco ditionalma	itent up to 14.5 iterial of the sa	% shall be permitted me species, provided	indried spratts that the buyera	anchov if the e	xcess and conte	ent above 7% is	compensa	ted by adding
	Prawns without shell		Boiled/unboiled Dried & deshelled	Whole prawn (prawns	Characteristic colour free from blach dis- colouration	Fresh & not pungent	Moisture not exceeding (i) 30% when shipped in refrigerated chemabers & (ii) 25% if shipped otherwise	broken pieces shall not sexceed 15% by wt. co spoiled pieces eyes, shells and tails excluding the broken pieces shall not exceed 2% by w	t,
12.	Prawns with shell (Kard))	Penacus Metapensous Parapen- seopsis	Boiled/unboiled, dried with shell		Characteristic colour free from black discolouri- sation	Fresh and not pungent	Moisture not exceed- ing 30%	Spoiled pieces shall not exceed 5% by wt.	Acid insoluble ash not to exceed 5%
∸In No	io · Prawr	s with/without	xceed 15%, the consigns shell (Sl. No. 10, 11, yer and the seller.	gnment shall be	treated as who	ole and broken	/broken. tion, the specific	ations sha	ll be as agreed
13.	Shark		Salt cured as fillets or as keelams with/ without head and back-bone	As pieces being held together at the caudal or can be in the form of fillets.	whitish on the flesh side	Characteris- tic smell of shark (lightly pungent)	Moisture not exceeding 35%	Nil	-

1	2	3	8	5	6	7	8	9 10
	Maduwa (Ray Fish)	Trygon, Mylioba- tidae, Rhynoho- batus Rhinal ₀ tus	Salt cured as fillets or as keelams	As pieces being held together at the caudalor can be in the form of fillets	1	Characteris- tic smell of Maduwa (lightly pun- gent)	Moisture Ni not exceed- ing 35%	l ÷
	Anguluwa (Cat Fish)	Arius	Cut open longitudinally entrials removed and fish split open or keelams salted and dried	Above 30 cm with/ without head		Fresh flav- our of cured fish	Moisture not N exceeding 35%	il
	Anguluwa (Tuticorin)	Arius	Cut open longitudinally entrials removed and fish split open or keelams salted and dried.	Above 20 cm. with/ without head.		Fresh flavour of cured fish	Moisture not Nexceeding 35%	vil —
17.	Huralla	Sardinella sirm	Salt cured in the round form		Brown or white	That of freshly cured fish. No other ammonicol or foul odour shall be presen	exceeding 30%	Flesh shall be firm and not come of in shreds
18.	Soodaya	Sardinella gibbosa	Cured with salt in the round form	_	Brown or white	That of fresh cured fish. No other a mmonical or foul odour shall be present	exceeding 30%	Vil Flesh shall be firm and not come off in shreds
19.	Morello	Hemirham- phus	Salted and dried in the round form	~~	Brown or white		exceeding 30% cal	fil Flesh shall be firm and not come o in shreds
20.	Vengana wa	Pellona	Cured with salt in the round form and well dried		White to yellow		exceeding 30%	be firm an not come of in shreds
21.	Parawa Small	Caranx	Cured with salt in the round form and well dried	_	White to light brown	That of freshly cured fish. No other ammoni- cal or foue odour shall be present	not exceed-	Flesh shall be firm and not come off in shreds
22.	Kumba- lawa (Mackeral)	Rastrel- liger kanagurta	Outs and gills shall be removed cured with salt and dried	_	White to light yellow or light brown		Moisture not exceeding 30 % (upto 35 % moisture permitted if the buyer agrees)	Maximum 4 % loose salt except salt encrustation but with provision to add tare.

1_	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	Thondaya Dried		Dried in the round form and salted/unsalted		our of the fish but dull and not bril- liant	smell but	Moistura not exceed- ing 20 %	Broken bits of spratts or any other mixture of other varie- ties of small fish shall not be more than 5%	
24.	Chevva Keelam	Lethrinus, Aprion Lutianus Gaterina & Pristipoma	Cured with salt as Keelam and dried. May be with or with- out head	_	Light yellow to dark brown	Fresh cured flavour, no bad odour shall be present	Moisture not exceeding 35%	Nil	
25.	Jeela	Sphyraena	Split open or Keelams	_	Dark in colour	Freshy cured smell, shall not have any decomposed odour	Moisture mot exceed- ing 35%	Nil	Keelams cut open longi- tudinally Fish split and entrails re- moved shall be preferred
	Valaikan- dam	Chirocen- trus	Fish removed of guts. Cut into pieces. Cured with salt & dried.		Whitish to dull brown	Fresh	Moisture not exceeding 35%	Nil	
27.	Thalapath	Misfio- phorus	Cured in the cut open form or as keelam or strips fillets (can be with or without head) as a whole fish or in pieces if the fish is of a very large size	In the whole fish form or as pieces as the case may be	White or brown	Fresh	Moisture not exceeding 35%	Nil	
28.	Magara- cheri (shark strips without skin and bone).	Carchari- nus spp.	Dressed pieces of shark fish without bone or skin or fin and cured with salt and dried	Pieces above 10 cm	White to ash grey or flesh coloured	Characteristic smell of shark flesh (lightly pungent).	Moisture not exceeding 35%	Nil	
29.	Moothilla	Elacate sp.	Salt cured and dried in the split open or as keelam with or without head		White to ash grey	Shall not be that of rancid or decomposed fish.	Moisture not exceeding 1 35%	Nil	_
30.	Pulunoo (Lapisa)	Lactarius sp.	Salt cured and dried in the round form with or without guts. May be cured also in the split open form.	~	_	Shall not be that of rancid or decom- posed fish.	Moisture not exceeding 35% by wt. max,	Nil	-
31.	Thondaya	Dussumeria sp.	Cuted with salt in the round form and dried		~	Shall not be that of rancid or decompose fish,		Nil g	_
32.	Bolan	Docapterus sp.	Cured with salt in the round form and dried	_	White to ligh dark	t Shall not be that of rancid or decom posed fish		Níl	Salt used at the time of packing to the extent of 4% will be allowed but this will add to tare

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
33.	Koli (unsalted)	Exocaetus sp.	Dried in the whole form not salt added-	_	Light blue to dark	Shall not be that of rancid or decomposed fish		Nil	-
34.	Koli (salted)	Exocaetus sp.	Salt cured in the round form and dried	_	Light blue to dark	Shall not be that of rancid or decomposed fish.		Nil	Acid insolube ash can be 5% by wt.
35.	Salaya (oil sarding or Malab		Cured with salt after removing the fiscero and dried	-	Greenish to brown	Shall not be that of rancid or decomposed fish.		Nil	Salt as crysta or powder used for packing shall not exceed 4% by wt. and will be added to tare
36.	Salaya	Sardinella gibbosa, Sardinella fimbriata, Sardinella albella, colìo sp.	Cured with salt in the round form and dried. Guts not removed		Greenish to brown	Shall not be that of rancid of decomposed fish	9	Nil :	or powder used for packing shall not exceed 4% by wt. and will be added to tare.
37.		Harpoden nehereus	Sundried or dried in artificial drier under hygienic condition	_		Characteristic flavour free from any rancid odour	Moisture 25% by wt. max.	_	Acid insoluble ash (on mois ture free basis max.
38.	Laminated Bombay Duck	Harpodon nehereus	Prepared by suitable dressing of dried fish after removing head, fins and entrails sides trimmed to get pieces of uniform size.	Large 15 cm & above small less than 15 c	Characteristic colour free from any pink discolouration		Moisture 20% by wt. max.		Acid insoluble ash (on mois- ture free basis) 25% max.
	Anguluwa small (Dubar)	Arius	Cut open longitudinally entrials remove I and fish split open or keclamssa lted dried with or without head	Above 15 cm	Whitish to dull brown	Frosh flavour of a cured fish	Moisture not exceeding 35	t Nil %	-
	Silver belly (mullen)	Leiogna- thus sp.	Salted or unsalted dried with head	(Colour shall be shining white to white characteristic of dried silver belly	dried fish 1	Moisture shall not exceed 35% for salted variety & 25% for unsalted variety	& fishes of other	ash shall not exceed 2%
41.	Sole fish (Manthal)	Cynoglosus sp.	Salted or unsalted dried with head		Characteristic brown to deep violet colour of dried sole fish.	Wholesome dried fish smell and not pungent	Moisture shall not exceed 35% for salted variety & 25% for unsalted variety		Acid insoluble ash shall not exceed 1.5% by wt.
42.	Ribbon Fish	Trichirus sp	. Whole Ssh cured with salt and dNed		Characteristic white colour of fresh dried ribbon fish.	Wholesome dried fish and not pungent	Moisture shall not exceed 35%	Nil	Acid insolble ash shall not exceed 2% by wt.

- S.O. 3332(A).—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) and in supersession of the Notification of the Government of India, in the Ministry of Commerce No. S.O. 2138 dated the 5th June, 1970 except as respect of things done or omitted to be done before such supersession. the Central Government hereby makes the following rules, namely :-
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Dried Fish (Inspection) Rules, 1985;
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise

- requires,—
 (1) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
 (2) "Agency" means any one of the Agencies at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras, established under section 7 of the Act;

 (2) "Controll" manne Export Inspection Council estab-

 - (3) "Council" means Export Inspection Council established under section 3 of the Act;
 (4) "Dried Fish" means any of the trade varieties of dried fish as specified in the Schedule annexed to these rules.
- 3. Basis of inspection.—Inspection of dried fish intended for export shall be carried out with a view to seeing that the dried fish conforms to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act.
- 4. Procedure of Inspection.—(1) An exporter intending to export dried fish shall submit an application to the nearest office of the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported, to enable it to examine such consignment or cause the same to be examined and to see whether the same conforms to the specification referred to in rule 3;
- (2) Every application in sub-rule (1) shall be made not less than three days before the anticipated date of despatch of the consignment from the exporter's premises for shipment;
- (3) On receipt of he application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of dried fish as per the instructions issued by the Council in this behalf and satisfy itself that the consignment complies with the requirements of the specifications recognised under clause (c) of section 6 of the Act or as stipulated in the export contract;
- (4) The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.
- 5. Certification.—If after inspection of the consignment, the Agency is satisfied that the same conforms to the specifications recognised under clause (c) of section 6 of the Act, or as stipulated in the export contract, and has been racked and marked according to these rules, it shall issue a certificate within three days from the date of inspection, declaring the consignment as exportworthy.
- (2) Where the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of three days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter alongwith the reasons therefor.
- Packing and Marking for export.—(1) The dried fish shall be packed as specified in the export contract.
- (2) In the absence of any agreement referred to in sub-rule (1), the same shall be packed in mat and sound gunny bags|sound of gunny bags|sound double gunny bags|sound hessian clothes wooden cases.
- (3) Each package shall be marked with indelible ink or labelled with the following particulars, namely:—
 (a) name and variety of the material;

 - (b) net weight of contents and the gross weight of the packages;
 - (c) shipping marks; and
 - (d) port of destination.
- 7. Place of inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the exporters' premises which shall be well lighted and maintained in sanitary and

- hygienic conditions and shall also have necessary facilities for weighing, packing and inspection.
- (2) In addition to the inspection at the premises referred to in sub-rule (1), the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment in the storage, in transit or at the ports, as it may consider necessary to carry out the purpose of these rules.
- (3) In the event of the consignment being found not conforming to the specifications recognised under clause (c) of rule 6 of the Act, or as stipulated in the export contract at any of stages referred to in sub-rule (2), the certificate issued under rule 5 shall be withdrawn.
- 8. Inspection fee.—A fee at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment, subject to a minimum of Rs. 50 per consignment, shall be paid to the Agency.
- 9. Appeal.—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue a certificate under rule 5, may within two days of the receipt of the communication for such refusal by him, prefer an appeal to a Panel of Experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.
- (2) At least two-thirds of the total membership of the Panel of Experts shall consist of non-officials,
 - (3) The quorum of the Panel shall be three.
- (4) The appeal shall be disposed off within 15 days of its receipt.

SCHEDULE

[See rule 2(4)]

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~	~(·)/
Sl. Variety	Scientific Name
No.	(species)
1 2	3
1. Seer	Cybium
2. Angila	Cybium
3. Balaya	Thynnus
4. Parawa	Caranx
5. Katta	Chorinemuz
6. Koduwa	Sciaena/Pseudo-sciaena
7. Lavaya	Serranus
8. Spratts/Anchovis	Stolephorus/Anchoville
9. Valainetholi	Stolephorus/Anchoville,
10. Kooney (Jawla)	Penaeus(small)
11. Prawns without shell	Panacus, Metapenaeus, Parapenaeopsis
12. Prawns with shell	Penaeus, Metapenaeus,
(Kardi) 13. Shark	Parapenaeopsis Carcharinus, Sphyrna,
15, buaty	Carcharinus, Sphyrna, Pristis, Galeourda
14. Maduwa	Trygon, Myliobatidae, Rhynchobatus, Rhi- nabatus
15. Anguluwa	Arius
16. Anguluwa (Tuticorin)	Arius
17. Hurulla	Sardinella sirm
18. Soodaya	Sardinella gibbosa
19. Morollo	Hemirhamphus
20. Venganawa	Pellona
21. Parawa Small	Caranx

[भाग 11 खंड 3(11)]	मारतका राजपदाः जुर
1. 2	3
22. Kumbalawa	Rastrelliger Kanagurta
23. Thondaya Dried	Dussumeria
24. Chevva Keelam	Lethrinus, Aprion, Lutia- nus, Gaterina & Pri- stipoma
25. Jeela	Sphyraena
26. Valaihandam	Chirocentrus
27. Thalapath	Misfiophorus
28. Magaracheri Caracharinus (Shark strips without skin and bone)	Carcharinus sp.
29. Moothilla	Elacata spp.
30. Pulunno (Lapisa)	Lactarius spp.
31. Thondaya salted and dried	Dussumería spp.
32. Bolan	Decapterus spp.
33 Koli (unsalted)	Exocaetus
34. Koli (salted)	Exocaetus
<ol> <li>Salaya (Oil sardine of Malabar)</li> </ol>	Sardinella Longiceps
36. Salaya	Sardinella gibbosa, Sardinella fimbriate, Sardinella albella, colie spp.
37. Dried Bombay Duck	Harpoden nehereus
38. Laminated Bombay Duck	Harpoden nehereus
39. Anguluwa small (Dubar)	Arius
40. Silver Belly (Mullen)	Leiognathus spp.
41. Sole Fish (Manthal)	Cynoglosus spp
42. Ribbon fish	Trichiurus spp.
	KUKRETI Joint Director F. No. 6/1/84-EI&EP]

# नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1985

का. आ. 3333---निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (Î) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार 21 मई 1985 से भारत पीस्ट---श्रर्ड- सर्विस 2/8 -बी, शरत बोस रोड, कलकत्ता- 700020 की अभिकरण के रूप में धुस्रीकरण की निम्नलिखित मदों के लिए एक वर्ष की और श्रवधि के लिए मान्यता देती है।

- 1. तेल रहित चावल की भुसी, और
- हिड्डयों का चुरा खुर और सींग ।
   [फाइल सं. 5(4)/82(निनि/निउ०]
   सीं. बी. गुकरेती, संयुक्त निदेशक

New Delhi, the 5th July, 1985

S.O. 3333.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 21st May 1985, M/s. Bharat Pest-Erad Services, 2/8-B, Sarat Bose Road, Calcutta-700020 as an agency for the fumigation of following items:—

- 1. De-oiled Rice Bran; and
- 2. Crushed Bones, Hooves and Horns.

[F. No. 5(4)/82-E1&EP]C. B. KUKRETI, Jt. Director

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्मात का कार्यालय, नई दिल्लो, 1985

का. था. 3334.--मैसर्स चण्डीगढ न्यरोलोजिकल रिसर्घ सेन्टर, चण्डीगढ़ को एक नग ऋस्टरासाऊंड डायाइग्नोस्टिक इक्यूपमेन्ट माङल तोणिका एस एस जी-40 ए और एस एएल 30-ए का भ्रायात करने के लिए लाइसेंस जारी करने की तारीख से 18 माम की श्रवधि की वैधना के साथ 11, 80, 584/- रुपये के लिए एक स्रायात लाइ-सेंस सं. पी./एफ/2032127/सी एक्स एक्स/94/एच/84 ए एस एस, दिनांक 18-2-1985 दिया गया था। प्रब पार्टी ने दोनों प्रतियों के लिए अनुलिपि आयात लाइसेंस देने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मुल आयात लाइसेंस खो गया/प्रस्थानस्थ हो गया है। लाइसेंसधारी ने यह बताते हुए कि ऋषात लाइसेंस किसी भी पत्तन प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं किया गया था और इस प्रकार लाइसेंस बिल्कुल भी उपयोग में नहीं लाया गया है और लाइसेंस के प्रति सेष धनरािशा 11,80 584/-रुपये हैं, स्रावस्यक शपथ-पन्न दाखिल किया है।

णपथ-पत्न में यह यह भी घोषणा समाविष्ट की गई है बि आयात लाइसेंस बाद में मिल जाने अथवा प्राप्त हो जाने पर उसे लाइसेंस जारी करने वाले प्राधिकारी को वापस कर दिया जाएगा। यह सन्तुष्ट होने पर कि भायात लाइसेंस की दोनों प्रतियां खो गई हैं, प्रधोहस्ताक्षरी निदेश देता है कि भावेदक को एक लाइसेंस जारी किया जाना चाहिए। भायात (नियंत्रण) भावेश, 1955 की धारा 9 की उप-धारा (घ) में दिए गए अधिकारों का उपयोग करते हुए, मैं भी एतदद्वारा श्रायात लाइसेंस की दोनों प्रतियां खद करता हूं।

[फाइस सं॰ 14/29/ए एम-85/ए एल एस]

बी॰ आर॰ अहीर, उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, स्रायात-निर्यात (Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

New Delhi, the 24th July, 1985

S.O. 3334.—M/s. Chandigarh Newrological Research Centre, Chandigarh were granted an Import Licence No. P/F/2032127/C/XX/94|H|84|ALS, dated 18-2-85 for import of one number Ultrasound Diagnostic Equipment Model Toshiba SSG-40-A and SAL 30-A, valued at Rs. 11,80,584 with a validity of 18 months from the date of issue. Now the party have applied for grant of a Duplicate Import Licence for both copies on the ground that the original import licence has been lost/misplaced. The licence has furnished the necessary affidovit stating the import licence has not been registered with any Customs Authority and as such the value of licence haso not been utilised at all and the balance against the licence is Rs. 11,80,584.

A declaration has also been incorporated in the affidavit to the effect that in case the import licence is traced or found later on, it will be returned to the issuing authority. On being satisfied that both the copies of import licence have been lost, the undersigned directs that a duplicate licence should be issued to the applicant. I also in exercise of the powers conferred in Sub-clause (d) of clause 9 of the imports (Control) Order 1955, hereby cancel the both copies of the said import licence.

[File No. 14]29|AM85|ALS]327]
B. R. AHIR, Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Cheif Controller of Imports & Exports

क. आ. 3335.—मैंसर्स उत्तर प्रदेण मेडिकल संस्टर लखनऊ को 11,45,000 रुपये मूल्य के एक नग अलोक इक्को कैमरा एलएस माडल एसएसडी - 280, मस्टो फ़ार्मेंट कैमरा माडल एस एस जेड-110 और अलटा सःऊण्ड रिकार्डर माडल एसएसजेड-93 के लिए एक सेट आप्टोक्न उपसाधित का आयात करने के लिए एक आयात लाइसेंस मं. पोएफ 2032125/सी/एक्सएक्स/94/एच/85/ए एसएस दिनांक 16-2-85 जारी होने की तिथि से 18 महोने की बैधता अविध के साथ जारी किया गया था। अब पार्टी इस आधार पर अनुलिप आयात लाइसेंस की दोनों प्रतियां जारो करने के लिए अनुरोध किया है कि मूल आयात लाइसेंस खो गया अस्थानस्थ हो गया है। लाइसेंस-आयात लाइसेंस खो गया अस्थानस्थ हो गया है। लाइसेंस-आयात लाइसेंस

धारों ने यह बताते हुए एक आवश्यक शपथ पत दाखिल किया है कि लाइसेंस किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारों के पास पंजीकृत नहीं था और इस प्रकार लाइसेंस का मूल्य बिल्कुल भी उपयोग में नहीं लाया गया था और लाइसेंस के महे शेपांक 11,45,000 हमए हैं।

शपय पत्न में एक घोषणा यह भी शामिल की गई है कि यदि आयात लाइसेंस बाद में मिल जाता है या प्राप्त हो जाता है तो उसे जारोकर्त्ता प्राधिकारों को वापस कर दिया जाएगा। ऐसी सन्तुष्टि होने के पश्चात् कि आयात लाइमेंस की दोनों प्रतियां खो गई हैं, अंधोहस्ताक्षरी यह निदेश देता है कि आवेदक को लाइसेस जारों किया जाना चाहिए। मैं भी आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9 को उपधारा (घ) में प्रदत्त अधिकारों का उयोग करते हुए आयात लाइसेस की दोनों प्रतियों को एतद्द्रारा रहे करता हूं।

[फ़ाइल सं. 14/55/अप्रैल-मार्च 85/एएलएस 328]

बी. अर्ड. अहीर, उप मुख्य नियंसक, आयात, निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

S.O. 3335.—M[s. Uttar Pradesh Medical Centre, Lucknow were granted an Import Licence No. P[F]2082125[C]XX]94[H] 85[ALS dated 16-2-85 for import of One set Optional Accessories for ECHO Camera-Multiformat Camera Model SSZ-13 and Ultrasound Recorder Model SSZ-93, value at Rs. 11.45,000 with a validity of 18 months from the date of issue. Now the party have applied for grant of a duplicate import licence for both copies on the ground that original import licence has been lost/misplaced. The Licensec has furnished the necessary a davit stating that the import licence has not been registered with any Customs Authority and as such the value of licence has not been utilised at all and the balance against the licence is Rs. 11,45,000.

A declaration has also been incorporated in the affidavit to the effect that in case the import licence is traced or found later on, it will be returned to the issuing authority. On being satisfied that the both copies of Import Licence have been lost the undersigned directs that a licence should be issued to the applicant. I also in exercise of the powers conferred in Sub-Clause (d) of Clause 9 of the imports (Control) order 1955, hereby cancel the both copies of the Import Licence.

[File No. 14]55[AM85]ALS]328]
B. R. AHIR, Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

# लाच और नागरिक पृत्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग

भारतीय मानक संस्था

नरे दिल्ली, दिनाक 10 जून, 1985

का.आ. 3336:-- भारतीय मानक संस्या (प्रमाणत विष्ट्न) नियम और विनियम- 1955 के नियम 3 के उपनियम (2) और विनियम 3 के उपनियम (2) एवं (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था ब्रारा अधिसूचित किया जाता है कि मीचे अनुसूची में जिन भारतीय मानकों के स्पौरे दिये गये हैं, वे 1982-07-31 की निर्धारित किये गये हैं:

111 11	खण्ड 3(11)] भीरत क	T राजपत्र . जुला६ २०, 1985/श्रापाढ़ २७, 1907 	
		अनुसूची:	
 क्त.सं.	निर्धारित भारतीय भानको की पद संख्या और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा रद्द हुए भारतीय मानक 18 की पदमंख्या और कीर्षक	अ∗य विवरण
1	2	3	٠
	138—1981 पैकेजों और पेट्रोल के दिख्यों पर निणान के लिए भिले मिलायें रोगन की विणिष्टि (द्वितीय तण)	IS138-1969 पैकेजों और पेट्रोल के टिब्बों पर निकान लागने के लिये मिले-मिलाये रोगन की विभिन्टि अभीष्टरंग का (प्रथम पुनरीक्षण)	
जल्दी	139~1981 रज़ड़ की मृहर से निमान लगाने के लिये मूखने वाले मिले भिलाये रोगन की जिमिष्टि (द्वितीय इनरीक्षण)	IS 139-1969 रखड़ की मृहर से निणान लगाने के लिये जस्दी मुकने वाले मिले-मिलाये रोगन की विणिष्टि अभीष्ट रंग (प्रथम पुनरीक्षण)	
	\$164—1981 सड़क पर निमान लगाने के लिये क्षिले ये रोगन की विमिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS 164-1951 सड़क पर निणान लगाने के लिये मिले मिलाये रोगन की विणिष्टि, भारतीय मानक रंग संख्या 356 सूनहरी पीला, और सफेद एवं काला	1981-10-31 को निर्धारित *भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिन्ह् योजना के प्रयोजनों के सिये; IS 164-1981 1982-12-01 में सागू द्वोगा।
एस् <b>मि</b> बोस्टर	398(भाग 4)-1982 शिरोपरि प्रषण कार्यो के लिए नियम चालको की विशिष्टि; भाग 5 अतिरिक्त उच्च पा (400 किबो और उससे अधिक के लिए जस्तीक्रन प प्रबल्ति एलुमिनियम चालकः ।	- <del></del>	_
की प	1448(भागः 677-1982 पेट्रोलियमः और उसके उत्पत्रो रोक्षण प <b>रा</b> तियो; (भागः 67) चिकताई नैलों की संस्पण । (प्रथम पुनरीक्षण)	TS:1448(भाग:67)-1967 पेट्रोलियम और उसके उत्पत्दो की परीक्षण पद्धनिया; (भाग 67)फेनन लक्षण	
विश्ले	1559(भाग 4)1982 फेरोनिलिकन के रासायनिक ष्यण की पद्धतिया; भाग 4 फास्फीरस ज्ञान करना म पुनरीक्षण)	IS:1559–1961 फेरोमिश्रधातुओं के रामायि विण्लेषण की पद्धतियां	নক ্ৰ-
	\$:1848–1981 लेखन और मृत्रण कागत की विभिन्टि गिय पुनरीक्षण)	IS:1848~1971 लेखनऔर मुद्रण कागत्र की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिम्स् योजना ने प्रयोजनों के लिए; IS:1848-1981 1982-10-01 में लाग् होगा
	1919-1982 सोडियम हाडड्रो सन्फाडट की विणिति ।स युनरीक्षण)	ट lS:1919-1961 सोवियम हाइष्ट्रोमल्फाइट। विशिष्टि	<del></del>
<b>क</b> रने	:1944(भाग 6)-1981 सार्वजनिक मार्गी पर रोशनी ने की रीति संहिता भाग 6 कस्बों और नगर केन्द्रो - नागरिक सहत्व के क्षेत्रों में रोणमी (ग्रुप ई)	ः तकनीनीकी	<del></del>
	:1973-1981 गन्ने के कोल्हुओं की विशिष्टि (द्विनीय फीक्षण)	IS:1973-1973 गन्ने के कोम्हुओं की विणिटि (प्रयम पुनरीक्षण)	
	:2367-1981 बास्स टाईपकी खड़ी बरमा मशीनों की क्षण तालिका (प्रथम पुनरीक्षण)	IS:2367-1963 बानस स्तम्भ बरमा मणीनों को परीक्षण तालिका	
	:2478-1981 औद्योगिक एक्स-रे विज्ञान सम्बन्धी णब्द : (प्रथम पुनरीक्षण)	त IS:2478~1963 औसोगिक एक्स-रेविज्ञान सम्बन्धी शब्दायकी	
	S:2699-1962 पस्पियों और पन्ती पेचों की विशिष्टि यम पूनरीक्षण)	ट IS::2699-1964 पत्नियों और पत्नी पेश्वोर्क की विभिन्टि	ो 1982 -06-30 को निर्धारित *भारतीय मानक संस्था प्रमाण विद्व योजना के प्रयोजनों के लिये IS:2699-1982 1983-01-01 से लाग्
14. IS	2984-1981 स्लिप गेजों की विभिन्टि (प्रथम पुन-	IS 2984-1966िन्नप गेजों की विणिष्टि	<b>मो</b> गा —

	1 2	3	4
15	. 15:3109—(भाग-2)2982 छोटी कड़ीवाली जंजीर ग्रेड एम (4) भी विशिष्टि; भाग 2 धिरती ब्रानियों तथा अन्य उत्थापन उपकरणों के लिये अंशांकित भार जंजीर (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS:3109(भाग 2)-1970 गोल इस्पात कड़ी बाली जंजीर (विद्युत कुन्ता बेल्डिन) ग्रेड 40, की विशिष्टि भाग 2 धिरनी धानियों तया अन्य उत्थापय उपकरणों के लिये अंजा- कित भार जंजीर (प्रथम पुनरीक्षण)	·
16	IS:3308-1981 लक्ष्मीं के बुरादे में बनी मंखना पटिट- यों की विणिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	' v	-
17	. *IS:3502-1981 इस्पात की चैकदार प्लेटकी विशिष्टि (प्रथम पृतरीक्षण)		*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन जिन्ह योजना के प्रयोजनी के लिये, IS:35021981 1982-11-30 में लागू क्षीगा
18	IS:3996-1982 थूकदान की विभिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS:3996-1967 থুকবান কী নিমিন্তি	<b>→</b>
19	. IS:4046(भाग 1)-1981 मलाई से सुने मर्दाने मूनी जांधियों की विशिष्टि:भाग 12 प्लाई की मलाई से बूने (दिसीय पुनरीक्षण)	IS:4046-1977 सूती बुने मर्शने जाधियों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	1982-02-31 को निर्धारित
20	IS:4294-1982 जिंग बटनों की विणिष्टि (प्रयम पुनरीक्षण)	IS:4294-1967 जिंग बटनों के माप	
21	IS:4410(भाग 5)-1982 नदी घाटी परियोजनाओं सम्बन्धी णब्दाबली भाग 5 नहरें (प्रथम पुनरीक्षण)	IS:4410(भाग5)-1967 नदी घाटी परियो- जनाओं सम्बन्धी सम्दादली भाग 5 नहरें	<del></del>
22	IS:4853-1982 इस्पान पाईपों में संगलन बेल्डित टक्कर जोडों के रेडियोग्राफी निरीक्षण की अनुमासिन रीति (प्रयम पुनरीक्षण)	IS:4853-1968 इस्यान पाईपों में संगलन बेल्डित परिधि जोडों केरेडियोग्राफी परीक्षण की अनुकासिन रीति	
23.	IS:5030 (भाग1)-1982 धानुभर्तक पट्टी आरा ब्लोडों की विशिष्टि भाग 1 परिभाषायें और शब्दावली (प्रथम पुन- रीक्षण)	IS:5030-1969 नम्यपृष्ठ धातुकर्तक पर्देश आरा म्लेडों की विशिष्टि	<del></del>
24.	IS:5036(भाग2)-1982 घातुकर्तक पट्टी आरा फलकों की विशिष्टि भाग 2 छूटें (प्रथम पुनरीक्षण)	ययोपरि	
25.	IS:5143-1982 लकड़ी की समंजनीय बैसाखी की विशि- िष्ट (प्रथम पुनरीक्षण)	IS:5143-1969 लकड़ी की समजनीय बैसार्ख की विणिट्टि	t
26.	IS:5182-(भाग19)-1982 वायु प्रदूषण की मापन पद्ध- तियां, भाग 19 क्लोरीन	<del></del>	
27.	IS:5182 (भाग 20)-1982 बायु प्रदूषण की मापन पद्मतियां, भाग 20 कार्बन डाईमस्फाईड	_	<del></del>
28.	IS :5616→1982 उत्थापन कार्यों के लिए छोटी कड़ी की जंजीर:स्वीकृक्षि की सत्मान्य गर्ते (प्रथम पुनरीक्षण)	1S:5616-1970 उत्थापन कार्यों के लिए बिज्जुत कृंदा बेल्डिन इस्पान की जंजीरे स्वीकृति की मामान्य शर्तें	_
	IS : 5701 (माग 1) ) 1981 प्रयोगशाला जीवों के पोषण, देखासाल, प्रयन्ध और आवास की संहिमा भाग 1 प्रयोगशाला चुहिया और चूहे (प्रथम पुनरीक्षण)	IS:5701 (भाग 1)-1970 प्रयोगणाला जीवों के पोषण, देखभाल, प्रबन्ध और आधास की संहिता, भाग 1 प्रयोगशाला चृहिया और चृहे	
	IS 5701(भाग 6)-1981 प्रयोगशाला जीवों के पोयण देखभाल, प्रबन्ध और आवास की संहिता, भाग 6 प्रयोगणाला कपास चूहे (सिग्मोडोन हिस्पिड और सिग्मोडोन हिस्पिडस (प्रथम पुनरीक्षण)	IS:5701 (भाग6)-1974 प्रयोगमाला जीवों के पोषण, देखभाल, प्रबन्ध और आवास की संहिता भाग 6 प्रयोगमाला कपास चृहे	
31.	IS: 5772-1982 कोयला बाटने के औजारों की विशिष्टि रैरटबीक वपटे अग्रभाग बाले, टंगस्टन कार्बाइड की नोंकवाले	IS:5772-1970 कीयला काटने के औजारों की विभिष्टि पैरट वीक चपटे अग्रमान	_
	(प्रयम पुनरीक्षण)	वाले, टंगस्टन कार्बाइड की लोक वाले	
	TS: 6134(भाग 9)1981 सूक्ष्मतरंग ट्यूबों के विद्युतीय वक्षणों की मायन पड़िंतयों भाग 9 पृष्टगामी तरंग दोलक ट्यूबों "ओ" टाइप	<del></del>	
33.	IS: 6205-1982 प्रोको के लिये स्थिर माइकिल व्यासामक (प्रथम पुनरीक्षण)	IS:6205-1971 प्रोटों के लिये स्थिर साईकिल क्यायाभक	<b>-</b>

1 2	3	4
34- IS 6215-1982 उत्थापन कार्यों के लिये छोटी कड़ी बार अनंशांकित जंजीर येट टी (8) की विशिष्ठ (प्रथम पुनरीजण)		
35 IS 6216—1982 धिरनी धानियो नया अन्य जस्थापन उपकरणों के लिये छोटी कड़ी वाली अंशाकिन जंजीर ग्रेड टी (8) विणिष्ट (प्रथम पुनरीक्षण)	IS 6216-1971 घिरती द्यातियों तथा अन्य उत्थापन उपकरणों के सिथे मिश्रधातु इस्पात की अंसाकित भार जंजीर, ग्रेड 80 की यिशिष्टि	1982-06-30 की निर्फारित
.16. IS 7934—1981 चुम्बकीय अक्साईडों और सम्बद्ध भागों से बने दर्गाकार कोडो के माप (प्रथम पुनरीक्षण)	IS: 79341975 चुम्बकीय आक्साइटों और सम्बन्द भागों में बने वर्गाकार कोडों के माप	
37. IS 8010 (भाग 2)-1982 तकनीकी रिपोर्ट सैयार करने के मार्गदर्शी निद्धान्त भाग 2 व्यथहार्यना रिपोर्ट		~
38. IS 9900(भाग 1)-1981 उच्च दाब के पारद बाष्प दीपों की विकाष्टि, भाग 1 अपेकार्स और प्ररीक्षण		
39. IS: 9913-1981 आर-पार जल निकास कार्यों के मिर्माण की रीप्ति संहिता		
40. IS 99411981 निम्न आवृन्ति केबलों और तारो के सादा और कलईवार तांबा चालको की प्रतिरोधिता जानने की मार्गवर्णका	•	
41 IS 9973–1981 स्कूटर हेरूमेटों के आप्रभाग की विशिष्टि	and the second	
42. TS: 9996-1981 पेट्रोलियम उद्योग में प्रयुक्त लाईन पाईण चृत्रियों की भाषन रीति	t —	
43. IS १९९६-१९४१ सूती लाईतर वस्लों की विकिप्टि		
44. IS 10015(भाग 1)-1981 पहनने के कपड़ों के साइज नाप, भाग 1 परिभाषायें और शरीर माप की प्रकिया	-	_ <del>_</del>
45. IS: 10017-1981 कोको बीन संग्रह संरचनाओं के निर्माण की रीति संहिता	<del></del>	<del></del> .
46. IS 10019-1981 मृदु इस्पान टैकों और कीलकों की विशिष्टि	<del></del>	
47. IS 10027-1981 560 वो एसी से अनिधिक बोल्टसा के लिये एयरश्रेक स्थित्रों और पुन: तार लगाने योग्य टायर फयूजो की संयुक्त इकाईयों की विशिष्टि	- <del></del>	
48. TS 10045-1981 गॅयर नमूने के लैकीमल अस्थि पंच की विभिन्टि		
49. IS 10073-1982 प्लास्टिक के अंग्राकित भाषन मिलिडरी विविधिट	-	
50 IS 10089-1981 घटना बूटों के लिये धातु के साजों की विभिन्टि	<u></u>	
51. 15 10101-1982 अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के कम संख्याकन (आईएसएसएस) सम्बन्धः मार्गदेशिका		_
52. IS :10105-1982 अन्तर्वेहन इंजनों के लिये सिलिंडर दाब सकेनकों की फिटिगों की विशिष्टि	_	<del>-</del>
5.3. TS: 10124 (भाग 8)-1982 पेय जल पूर्ति के लिये निर्मित पीकी मी फिटिगों की विभिष्टि भाग 8 900 बैंडोंकी त्रिणिटि अपेक्साये		<del></del>
54 IS 10124(भाग 10)-1982 पेय जल पूर्ति के लिये तिर्मित पीबीसी फिटिगों की विशिष्टि, भाग 10 45 0 मैंडों की विशिष्टि अपेक्षायें	, <del>-</del>	_
45\$ GI/85- 4		

1 2	3	4	
55. IS 10125-1982 तीया कार्योनेट की विशिष्टि	_		
56. IS 10131-1982 डोल उत्थापको के सिये इस्पात की गोल कड़ी की जंजीर (बिजली कुन्दा बेल्डिस) की विक्षिष्टि			
57. IS 10152-1982 कागज उद्योग के टोम अपिशस्ट के उपयोग एवं निपटान के मार्गवर्शी सिद्धान्त		W*	
58. IS 10154-1982 अस्थि छेदम के लिये ब्लेड प्लेट की विणिष्टि बेलराइटहैमन्ड नमूने की	77	<del></del>	
59. IS 101551982 जांघ की निचली हहुआ के लिए ब्लेड प्लेट की बिशिष्टि			
60. IS 10157-1982 मैंक गिल नमूने के नाडी धाप यन्त्र की विशिष्टि			
61. IS 10159–1982 ज्यु एट नमृने की उपरिसंधि कद कीम विणिष्टि	- <b>4</b>	<del></del>	
62 IS: 101651982 पणुआहार के अंग के रूप में छिलका रहित सूरणमुख्नी की खली की विशिष्टि	<b></b>	•	
63. IS 10166-1982 कठोरता परीक्षण के लिये म्वेतपटल दर्शी उपस्करों की जांच के लिये मानकीकृत परीक्षण ब्लाक की अंशाकान पद्धति ै			
64. IS 10167—1982 घारियक सामग्रियों पर स्यूलन परीक्षण पद्मनि		~~	
65. IS 10168-1982 खार, पदार्थी में फेनीट्रीथियान अवगोप ज्ञान करने की पद्धियां		<b></b>	
66. JS 10169—1982 फलों और सक्कियों में कार्अस्टिल अवशेष भात करने की पद्धतियां	~ <b>-</b>		
67. IS 10171-1982 <b>खाद्य पदार्थों की पैकेजब</b> न्दी के लिय प्लास्टिक की उपयुक्तता सम्बन्धी मार्ग <b>र्दा</b> का	.—		
68. IS 10172—1982 बरमा कमानी के बर और छिद्रको की विशिष्टि			
69. JS 10174-1982 अवफोल्ड नमूने की कपाल कर्षण चिम्नटियों की विभिष्टि -		ميد	

इन भारतीय मानकों की प्रतियां भारतीय, मानक संस्था मानक भवत. 9. बहाबुर शाह अफर मार्ग, नयी दिल्ली में तथा अहमदाबाद, खंगलीर, बंबई. भोपाल, भंबतेखर, कलकरता, हैदरखाद, जपार, कानार, महाम, मोडाली. पटना, और विजिन्द्रम, स्थित इसके शास्त्रा कार्यालयों में विकाशर्थ उपलब्ध है

[सं. सीएमडी/113:]

# MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Deptt. of Civil Supplies)

# INDIAN STANDARDS INSTITUTION

Now Delhi, the 10th June, 1985

S. O. 3336—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have established on 1982-07-31:

		SCHEDULE	
Sl. No	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards if any superseded by the new Indian Standard	Remarks if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS: 138-1981 Specification for ready mixed paint, marking for packages and petrol containers (second revision)	IS: 138-1969 Specification for ready mixed paint, marking, for packages and petrol con- tainers, colour as required. (first revision)	·
2.	IS: 139-1981 Specification for ready mixed paint, marking, quick drying, for marking with rubber stamps (second revision)	IS: 139-1969 Specification for ready mixed paint, marking, quick drying, for marking with rubber stamps, colour as required.  (first revision)	
3.	*IS: 154-1981 Specification for ready mixed paint for road marking (first revision)		*for purposes of ISI certifica- tion Marks Scheme; IS: 164-1981 shall come into
4.	IS: 398 (Part V)—1982 Specification for aluminium conductors for overhead transmission purposes Part V Aluminium conductors—galvanized steel-reinforced for extra high voltage (400 kV and above)	_	
5.	IS: 1448 (P: 67)—1982 Methods of test for petroleum and its products (P: 67) forming characteristics of lubricating oils (first revision)	IS: 1448 (P: 67)—1967 Methods test for petroleum and its products: P: 67 foaming - characteristics.	of
6.	IS: 1559 (Part IV)—1982 Methods of chemical analysis of ferrosilicon Part IV Determination of phosphorus. (first revision)	IS: 1559-1961 Methods of chomical analysis of ferro-alloys.	Established on 1982-04-30
7.	*IS: 1848-1981 Specification for writing and printing papers. (second revision)	IS: 1848-1971 Specification for writing and printing papers. (first revision)	*For purposes of ISI Certifica- tion Marks Scheme; IS: 1848-1981 shall come into force with effect from 1982-10-01
8.	IS: 1919-1982 Specification for sodium hydrosulphite. (first revision)	IS: 1919-1961 Specification for sodium hydrosulphite, technical.	
9.	IS: 1944 (Part VI)—1981 Code of practice for lighting of public thoroughfares Part VI Lighting for town and city centres and areas of civic importance.  (group E)		
l0.	1S: 1973-1981 Spacification for sugarcane crushers. (second revision)	IS: 1973-1973 Specification for sugarcane crushers. (first revision)	

<b>(</b> l)	(2)	(3)	(4)
11.	IS: 2367-1981 Test chart for box type vertical drilling machines (first revision)	IS: 2367-1963 Test chart for box column drilling machines.	· · · · · · · · · · · · · · · · · ·
12.	IS: 2478-1981 Glossary of terms relating to industrial radiology (first revision)	IS: 2478-1963 Glossary of terms relating to industrial radiology.	
13	*IS: 2699-1982 Specification for flats and flats' screws. (first revision)	IS: 2699-1964 Specification for flats and flats' screws	Established on 1982-06-30. For pruposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 2699-1982 shall come into force with effect from 1983-01-01
14	1S: 2984-1981 Specification for slip gauges. (first revision)	IS: 2984-1966 Specification for slip gauges.	<del>-</del>
15	IS: 3109 (Part II)—1982 Specification for short link chain, grade m(4) Part II Calibrated load chain for pulley blocks and other lifting appliances. (second revision)	IS: 3109 (Part II)—1970 Specification for round steel link chain (electric butt welded)—grade 40: Part II calibrated load chain for pulley blocks and other lifting appliances. (first revision)	
16.	IS: 3308-1981 Specification for wood wool building slabs. (first revision)	IS: 3308-1969 Specification for wood wool building slabs.	
17	*IS: 3502-1981 Specification for steel chequered plates. (first revision)	IS: 3502-1966 Specification for steel chequered plates.	*For purposes of IS1 Certification Marks Scheme; IS: 3502-1981 shall come into force with effect from 1982-11-30
18	IS: 3996-1982 Specification for spittoons. (first revision)		·
19	IS: 4046 (Part I)—1981 Specification for gent's cotton rib-knitted briefs Part I 1 x 1 2 Ply rib-knitted. (second revision)	_	
20	IS: 4294-1982 Specification for jig buttons. (first revision)	IS: 4294-1967 Dimensions for Jigs buttons.	
21	IS: 4410 (Part V)—1982 Glossary of terms relating to river vally projects Part V Canals (first revision)		
22	IS: 4853-1982 Recommended practice for radiographic inspection of fusion welded butt joints in steel pipes. (first revision)	IS: 4853-1968 Recommended practice for radiographic examination of fusion wheeled circumsferential joints in steel pipes.	
23	IS: 5030 (Part I)—1982 Specification for metal cutting bandsaw blades Part I Definitions and terminology. (first revision)	<del>-</del> -	
24	IS: 5030 (Part II)—1982 Specification for metal cutting bandasaw blades Part II Tolorances. (first revision)		

(1)	(2)	(3)	(4)
25.	18: 5143-1982 Specification for adjustable wooden critches	1S: 5143-1969 Specification for adjustable woollen crutches	·—
	(first revision) IS: 5182 (part XIX)—1982 Methods for measurement of air pollution Part XIX chloria:		
27	1S: 5182 (Part XX)—1982 Methods for measurement of air pollution Part XX Carbon disulphide		
28.	1S: 5616-1982 Short Link chain for lifting purposes: general conditions of acceptance (first revision)	IS: 5616-1970 Electric butt welded steel chains for lifting purposes: General conditions of acceptance	
29.	IS: 5701 (Part I)—1981 Code for breeding care management and housing of laboratory animals Part I Laboratory mice and rats (first revision)	IS: 5701 (Part 1)—1970 code for breeding care management and housing of laboratory animals: Part I Laboratory mice and rats	
	IS: 5701 (Part VI)—1981 Code for breeding care management and housing of laboratory animals. Part VI Laboratory cotton rats (Sigmodon Lispicus and Sigmodon hispidus) (first revision)	IS: 5701' (Part VI)—1974 Code for breeding care management and housing of laboratory animals. Part VI laboratory entron rat:	
31.	IS: 5772-1982 Specification for coalcutting tools, parrot-beak, flat-faced tungston carbide tipped (first revision) IS: 6134 (Part 1x)-1981 Methods of	IS: 5772-1970 Specification for coal cutting tools, parratboak, flat-faced tungsten carbide tipped	<u>.</u>
	measurement of electrical characteristics of microwave tubes Part IX Backward-wave oscillator tube 'O' type		·
<i>-</i> 33.	IS: 6205-1982 Specification for stationary cycle exerciser for adults (first revision)	IS: 6205-1971 Specification for stationary cycle exerciser for adults	<del></del> -
34.		IS: 6215-1971 Specification for round steel link chain (electric butt welded), grade 80, non-calibrated for lifting purposes.	~
35.	IS: 6216-1982 Specification for short link chain, grade T(8) calibrated for pulley blocks and other lifting appliances (first revision)	IS: 6216-1971 Specification for alloy steel calibrated load chain, grade 80, for pulley blocks and other lifting appliances	Established on 1982-06-30
	1S: 7934-1981 Dimonsions of square cores made of magnetic oxides and associated parts (first revision)	IS: 7934-1976 Dimensions of square cores made of magnetic oxides and associated parts	~
37.	IS: 8010 (Part II)—1982 Guidelines for preparation of technical reports Part II Feasibility reports	—	~
38.	1S: 9900 (Part 1)-1981 Specification for high pressure mercury vapour lamps Part 1 Requirements and tests	- •	7

(1)	(2)	(3)	(4)
	55-1982 Specification for blade moral, lower		
	57-1982 Specification for percussor gical Mc gill's pattern	-	
	59-1982 Specification for nail, sup- lar Jewett's pattern		
	65-1982 Specification for decortica- lower oilcake as livestock feed in-	-	
stanoard	66-1982 Method for calibration of lized test block for verification of open hardness testing equipments	-	··
	67-1982 Method for upsetting test lic materials	_	_
	68-1982 Methods for determination othion residues in foods	-	<del></del> ,
	57-1982 Methods for determination ryl residues in fruits and vegetables	-	<del></del>
	71-1982 Guide on suitability of for food packaging		e
	72-1982 Specification for burs and ors for drill brace		_
	174-1982 Specification for tongs ction Crutchifield's pattern	al	

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi an i also from its Brauch Offices at Al medabad, Bangalore Bembay, Bhopal, Bhuvaneshwar, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Mohali, Patna and Trivandrum.

[No. CMD 113:2]

संख्या का. आ. 3337:—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के		(1)	(2)	(3)	
	,	•	5	0034823	1984-11-30
वितियम 8 के उपवितियम (1) के अनुसार भारतीय मानक सम्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 252 लाइ- रोंसों के ब्योरे तीचे अनुसूचा में दिए गए है उनका सम्बर 1983 में नवोकरण किया गया है।			6.	0031718	1984 - 10 + 31
			7.	0034926	1984 10-31
			8	0036122	1984-12-15
			9.	0036526	1984 - 02 - 29
	अनुसूच	Ì	10	0059235	1984-11-30
 फम स	 <b>एम</b> एल	· · · - बंध∶त <b>ः</b>	11-	0059841	$1984 \cdot 11 = 30$
	म्ब्या	,	12.	0121618	1984-07-15
		· / n \	13.	0132219	1984-11-15
(1)	(2)	(3)	1.4	0149034	1984-08-15
1	0002408	1984-10-15	15-	0149135	1984 08-15
2.	0009624	1984-09-30	16.	0149236	1984 - 08 - 15
3	0019526	1984-09-30	17.	0151728	1984 09-15
.1.	0020511	1984-11-30	18	0152528	1984-09-30
			-	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	

3876	THE GAZ	ZETTE OF INDIA : JULY 20.	1985/ASA	DHA 29. 1907	[PART H—Sec. 3(ii)]
(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
19	0154027	1984-08-31	67.	0392144	1984-09-30
20.	0173031	1984-10-31	68-	0393853	1984-08-31
21.	0176744	1984-10 31	69	0394451	1984-09-30
$22 \cdot$	0180230	1984-10-31	70	0395655	1984-09-30
23.	0194241	1984-08 15	71.	0396657	1984-06-30
24	0195445	1984-09-30	72.	0400218	1984-10-31
25.	0207951	1984 10 31	73.	0401018	1984-10-31
26.	0208327	1984-10-31	74.	0403224	1984-11-30
27.	0215829	1984-09-30	75.	0404125	1984-11-15
28-	0216124	1984-09-30	76.	0404226	1984-11-15
29.	0217025	1984-09-30	77.	0405935	1984-11-15
30.	0221925	1984-02-01	78.	0409034	1984-11-15
31.	0223020	1984-09-30	79.	0410322	1984-09-30
32.	0223222	1984-08-31	80.	0411021	1984-09-30
33.	0223727	1984-09-30	81.	0421529	1984-08-31
34.	0228232	1984-09-30	82.	0422026	1984-10-31
35.	0230724	1984-08-31	83-	0431633	1984-08-31
3 6.	0238336	1984-08-31	84.	0441232	1984-10-31
37.	0238437	1984-68-31	85.	0441333	1984-10-31
38.	0240424	1984-09-15	86.	0450536	1984-08-31
39.	0240626	1984-09-15	87.	0450637	1984-08-31
40.	0245737	1984-03-31	88-	0456144	1984-08-31
41.	0245838	1984-03-31	89.	0460741	1984-09-15
42.	0258140	1984-09-15	90.	0462644	1984-08-31
43.	0259546	1984-09-30	91.	0465044	1984-09-30
4.4.	0262989	1984-08-31	92.	0465751	1984-09-30
45.	0270635	1984-10-01	93.	0465852	1984-09-30
46.	0273035	1984-10 31	94.	0466854	1984-09-15
47-	0274441	1984-09-30	95.	0466955	1984-09-15
48.	0287955	1984-08-31	96.	0469860	1984-09-30
49.	0299962	1984-09-30	97.	0470845	1984-09-30
50.	0300517	1984-09-30	98.	0471241	1984-09-30
51-	0309232	1984-07-16	99.	0471544	1984-09-30
52-	0313627	1984-08-31	100.	0475552	1984-10-31
53.	0315631	1984-11-15	101.	0476554	1984-10-31
5.4.	0316835	1984-09-30	102.	0478457	1984-11-15
จี จี-	0319033	1984-05-31	103.	0478659	1984-11-15
56.	0319942	1984-10-31	104-	0479257	1984-11-15
57.	0322022	1984-05-15	105.	0482044	1984-08-31
58-	0333532	1984-08-31	106.	0485555	1984-11-30
5.9-	0334433	1984-03-31	107.	0548654	1984-09-15
60.	0338340	1984 08-31	108.	0550136	1983-12-31
61.	0351433	1984-09-30		0554043	1984-09-30
62	0354439	198 t- 09-30	109.		
63.	0355643	1984-09 30	110.	0584254	1984-10-31
64-	6368349	1984-11-15	111.	0584355	1984 - 10 - 31
65.	0378453	1984-08-31	112	0585054	1984-10-31
£6.	0382747	1984-11-15	113.	0585256	1984-10-31
					,

7	Q	7	7

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
114.	0585357	1984-10-31	157.	0789575	1984-08-15
1 1 5.	0594358	1984-10-31	158.	0790459	1984-08-15
	0629755	1984-11-30	159.	0798172	1984-09-15
116.			160.	0799376	1984-09-15
117.	0637047	1984-08-15	161.	0799477	1984-09-15
118.	0637451	1984-08-31	162.	0799578	1984-09-30
119.	0638150	1984-08-31	163.	0800739	1984-10-31
120.	0640137	1984-09-15	164.	0804141	1984- 10- 15
121.	0643547	1984-09-30	165.	0804242	1984-10-15
1 2 2.	0643648	1984-09-30	166.	0804545	1984-10-15
123.	0643749	1984-09-15	167.	0806852	1984-10-31
124.	0646452	1984-03-16	168.	0807450	1984-10-31
125.	0648254	1984-10-31	169.	0809050	1984-11-15
126.	0648355	1984-10-31	170.	0809151	1984-11-15
			171.	0811744	1984-11-15
127	0650746	1984-10-31	172.	0815247	1984-11-30
128.	0653247	1984-11-15	173	0815054	1984-11-15
129.	0660446	1984-11-15	174.	0816754	1984-11-30
130.	0663149	1984-09-30	175.	0820038	1984-10-31
131.	0670348	1984-10-15	176.	0876570	1984-06-30
132	0715546	1984-08-31	177.	0878069	1984-09-30
133	0719453	1984-09-15	178.	0887878	1984-09-15
134	0719756	1984-09-15	179.	0887979	1984-09-30
135.	07210336	1984-11-15	180.	0891061	1984-08-31
136	0721743	1984 - 09-15	181.	0891465	1984-08-31
137.	0722139	1984-09-30	182.	0894168	1984-09-15
138	0722442	1984-09-30	183.	0894976	1984-09-15
139	0726551	1984-10-15	184.	0895372	1984-08-31
140.	0727957	1984-10 .31	185-	0898479	1984-09-30
141.	0728353	1981-10-31	186.	0900743	1984-09-30
142.	0730037	1984 11-15	187.	0905046	1984-10-15
143.	0730976	1984-11-15	188.	0905147	1984-10-15
144.	0731039	1984 · 1115	189.	0905248	1984-10-15
145.	0731443	1984-11-15	190.	0908254	1984-10-31
146.	0732142	1984-11-15	191.	0911344	1984-11-15
147	0733144	1984-11-15	192.	0911445	1984-11-15
148.	0734752	1984-11-30	193.	0911748	1984-11-15
149.	0735350	1984 -11-30	194.	6911950	1984-10-31
	0735653	1984-11-30	195.	0912043	1984-10-31
150-		1934-11-30	196.	0912447	1984·11-15 1984·11-15
151	0735754		197.	0913045	1984-11-15
152.	0741244	1983-12-15	198.	0914047	1984-12-31
153.	0752956	1984-02-29	199. 200.	0924757 0927864	19840115
154	0753049	1984-02-29	200.	0932251	1984-01-31
155.	0753150	1984-02-15	201.	0976473	1984-06-30
156.	0781054	1984-09-30	# V #.	9919110	-3

3878

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
263.	0985171	1984-08-15	249.	1133830	1984-11-15
204.	0986375	1984 · 08-15	250.	1134228	
205.	0981166	1984 · 09 - 15			1984 11-30
206.	0992168	1984 09-15	251.	1137032	1984-11-15
207.	0992076	$1984 \cdot 09 - 15$	252.	1150125	1984-10 ·31
208.	0893572	1984-09 - 15			
209.	0993473	$1984 - 09 \cdot 15$			[सं० मी एम डी/13: 12]
210.	0997178	1984-09 - 30			
211.	1000005	1985-04-30	Š	S. O. 3337 :—In	pursuance of sub-regula-
212.	1002009	1984-11-15		_	of the Indian Standards Ins-
213.	1004518	1984-10-31	titutio	n (Certification N	Marks) Regulations, 1955, as
214.	1005015	1984 · 11-15	amend	led from time to	time, the Indian Standards
215.	1005621	1984-11 15	Institu	tion, hereby, not	ifies that 252 licences, parti-
216.	1006825	1984-11-15	culars	of which are giv	en in the following Schedule,
217.	1007019	1984-11-15	have b	een renewed dur	ing the month of November,
218-	1008021	1984-11-15	1983.		
219.	1009932	1984-11-30			
220.	1010715	1984-11-30			SCHEDULE
221	1064132	1984-04-15			
222-	1065235	1984-04-15		CM/L. No.	Valid upto
223.	1087043	1984-06-15	No.		
224.	1090941	1984-06-15	(1)	(2)	(3)
225	1092642	1984-06-30			
226.	1111115	1984-08-31	1	0002408	1984 10 15
227	1111216	1984 - 08-31	2	0009624	1984 09 30
228.	1112725	198409-15	3	0019526	1984 09 30
229.	1115022	1984-08-31	4	0020511	1984 11 30
230.	1115527	1984-09-15	5	0024822	1984 11 30
231.	1117834	1984-09-30	6	0031718	1984 10 31
232.	1119939	1984-09 - 30	7	0034926	1984 10 31
233.	1120015	1984 - 10 - 15	8	0036122	1984 12 15
234.	1120520	1984 10 15	7	0036526	1984 02 27
235.	1121623	1984-10-15	10	0059235	1984 11 30
236.	1122221	1984-10-15	11.	0059841	1984 11 30
237	1122726	1984 - 10 - 15	12.	0121618	1984 07 15
238	1124023	1984 - 10 - 15	13.	0132219	1984 11 15
239.	1124326	1984-10-15	14.	0149034	1984 08 15
$240 \cdot$	1125126	1984-10-31	15.	0149135	1984 08 15
$241\cdot$	1126623	1984-10-31	16.	0149236	1984 08 15
242.	1127130	1984-10-31	17.	0151728	1984 09 15
243.	1127231	1984-10-31	18.	0152528	1984 09 30
244.	1127332	1984-10-31	19.	0154027	1984 08 31
245.	1129033	1984-11-15	20.	0173031	1984 10 31
			21.	0176744	1984 10 31
246	1130119	1984-11-15	22.	0180230	1984 10 31
247.	1131525	1984-11-30	23.	0194241	1984 08 15
246.	1131727	1984-11-15	24.	0195445	

1	2	3	(1)	(2)	 (3)
25.	0207931	1984 10 31	72.	0400218	 1984 10 31
26.	0208327	1984 10 31	73.	0401018	1984 10 31
27.	0215829	1984 09 30	74.	0403224	1984 11 30
28.	0216124	1984 09 30	75.	0404125	1984 11 15
29.	0217025	1984 09 30	76,	0404226	1984 11 15
30.	0221925	1984 02 01	77. 78,	04045935 0409034	1984 11 15 1984 11 <u>1</u> 5
31.	0223020	1984 09 30	78. 79.	0410322	1984 09 30
32.	0223222	1984 08 31	80.	0411021	1984 09 30
33.	0223727	1984 09 30	81.	0421529	1984 08 31
34.	0228232	1 <b>984</b> 09 30	82.	0422026	1984 10 31
		1984 09 30	83.	0431633	1984 08 31
35.	0230724		84.	0441232	1984 10 31
36.	0238336	1984 08 31	85.	0441333	1984 10 31
<b>37</b> .	0238437	1984 08 31	86, 87,	0450536 0450637	1984 08 31 1984 08 31
38.	0240424	1984 09 15	88.	0456144	1984 08 31
39.	0240626	1984 09 15	89,	0460741	1984 09 15
40.	0245737	1984 03 31	90.	0462644	1984 08 31
41.	0245838	1984 03 31	91.	0465044	1984 09 30
42,	0258140	1984 09 15	92.	0465751	1984 09 30
43.	0259546	1984 09 30	93.	0465852	1984 09 30
44.	0262939	1984 08 31	94.	9466854	1984 09 15
45.	0270635	1984 10 31	95, 96,	0466955 0469860	1984 09 15
46.	0273035	1984 10 31	90. 97.	0469860	1984 09 30 1984 09 30
47.	0274441	1984 09 30	98.	0471241	1984 09 30
48.	0287955	1984 08 31	99.	0471544	1984 09 30
49.	0299962	1984 09 30	100.	0475552	1984 10 31
50.	0300517	1984 09 30	101.	0476554	1984 10 31
<b>5</b> 1.	0309232	1984 07 16	102.	0478457	1984 11 15
52.	0313627	1984 08 31	103,	0478659	1984 11 15
53.	0315631	1984 11 15	104.	0479257	1984 11 15
54.	0316835	1984 09 30	105. 106.	0482044 0485555	1984 08 31 1984 11 30
55.	0319033	1085 05 31	100.	0483333	1984 09 15
	0319942	1984 10 31	108.	0550136	1983 12 31
56.	•	1684 05 15	109.	0554043	1984 09 30
57.	0322022		110.	0584254	1984 10 31
58.	0333532	1984 08 31	111.	0584355	1984 10 31
<b>59.</b>	0334433	1984 ()3 31	112.	0585054	1984 10 31
60.	0338340	1984 08 31	113.	0585256	1984 10 31
61.	0351433	1984 09 30	114.	0585357	1984 10 31
62.	0354439	1984 09 30	115.	0594358	1984 10 31
63.	0355643	1984 09 30	116.	0629755	1984 11 30
64.	0368349	1984 11 15	117.	0637047	1984 08 15
65.	0378453	1984 08 31	118.	0637451	1984 08 31
66.	0382747	1984 11 15	119.	0638150	1984 08 31
67.	0392144	1984 09 30	120.	0640137	1984 09 15
68.	0393853	1984 08 31	121.	0643547	1984 09 30
69,	0394451	1984 09 30	122. 123.	0643648 0643749	1984 09 30 1984 09 15
70.	0395655	1984 09 30	123.	0646452	1984 09 15
71.	0396657	1984 06 30		0648254	
_ :		1707 00 30	125.	0040234	1984 10 31

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
126.	0648355	1984 10 31	179.	0887979	1984 09 3
127.	0650746	1984 10 31	180.	0891061	1984 08 3
128.	0653247	1984 11 15	181.	0891465	1984 08 3
129.	0660446	1984 11 15	182.	0894168	1984 09 1
130.	0663149	1984 09 30	183.	0894976	1984 09 1
131.	0670348	1984 10 15	184.	0895372	1084 08 3
132.	0715546	1984 08 31	185.	0898479	1984 09 3
133.	0719453	1984 09 15	186.	0900743	1984 09 3
134.	0719756	1984 09 15	187.	0905046	1984 10 1
135.	0721036	1984 11 15	188.	0905147	1984 10 1
136.	0271745	1984 09 15	189.	0905248	1984 10 1
137.	0722139	1984 09 30	190.	0908254	1984 10 3
138.	0722442	1984 09 30	191	0911344	1984 11 1
139.	0726551	1984 10-15	192.	0911445	1984 11 1
140.	0727957	1984 10 31	193.	9111748	1984 11 1
141.	0728353	1984 10 31	194.	0911950	1984 10 3
142.	0730037	1984 11 15	195.	0912043	1984 10 3
143.	0730976	1984 11 15	196.	0912447	1984 11 1
144.	0731039	1984 11 15	197.	0913045	1984 11 1
145.	0731443	1984 11 15	198.	0914047	1983 12 3
146.	0732142	1984 11 15	199.	0924757	1983 12 3
147.	0733144	1984 11 15	200.	0927864	1984 01 1
148.	0734752	1984 11 30	201.	0932251	1984 01 3
149.	0735350	1984 11 30	202.	0976473	1984 06 3
50.	0735653	1094 11 30	203.	0985171	1984 08.1
151.	0735754	1984 11 30	204.	0986375	1984 08 1
152.	0741244	1983 12 15	205.	0991166	1984 09 1
153.	0752956	1984 02 29	206.	0992168	1984 09 1
154.	0753049	1984 02 29	207.	0992976	1984 09 1
155.	0753150	1984 02 15	208.	0993372	1984 09 1
156.	0781054	1984 09 30	209.	0993473	1984 09 1
157.	0789575	1984 08 15	210.	0997178	1984 09 3
158.	0790459	1984 08 15	211.	1000005	1985 04 3
159.	0798172	1984 09 15	211.	1002009	1984 11 1
60	0799376	1984 09 15	213.	1004518	1984 10 3
61.	0799477	1984 09 15	214.	1005015	1984 11 1
62,	0799578	1984 09 30	215.	1005621	1984 11 1
			216.	1005021	1984 11 1
63.	0800739	1984 10 31	210.	1007019	1984 11 1
64.	0804141	1984 10 15		1008021	1984 11 1
65.	0804242	1984 10 15	218.		1984 11 3
66.	0804545	1984 10 15	219.	1009932	
67.	0806852	1984 10 31	220.	1010715	1984 11 3
68.	0807450	1984 10 31	221.	1064132	1984 04 1
			222.	1065235	1984 04 1
69.	809050	1984 11 15	223.	1087043	1984 06 1
70.	0809151	1984 11 15	224.	1090941	1984 06 1
71.	0811744	1984 11 15			
72.	0815247	1984 11 30	225.	1092642	1984 06 3
73.	0815954	1981 11 15	226.	1111115	1984 08 3
74.	0816754	1984 11 30	<b>227</b> .	1111216	1984 08
			228.	1112723	1984 09
75.	<b>08200</b> 38	1984 10 31	229.	1115022	1984 08 3
76.	0876570	1984 06 30			
177.	0878069	1983 09 30	230.	1115527	1984 09 1
l78.	0887878	1984 08 15	231.	1117834	1984 09 3

1984-11-15

[भाग II-खंद 3(aii)]		भारत का राभपसः जुलाई २०	, 1985/भाषा ——————	\$ 29, 1907	3881		
(1)	(2)	(3)	_(1)_	(2)	(3)		
232.	1119939	1984 09 30	8.	0059136	1984-11-30		
233.	1120015	1984 10 15	9.	0064935	1984-10-31		
234.	1120520	1984 10 15	10.	0085151	1984 - 1115		
235.	1121623	1984 10 15	11.	0063252	1984-11-15		
236.	1122221	1984 10 15	12.	0084458	1984-11-30		
237.	1122726	1984 10 15	13.	0084557	1984-11-30		
238.	1124023	1984 10 15	14.	0061730	1984 - 05 - 31		
239.	1124326	1984 10 15	15.	0085367	1984-11-30		
240.	11.25126	1984 10 31	16.	0085559	1984-11-30		
241.	1126623	1984 10 31	17.	0086945	1984-11-50		
242.	1127130	1984 10 31	18.	0067058	1984-11-30		
243.	1127231	1984 10 31	19.	0087240	1984-11-30		
244.	1127332	1984 10 31	20.	0087442	1984-11-30		
245.	1129033	1984 11 15	21.	0087644	1984 - 11 - 30		
246.	1130119	1984 11 15	22.	0088040	1984-11-30		
247.	1131525	1984 11 30	23.	0088242	1984-11-30		
248.	1131727	1984 11 15	24-	0088444	1984-11-30		
249.	1133630	1984 11 15	25.	0086646	1984-11-36		
250.	1134228	1984 11 30	26.	0091029	19841130		
251.	1137032	1984 11 15	27.	0092758	1984-11-30		
252.	1130125	1984 10 31	28.	0092839	1984-11-30		
. — —			29.	0093437	1984-11-30		
		[No. CMD/13:12]	30.	0094641	1984-11-30		
			31.	0095845	$1984 \cdot 11 - 30$		
		समय समय पर संशोधित	32.	0114924	1984-12-15		
	to भार 3338 : 		33.	0120919	1984 11-30		
भारतीय मानक संस्था(प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक		34.	0121921	1984 -1231			
			35.	0123723	1984~12~15		
संस्था	द्वारा अधिसूचित	किया जाता है कि जिम 424	36.	0128935	1984-11-30		
<b>ल</b> /इसेंस	तें के ब्योरे नं	ोचे अनुसूचो में दिए गए हैं उनका	37.	0143325	1984-12-15		
		नीकरण किया गया है।	38.	0154532	1984 - 11-15		
144.7			39-	0164232	1984-10-31		

		अनुसूचा	41.	0169848	1985 - 06 - 30
<del></del>	ती/एम/एल	वैध: सक	42.	0170732	1984 - 11 - 15
नःन संख्या	संख्या संख्या	13.1	43.	0171532	1984 - 12 - 15
			44.	0171633	1984-12-15
(1)	(2)	(3)	45.	0181737	1984 - 10 - 31
1.	0021614	1984 ·12-15	46.	0186949	1984 - 12 - 15
	0036950	1984 ·12-31	47.	0188246	1984-12-31
2.		• • • -	46-	0191639	1984-12-31
3.	0055820	1984 - 08 - 31	49.	0196750	1984 - 09 - 15
4.	0054427	1984-12-31	50.	0198754	1984-10-31
5.	0054750	1984-12-15	<b>5</b> 1.	0203822	1984 09 30
6.	0055329	1984-12-31	52.	0208024	1984-10-31
7	0065420	1984-10-31	53,	0208630	1984-10-31

40. 0164939

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
54.	0209735	1984-12-15	101.	0414128	1984 · 12 - 15
5 5.	0216730	1984-12-15	102.	0414229	1984-12-15
56.	0217530	1984-12-15	103.	0414532	1984-12-15
57.	0217833	1984-12-31	104.	0418843	1984-12-15
58.	0221319	1985-01-15	105.	0437544	1984-11-15
59.	0225428	1984-10-31	106.	0455041	1984-10-18
60.	0245636	1984-11-15	107.	0464345	1984-11-30
61.	0247741	1984-11-15	108-	0471445	1984-09-30
62.	0251328	1984-12-15	109.	0474954	1984-10-31
63.	0254435	1984-12-15	110.	0475047	1984-10-31
64.	0267848	1984-11-30	111.	0476251	1984-12-15
65.	0269044	1984-11-15	112.	0476453	1984-06-15
66.	0273843	1984-11-30	113.	0478154	1984-10-31
67.	0274643	1984-12-15	114.	0478962	1984-10-31
68.	0277245	1984-10-31	115.	0479661	1984-11-30
69.	0278247	1984-10-15	116	0480040	1984-11-30
70.	0281034	1984-11-15	117.	0481547	1984-11-30
71.	0282238	198411-30	118.	0482246	1984-11-30
72.	0282541	1984-11-30	119-	0462953	1984-12-31
73.	0285145	1984-12-15	120.	0483046	1984-12-31
74.	0285648	1984 - 12-31	121.	0486052	1984-11-30
75.	0286246	1984-11-30	1 <b>2</b> 2.	0488153	1984-11-30
76.	0287551	1984-10-31	123.	0488056	1984-12-15
77.	0318235	1984-10-15	124.	0488157	1984-10-3
78-	0322224	1984-11-30	125.	0489866	1984-10-15
79.	0322325	1984-11-30	126.	0489967	1984-10-15
80.	0322527	1984-11-30	127.	0496661	1984-12-31
81.	0323630	1984 - 11-30	128.	0497158	1984-12-15
82.	0534420	1984-12-15	129.	0504129	1984-02-29
83.	0347745	1984-12-31	130.	0516035	1984-10-31
84.	0355239	1984 · 10 - 31	131.	0516138	1984-10-31
85.	0355948	1984-09-30	132.	0518443	1984-12-15
86.	0356140	1984-12-15	133.	0526038	1984-05-31
87-	0356241	1984-10-15	134.	0527342	1984-11-30
88-	0358851	$1984 \cdot 11 - 15$	135.	0527949	1984-12-15
89.	0359045	1984-11-15	136.	0533843	1984-12-15
90.	0359550	1984-12-31	137.	0533944	1984-12-15
91.	0374041	1984-06-15	138.	0541640	1984-10-31
92.	0382040	1984-11-15	139.	0551542	1984-12-31
93.	0393966	1984-10-31	140.	0563647	1984-12-31
94.	0400319	198410-31	141.	0557049	1984-10-15
95.	0401523	1983-10-31	142.	0558051	1984-10-15
96.	0401624	1984 10 31	143-	0559356	1984-11-30
97.	0408028	1984-11-30	144.	0559659	1984-08-31
98.	0406230	1984-11-30	145-	0561949	1984-11-15
99.	0406634	1984 11-30	146.	0563347	1984-11-15
00.	0408032	1984 11-30	147.	0563448	1984-10-31

1	2	3	_ 1	2	3
148.	0564046	1984-11-30	194.	0667763	1984-12-15
149.	0564248	1984-11-30	195-	0883357	1984-12-31
150	0566858	1984-11-30	196-	0686060	1984-03-31
151.	0568155	1984-12-15	197	0888165	1984-12-15
152.	0568256	1984-12-15	198.	0703236	1984-12-15
153	0570546	1984-11-30	199.	0710233	1984-11-30
154.	0570647	1984-11-30	200.	0715142	1984-11-30
155.	0571649	1984-11-30	201.	0715748	1934-08-31
156.	0573047	1984-12-31	202.	0724345	1984-11-15
157	0579463	1984-12-31	203.	0727351	1984-10-15
158.	0584456	1984-10-31	204	0728656	1984-10-31
159.	0584658	198410-31	205.	0730340	1984-11-15
160.	0584960	1984-10-31	206-	0734146	1984-11-15
161.	0584961	1934-10-31	207	0734954	1984-11-30
162.	0585459	1984-10-31	208.	0735047	1984-11-30
163.	0593962	1984-12-15	209	0735349	1985-04-30
164.	0595363	1984-12-15	210.	0735855	1984-11-39
165.	0597889	1984-11-30	211	0736251	1984-11-15
16,6	0599368	1984-12-15	212.	0736653	1985-06-30
1 <del>6</del> 7·	0607139	1984-12-15	213.	0736756	1984-11-30
168.	0812435	1984-12-15	214.	0736857	1984-11-30
169	0635315	1984-08-31	215.	0737051	1984-11-30
170.	0635649	1984-11-30	216.	0737152	1985-01-15
171.	0637550	1984-08-31	217.	0737253	1984-11-30
172	0639657	1984-09-15	218	0738559	1984-11-30
173.	0643850	1984-11-15	219.	0739158	1984-12-15
174.	0644347	1984-10-15	220.	0741042	1984-12-15
175-	0645955	1934-10-15	221.	0741244	1984-12-15
176-	0646654	1984-10-31	222.	0742549	1984-12-31
177.	0648961	1984-10-31	223.	0743248	1984-12-31
178.	0649660	1984-10-31	224.	0744250	1984-12-31
179.	0652245	1984-11-15	225.	0744351	1984-12-31
180.	0652346	1984-11-15	226	0727155	1985-01-15
181.	0652649	1984-11-15	227.	0755659	1984-02-29
182-	0652851	1984-11-15	228	0776869	1984-05-31
183.	0653348	1984-11-15	229.	0788472	1984-10-31
184	0653449	1984-11-15	230.	0801034	1984-09-30
185.	0653550	1984-11-15	231.	0803038	1984-10-15
186.	0653752	1983-11-30	232.	0805850	1984-10-31
187	0655453	1984-11-15	233-	0807551	1984-10-31
188-	0655655	1984-11-30	234-	0807953	1984-10-31
189.	0656051	1984-11-30	235.	0808654	1984-10-31
190	0656152	1984 - 12 - 15	236.	0808755	1984-10-31
191.	0656556	1984-11-30	237.	0808957	1984-10-31
192.	0657962	1984-12-15	238.	0809252	1984-11-15
193	0658762	1984-12-31	239.	0810540	1984-11-15

1	2	3	1	2	3
240.	0810742	1984-11-15	286.	0908860	1984-11-15
241.	0811441	1984-11-15	287.	0909963	1984-11-15
242.	0814043	1984-02-28	288.	0910746	1984-11-15
243.	0814245	1984-11-15	289	0912346	1984-11-15
244.	0815348	1985-06-30	290-	0914148	1984-11-30
245.	0815550	19 4-11-30	291.	0914249	1984-11-30
246	0816148	1984-11-30	292	0914855	1984-11-30
247.	0817251	1984-12-15	293.	0914956	1984-11-30
248.	0817756	1984-11-30	294	0915352	1984-11-30
249.	0817857	1984-11-30	295.	0915857	1984-11-30
250.	0817958	1984-11-30	296	0915958	1984-11-30
251.	0818051	1984-11-30	297.	0916960	1984-11-30
252.	0818253	1984-11-30	298	0917356	1984-11-30
253.	0819659	1985-06-15	299.	0917861	1984-12-15
254.	0819760	1984-12-15	300-	0918560	1984-12-15
255.	0820947	1984-11-30	301	0918964	1984-12-15
256.	0821842	1984-12-15	302.	0919764	1984-11-30
257.	0821343	1984-12-35	303.	0920749	1984-12-15
258.	0821747	1984-12-15	304.	0921549	1984-12-15
259	0823953	1984-11-30	305.	0922248	19841215
260-	0824046	1984-11-30	306.	0922753	1984-12-15
261	0829258	1984-11-30	307.	0922955	1984-12-15
262.	0829359	1984-11-30	308.	0923250	1984-12-15
263.	0829561	1984-11-30	309.	0924353 0926357	1984-12-31
264	0829662	1984-12-15	310. 311.	0926357	1984-12-31
265.	0830344	1984-11-30	312.	0969476	1984-05-15
266	0833249	1984-11-30	313.	0975370	1984-11-30
267	0838562	1984-11-30	314	0981062	1984-06-15 1984-07-15
268-	0842856	1984-03-15	315	0992572	198409-15
269	0844254	1984-11-30	316	0994576	1984-09-30
270.	0847664	1984-11-30	317.	0997582	1984-09-30
271.	0849365	1984-03-31	318.	0999586	1984-10-15
272.	0851756	1984-08-15	319.	0999990	1984-10-15
273.	0852354	1984-11-30	320.	1000914	1984-10-15
274.	0866971	1984-05-15	321.	1003415	1984-10-31
275	0877875	1984-11-30	322.	1003516	1984-10-31
276.	0879071	1984-05-31	323.	1003920	1984 - 10 - 31
277.	0879172	1984-05-31	324.	1004013	1984 - 10 - 31
278	0880864	19841130	325.	3005318	1984-11-15
279.	0881765	1984-07-31	326.	1005419	1984-11-15
280-	0897174	1984-09-30	327.	1005823	1984 - 1115
281.	0897376	1984-09-30	328	1006017	1984-11-15
282-	0899279	1984-10-15	329.	1006421	1984-11-15
283-	0901098	1984-09-30	330.	1006724	1984-11-15
284.	0901442	1984-10-31	331	1007423	1985-02-15
285.	0906854	1984-10-31	332.	1007524	1984-11-15

1	2	3	1	2	3
333.	1008223	1984-11-30	380.	1122827	1984-10-15
334.	1008425	1984-11-30	381.	1122928	1984-10-15
335.	1008728	1984-11-30	382.	1123122	1984-10-15
336.	1008829	1984-11-30	383.	1123223	1984-10-15
337.	1009023	1984-11-30	384.	1123627	1984-09-30
338.	1009326	1984-11-30	385.	1123930	1984-10-15
339.	1009427	1984-11-30	386.	1124124	1984-10-15
340.	1009629	1984-11-30	387.	1124225	1984-10-15
341.	1010008	1984-11-30	388.	1124427	1984-10-15
342.	1010109	1984-11-30	389.	1125631	1984-10-31
43.	1010210	1984-11-30	390.	1126431	1984 10 <b>- 54</b>
344.	1010513	1984-11-30	391.	1126835	1984-10-31
45.	1011212	1984-11-30	392	1128132	1984-11-15
46.	1011313	1984-11-30	393.	1128233	1984-11-15
47.	1011717	1984-11-30	394.	1128334	1984-11-15
48.	1013216	1984-12-15	395.	1128738	1984-11-35
49.	1013620	1984-12-15	396.	1129336	1984-11-15
50.	1013721	1984-12-15	397.	1129740	1984-11-15
51.	1013822	1984-12-15	398.	1129841	1984-11-15
52.	1015826	1984-12-15	399.	1129942	1984-11-15
53.	1016020	1984-12-15	400.	1130018	· <del></del>
54.	1016121	1984-12-15	401.	1130422	1984-11-15
5 <b>5</b> .	1016323	1984-11-30	402.	1130927	1984-11-15
5 6.	1016727	1984-12-15	403.	1131424	1984-11-30
57.	1016828	1984-12-15	404.	1132022	1984-02-28
5 <b>8</b> .	1016929	1984-12-15	405.	1132123	1984-11-30
		1984-12-15	406.	1134430	1984-11-30
59.	1017426 1017830	1984-12-15	407.	1134531	1984-11-30
6 <b>0</b> .		1984-12-15	408.	1134032	1984-11-30
61.	1018226	1984-12-15	409.	1135735	1984-11-30
3 <b>2</b> .	1018529	1984-12-15	410.	1135937	1984-1130
63.	1018731	•	411.	1136535	1984-12-15
34.	1020112	1984-12-31 1984-12-51	412.	1137234	1984-12-15
35.	1021821	1985-01-15	413.	1157636	1984-12-30
66.	1024120	1984-12-15	414.	1137840	1984-11-30
5 <b>7</b> .	1025627	1984-11-15	415.	1138135	1984-02-15
3 <b>8</b> .	1027025		416.	1138337	1984-12-15
6 <b>9</b> .	1078244	1984-05-15 1984-05-31	417.	1138741	1984-12-15
70-	1086011		418-	1139339	1984-12-15
71.	1104926	1984-08-15	419	1140930	1984-12-15
72.	1117320	1984-04-15	420.	1143936	1984- 12-31
73.	1119838	1984-09-30	421.	1145031	1984-12-15
74.	1120621	1984-10-15	422.	1145435	1984-12-31
<b>7</b> 5.	1120722	1984-10-15	423.	1146345	1985-01-15
76.	1121118	1984-10-15	424	1150327	1984-10-31
77.	1121219	1984-10-15			[सं० सीएमडी/13:12]
78.	1121320	1984-10-15			बी० एन० सिंह,
79.	1121421	1984-10-15			अपर महानिदेशक

7000		GAZETTE OF INDIA . JCET .		D/11/11/11 20, 1	[2 ]
	S.O. 3338	:—In pursuance of sub-regu-	1	2	3
lation	(1) of Regu	llation 8 of the Indian Standards	41.	0169848	1985 06 30
Lastitu	ttioa (Certifi	cation Marks) Regulations, 1955	42.	0170732	1984 11 15
		time to time, the Indian Standards	43.	0171532	1984 12 15
		, notifies that 424 licences, parti-	44.	0171633	1984 12 15
		e given in the following Schedule,	45.	0181737	1984 10 31
have	been renewe	ed during the month of Dec' 1983.	46.	0186949	1984 12 15
			47.	0188246	1984 12 31
			48.	0191639	1984 12 31
		SCHEDULE	49.	0196750	1984 09 15
	<del></del> -		50.	0198754	1984 10 13
SL	CM/L	Valid upto	51.	0203822	1984 09 30
No.	<b>N</b> o.		52.	0208024	1984 10 31
1	2	3	53.	0208630	1984 10 31
	···	- <del></del>	54.	0209733	1984 12 15
1.	0021614	1984 12 15	55.	0216730	1984 12 15
2.	0036930	1984 12 31	56.	0217530	1984 12 15
3.	0053829	1984 08 31	57.	0217833	1984 12 31
4.	0054427	1984 12 31	58.	0221319	1985 01 15
5.	0054730	1984 12 15	59.	0225428	1984 10 31
6.	0055328	1984 12 31	60.	0245636	1984 11 15
7.	0055429	1984 10 21	61.	0247741	1984 11 55
8.	0059134	1984 11 30	62.	0251328	1984 12 15
9.	0064935	1984 10 31	63.	0254435	1984 12 15
10.	0083131	1984 11 15	64.	0267848	1984 11 30
11.	0083232	1984 11 15	65.	0269044	1984 11 15
12.	0084436	1874 11 30	66.	0273843	1984 11 30
13.	0084537	1984 11 30	67.	0274643	1984 12 15
14.	0084739	1984 05 31	68.	0277245	1984 10 31
15.	0085337	1984 11 30	69.	0278247	1984 10 15
16.	0085539	1984 11 30	70.	0281034	1984 11 15
17.	0086945	1984 11 30	71.	0282238	1984 11 30
18.	0087038	1984 11 30	72.	0282541	1984 11 30
19.	0087240	1984 11 30	73.	0285143	1984 12 15
20.	0087442		74.	0285648	1984 12 31
21.	0087644	1984 11 30	75.	0286246	1984 11 30
22.	0088040	1984 11 30	76.	0287551	1984 10 31
23.	0088242	1984 11 30	77.	0318233	1984 10 15
24.	0088444	1984 11 30	78.	0322224	1984 11 30
25.	0088646	1984 11 30	79.	0322325	1984 11 30
26.	0091029	1984 11 30	80.	0322527	1984 11 30
27.	0092738	1984 11 30	81.	0323630	1984 11 30
28.	0092839	1984 11 30	82.	0324420	1984 12 15
29.	0093437	1984 11 30	83.	0347745	1984 12 31
30.	0094641	1984 11 30	84.	0355239	1984 10 31
31.	0095845	1704 11 30	85.	0355946	1984 09 30
32.	0033845	1984 11 30	86.	0356140	1984 12 15
33.	0114924	1984 12 15	87.	0356241	1984 10 15
34.	0121921	1984 11 30	88.	0358851	1984 11 15
35.	0121321	1984 12 31	89.	0359045	1894 11 15
36.	0123723	1984 12 15			
37.	0143325	1984 11 30	90.	0359550	1984 12 31
38.	0143323	1984 12 15	91.	0374041	1984 06 15
39.	0164232	1984 11 15	92.	0382040	1984 11 15
40.	0164232	19 84 10 31	93.	0399966	1984 10 31
	U1 UTJJJ	1984 11 15	94.	0400319	1984 10 31
	<del></del>	······································			

1	2	3	1	2		3
95.	0401523	1984–10–31	150.	0566858		1984-11-30
96.	0401624	1984-10-31	151.	0568155	<b>s</b>	1984-12-15
97.	0406028	1984-11-30	152.	0568256		1984-12-15
98.	0406230	1984-11-30	153.	0570546		19841130
99.	0406634	1984-11-30	154.	0570647		19841130
100.	0408032	1984-11-30	155.	0571649		1984-11-30
101.	0414128	1984-12 15	156.	0573047		1984-12-31
102.	0414229	1984-12-15	157.	0579463		1984-12-31
103.	0414532	1984-12-15	158.	0584456		1984-10-31
104,	0418843	1984–12–15	159.	0584658		1984-10-31
105.	0437544	19841115	160.	0584860		1984-10-31
106.	0455041	1984-10-15	161.	0584961		1984-10-31
107.	0464345	1984-1130	162.	0585458		1984-10-31
108.	0471443	1984-09-30	163.	0593962		1984-12-15
109.	0474954	1984-10-31	164.	0595663		1984-12-15
110.	0475047	1984–10–31	165.	0597869		1984-11-30
111.	0476251	1984-12-15	166.	0599368		1984-12-15
112.	0476453	1984-06-15	167.	0607139		1984-12-15
112.	0478154	1984–10–30	168.	0612435		1984-12-15
114.	0478962	1984-10-31	169.	0635245		1984_08_31
115.	0479661	1984-11-30	170.	0635649		1984-11-30
116.	0480040	1984-11-30	171.	0637350		1984-08-31
117.	0481547	1984-11-30	172.	0639657		1984-09-15
117.	0482246	1984-11-30	173.	0643850		1984-11-15
119.	0482953	1984-12-31	174.	0644347		1984–10–15
119. 120.	0483046	1984-12-31	175.	0645955		1984-10-15
	0486052	1984-11-30	176.	0646654		1984-10-31
121.	0486153	1984-11-30	177.	0648961		1984-10-31
122. 123.	0488056	1984-12-30	178.	0649660		1984-10-31
123. 124.	0488157	1984-10 31	179.	0652245		1984-11-15
	0489866	1984-10-15	180.	0652346		1984-11-15
125.	0489967	1984-10-15	181.	0652649		1984-11-15
126.		1984-12-31	182.	0652851		1984-11-15
127.	0496661 0497158	1984-12-31	183.	0653348		1984–11–15
128.			184.	0653449		1984-11-15
129.	0504129	1984-02-29	185.	0.653550		1984-11-15
130.	0516035	1984-10-31 1984-10-31	186.	0653752		1983-11-30
131.	0516136 0518443		187.	0655453		1984-11-15
132.	0518443	1984-12-15	188.	0655655		1984-11-30
133.		1984-05-31	189.	0656051		1984-11-30
134.	0527242	1984-11-30	190.	0656152		1984-12-15
135.	0527949	1984–12–15	191.	0656556		1984-11-30
136.	0533843	1984-12-31	192.	0657962		1984–12–15
137.	0533944	1984 12-15	193.	0658762		1984–12–31
138.	0541640	1984-10-31	194.	0667763		1984-12-15
139.	0551542	1984 -1231	195.	0683357		1984-12-31
140.	0553647	1984-12-31	196.	0686060		1984-03-31
141.	0557049	1984-10-15	197.	0688165		1984-12-15
142.	0558051	1984-10 15	198.	0703236		1984-12-15
143.	0559356	1984-11-30	199.	0710233		1984-11-30
144.	0559659	1984-08-51	200.	0710233		1984-11-30
145.	0561949	1984-11-15	201.	0715748		1984-11-30
146.	0563347	1984_11_15	201.	0713746		1984-08-31
147.	0563448	1984-10-31	202.	0724343		1984-11-15
148.	0564046	1984-11-30	204.	0727551		1984-10-13
149.	0564248	1984–11–30	<u>۲</u> ٠٠٠.	V/20030		1304-10-3[

1	2	3		<b>*</b> 2	3
205.	0730340	1984-11-15	260.	0824046	1984-11-30
206.	0734146	1984_1115	261.	0829258	1984–11–30
207.	0734954	1984-11-30	262.	0829359	1984–11–30
208.	0735047	1984-11-30	263.	0829561	1984–11–30
209.	0735249	19850430	264.	0829662	1984–12–15
210	0735855	1984-11-30	265.	0830344	1984-11-30
211.	0736251	19841115	266.	0833249	1984-11-30
212.	0736655	1985–06 30	267.	0838562	1984-11-30
213.	0736756	1984–11–30	268.	0842856	1984_03_15
214.	0736957	1984-11-30	269.	0844254	1984-11-30
215.	0737051	1984-11-30	270.	0847664	1984_11-30
216.	0737152	1985-01-15	271.	0849365	1984_03_31
217.	0737253	1984–11–30	272.	0851756	1984_08-15
218.	0738559	1984–11–30	273.	0852354	1984–11–30
219.	0739156	1984–12–15	274.	0866971	1984-05-15
220.	0741042	1984–12–15	275.	0877875	1984-11-30
221.	0741042	1984-12-15	276.	0879071	1984_05-31
222.	0741244		277.	08791 <i>7</i> 2	1984-05-31
	0742349	1984-12-31	278.	0880864	19841130
223.		1984–12–31	279.	0881765	1984-07-31
224.	0744250	1984-12-31	280.	0897174	1984-09-30
225.	0744351	1984–12–31	281.	0897376	1984-09-30
226.	0747155	1985-01-15	282.	0899279	1984-10-15
227.	0755659	1984-02-29	283.	0901038	1984-09-30
228.	0776869	19840531	284.	0901442	1984-10-31
229.	0788472	1984-10-31	285.	0906654	1984–10–31
230.	0801034	1984-09-30	286.	0908860	1984-11-15
231.	0803033	1984-10-15	287.	0909963	1984-11-15
232.	0805850	1984_10-31	288.	0910746	1984-11-15
233.	0807551	1984–10–31	289.	0912346	1984_11_15
234.	0807955	1984–10–31	290.	0914148	1984-11-30
235.	0808654	1984–10–31	291.	0914249	1984-11-30
236.	0808755	1984–10–31	292.	0914855	1984-11-30
237.	0808957	1984–10–31	293.	0914956	1984-11-30
238.	0809252	1984–11-15	294.	0915352	1984-11-30
239.	0810540	1984–11-15	295.	0915857	
240.	0810742	1985-11- 15	296.	0915958	1984-11-30
241.	0811441	1984_11-15	297.	0916960	1984-11-30
242.	0814043	1984-02-28	298.	0917356	1984-11-30
243.	0814245	1984–11–15	299.	0917861	1984-11-30
244.	0815348	1985-06-30	300.	0918560	1984-12-15
245.	0815550	1984-11-30	301.	0918964	1984-12-15
246.	0816148	1984-11-30	301.	0919764	1984–12-15
247.	0817251	1984–12–15	302.	0919704	1984-11-30
248.	0817756	1984–11–30	303. 304.	0920749	1984-12-15
249.	0817857	1984-11-30	305.	0921349	1984–12–15
250.	0817958	1984-11-30			1984-12-15
251.	0818051	1984-11-30	306.	0922753	1984-12-13
252.	0818253	1984-11-30	307.	0922955	1984–12–15
253.	0819659	19850615	308.	0923250	1984–12–15
254.	0819760	1984-12-15	309.	0924353	1984–12–31
255.	0820947	1984-11-30	310.	0926357	19841231
256.	0821242	1984-12-15	311.	0965771	1984-05-15
257.	0821343	1984-12-15	312.	0969476	1984-11-30
258.	0821747	1984-12-15	313.	0975370	1984-06-15
259.	0823953	1984-11-30	314.	0981062	1984-07-15
		1704-11-20	315.	0992572	1984-09-15

1	2	3	1	2	3
316.	0994576	1984-09-30	372.	1117329	1984-04-15
317.	0997582	1984-09-30	373.	1119838	1984-09-30
318.	0999586	1984-10-15	374.	1120621	1984-10-15
319.	0999990	1984-10-15	375.	1120021	1984-10-15
320.	1000914	1984–10–15	376.	1121118	1984-10-15
321.	1003415	1984–10–31	370. 377.		
322.	1003516	1984–10–31		1121219	1984-10-15
323.	1003920	1984-10-31	378.	1121320	1984–10–15
324.	1004013	1984–10-31	379,	1121421	1984-10-15
325.	1005318	1984–11–15	380.	1122827	1984–10–15
326.	1005419	1984-11-15	381.	1122928	1984–10–15
327.	1005419	1984–11–15	382.	1123122	1984-10-15
327. 328.	1005825	1984-11-15	383.	1123223	1984-10-15
329.	1006017	1984-11-15	384.	1123627	1984-09-30
		1984-11-15	385.	1123930	1984–10-15
330.	1006724	1984-11-13	386,	1124124	1984–10-15
331.	1007423	<del>-</del>	387.	1124225	1984–10–15
332.	1007524	1984-11-15	388.	1124427	19841015
333.	1008223	1984-11-30	389.	1125631	1984-10-31
334.	1008425	19841130	390.	1126431	1984-10-31
335.	1008728	1984-11-30	391.	1126835	1984-10-31
336.	1008829	1984–11–30	392.	1128132	1984-11-15
337.	1009023	1984–11–30	393.	1128233	19841115
338.	1009326	1984–11–30	394.	1128334	1984-11-15
339.	1009427	1984–11–30	395.	1128738	198411 15
340.	1009629	19841130	396.	1129336	1984-11-15
341.	1010008	1984-11-30	397.	1129740	1984-11-15
342.	1010109	1984-11-30	398.	1129841	1984-11-15
343.	1010210	1984-11-30	399.	1129942	1984-11-15
344.	1010513	1984-11-30	400.	1130018	1704-11-13
345.	1011212	1984-11-30	400. 401.	1130422	1984-11-15
346.	1011313	198411-30		1130422	1984-11-15
347.	1011717	1984-11-30	402. 403.	1130927	1984-11-13
348.	1013216	1984-12-15			1985-02-28
349.	1013620	1984-12-15	404.	1132022	
350.	1013721	1984-12-15	405.	1132123	1984-11-30
351.	1013822	1984-12-15	406.	1134430	1984–11–30
352.	1015826	19841215	407.	1134531	1984-11-30
353.	1016020	1984-12-15	408.	1134632	1984–11-30
354.	1016121	1984–12–15	409.	1135735	1984-11-30
355.	1016323	1984-11-30	410.	1135937	1984–11–30
356.	1016727	1984-12-15	41 1.	1136535	1984–12–15
357.	1016828	1984-12-15	412.	1137234	1984–12–15
358.	1016929	1984–12–15	413.	1137638	1984–12–30
359.	1017426	1984–12–15	414.	1137840	1984–11–30
360.	1017420	1984–12–15	415.	1138135	1984-02-15
361.	1017836	1984–12- 15	416.	1138337	1984–12–15
362.	1018228	1984-12-15	417.	1138741	1984–12–15
	1018731	1984-12-15	418.	1139339	1984–12–15
363.		1984–12–13	419,	1140930	1984–12–15
364.	1020112	1984-12-31 1984-12-31	420.	1143936	1984–12–31
365	1021821		421.	1145031	1984–12–15
366.	1024120	1985-01-15	422.	1145435	1984–12–31
367.	1025627	1984-12-15	423.	1148845	1985-01-15
368.	1027025	1984-11-15	424.	1150327	1984-10-31
369.	1078244	1984-05-15			·————
770	1086041	1984-05-31			[N: . JMD/13:12]
370. 371.	1104926	1984-08-15			SINGH, Addl. Director General

2200000			<u> </u>			
पेट्रोलियम मंद्रालय	1	2	3	<u></u> 4	5	
नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1985					42	0- I 4
					43	0-01
का.आ. सं 3339 :यतः पेट्रोलियम् और खनिज					45	0-02
पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम,					46	0-27
1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1)				-	47	0-03
के अधीन भारत सरकार ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)					48	0-27
की अधिसूचना का. अ सं. 3752 तारीख 17-11-84					52	002
द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची					85	0-40
में विनिर्दिष्ट भूमियों के उन्योग के अधिकार को पाइप					86	003
					87 88	0-04 0-20
लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय					89	0-20
घोषित कर दिया था ।					90	0-23
और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की					91	0-28
धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट					92	0-28
वेदी है।					95	0-17
द दा ह ।					96	0-10
और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर					97	0-16
विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची					100	0-02
में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने					101	0-01
••					105	0-83
का विनिय्चय किया है।					112	0-05
अब, बतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा					113	0-21
					115	0-83
(1) द्वारा प्रवत्त पानित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार					116	0-03
एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची					117	0-54
में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-					118	0-02
लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया					119	0-57
जाता है।					120	009
*					121	0-02
और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त					158	0-01
शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती					159	0-13

[सं. O-14016/86/84 जी.पी.]

### MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 4th July, 1985

S.O. 3339.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum S.O. 3752 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said land; shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this

अनुसूची हाजिरा बरेली जगदीशापुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

की इस उपरीख को निहित होगा।

है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय

सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण

लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन

जिला	त <b>ह</b> सील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया रकवा
1	2	3	4	5	6
इटावा	औरस्या	औरस्या	द्वारिका-	13	0-01
			पुर औरय्या		
				15	0-58
				16	0-13
				17	0-36
				35	0-02
				40	0-16
				41	0-24

declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances,

### SCHEDULE

Hajira   Bareilly   Jagdishpur   Pipe   line   Project				SC	deput	E		
No.   Acquired	Hajira	Bare	illy	Jag	dishpur	Pipe	line	Project
No.   Acquired	Distt T	chsil	Par	gana	Village	Plot	A	геа
Etawah Auraiya Da- 13				<b>.</b>				
waskpur 15 Auraiya 16  0-13  17 0-36 35 0-02 40 0-16 41 0-24 42 0-14 43 0-01 45 0-02 46 0-27 47 0-03 48 0-27 52 0-02 85 0-40 86 0-03 87 0-04 88 0-02 89 0-23 90 0-02 91 0-28 92 0-28 95 0-17 96 0-10 97 0-16 100 0-02 101 0-01 105 0-83 112 0-05 113 0-21 115 0-83 116 0-03 117 0-54 118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01	1	2		3	4	5		6
waskpur 15 Auraiya 16  0-13  17 0-36 35 0-02 40 0-16 41 0-24 42 0-14 43 0-01 45 0-02 46 0-27 47 0-03 48 0-27 52 0-02 85 0-40 86 0-03 87 0-04 88 0-02 89 0-23 90 0-02 91 0-28 92 0-28 95 0-17 96 0-10 97 0-16 100 0-02 101 0-01 105 0-83 112 0-05 113 0-21 115 0-83 116 0-03 117 0-54 118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01	Etawab	Aura	iya	Aura	iya Da	- 13		0-01
Auraiya 16  0-13 17  0-36 35  0-02 40  0-16 41  0-24 42  0-14 43  0-01 45  0-02 46  0-27 47  0-03 48  0-27 52  0-02 85  0-40 86  0-03 87  0-04 88  0-02 89  0-23 90  0-02 91  0-28 92  0-28 95  0-17 96  0-10 97  0-16 100  0-02 101  0-01 105  0-83 112  0-05 113  0-21 115  0-83 116  0-03 117  0-54 118  0-02 119  0-57 120  0-09 121  0-02 158  0-01			•		-	pur 15		0~58
17  0-36 35  0-02 40  0-16 41  0-24 42  0-14 43  0-01 45  0-02 46  0-27 47  0-03 48  0-27 52  0-02 85  0-40 86  0-03 87  0-04 88  0-02 89  0-23 90  0-02 91  0-28 92  0-28 95  0-17 96  0-10 97  0-16 100  0-02 101  0-01 105  0-83 112  0-05 113  0-21 115  0-83 116  0-03 117  0-54 118  0-02 119  0-57 120  0-09 121  0-02 158  0-01								0-13
40 0-16 41 0-24 42 0-14 43 0-01 45 0-02 46 0-27 47 0-03 48 0-27 52 0-02 85 0-40 86 0-03 87 0-04 88 0-02 89 0-23 90 0-02 91 0-28 92 0-28 95 0-17 96 0-10 97 0-16 100 0-02 101 0-01 105 0-83 112 0-05 113 0-21 115 0-83 116 0-03 117 0-54 118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01								0-36
41 0-24 42 0-14 43 0-01 45 0-02 46 0-27 47 0-03 48 0-27 52 0-02 85 0-40 86 0-03 87 0-04 88 0-02 89 0-23 90 0-02 91 0-28 92 0-28 95 0-17 96 0-10 97 0-16 100 0-02 101 0-01 105 0-83 112 0-05 113 0-21 115 0-83 116 0-03 117 0-54 118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01						35		0-02
42  0-14 43  0-01 45  0-02 46  0-27 47  0-03 48  0-27 52  0-02 85  0-40 86  0-03 87  0-04 88  0-02 89  0-23 90  0-02 91  0-28 92  0-28 95  0-17 96  0-10 97  0-16 100  0-02 101  0-01 105  0-83 112  0-05 113  0-21 115  0-83 116  0-03 117  0-54 118  0-02 119  0-57 120  0-09 121  0-02 158  0-01					_,	40		0-16
43						41		0-24
45 0-02 46 0-27 47 0-03 48 0-27 52 0-02 85 0-40 86 0-03 87 0-04 88 0-02 89 0-23 90 0-02 91 0-28 92 0-28 95 0-17 96 0-10 97 0-16 100 0-02 101 0-01 105 0-83 112 0-05 113 0-21 115 0-83 116 0-03 117 0-54 118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01						42		0-14
46 0-27 47 0-03 48 0-27 52 0-02 85 0-40 86 0-03 87 0-04 88 0-02 89 0-23 90 0-02 91 0-28 92 0-28 95 0-17 96 0-10 97 0-16 100 0-02 101 0-01 105 0-83 112 0-05 113 0-21 115 0-83 116 0-03 117 0-54 118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01						43		0-01
47 0-03 48 0-27 52 0-02 85 0-40 86 0-03 87 0-04 88 0-02 89 0-23 90 0-02 91 0-28 92 0-28 95 0-17 96 0-10 97 0-16 100 0-02 101 0-01 105 0-83 112 0-05 113 0-21 115 0-83 116 0-03 117 0-54 118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01								
48								
52  0-02 85  0-40 86  0-03 87  0-04 88  0-02 89  0-23 90  0-02 91  0-28 92  0-28 95  0-17 96  0-10 97  0-16 100  0-02 101  0-01 105  0-83 112  0-05 113  0-21 115  0-83 116  0-03 117  0-54 118  0-02 119  0-57 120  0-09 121  0-02 158  0-01								
85			-					
86								
87								
88 0-02 89 0-23 90 0-02 91 0-28 92 0-28 95 0-17 96 0-10 97 0-16 100 0-02 101 0-01 105 0-83 112 0-05 113 0-21 115 0-83 116 0-03 117 0-54 118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01								
89  0-23 90  0-02 91  0-28 92  0-28 95  0-17 96  0-10 97  0-16 100  0-02 101  0-01 105  0-83 112  0-05 113  0-21 115  0-83 116  0-03 117  0-54 118  0-02 119  0-57 120  0-09 121  0-02 158  0-01								
90								
91								
92 0-28 95 0-17 96 0-10 97 0-16 100 0-02 101 0-01 105 0-83 112 0-05 113 0-21 115 0-83 116 0-03 117 0-54 118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01								
95 0-17 96 0-10 97 0-16 100 0-02 101 0-01 105 0-83 112 0-05 113 0-21 115 0-83 116 0-03 117 0-54 118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01						91		
96  0-10 97  0-16 100  0-02 101  0-01 105  0-83 112  0-05 113  0-21 115  0-83 116  0-03 117  0-54 118  0-02 119  0-57 120  0-09 121  0-02 158  0-01						92		0-28
97								
100 0-02 101 0-01 105 0-83 112 0-05 113 0-21 115 0-83 116 0-03 117 0-54 118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01								
101								
105								
112 0-05 113 0-21 115 0-83 116 0-03 117 0-54 118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01								
113								
115 0-83 116 0-03 117 0-54 118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01								
116 0-03 117 0-54 118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01								
117 0-54 118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01								
118 0-02 119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01								
119 0-57 120 0-09 121 0-02 158 0-01								
120 0-09 121 0-02 158 0-01								
121 0-02 158 0-01								
158 0-01								
159 0-13								
						15	 	0-13

[No. O-14016/86/84-GP]

का. आ. 3340: --यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकर का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 को उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के अर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं० 3753 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आणय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः ज्वा अधीनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुमूचो में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विकान के प्रयोजन लिए के एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

ओर आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रोय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रोय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकर लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन को इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा बरेली जगदीशपूर गैंस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

	-		3		
जिला	तहसील	परगना	ग्राम	ग ^{ाटा} संख्या	लिया गया रकवा
1	2	.3	4	5	6
इटावा	औरय्या	औरय्या	समरथपुर	1	0-07
				12	0-25
				13	0-30
				14	0~01
				15	0~01
				16	0~08
				20	0~55
				19	0~15
				98	0-01
				99	0-01
				100	0-01
				101	0-13

(1)	(2)		(3)	<u></u>		SCHED	ULE		
<del></del>		102	0-50	Hajira	Bareilly	Jagdispur	Pipe	line	Project.
		103	0-08	Distt	Pargana	Tebsil Villa	ıge	Plo	t Area
		120	0-07	1			4	5	6
		121	0-28	Etawal		Auraiya Sa			0-07
		133	1-25		- 11014191		pur	12	0-25
		137	0-49				•	13	0–30
	,	138	0-82					14	0-01
		151	0-62					15	0-01
								16	0-08
		156	1-32					20	0-55
		157	0-0 1					19	0-15
		158	0-01	,				98	0-01
		159	0-01					99	0-01
		160	0-58					100	0-01
		161	001					101	0-13
				1				102	0-50
	,	128	0-15					103	0–08
		140	0-01					120	0-07
		141	0-01					121	0–28
		_ <del></del>						133	1–25
	[सं. €	D-14016/86	s/84-जा.पा <u>]</u>					137	0-49
								138	0-82
	.—Whereas by not: the Ministry of I							151	0-62
S.O. 3753 da	ried 17-11-1984 und	er sub-section	(1) of Section					156	1-32
	troleum and Miner er in Land, Act, 19							157	0-01
	declared its intent							158	0-01
	or purpose of laying		ended to that					159	0-01
And where	eas the Competent	Authority ha	s under Sub-					160	0–58
Section (i) of to the Gover	of Section 6 of the	said Act, sub	mitted report					161	0-01
_	er whereas the Cer	stral Governme	ent has after					128	0-15
considering the	he said report, deci	ded to acquire	the right of					140	0-01
user in the I	ands specified in th	e schedule app	ended to this					141	0-01

[No. O-14016/86/84-GP]

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

notification.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

का. आ. सं 3341: — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (162 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय की अधिनूचना का. आ. सं. 3795 तारीख 27-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार

<del></del> .			. <del></del>	<del>=-=-</del>		====			=====	== .=	
	इप लाइनों आष्य घाषि			•	जित करने का	1	2	3	4	5	6
, , , ,	-11-4	,	4-11. 11.	•						175	0-09
औ	रियन: स्	क्षम प्रार्	धेकारी रे	ने उक्त	अधिनियम की					179	0-05
_		धारा (1	) के अध	त्रीन स ^{र्} क	तर को रिपोर्ट					176	0-01
देदी है	1									180	0-26
अगे	च आसे ४	ात∵ केःती	त्राम्बरम्	च ते उद्	त रिपोर्ट पर					181	0-21
					संलग्न अनुसू <del>ची</del>					184	0-03
में विति	र्दिष्ट भूमि	यों में उ			् अजित करने					185	0-54
काविनि	ाश्चय किया	ੋ है ।								117/32	0 0-04
अव	ा, अ <b>त</b> . उ	≄त अधि	नेयम की	धारा 6	की उपधारा					116	0-01
(1) F	ारी प्रदत्त	णवित कॉ	प्रयोग व	करते हुए [ं]	केन्द्राय सरकार					115	0-25
					ना मे संलग्न गकाअधिकार					113	0-03
					वहारा अजित					112	0-15
किया ज										111	1-70
आं रि	र अस्ते उ	म धाक	अगह कि	<del>Лгэт</del> ( 4 '	) द्वारा प्रदत्त					110	0-01
					, क्रारा त्रवता : निर्देश देती					109	0-35
है कि	उन्त भू	मियों में	उपयोग	का आ	धेकार केन्द्रीय					108	0-30
					गैस प्राधिकरण गा के प्रकाशन					107	0-01
	समा नाट वारीख को		-	म जापर	।। या अकाशाय					106	0-39
			5							105	0-75
			<b>स्</b> ची							104	0-57
	हाजिरा-	बरेली-जग	ादीशपुर प 	इप लाइन	प्रोजक्ट					103	1-17
जिला	तहसोल	परगना	ग्राम	गाटा	लिया गया					101	0-01
				[सं.	रकवा एकड मैं					100	0 5 1
 1		3	 4		6					71	015
		 जालीन	·							78	0-84
जालीन	जालीन	जालान	गोग राठौर	302 301	1-05 0-52					73	0-02
			(101)							190	0-03
				239	0-09	Mark Marketon Programmer	~~, <del></del>			.0.6/19	=/a/aft aft]
				240	0-04			<b>ृस</b> .	. <b>U-</b> 1	4016/18	7/84-जी .पी]
				241	0-30			. Las	- atificatio	on of the	Government
				243	0-09	S.O. 3 of India	in the l	Ministry of	f Petrob	eum S.O	Government .3795 dated
				242	0-24	27-10-198	84 undet	sub-section	on (1) o	of Section	of Right of
				244	0-01	User in	Land, Act	, 1962 (50	of 196 (	2) the Ce	ntrai Govern-
				173	0-26	ment dec	dared its	intention	to acqui	re the rig	that notifica-
				174	0-42	tion for	purpose (	of laying p	oipeline.	•	

PART.	U-SEC.	3(ii)

			ent Authori			1	2	3	4	5	6
	(i) of Se Governmen		the said A	.ct, subm	itted report		· <del></del> -				0-01
										180	()-26
And	further w	hereus the	Central Go	overnmen	t has, after					181	0-21
			decided to			,				184	0-03
user in notificat		specified i	n the sched	ule appei	nded to this					185	0-54
nomeac	rom,										
Now	therefore	in exercise	of the nov	ver confe	rred by sub-					117/320	
					the Central					116	0-01
					user in the					115	0-25
		-			to this noti-					113	0-03
fication	hereby a	equired fo	or laying th	e pipelir	ne;					112	0-15
										111	1-70
				•	sub-section					110	0-01
•			Central Gove lands shall							109	0-05
			n this date of							108	0~3C
			Authority	of Indi	a L≀d. fre∉						
rom al	l encumbe	ances.								107	0-01
										106	0.70
										106	039
		SCHED	ULE							106 105	0~75
Haijr	a Barei			eline F	Project						
Haijr	a Barei		ULE shpur Pip	eline F	Project		·			105	0~75
- hanser-	<del></del>		shpur Pip	eline F	Project Area		·			105 104	0-75 0-57
- hanser-	<del></del>	lly Jagdi	shpur Pip	Plot			·			105 104 103	0-75 0-57 1-17
Distt	Tehsil	lly Jagdi Pargana	shpur Pip Village	Plot No.	Area Acquired					105 104 103 101	0-75 0-57 1-17 0-01
- hanser-	<del></del>	lly Jagdi	shpur Pip	Plot	Area					105 104 103 101 100	0-75 0-57 1-17 0-01 0-51
Distt	Tehsil	Pargana 3	shpur Pip Village 4 Gora	Plot No.	Area Acquired					105 104 103 101 100 71	0-75 0-57 1-17 0-01 0-51 0-15
Distt	Tehsil	lly Jage i Pargana	shpu Pip Village 4	Plot No. 5 302 301	Area Acquired		·			105 104 103 101 100 71 78 73	0-75 0-57 1-17 0-01 0-51 0-15 0-84 0-02
Distt	Tehsil	lly Jage i Pargana	shpur Pip Village 4 Gora	Plot No. 5 302 301 239	Area Acquired 6 1-05 0-52 0-09	_ Jankey -vv.		**************************************		105 104 103 101 100 71 78	0-75 0-57 1-17 0-01 0-51 0-15 0-84
Distt	Tehsil	lly Jage i Pargana	shpur Pip Village 4 Gora	Plot No. 5 302 301 239 240	Area Acquired 6 1-05 0-52 0-09 0-04			·	······································	105 104 103 101 100 71 78 73 190	0-75 0-57 1-17 0-01 0-51 0-15 0-84 0-02 0-03
Distt	Tehsil	lly Jage i Pargana	shpur Pip Village 4 Gora	Plot No. 5 302 301 239 240 241	Area Acquired 6 1-05 0-52 0-09 0-04 0-30	_ 184			[No. <b>O</b>	105 104 103 101 100 71 78 73	0-75 0-57 1-17 0-01 0-51 0-15 0-84 0-02 0-03
Distt	Tehsil	lly Jage i Pargana	shpur Pip Village 4 Gora	Plot No. 5 302 301 239 240 241 243	Area Acquired 6 1-05 0-52 0-09 0-04 0-30 0-09	- paragraphy as a second		**************************************	[No. <b>O</b>	105 104 103 101 100 71 78 73 190	0-75 0-57 1-17 0-01 0-51 0-15 0-84 0-02 0-03
Distt	Tehsil	lly Jage i Pargana	shpur Pip Village 4 Gora	Plot No. 5 302 301 239 240 241 243 242	Area Acquired  6  1-05 0-52 0-09 0-04 0-30 0-09 0-24	an fall allows as were d		Programming, States Inc.	[No. <b>O</b>	105 104 103 101 100 71 78 73 190	0-75 0-57 1-17 0-01 0-51 0-15 0-84 0-02 0-03
Distt	Tehsil	lly Jage i Pargana	shpur Pip Village 4 Gora	Plot No. 5 302 301 239 240 241 243 242 244	Area Acquired  6  1-05 0-52 0-09 0-04 0-30 0-09 0-24 0-01	- 1888 2-10-1		aThere		105 104 103 101 100 71 78 73 190	0-75 0-57 1-17 0-01 0-51 0-15 0-84 0-02 0-03 7/84-GF
Distt	Tehsil	lly Jage i Pargana	shpur Pip Village 4 Gora	Plot No. 5 302 301 239 240 241 243 242 244	Area Acquired  6  1-05 0-52 0-09 0-04 0-30 0-09 0-24 0-01 0-26		эт° 334		पेट्रोलियः	105 104 103 101 100 71 78 73 190 -14016/18	0-75 0-57 1-17 0-01 0-51 0-15 0-84 0-02 0-03
Distt	Tehsil	lly Jage i Pargana	shpur Pip Village 4 Gora	Plot No.  5  302 301 239 240 241 243 242 244 173 174	Area Acquired  6  1-05 0-52 0-09 0-04 0-30 0-09 0-24 0-01 0-26 0-42	लाइन (	भूमि में उप	पोग के आ	पेट्रोलियः धिकार क	105 104 103 101 100 71 78 73 190 -14016/18 म और ख	0-75 0-57 1-17 0-01 0-51 0-15 0-84 0-02 0-03 7/84-GP
Distt	Tehsil	lly Jage i Pargana	shpur Pip Village 4 Gora	Plot No. 5 302 301 239 240 241 243 242 244	Area Acquired  6  1-05 0-52 0-09 0-04 0-30 0-09 0-24 0-01 0-26	लाइन (		पोग के आ	पेट्रोलियः धिकार क	105 104 103 101 100 71 78 73 190 -14016/18 म और ख	0-75 0-57 1-17 0-01 0-51 0-15 0-84 0-02 0-03 7/84-GF

अधिसूचना का अभारतं । 1064 तारीख 12-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनी को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आगय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषिन करती है कि इस अधिमूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजिन किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त ग्राक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देशी है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिए में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में धीषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।

## अनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजक्ट

हार	गरा-बरेली-ऽ	गगदाशपुर	पाइप व	लाह्न अा∖ ————————————————————————————————————	म्बद 
 जिला	तहसील	परगना	 ग्राम	 गाटा स०	लिया गया रकवा एकड़ में
1	2	3	4	5	6
्र जालान	कोच	कोंच	फुलेला	82	0-03
				97	0-02
				98	0-02
				99	1-13
				101	1-97
				102	0-03
				103	0-95
				104	0-09
				119	0-03
				138	0-31
				139	0-21
	,			140	0-08
				145	0-05
				146	1-40
				147	039
				173	0-03
				190	0-21
				238	2-32
				241	0-03
				242	0-34
				244	0-02
				250	0-49
				252	0-03

[No. O-14016/302/24GP]

	2	3	4	5	6			SCHE	DULE		
			•	253	0-75	G18 Pip	e Line		Iajira-Bare iject	illy-Jago	lislypur
				255	0-02						
				256/1	1-21	District	Tahsil	Pargana	<b>V</b> illage	Piot <b>N</b> o.	Area in acre
				273	0-05						· <del></del>
				274	0-75	1	2	3	4	5	6
				275	041	Jalaun	Konch	Konch	Fulaila	82	0-03
				277	0-02					97	0-02
				281	0-53					78	0-02
				202	0-02					99	1–13
				282	0-02					101	1–97
				284	0-06					102	0-03
•		[st.	O 14	016/202	/84-जी०पी०]					103	0-95
		Lao	<b>U</b> -14	1016/302/	/ 8/4-01/04 to]	•				104	0-09
										119 138	0-03
					e Government					139	0-31
					nt of Petroleum  (1) of Section					140	0 <b>2</b> 1 0 <b>-0</b> 8
										1 10	11-11-8
					(Acquisition of						
Right of	User in	1 Land)	Act.,	1962 (50	of 1962), the			-		145	()=05
Right of Central Gov	User in vernmen	ı Land) it declar	Act., ed its int	1962 (50 tention to a	of 1962), the cquire the right			-		145 146	()=05 l=40
Right of Central Gov of user in	User in vernmen the la	n Land) nt declare nds spe	Act., ed its int ecified in	1962 (50 tention to a n the scho	of 1962), the cquire the right edule appended			-		145 146 147	()-05 l-40 0-39
Right of Central Gov of user in	User in vernmen the la	n Land) nt declare nds spe	Act., ed its int ecified in	1962 (50 tention to a n the scho	of 1962), the cquire the right edule appended			-		145 146 147 173	()−05 1−40 0−39 0−03
Right of Central Gov of user in that not	User in vernmen the la stification	n Land)  It declare  Inds spen  for p	Act., ed its int ecified in ourpose	1962 (50) tention to a n the sch of laying	of 1962), the cquire the right edule appended pipeline;			-		145 146 147 173 190	()=05 1−40 0−39 0−03 0 −21
Right of Central Government of user in that not And whee Section (I)	User in vernmen the la stification ereas th of Sec	n Land)  at declare  ands spen  for p  accion 6	Act., ed its int ecified in ourpose	1962 (50) tention to a n the sch of laying	of 1962), the cquire the right edule appended pipeline;			-		145 146 147 173 190 238	0-05 1-40 0-39 0-03 0-21 2-32
Right of Central Government of that not And wheelsection (I)	User in vernmen the la stification ereas th of Sec	n Land)  at declare  ands spen  for p  accion 6	Act., ed its int ecified in ourpose	1962 (50) tention to a n the sch of laying	of 1962), the cquire the right edule appended pipeline;			-		145 146 147 173 190 238 241	0-05 1-40 0-39 0-03 0-21 2-32 0-03
Right of Central Government of user in that not And whee Section (I) to the Government of the Governme	User in vernmen i the la stification ereas th of Sec	n Land) nt declare nds spen n for p ne Comp ction 6	Act., ed its int ecified it ourpose petent A of the o	1962 (50 tention to a nother school laying tuthority and Act, s	of 1962), the equire the right edule appended pipeline; has under Sub-ubmitted report					145 146 147 173 190 238 241 242	0-05 1-40 0-39 0-03 0-21 2-32 0-03
Right of Central Government of that not that not that not that not that not that not the Government of	User in vernment the lastification ereas the of Sectorer ment of the same t	n Land)  nt declare  nds spen  for p  ne Comp  ction 6  t;  nereas the	Act., ed its int ecified in ourpose  petent A of the c	1962 (50) tention to a n the scho of laying tuthority ) said Act, s ral Government to acqui	of 1962), the cquire the right edule appended pipeline; has under Sub-ubmitted report					145 146 147 173 190 238 241 242 244	0-05 1-40 0-39 0-03 0-21 2-32 0-03 0-34
Right of Central Government of that not And whe Section (I) to the Government of the Considering user in the	User in vernment the la stification ereas the of Sectornment there where the sale lands	n Land)  nt declare  nds spen  for p  ne Comp  ction 6  t;  nereas the	Act., ed its int ecified in ourpose  petent A of the c	1962 (50) tention to a n the scho of laying tuthority ) said Act, s ral Government to acqui	of 1962), the equire the right edule appended pipeline; has under Sub-ubmitted report					145 146 147 173 190 238 241 242 244 250	0-05 1-40 0-39 0-03 0-21 2-32 0-03 0-34 0-49
Right of Central Government of that not And whe Section (I) to the Government of the Considering user in the	User in vernment the la stification ereas the of Sectornment there where the sale lands	n Land)  nt declare  nds spen  for p  ne Comp  ction 6  t;  nereas the	Act., ed its int ecified in ourpose  petent A of the c	1962 (50) tention to a n the scho of laying tuthority ) said Act, s ral Government to acqui	of 1962), the cquire the right edule appended pipeline; has under Sub-ubmitted report					145 146 147 173 190 238 241 242 244 250 252	0-05 1-40 0-39 0-03 0-21 2-32 0-03 0-34 0-03
Right of Central Government of that not And whe Section (I) to the Government of the Government of the Government of the motification	User in vernment the la stification ereas the of Sectornment there where the same lands	n Land) nt declare nds spen n for p ne Comp ction 6 t; nereas the id report specified	Act., ed its intectified in curpose petent A of the current, decided in the	1962 (50 tention to a notice schedule a tention to a notice schedule a tention to a	of 1962), the equire the right edule appended pipeline; has under Sub-ubmitted report ment has, after ire the right of appended to this					145 146 147 173 190 238 241 242 244 250 252 253	0-05 1-40 0-39 0-03 0-21 2-32 0-03 0-34 0-02 0-75
Right of Central Govor of user in the Govor And furt considering user in the notification	User in vernment the la stification the la stification the la stification the la stification there where there where the lands is the lands in the lands is the lands in the l	n Land) nt declare nds spen n for p ne Comp ction 6 t; nereas th id repor specified in exer	Act., ed its int ecified in ourpose  petent A of the c  the Centr tt, decide I in the	1962 (50) tention to a n the scho of laying tuthority said Act, s ral Governi ed to acqui schedule a	of 1962), the equire the right edule appended pipeline; has under Sub- ubmitted report ment has, after ire the right of appended to this					145 146 147 173 190 238 241 242 244 250 252 253 255	0-05 1-40 0-39 0-03 0-21 2-32 0-03 0-34 0-03 0-73 0-05
Right of Central Government of user in the Government of the Gover	User in vernment the lastification ereas the of Sectorerment there where the sale lands is a constant of the sale lands in the sale lands is a constant of the sale lands in the sale lands is a constant of the sale lands in the sale lands	n Land) nt declare ands spen n for p ne Comp ction 6 t; nereas th id repor specified in exer the Sec	Act., ed its int ecified in ourpose petent A of the control of the	1962 (50) tention to a n the sche of laying tuthority said Act, s ral Governi ed to acqui schedule a the power f the said t the right	of 1962), the equire the right edule appended pipeline; has under Sub-ubmitted report ment has, after ire the right of appended to this of conferred by Act, the Central of user in the					145 146 147 173 190 238 241 242 244 250 252 253 255 256/1	0-05 1-40 0-39 0-03 0-21 2-32 0-03 0-34 0-03 0-75 0-05 1-2)
Right of Central Governments and lands	User in vernment the la stification there who is the sale lands it is th	in Land) int declare inds spen in for p ine Comp ction 6 it; inereas the id report specified in exer the Sec by declare d in the	Act., ed its int ecified in ourpose petent A of the control of the	1962 (50) tention to a n the scho of laying tuthority said Act, s ral Government to acquischedule a the power of the said the right e appended	of 1962), the equire the right edule appended pipeline; has under Sub- ubmitted report ment has, after ire the right of appended to this of user in the to this notifica-					145 146 147 173 190 238 241 242 244 250 252 253 255 256/1 273	0-05 1-40 0-39 0-03 0-21 2-32 0-03 0-34 0-02 0-03 0-75 0-0. 1-2. 0-0.
And whe Section (I) to the Government of the Gov	User in vernment the la stification there who is the sale lands it is th	in Land) int declare inds spen in for p ine Comp ction 6 it; inereas the id report specified in exer the Sec by declare d in the	Act., ed its int ecified in ourpose petent A of the control of the	1962 (50) tention to a n the sche of laying tuthority said Act, s ral Governi ed to acqui schedule a the power f the said t the right	of 1962), the equire the right edule appended pipeline; has under Sub- ubmitted report ment has, after ire the right of appended to this of user in the to this notifica-					145 146 147 173 190 238 241 242 244 250 252 253 255 256/1 273 274	0-05 1-40 0-39 0-03 0-03 0-21 2-32 0-03 0-34 0-03 0-7: 0-0 1-2 0-0 0-7
Right of Central Gov of user in to that not And whe Section (I) to the Gov  And furt considering user in the notification  Now, the sub-section Government said lands tion hereby	User in vernment the la stification the same lands is considered. (I) of nt hereb specified y acquir	in Land) int declare inds spen in for p ine Comp ction 6 it; inereas the id report specified in exer the Sec by declare d in the red for	Act., ed its int ecified in ourpose petent A of the control of the	1962 (50) tention to a n the sche of laying tuthority said Act, s ral Government to acquischedule a the power of the said the right e appended the pipeline;	of 1962), the equire the right edule appended pipeline; has under Sub- ubmitted report  ment has, after ire the right of appended to this of user in the to this notifica-					145 146 147 173 190 238 241 242 244 250 252 253 255 256/1 273 274 275	0-05 1-40 0-39 0-03 0-21 2-32 0-03 0-34 0-02 0-75 0-00 0-75 0-00 0-75 0-04
Right of Central Govor of user in the not that not that not the Govor And furt considering user in the notification Government said lands the thought of the Govor And furt (4) of that	User in vernment the la stification the la stification the la stification there are lands in the sale	in Land) int declare inds spen in for p ine Comp ction 6 it; inereas the id report specified in exer the Sec by declar d in the red for exercise in, the Comp ction 6 in exercise in exercise in, the Comp comp ction 6 in exercise in exercise in the Comp comp comp comp comp comp comp comp c	Act., ed its int ecified in ourpose  petent A of the o  the Centre of, decide i in the  reise of tion 6 o  res that schedule laying the	1962 (50 tention to a n the sche of laying tuthority said Act, s ral Government the power f the said t the right e appended the pipeline; for conferre	of 1962), the equire the right edule appended pipeline; has under Sub- ubmitted report  ment has, after ire the right of appended to this of user in the to this notifica- d by sub-section directs that the					145 146 147 173 190 238 241 242 244 250 252 253 255 256/1 273 274 275 277	0-05 1-40 0-39 0-03 0-21 2-32 0-03 0-34 0-02 0-03 0-75 0-03 0-75 0-04 0-05
Right of Central Government of user in the Government of the Gover	User in vernment the la stification to the la stification the same that there who is the same lands it is the same	in Land) int declare ands spen in for p ine Comp ction 6 t; inereas th id report specified  in exer the Sec by declar d in the red for exercise on, the C the said	Act., ed its int ecified it ourpose  petent A of the c  the Centre tt, decide in the reise of tion 6 o res that schedule laying the  Central C I lands	1962 (50 tention to a not the school laying tuthority and Act, so and Act, so and Act, so and Act, so and Government the power of the said to the right empended the pipeline; shall instead to acque the said the right of the said the right empended the pipeline; are conferred to acque the said the right of the said the right of the said the pipeline; are conferred to acque the said the right of the right of the said the right of the said the right of the right	of 1962), the equire the right edule appended pipeline; has under Sub- ubmitted report  ment has, after ire the right of appended to this reconferred by Act, the Central of user in the to this notificated by sub-section directs that the education is a section of the conferred by act, the Central of user in the to this notification of the conferred by act, the Central of user in the total of vertices in the conferred by act, the conferred by act, the central of user in the conferred by act, the conferred by act, the conferred by act, the central conferred by act, the conferred by act, the conferred by act, the central conferred by act, the conferred by act, the central conferred by act, t					145 146 147 173 190 238 241 242 244 250 252 253 255 256/1 273 274 275 277 281	0-05 1-40 0-39 0-03 0-21 2-32 0-03 0-34 0-02 0-49 0-03 0-75 0-05 0-75 0-05
And whee Section (I) to the Government and lands tion hereby  And furt (4) of tha right of u Central Government Government and Lands tion hereby	User in vernment the la stification the la stification the la stification there is a lands in the lands in th	in Land)  and specified  in exercise  in exercise  on, the Co  the said  ent vests	Act., ed its int ecified it ourpose  petent A of the o  the Centr tt, decide i in the  reise of tion 6 o  res that schedule laying th  of power  central C  l lands on this	the power of the said the right enpended the pipeline; state of the said the pipeline; state of the said the pipeline; stall instead to the pipeline; stall instead to the said the s	of 1962), the equire the right edule appended pipeline; has under Sub- ubmitted report  ment has, after ire the right of appended to this reconferred by Act, the Central of user in the to this notifica-					145 146 147 173 190 238 241 242 244 250 252 253 255 256/1 273 274 275 277	0-05 1-40 0-39 0-03 0-21 2-32 0-03 0-34 0-02 0-03 0-75 0-02

का०आ० 3343.—यतः पेट्टोलियम और खिनज पाइप लाइन (मूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनयम 1962 (1962 का 50) की धारी 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मत्रालय (पेट्टोलियम विभाग) की अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मत्रालय (पेट्टोलियम विभाग) की अधिनूचना का०आ०सं० 4082 नारीख 1-12-84 द्वारों केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूनियों मे उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों की विद्यान के लिए अजित करने की अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारो ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दें दी है।

आँग आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिया में उपयोग का अधिकार आजिन करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदेत्त मिनत का प्रयोग करते हुए कन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा घीषित करते है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिय उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिए में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूर्चाः हाजिरा-बरेला-जगदं।जपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तह्सं≀ल	परगना	ग्राम	गाटा सं०	लिया गया रकवा (एकड़ में)
1	2	3	4	 5	G
€टावा	- - औरया	औरया	लहींसर्	16	0-05
				26	0-47
				$3_{0}$	0-70
				39	0~13
				40	0-54
				52	010
				53	0-24
_,		· <del>-</del>		54	0-14

1	2	3	.]	5	6
				55	0-64
				56	0 - 24
				58	0-04
				59	0 - 4.4
				60	0-30
				6 I	0 - 30
				173	060
				174	0 - 3.1
				175	0-30
				177	0 - 0.8
				193	0-20
				195	0 - 0.3
				199	0-68
				201	0-62
				295	010
				311	0-98
				342	0-10
				317	0-07
				320	2-15
				315	0-20
				29	0-82
				194	0-28
				243	0-09
				327	0-05

[सं ० O-14016/521/84-जी ०पी०]

S.O. 3343.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Deptt. of Petroleum S.O. 4082 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Sc. tion 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby feelares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of sesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

	<u></u>	SCF	IEDU.	LE		
Hajira	Baroilly	Jagdis	hpur	Pipe	Line	Project
Disti.	Pargana	Te ¹ usil	Villag	ţe	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	_ ,	5	6
Etawah	Auraiya	Aurai		har 2 3 3 4 5 5 5 5 5 5 5 6 6 6 6 1 1 1 1 1 1 2 2 2 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3	26 0 19 60 52 53 54 55 56 68 77	0-05 0-47 0-70 0-13 0-54 0-40 0-24 0-14 0-64 0-24 0-04 0-30 0-46 0-60 0-34 0-30 0-60 0-30 0-60 0-20 0-03 0-68 0-62 0-10 0-98 0-10 0-07 2-15 0-20 0-82 0-28 0-09
					27	0-05

[No. O-14016/327/84-G.P.]

का० आ० 3344.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयाग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम
1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1)
के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम,
विभाग की अधिसूचना का०आ०सं० 4083 तारीख 1-12-84
द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उसे अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची
में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप
लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आणय
घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार क^रे के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अव, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिण्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गा टा संख्या	लिया गया रक्षवा
1	2	3	4	 5	6
<del>-</del> इटावा	 औरय्या	 आर्य्या	ल <b>खना</b> पुर	1	0-28
,			•	2	0 - 24
				3	0-20
				4	0-01
				6	0-06
				12	0-12
				13	0-28
				14	0-15
				15	0-13
				16	0-18
				17	0-15
				18	0-32
				19	0-01

[सं० **O-**14016/322/84-जीपी]

S.O. 3344.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy Deptt. of Petroleum S.O. 4083 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the

Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the soid lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Vi	llage	Plot No	Area Acquired
j	2	3		4	5	6
Etawah	Aurai	ya Attra	iya			0–28
				napı	.tt 2	0-24
					3	0-20
					4	0-01
					6	0-06
					12	0-12
					13	0~28
					14	0-15
					15	0-13
					16	0-18
					17	0-15
					18	0-32
					19	001

[No. O-14016/322/84-G.P.]

का० आ० 3345.— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंद्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिमूचना का०आ०सं० 4084 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में वितिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को विछाने के लिए अजिन करने का अपना आश्रम घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्ष्त अधिनियम की धारा 6 की उपधान (1) के अधीन सरकार की रिपीर्ट दें दी है।

आर आर्ग यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धित भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिष्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) ब्रांस प्रदत्त सक्ति का प्रयोग करते रूए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकेर पाइए लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्वारा अजित किया जाना है।

आर आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उधत भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाक्षाओं से मृक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहमील	प ^र गना	ग्राम	गाटा संज	लिया गया रुकवा (एकड़ में)
1	2	3	4 	5	6
इटावा	औरया	औरया	महत्तीपुर	105 130 113 114 119 127 120	0-09 0-06 0-33 1-45 0-03 1-50 0-55 0-35

# [सं o O-14016/323/84-जी o पी o]

S.O. 3345.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum) S.O. 4084 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And v hereas, the Competent Authority has, under Subsection (i) of Section 6 of the said Act, submitted regard to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to require the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the rower conferred by subsection (1) of Section 6 of the said Acr, the Central Gozenneot hereby declares that the right of user in the said lands are cifed in the Schedule appended to this notification hereby a cuired for laying the pipeline,

and further, in evercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of their in the said lands shall, instead of vesting in Central Government, west on this date of the publication of this deducation in the Gos Authority of India I td free from all en umbrances.

**SCHEDULE** 

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Parg	ana	`Vil	lage	Plot No.	Area Acquired
1	2		3	n		5	6
Etawah	ı Aurai	iya A	vurai	ya		105 130 113 114 119 127 120 126	0-09 0-06 0-33 1-45 0-03 1-50 0-55 0-35

[No. O-14016/323/-84--GP]

का. आ. 3346. अयत: पेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन,) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के पैट्रोलियम विभाग के अधिन मारत सरकार के ऊर्जा मतालय, को अधिसूचना का. आ. सं. 4065 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय परकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आष्य घोषित कर दिया था:

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की  $3^{q}$ धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है:

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचो में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है; द्वार प्रश्नित किया करत हुए कहाय सरकार एउद्-हारा अधित रात है कि इस अधिर एउं में पंजार अनुसूचों में बिनिदिण्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार प्रमुखों में बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्हारा अजित किया जाता है;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए के द्वीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्री सरकार में निहित्र होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस नारी ख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा--वरेली--जगदीयपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील प	र्गना	ग्राम		ाया गया रङ्का (एकड़) में
1	2	3	4	5	6
इटावा	ओ ^र या	 औरया	 चिरहूलि	या 214 215	0-05 0-60
	and the same of th		 [सं . O_	-14016/3	 3 2 4/8 4-जीपी]

S.O. 3346.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Deptt. of Petroleum) S.O. 4085 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Govrenment declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further, where's the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of cost in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore in exercise of the power conferred by substantian (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this nontication hereby acquired for laying the pireline;

And farther, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

.(+.ाग 11- खड 3(11)] भारत का राजपका : जुलाइ	20, 1980/1	— યાતાઇક <b>જસ</b> ા	907			3901
SCHEDULE	1	2	3	4	5	6
Tajira Baroilly Jagdishpur Pipe Line Project	~				171	0-2
Distt. Pargana Tehsil Village Plot Are					174	0 2
No. Acquire d					177	03
1 2 3 4 5 6					173	0-2
tawah Auraiya Auraiya Chir- 214 0-05					179	0-3
bulia 215 0-60					181	0-0;
[No O-140(6/324/84-GP]					188	0-07
का. आ. 3347यत: पैट्रोलियम और खनिज					189	0-0
इप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि-					408	0-65
यम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1)					404	0-5
अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, पैट्रोलियम विभाग					410	0-12
। अधिसूचना का. आ. सं. 4109 तारीख 1-12-84					411	0-10
रा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची					415	0-18
विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पा <b>इप</b> इनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना					430 431	0-10 0-13
इना का विद्या का लिए आजत करन का अपना इस्य घोषित कर दिया था।					431	0~06
					432	9-52
और यतः सक्षम प्राधिकरी ने उक्त अधिनियम की					434	0-06
रा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट					435	0-43
ी है।					436	2-15
और आगेयतः केन्द्रीय सरकार ने उनत् रिपोर्ट परविचार					445	0-04
ते के पश्चात् इस इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची					452/2	0-48
विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित					454	0-33
ने का विनिष्चय किया है।					460	0-50
अब, अतः उक्तः अधिनियम की धारा 6 की उपधारा					461	0-09
) द्वारा प्रदत्त मिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय					505	0-12
कार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न					506	0-17
सूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार					507	0-08
प्पलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा प्रजित					508	0-12
या जात। है।					509	0-12
और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त					516	0-09
क्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती					671	0-02
क उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में					672	0-58
हेत होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी					673	0-50
।।ओं से मुन्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को					674	0-20
हेत होगा ।					690	0-55
. अनुसूची					691	0-54
हाजिराबरेलीजगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट					692	0-31
ा तहसील प ^र गना ग्राम गाटा लिया गया					693	0-02
सं रकवा (एकड़)						
<u></u>					682	0-43
1 2 2 4 5 6					780	0-12
वा औरया कौरया फैजरी 166 0-05					857	0-18
167 0-15					860	0-02
170 0-12	•				361	0-20

1	2	3	4	5	6		And fu	urther, in	exercise	of r	OWEF C	onferre	d b	y sub-sec-
			···			_	tion (4) of the right	of that sec of user in	tion, the	d lan	ntral Go ds shall	vernme instead	nt d l of	irects that vesting in
				862 863		·06 ·24								lication of free from
				864		40	encumbra	nces.						
				848		.62			SC	HE	DULE			
				846		-26	Unites	Donaill				. <b>.</b>	·	99
				349		-05	riajira	Bareill	y Jago	rau L	our Pij	pe Li	no	Project
				243	0-	-03	Distt 1	Pargana	Tchsil	Vii	llago	Plot		Area
				343	۸.	-56	151311	атваца	1 0(1911	¥ 14	nago	No.		Aroa
				844		-05								
				842		-22	1	2	3		4		5	6
				826		-01	<del></del>					<del></del>		
				827		-28	Etawah	Auraiy	a Aura	iya	Kainjar			0-05
				828		-39						167 170		0~15 0-12
				831		-12						171		0-12
				832		-28						174		0-20
						-25 -05						177		0-32
				833								173		0-20
				834		-01						179		0-31
				966		-02						181		0-03
				813		-27						188 189		0-07 0-03
				812		-31						408		0-65
				811		-22						404		0-55
				810		-17						410		0-12
				809		-07						411		0-10
				808		-02						415		0–18
				807		-17						430		0-10
				804		-05						431 432		0-13 0-06
				805		-50						433		9-52
				801		-01						434		0-06
				1098		<b>-01</b>						435		0-43
				1115		-20						436		2-15
				835	0.	-01						445		0-04
		 [सं	O-1401	6/325/	84 – जी. पी	r.]						452,		0-48
		•		' '		•						454 460		0-33 0-50
					Governme							461		009
					Petroleum) Section 3							505		0-12
Petroleu	ım and N	Minerals Pi	ipelines (A	Acquisiti	on of Righ ntral Govern	ıt of						506		0-17
declared	l its inten	tion to acc	juire the r	ight of	user in the	lands						507		0-08
		schedule aying pipeli		to that	t notification	n ior						508		0-12
	_											509 516		0-12
					has under bmitted rep							516 671		0-09 0-02
	vernment;				· · · ·	-						672		0-58
					nment has,							673		0-50
					uire the rig appended t							674		0-20
notifica		. openiou	60									690		0-55
Non	therefor	a in aver	cise of th	Part 1174	r conferre	d by						691		0-54
sub-sect	tion (1)	of Section	6 of th	e said	Act, the C	Central						692 6 <b>9</b> 3		0-31 0-02
said lar	nds specif	led in the	schedule :	appende	t of user : d to this no							682		0-02 0-43
		uired for 1							<del></del> .		<del></del> .			· ···

	·				
1	2	3	4	5	6
		_		730	0-12
				857	0-18
				860	0-02
				861	0-20
				862	0-06
				863	0-24
				864	0-40
				848	0-62
				846	0-26
				849	0-05
				843	056
				844	0-05
				842	0-22
				826	0-01
				827	0-28
				828	0-39
				831	0-12
				832	0-28
				833	005
				834	0-01
				966	0-02
				813	0-27
				812	0-31
				811	0-22
				810	017
				809	0.07
				808	0-02
				807	0-17
				804	0–05
				805	050
				801	0-01
				1098	0-01
				1115	0–20
				835	0–01

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत: उन्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में सलंगन अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतव्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा–बरेली–जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा	लिया गवा
				<b>संख</b> पा	रकम
1	2	3	4	5	6
इटावा	औरमा	और या	<b>कुड़</b> रा	2	0-09
				6	0-45
				18	0-12
				19	0-42
				12	0-26
				13	0-36
		•		14	0-29
				43	0-04
				44	0-31
				47	0-16
				48	0-50
				56	0-26
				57	0-27
				58	0-01
				62	0-12
				63	0-14
				65	0-05
				66	0~02
				67	0-01
				64	0-14
				76	0-04
				77	0-27

[No.-O-14016/325/84-GP]

का. आ. 3348.—यत: पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पैट्रोलियम विभागकी अधिसूचना का. आ. सं. 4086 तारीख 1-12-1984 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना खाश्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट हैं बी है।

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
			78		0-32					43	0-04
			79		0-06					44	0-31
			83		0-07					47	0-16
			84		0-18					48	0-50
			85	,	0-20					56	026
			123	}	0-08					57	0-27
			86		0-13					58	0-01
			87		0-27					62	0-12
										63	0_14
			94		0-12					65	0-05
			9.5		0-05					66	0-02
			9 6	1	0-21					67	0-01
			16	1	0-01					64	0-14
			238	1	0-05					76	0-04
			239	)	0-05					77 <b>7</b> 0	0-27
			240	)	0-12					78 <b>79</b>	0-32
			242		0-30					83	0-06 0-07
			36		0-14					84	0-07
			15		0-02					85	0-20
				, 	0 02					123	0-08
		- मि	O-14016	1326/8	84-जीपी					86	0-13
e	2240 W/h	_	tification of		-					87	0-27
dia in	the Mini	istry of En	ergy Deptt.	of Petr	oleum S.O.					94	0-12
86 da ∉rolan	ted 1-12-8	4 under sub linerale Pin	o-section (1) ( elines (Acqui	of Section of	on 3 of the		•			95	0-05
er in	Land), Ac	t, 1962 (50	of 1962), th	io Cent	ral Govern-					96	0-21
			o acquire the dule appende							16	0-01
		se of laying		- 10 ti	THE PLEASE OF					238	0-03
And	whereas the	he Compete	ent Authority	has '	under Sub-					239	0-05
ction	(1) of Sect		e said Act, s							240	0-12
	ernment;	herene the	Central Gove	action and	hos ofeer					242	0-30
nsideri	ing the sa	id report, o	lecided to ac	quire t	he right of					36	0-14
			the schedule							15	0-0

[No. O-14016/326/84-G. P.]

का. आ. 3349 :-- यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की घारा उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 4110 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधि-कार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्स रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनमची में विनिविष्ट मूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

notification Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central

Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of powers conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Par- gana	Tehsil	Village	Plot No.	Arcaul	
1	2	3	4	5	6	7
Ettava	Ariya	Avriya	Kudra			·
					2	0-09
					6	0-45
					18	0-12
					19	0-42
					12	0-26
					13	0-36
					14	0-29

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त शनित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार
एतद्द्वारा घोषित करतो है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची
में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप
लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतवृद्वारा अजित किया
जाता है।
who will be one of several ( ) and the

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकारण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस सारीख को निहित होगा।

अनुसूर्ष

Bunc	<b>બ</b> ર્જ	11 — V	14(4)37	4144 V	(। इस नाजनट	
जिला	तद्वसील	परगना	ग्राम	गाटा	लिया गया	
			•	सं.	रकदा	

				स.	रकवा
•					(एकड़ा) में
1	2	3	4	5	6
इटावा	औरमा	औरया	सेहुद	3	0-03
				4	0-06
				5	0-30
				6	0-06
				7	0-08
				8	0-20
				9	0-16
				71	013
				73	0-06
				74	0~14
				119	0-16
				120	0-10
				121	0-72
				122	0-14
				125	0-01
				126	0-64
				127	0-13
				128	0-24
				129	0-06
				163	0-02
				164	0-36
				165	0-10
	-			173	0-10
				174	0-12
				175	0-25
				176	0-04
				179	<b>0-</b> 38
				184	0-08

1	2	3	4	5	6
				197	0-39
,				200	0-26
				202	0-04
				203	0~04
				204	0-23
				226	0-34
				228	0-02
				229	0-68
				230	0-02
				231	0-12
				232	0-06
				233	0-03
				236	0-03
	•			247	0-26
				250	0-44
				257	0-01
				281	0-42
				282	0-24
				283	0-18
			·· <u>·</u>	256	0-01
		[सं. (	0-14016	327/84-	-जी. पी.]

[सं. O-14016/ 327/84-जी.पी.]

S.O. 3349.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum S.O. 4110 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

Arca

Plot

SCHEDULE Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe line Project

_,	~~ · · · ·	_	Plot	Area
Distt	Tchsil	Pargana V	/illage No.	Acqui-
				red
1	2	3	4	5 6
Etawah	Auriya	Auriya	Sehud 3	0-03
	•	•	4	0-06
			5	0-30
			6	0-06
			7	0-08
			8	0-20
			9	0-16
			71	0-13
			73	0-06
			7 <b>4</b>	0-14
			119	0–16
			120	0-10
			121	0-72
			122	0-14
			125	001
			126	0-64
			127	0-13
			128	0-24
			129	0-06
			163	0-02
			164	0-36
			165	0-10
			173	0-10
			174	0-12
			175	025
			176	004
			179	0-38
			184	0–08
			197	0-39
			200	0–26
			202	004
			203	0-04
			204	0-23
			226	0-34
			228	002
			<b>2</b> 29	0-68
			230	0-(2
			231	0-12
			232	0-06
			233	0-03
			236	0-03
			247	0-26
			250	0-44
			257	0-01
			281	0-42
			282	0-24
			283	0-18
			256	001
	,	[No. 0	-14016/327	/84-GPJ

का. आ. 3350.—यतः पेट्रोलियम और खितिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंद्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. स. 4087 तारीखा 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों की बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आगय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उन्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट देवी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिष्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधार् (1) द्वारा प्रदत्त गर्वित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइए लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त मार्वितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा!

अनुसूची हाजिरा-बरेली-अगदीशपुर पाईप लाईन प्रोजेक्ट

जिला	<b>वह</b> सील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	सिया गया रक्षवा
1	2	3	4	5	6
 इटाका	औरेया	औरंग	दौलतपुर	200	0-06
<b>1</b>				210	0-41
				211	0-37
				212	0-03
				215	0- 30
				216	1- 04
				217	0-50
				218	0-25
				220	0-04
				019	0-25
				621	0-5€

1	2	3	4	5	6	of India h	n the Min	stry of E	nergy (De	partme	Government of Petro- tion (I) of
				622	0-09	Section 3	of the P	etroleum a	nd 'Mine	rals Pi	pelines (Ac-
				623	0-14						50 of 1962), to acquire
				624	1-11						he schedule laying pipe-
				642	0-06	line ;	io that i	othication.	ior purpo	JC OI	myms pype
				647	0-25						under Sub-
				648	0-97	to the Go		n o or one	sau Act	, auvilli	iica report
				649	0-03						t has, after the right of
				652	0-10	user in the	land ₃ sp				nded to this
				655	0-33	notification	•	avercice (	of the no	30/ar of	onferred by
				656	0- 01	aub-section	$(1)$ of $S_0$	ection 6 of	the said	Act. 1	he Central
				657	1- 37						user in the this notifica-
				667	1- 70			for laying			
				668	0-28	And fur	ther in ex	ercise of pe	ower confe	erred b	v sub-ection
				669	0-03						ects that the
				697	0-60	Central G	overnment	vests on t	his date	of the	publication
				698	0-20	from all e			Aumority	01 100	lia Ltd. fre <b>c</b>
				699	0-10			SCHE	DULE		
				704	0-41			DCIIL	DULL		
				705	056	Hajir	a Bareilly	Jagdishp	ur Pipe li	ne Pro	j <b>e</b> ct
				714	0-59					Plot	Acquired
				715	0-23	Distt.	Tehsil	Pargana	Villade		Acquired Area
				717	0-19	Diotti	1 (110-1	1 01 6 1110	·	110.	71104
				718	0-09						
				733	0-21	1	2	3	4	5	6
				734	0-21		<del></del>				<del></del>
				735	0-49	Etawah	Auraiy	a Auraiya			0-06
				729	0-34			5.	pur	210	0-41
				1010	1-02					211 212	0–37 0–03
				1012	0-45					215	0-30
				1013	0-36					216	1-04
				1014	0-35					217	0-50
				1015	0-22					218	0–25
				1026	0.05					220	0-04
				1027	0-10					019 621	0-25 0-56
				1027	1-76					622	0-09
				1029	0- 82					623	0–14
										624	1-11
				1031	0-61					642	006
				1036	0-45					647	0-25
				1037	0-24					648 649	0-97
				1038	0-39					652	0–03 0–10
				1039	0-62					655	0-10
				1069	0-03					656	0-01
				1073	0-81					657	1-37
				1111	0-26					667	1-70
				1112	0-51					668	0-28
				1055	0-04					689	0-03

1 2 3 4 5	6			प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अजित
698	0–20	किया ज	। ता है।	
69 <b>9</b>	0–10		_	
704	0-41			ाकी उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त
705	0-56			ो हुए केन्द्रीय सरकार में निहित
714	0-59	होने के ब	जा <mark>य भार</mark> तीय गैस	। प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं
. 715	0-23			कि प्रकाशन की इस तारीखकी
71 <b>7</b>	0-19	<u>ৰি।</u> हेउ		,
718	0-09		•	
733	0-21		एच. बी. जे	. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट
734	0–21			
735	0-49	.003 mm + 200.0	स्थाप क्रम्मोन्स स	विकास किया । च्योंन प्रान्य (क. प.)
729	0–34	ЖIН - Q1	जपुर तहसाल : म	हिदपुर जिला : उज्जैन राज्य : (म .प्र . )
1010		م روسي ويستحدون سيد فلين		
1012		अनुऋ.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन <i>का क्षेस्र</i>
1013				(हैक्टर्स में)
1014				
1015		1	2	3
1026		*		
1027 1028				
1026		1.	211	0.162
1031	0-61	2.	212	0.656
1031		3.	221	0.008
1037		4.	222/1	0.057
1038		<b>5</b> .	223/1	0.170
, 11039		•	223/3	
1069			•	
1073		6.	223/2	0.380
1112			223/4	<del></del>
1055	0-40	7.	225/2	0.437
DI 0 1/01/2	25104 000		225/3	
[No. O-14016/3	35/84-GPJ	8.	250	0.243
का. आ 3351:यतः पेट्रोलियम और	खनिज पाईप	9.	251	0.154
साइत (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन)	अधिनियम,	10	252	0.089
1962 (1962 का 50) की धारा की उ	उपधारा (1)	11.	254	0.384
के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोा	लेथम विभाग	12.	209	0.004
की अधिसूचना का. आ. मं. 4495 तारोख		13.	246/2	0.287
द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सं		14.	255/2	0.036

[सं. O ·14016/384/84-जोतपोत]

0.061

0.020

3.148

S.O. 3351.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4495 dated 22-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelmes (Acquisition of R ght of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

248

258

योग कुल क्षेत्रफ़ल :→

15.

16.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

और यतः सञ्जम प्राधिकारो ने उक्त अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप

लाइनों को बिछाने के लिये अित करने का अपना आणय

घोषित कर दिया था।

और अभे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट १र विवार करने के पक्वात् इतः अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट भूमियों में अपोश का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनिधम को धारा 6 को उपअरा (1) द्वारा प्रदत्त एक्ति का प्रधीन करते हुए केन्द्राय सरकार एतब्द्वारा घोषित करते। हैं कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूचों में विभिद्यिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार And further whereas the Central Concernment has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section o of the said Acts the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laving the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

### HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Tajpur Tehsil: Mahidpur Distt.: Ujjain

SCHEDU	L	E
--------	---	---

S.N	lo. Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	211	0.162
	212	0-656
3.	221	0.008
	222/1	0.057
	223/1	0.170
	223/3	
	223/2	0.380
	223/4	
7.		0.437
	225/3	resident.
8.		0.243
9.	251	0.154
10.	252	0.089
11.	254	0.384
12.	209	0.004
13.	246/2	0.287
14.	255/2	0.036
15.	248	0.061
16.	258	0.020
Active retirement	TOTAL AREA	3.148

[No. O-14016/384/84-GP]

का. आ. 3352 — यत पेट्रोलियम और खिनज पःइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अर्जिनयम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, पेट्टोलियम विभागकी अधिस्चना का. आ. सं. 4496 तारांख 22-12-84 द्वारा केन्द्राय सरकार ने उस अधिस्चना सं संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को किछाने के लिये अस्ति करने का अपना आशय घोषित एर दिया था।

और यदा सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपवारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे. यतः वेंद्राय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिमूचका से मंलग्न अनुसूची में विनिदिण्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अित करने का विनिश्चय किया है।

अव अतः उक्त अधिनियम की धारा ६ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोतित करते। है कि इस अध्यमुचना में संलग्न अनुसूची में विभिद्रिण्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार प इप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अधित किया एता है।

े और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त णांक्तयों का प्रयोग वारते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बनाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सर्भा बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची एच वो जे गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट श्राम : वेलाखेडा तहनाल : महिदपुर जिला : उज्जेन राज्य : म . प्र .

अनुक.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन क क्षेत्र (हेक्टर्स में)
1	2	3
1.	79	0.020
2.	84	0.020
3.	83	0.344
4.	82	0.040
5.	85	0.202
6.	86	0.162
7.	7 2	0.283
8.	87/1	0.020
9.	7.4	0.283
10.	73	0.202
11.	7 1	0.275
1 2.	90	0.028
1 3.	91	0.214
1 4.	92	0.020
15.	70	0.016
16.	96	0.348
17.	95	0.085
18.	103	0.283
19.	107/2	0.032

1	2	3	Ville		IPE LINE PROJECT phsil : Mahidpur Distt. : Ujja
0.	108/5	0.214		ge . Dolakned I i	
1-	108/6	0.194	S. No	o. Survey No.	Area to be Acquired for
2-	108/4	0.202			R.O.U. in Hoctare
3.	108/3	0.352	<u> </u>	79	0.002
<del>1</del> .	107/3	0.024	2.	84	0.020
5.	1 1 5/1	0.138	3.	83	0.344
6.	116	0,263	4.	82	0.040
7.	168/1	0,243	5.	85	0.202
8.	167/4	0,202	6.	86	0.162
9.	167/5	0.243	<b>7</b> .	72	0.283
0.	165	0.081	8. <b>9</b> .	87/1 74	0.020 0.283
1.	190	0.332	10,	73	0.202
2.	167/1/1	0.365	11.	71	0.275
3	167/1/1/2	0.059	12,	90	0.028
4.	175	0.020	13.	91	0.214
5.	176	0 - 0 2 8	14,	92	0.020
6.	} 77	0.170	15.	70	0.016
7.	178	0,020	16. 17,	96 95	0.348 0.085
8	179	0.344	18.		0.283
9.	164	0.020	19,	107/2	0.032
0.	189	0.251	20.	108/5	0.214
1.	191	0.024	21,		0.194
2	192	0.458	22.	108/4	0.202
3.	197	0.016	23.	108/3	0.352
4.	102/2	0.004	24.	107/3	0.024
5.	166	0.020	25.	115/1	0.138
	100	0.010	26.	116	0.263
यो	ग कुल क्षेत्रफल.⊸	- 7.164	27,	168/1	0.243
	ন মুন আলকণ :-	7,101	28.	167/4	0.202
	r s		29.	167/5	0.243
	[स	. O- 14016/385/84-और.पी.]	30.	165	0.081
S,O.	3352Whereas b	by notification of the Government	31.	190	0.332
India um) S	a in the Ministry S.O. 4496 dated	of Energy (Department of Petro- 22-12-84 under sub-section (1) of	32.	167/1/1	0.365
ction	3 of the Petro	leum and Minerals Pipelines (Ac-	33.	*	0.059
: Cen	tral Government	r in Land) Act, 1962 (50 of 1962), declared its intention to sequire	34.		0.020
		e lands specified in the schedule tion for purpose of laying pipeline;	35.	176	0.028
		•	36.	177	0.170
		petern Authority has under Sub- of the said Act, submitted report	37.	178	0.020
the	Government;		38.	179	0.344
		the Contral Government has, after	39.	164	0.020
er in	the lands specific	ort, decided to acquire the right of indicated in the schedule appended to this	40.	189	0.251
tificat	ion ;		41.	191	0.024
		ercise of the power conferred by	42.	192	0.458
overn	ment hereby decla	ction 6 of the said Act, the Central area that the right of user in the	43.	197	0.016
		schedule appended to this notifica- laying the pipeline;	<b>4</b> 3.	102/2	0.004
And	further in exercise	of power conferred by sub-section	45.	166	0.020
		Central Government directs that the ideal in the lands shall instead of vesting in	<b>+</b> ↓,		"
	Government vest	s on this date of the publication Gas Authority of India Ltd. free		TOTAL AREA	7.164

शा. आ. 3353:—यतः फेन्द्रीय नरकाए का यह प्रतीत होता है फिलोकहित में यह आवश्यक है कि छत्तर प्रदेश में हजीरा — बरेली— जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहत के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और वतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्याबद्ध अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अनः अब पेट्रोलियम और खानिज पाइपलाइन (धूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयारा (1) द्वारा प्रवस्त शक्तिओं को प्रयोग करने हुए केन्द्रीय संस्कार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आगय एसक्झारा बोचित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हितबद कोई व्यक्ति उप भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारों। भारतीय गैम प्राधिकरण लि. बी— 58/बी, जनीगंज, लखनऊ—226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारी ब से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टव्या कह् भी कथन करेगा कि क्या वह चाह्ना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत कृप के हो या किसी विक्षि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची हाजिरा बरेली जगदीणपुर पाइफलाइन प्रोजेक्ट।

जि <b>धा</b>	न् <u></u> सहसीन	परगना	ग्राम का माम	गा्टा संख्या	लिया गय। रक्षना
1	2	3	4	5	6
मानपुर	अक्रमर-	अक्बर-	पुर		
देहास	पुर	पुर		305	0~5-0
				303	1-3-0
				293	0-18-0
				296	2-3-0
				16	0-6-0
				24	1-1-0
			•	23	0-11-0
				2.5	1-8-0
				28	0-17-0
				19	0-2-0
				280	0-2-0
				22	0-2-0

[并, O-14016/393/85- 新, 中,

\$.O. 3353.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India 1 td.;

And whereas it appears that to the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedulo annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its infention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas. Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58|B. Aliganj Lucknow-226020 (U.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Hajira Bareilly Jagdishpur pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Vill	age Plot No.	Area Acqui- red
I	2	3	4	5	6
Kanpur Dehat	Akbar pur	- Akbar- pur	Pur	305 303 293 296 16 24 23 25 28 19 280 22	0-5-0 1-3-0 0-18-0 2-3-0 0-6-0 1-1-0 0-11-0 1-8-0 0-17-0 0-2-0 0-2-0

[No. O--14016/393/85---GP]

भा. आ. 3354:—यन पेट्रोलियम और मुनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिज्यम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीम भारत सरकार के उर्जा संबालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसुचना का. आ. स. 4512 तारीख 22.12.84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसुचना में संलग्न अनुसूची में चिनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार को पाइप लाइनों को विधाने के लिये अजित करने का अपना आशय चोचन कर दिया था।

			== == == ===	<u> </u>			=77			<del></del>		
					ानियम की <b>धारा</b>	1	2	3		4	5	6
6 का	उपधारा (	1) 布	अधान म	रकार का ।	भोर्ट देदी है।						1391	0-2-16
					ार्टपरविचार						1387	0-2-8
			-,	**	सूची में विनि—			,			1388	0-2-0
दिष्ट	भूमिओं में	उपयो	गका ङ	<i>ाधिकार अ</i> र्	जन करने का						1389	0 - 2 - 0
विनिश्च	ग्य किया है	t 1									1390	0 - 6 - 7
आ	व. अत.	उक्तः ३	प्रधिनियम	की धारा	6 की उपधारा						1388/	0 - 1 - 0
					केन्द्रीय सरकार						1450	
٠,					लग्न अनुसूची में						1383	0-1-0
					र पाइप लाइन						1243	1-18-14
	-	,			या जाता है।						1376	0-2-1 <b>2</b>
			,								1380	0-5-18
					द्वारा प्रदन्त						1379	0-15-12
					र निर्देश देती						1378	0-1-6
					हेन्द्रीय सरकार						1377	0-10-0
					क्ष्यण लिं, में						1374	0-2-12
		•		षणा के प्रव	ाशन की इस						1374	1-0-0
तारीव	को निहिस	होगा	1								1448	
		3	<b>ग्</b> नुसूची								1369	0 - 13 - 0
द्वार	जेरा बरेली	जगर्व	<b>रीशपु</b> र पा	इप काइन	प्रोजे <del>∗</del> ट						1370	0-9-2
			-		लिया गया						1296	0 - 3 - 18
जिला	तहसाल	प रग	ना ग्राम	गाटा सं.			-				1295	1-2-0
					रक्षव⊹ एकङ् स						1292	0-3-16
					_ <del>``</del> 						1298	0-8-15
1	2	3 	4								1299	0-7-10
कान रु	देरापुर दे	रापुर	नोनारी	<b>बु</b> जुर्ग							1300	0-18-4
देहात				1145	0-2-0						1279	0-2-0
				1116	0-10-0						1281	0-4-4
				1144	0-11-4						1288	0 - 1 - 10
				1147	0-212						1282	0-15-0
				1150	1-4-74						1284	0-8-9
				1156	0-6-15						1280	1-9-18
				1129	1-19-0						1272	0-7-4
				1128	1-7-05						1266	0-4-19
				1160	0-2-16						1270	0-1-10
				1197	0-11-11						1267	2-18-19
				1196	0-4-15						630,	6-14-8
				1198	0-0-7						1109	0 - 1 + 10
				1199	0-1-8						1381	0-0-15
				1188	0-9-16						1400	0-0-18
				1186	1-2-15						16/402/84	
				1189	1-8-8	S.O. 33	84.—'	Whereas Ministr	by of F	notifica Energy	tion of the Department o	Government of Petroleum
				1232	0-3-1 g	S.O. 4512	dated	1 14-12-	84 un	ider sul	n-section (1)	of Section 3
				1393	0-8-0	of the P	etrolei	ını and	Min	crals F	ipelines (Acq	uisition of
				1384	0-0-10						(50 of 1962), to acquire t	
				1392	0-11-0	aser in th	e land	ls specif	ied in	the so	hedule appen	
				1385	0-0-10	notification						unda - Culs
				1386	48 -0	And wh Section (1					thority has old Act, subm	under Sub- litted report

to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

**SCHEDULE** 

Hajira-Bareilly-Iagdishpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acqui- red
1	2	3	4	5	6
Kanpui	Derapu	r Derapu	r Nonai	ri 1145	0-2-0
Dehat			Bujur	g 1146	0-10-0
				1144	0-11-4
				1147	0-2-12
				1150	1-4-14
				1156	0-6-15
				1129	1190
				1128	1-7-0
				1160	0-2-16
				1197	0-11-11
				1196	0-4-15
				1198	0-0-7
				1199	0-1-8
				1188	0-9-16
				1186	1-2-15
				1189	1-3-8
,				1232	0-3-18
				1393	0-8-0
				1384	0-0-10
				1392	0-11-0
				1385	00-10
				1386	0-8-4
				1391	0-2-16
				1387	0-2-8
				1388	0-2-0
				1389	0-2-0
				1390	0-6-7
				1388/	0-1-0
				1450	
				1383	0-1-6
				1243	1-18-14
				1376	0-2-12
				1380	0-5-18
				1379	0-15-12
				1378	0-1-6
				1377	0-10-0
				1374	0-2-12

1	2	3	4	5	6
Kan	pur Dehat	-Contd		1374/	1-0-0
				1448	
	*			1369	0-13-0
				1370	0-9-2
				1296	0-3-18
		v		1295	1-2-0
				1292	0-3-16
				1298	0-8-15
		•		1299	0-7-10
				1300	0-18-4
				1279	0-2-0
				1281	0-4-4
				1288	0 1-10
				1282	0-15-0
				1284	08-9
				1280	1-9-18
				1272	0-7-4
				1266	0-4-19
				1270	0-1-10
				1267	2-18-19
				630	0-14-8
				1109	0-11-10
				1381	0-0-15
				1400	0-0-18
			[No	. <b>O-</b> 14016/-	102/84-GP]

वा. आ. 3355.—याः पेट्टोलियम और खिनिज पाइप-लाइन (मूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयोग (1) के अयोग भारत सरकार के अर्जी मंत्रालय (पेट्टोलियम विभाग) को अर्थम् करा. आं. सं. 4514, तारोख 22-12-84 द्वारा केन्द्रांय सरकार ने उस अधिमुचना में संलग्न अनुमूचा में विनिद्धिट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों की विकान के लिए अर्थित करने का अपना अर्थम् योपित कर दिया था।

और यह सक्षम प्राधिक री ने उक्त अधिनियम की बारा ह की उपअभा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट देवी है।

और अंगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर भिचार भरते के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वितिविष्ट भूमिओं में उपयोग का अध्यकार अभिने करते का विभिन्नच किया है।

अब अत. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपगण (1) इत्या प्रदत्त जाकत का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्-हारा घोषित करती है कि इस अधिमूलना में संलग्न अनुमूची में बिनिद्द्य जिल्ला शमियों में उपयोग का अधिकार प्रदेशन इस बिक्षान के प्रयोजन के लिए एतदहारा अित किया जाता है।

अर्गर		न भारा	E 20		•			
जीर जागे उस भारा को उपभारा (4) द्वारा प्रदश्त गांक्समों का प्रयोग करते हुँए, केन्द्रांस सरकार निर्वेश देता है। है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रांस सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में शोपणा के प्रकाणन की इस नारीख को निहित होगा।  अनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीणपुर पाइपसाइन प्रोजेक्ट								
9				।। इत्याला । इत	त्राज्यद			
जिला ह	तहसील	परगना	गोध	गत्टा सं	. लियः गयः रक्तवः (एकक् में)			
1	2	3	4	5	6			
का नपुर देहार	<b>देरापुर</b>	देशापुर :	उमरी बुज्	214 215 216 217 219 220 397 398 402 403 404 410 411 416 417 418 420 441 442 452 453 454 455 456 457 458 462 464 465	0-0-14 0-19-5 1-0-8 0-19-11 0-0-8 0-11-5 0-4-10 0-0-10 0-7-14 0-14-17 0-1-5 0-12-2 0-16-18 0-0-13 1-2-1 1-12-0 6-0-8 1-14-12 0-14-9 0-0-14 0-3-4 0-0-10 0-12-10 0-6-8 0-6-8 0-6-16 0-0-5 0-1-7 0-3-17 0-1-10 0-0-6 1-17-10			

1	2	3	4	5	6
ক্ষেণুস	 : देहात	गरी		468	0 - 19 - 1
_				469	6-0-13
				470	0-0-15
				495	0-0-10
				497	0-16-5
				498	0-16-5
				499	0- I-7
				500	0-13-5
				501	0-11-11
				452	0-1-0
				504	0-3-3
				440	0-1-0
				496	0-1-0
	- <del></del>				

सं. O-14016/404/84 जो .पो.

S.O. 3355.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. No. 4514 dated 22-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 5 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this redification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notice fication hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	T <b>c</b> hsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Kanpu Dehat	r Dera- pur	Dera- pu	Umari Bajurg	214 215 216	0-0-14 0-19-5 1-0-8
				217	0-19-11

1 2	3	4 5	6		र <b>धाने</b> कतः वे	स्थीय सर्व	ार ने अ	केल शिक्षोर्टन	विचार करने के
Kanpur I	Dehat-Contd	219	0 0-8						ावचारकरनक मेजों में "उपक्रोग
		230			क्षिकार अर्जित				ननान उपक्षीन
		391		**, -4	- (44)	4. 7.1	1711111	ו מיורו	
		398	0-0-10	স্থ	, अतः उ <del>गा</del>	अ <b>विनिय</b> श	की धार	। ६ की उपध	ारा (1) हारा
		401	0-7-14						भोगित करश्ली
		400	0-14-17						उक्त भामको में
		404	<b>1</b> 0−1−5						लिए । सद्दारा
	,	406	5 0-12-2		किका जाता				
		410	0-16-18						
		.411	0-0-13	असि	र अप्ते <b>उन</b> ध	<b>ा</b> र, की उ	उपधारा /	4) द्वारा प्रदर	ल गक्तियों का
		416	1 -2-1						उपन भृमियों में
	0	417			ना अधिकार				
	-	418			धकरण जि में				
		420			तारीय की			2,, 1,,,,	
		441							
		442					&-	-	
		452				अनु	<b>बू</b> ची		,
		453			हाकि स <b>-ब</b> ऐ	नी जागदीशपु	र पाइण	नाइन जोजेक्ट	
		454	0-12-10	·					
		455	0-6-8	जिला	वहसीन	परगना	ग्राम	गाटा म	लिया गया
		456	0-6-8		•				रकवा
		457	0-6-16						(एकड में)
		458	0-0-5						
		. 459	0-1-7	1	2	Э	4	8	8
		460	<b>0-3-1</b> 7	和"书堂"	दश्युर	- <u>-</u>	परीक्ष	1	0 · 16 · 18
		462	0-1-10	न् ११३) मेश्राल	4.44		( /	2	0 3-10
		<del>4</del> 64	0-0-6	46.1	-			. 11	0-4-5
		465	1 <b>-</b> 17-10					15	2-7-18
		468	0191					22	0-0-13
		469	0-0-13					28	0-3-5
		470	0-0-15					29	0-4-1
		495	0-010					30	0- 7- 9
		497						31	0-1-10
	ı	498						3.5	0-0-6
		499						36	0-14-19
		500						40	0-15-5
		501	0-11-11					41	1- 7- 19
		452	0-1-0					37 [[] 1724	() 1 9
		504						47	006
		440						48	0-13-0
		496	01-0					49	0-14-5
			<u>-</u>		,			88	() 49
								89	0-0-14
		[No. O-140	16'404  74-GF	]				90	0- 5- 5
								95	0-11-14
	4								. 1-1-9
का आर्	3356. <del>वसः</del> पेट्री	लियम और	चनित्र पाइपलाइ	न				98	0-1-6
	अविकार का अर्जन			2				139	0-7-3
	धारा ३ को उपधारा							140	(⊢ 1.5~ 6
	होलियम विमाग)की अ							141	0-13-0
	गरा केन्द्रीय <b>व</b> रकार ने	ৰ ওপ আলপুৰণ	or or active active	•1				142	£7   £7 19
-12-1984	गरा केन्द्रीय वरकार ने क्यों के उपयोग के अ							142 14 <b>4</b>	1- 1 4- 9 1- 6- 0

और यत समाम प्राधिकारी ने प्रकार अधिनियम की पारा 6 की

जनधारा (।) के वर्षाम करकार की रिमीर्ट दे ती है।

[[]मं. **O**-14016/405/84-जी.पी.]

S.O. 3356.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4515 dated 22-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the sold Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of their in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

### **SCHEDULE**

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Parg-	Village	Plot	Area
		ana		No.	Acquired
1	2	3	4	5	6
Kan-	Dera-	Dera- pus	Para- ukh	1 2	0-16-18 0-5-10
pur Dehat	pur	pus	U.B.LL	11	0-4-5
Пепя				15	2-7-18
				22	0-0-13
				28	0-3-5
				29	0-4-1
				30	0-7-9
				31	0-1-19
				35	0-0-6
				36	0-14-19
				40	0-15-5
				41	1-7-19
				37/1724	0-1-9
				47	0-0-6
				48	0-13-0
				49	0-14-5
				88	0-9-9
				89	0-0-14
				90	0-5-5
				95	0-11-14
				96	1-1-9
				98	0-1-6
				139	0-7-3
				140	0-15-6
				141	0-13-0
				142	1-14-9
		•		144	1-6-0
				27 .	0-0-10
		an annually a square productive	[No.	O-14016/	405/84-GP]

का. अ. 3357 -- यत. पेट्रोलियम और खिनिज पाइय-साइन (भूमि में उपनेग के अधिकार का अर्जन) अधिनयम 1962 (1962 का 50) कं धारा । की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जी मंद्रातय पेट्रोलियम तिभाग की अधिमुचना का. आ. मं. 4394 तारीख 13-12-84 ट्रास्ट केन्द्रीय सरकार ने उस अधिकार को संतरिष 13-12-84 ट्रास्ट केन्द्रीय सरकार ने उस अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आग्र्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारों ने उक्त अधिनिधम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की स्पिटि दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय मरकार ने उनत रियोर्ट पर विचार करने के पश्चात इम अबिसूचना से मंलग्न अनुसूची में बिनिद्विष्ट भूमियों मे उप-योग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रम, अतः उनत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) ह्रारा प्रदत्त गनिन का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एत्द्द्वारा धोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट उनत भूमियों में उपमोग का अधिकार पाइर लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा अजित किया जाना है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त मिन्तियों का प्रमोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूभियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहिन होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस नारी का को निर्दित होगा।

अनुसूची हाजिरा--बरेली जयदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहमील	परगना ग्राम	गाटा सं .	लिया गया रकवा एकड़ में
1	2 ·	3 4	5	6
 कानपुर	 देरापुर	देरापुर रारौद्ध	401	0- 2-12
देहात	, , ,		407	0-0-13
-10.			416	0-9-12
			417	0-12-8
			418	1-5-8
			419	0-4-15
			426	0- 0- 6
			428	2- 19- 16
		•	430	1- 1- 12
			429	0-0-13
			486	0-0-18
			487	0-2-12
			316	0-7-12
			317	0- 11- 4
			315	0-4-11
			314	0-19-10
		•	338	0-3-8
			327	0-0-5
			309	1-6-10
			304	0-0-15
			313	0- 18- 17
		* *	312	0-0-13

1	2	3	4	5	6	sub-sectio	n (1) of	Section	6 of the	said Act,	onferred, the Centi
				305	0-1-19	Governm said land	ent herel s specifie	by declare d in the s	s that th chedule ac	e right le ipended to	of user in to this notific
				206	0=2=12				ying the p		
				302	() <del></del> () 7	And fu	irther in	exercise o	f power c	onierred l	oy sub-section
				307	()- 18~0	(4) of $(4)$	that secti	on, the (	Central G	overnment	directs th
				308	0-1-19						of vesting publication
				* O /	()- ()- LU	this decla	aration in	n the Ga			dia Ltd. fr
				296	0-1-0	from all	encumbr				
				195	0-18-0				EDULE		
				294	0- <b>4-</b> S	Hajira	Bareilly	Jagdish	pur Pipe	line Pro	oj <b>e</b> ct.
				488 ,	0- 0- 14	Diate	Tabail	Darana	Villago	Dlat Ni	o A 200
				489	1 <del>-</del> 17- 1	Distt	rensu	Pargana	village	Plot No	o. Area
				491	0- ()- 7						Acquire
				492	0-1-7	1	2	3	4	5	6
				493	1- 1- 9						
				286	0-15-0	Kanpur	Dera-	Dera-	Rara-	401	0-2-12
				239	()= 5~ () ()= 0. 1()	Dehat	pur	pur	ukh	407	0-0-13
				240	0-0-10 0-0-10					416	0-9-12
				793 247	0-12-0					417	0-12-8
				247	0-12-0 1-1-0					418	1-5-8
				246	0-11-11					419	0-4-15
				251	() () (i					426	0-0-6
				262	0-7-12					428	2–19–10
				265	0-0-11					430	1-1-12
				266	0- I- 8					429	0-0-13
				402	2-15-0					486	0-0-18
				398	0-3-4					487	0-2-12
				391	0-4-0					316 317	0-7-12
				390	0- 1- 0					317	0-11-4
				261	1-8-17					314	0-4-11 0-19-1
				260	0~0-10					338	0-19-1
				259	0-3-8					327	0-0-5
				271	0-0-14					309	1-6-10
				273	1~ 2~ 0					304	0-0-15
				274	0-2-0					313	0-18-1
				295	0 1- 5					312	0-0-13
				275	0: 0: 6					305	0 -1-19
			•	273/609	0- 2- 0					306	0 -2-12
				249	0- 0- 2					302	0-0-7
				250	0- 0-3					307	0-18-0
				263	0 - 5- 10					308	0-1-19
<b></b>										297	0-0-10
			[सं	o O-14016/4	०७/८४-अपि]					296	1 -1 -0
S.O. 33	57WI	nercas he	v notificat	ion of the Go	overnment of					295	0-18-0
ia in th	he Minis	try of Ei	nergy, Del	partment of Pe	troleum S,O,					294	0-4-8
				ion (1) of <b>Se</b> ct (Acquisition						488	0-0-14
r in l	and) A	ct. 1962	(50 of 1	962), the Cen	tral Govern-					489	1-17-1
				er the right of						491	0-0-7
	se of lay			to the	. nounceton					492	0-1-7
And	haree 4	he Com	ingtont A	uthawita 1	unde C.L					493	1-1-9
tion ()	nereas t	ection 6	of the s	uthority has aid Act, subr	unger Sub- nitted report					286	0-15-0
	overnme				4:				,	239	0-5-0
\nd fo	irth <del>e</del> r w	hereas i	the Centr	al Governmen	nt has, ofter					240	0-0-10
			rt, decide	ed to acquire	the right of					293 🛰	0-0-10
				schedule appe							

l 2	3	4	5	6		अनसूची हाजिरा सरेलोअगदीशपुर माखा आयल प्रोजैक्ट						
			248	1-1-0		ह्यच्रा-च्य	tidi:> =+@ilal@	स्थापुर साम्प्रा 	- नातल नाल 	<b></b>		
			246	0-11-11	 জিলা	नष्टसील	पशाना	ग्राम	गाना सं.	लिया गया		
			251	0-0-6	(4).41	,16,41,1	1500	2177	11 11 112	रकवा		
			262	0-7-12								
			265	0-0-11						एक है में		
			266	0-1-8			<del>-</del>					
			402	2-15-0	I	2	3	4	5	6		
			398	0-3-4			~~			. <b></b>		
			391	0-4-0	कानपुर	देहात वेशपुर	द रापन	पुदतियापुर	306	() <del>-</del> 1-8		
			390	0-1-0				5 5	305	0-11-1		
			261	1-8-17					304	0-13-6		
			260	0-0-10					303	7- 1- ()		
			259	0-3-8					301	n= 9= 1 o		
			271	0-0-14					302	0= 2= 16		
r			273	1-2-0					312	0-0-7		
			274	0-2-0					313	0- 0- 14		
			295	0-1-5					341	0-0-12		
			276	0-0-6					342	0-7-10		
			273/	0-2-0					340	0- 14- 2		
			609	0.0.3					343	0~ 1- 19		
			249	0-0-2					338	0. 8: 1:		
			250	0-0-3					3 4 5	0- 0- 14		
			263	0-5-10					346	0÷ 0= 7		
									351	2- 11- 1		
		[No	O-14015	5/407/84-GP]					354	0- 0- 7		
									355	0- 0- I		
									418	()- 1- ()		
<b>⊒7</b> 21 <b>7</b>	3358 :—45	ਨ ਹੋੜੀਤਿਜ਼ਰ	और ख	नेक पाइपलाइन					416	2- 0- 1		
		-		न्त्र सम्बद्धन 1962 (1962 का					442	0+1010		
E-				1962 (1962 का सरकार के ऊर्जा					440	0-2-2		
				- साकारका ऊला किंक्या 15-12-84					4 1 1	0- 5- 13		
				सुकी में विनिर्दिष्ट					439	0-10-		
		र को पाइप ार को पाइप							443	0- 4- 5		
		 ग्रोसितकर्ग		(भारताता चर्मानान्					438	0- 9- 1		
	9111 9114	1 111 (1) 10 1	17 (1 11 1						448	0~ 0→ 1		
		A 5	0.6						449	0- 0- 7		
				की धारा ७ की					450	0- 2- 1		
उपभाग (1)	कं अधान मर	कार की रिपोर्ट	देव(है।						451	0∽ 15∽		
									454	0° <b>5</b> - 0		
और आगे	यतः केन्द्रीयः	सरकार ने उ	क्त रिपोर्ट प	र थिचार करने के					455	0-10-		
				भृमियों में उपयोग					457	0- 12-		
		विनिष्कय किय		r	-				4 1 2	0- 11-		
						0			413	0 <del>-</del> 3- 8		
			^						134	0-2-7		
				प्रारा (1) द्वारा					435	() <del>-</del> 1− I		
				व्द्वारा घोषित है					452	0- 2- 1		
				उन्स भृतियों में					413	0- 0- 7		
उपयोग की अ	धिकार पीइपन भगहै।	।।इन बिम्राने	क प्रयोजन	के लिए एनद्डारा				<u>.</u>				

और आगे उस धारा की उमधारा (4) हारा प्रदस्त ग्रा<del>क्ति</del>यों का प्रयोग करने हुए, देख्दीय सरकार निर्देश देवी है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाब भारतीय गैस प्राधिकरण लि में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में पोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निक्ति कोगा।

S.O. 3358.—Whereas by notification of the Go inment of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4394, dated 15-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declartion in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

**SCHEDULE** 

Haj	ira Bare	· <del>-</del> ·	ishpur Pi	ipe Line .	Project.	के लिए अर्जिन करने का अपना काणब घोषित कर दिया था। - और यक्तः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियस की					Ti I	
Distt.	Tehsil	Pargan	a Village	Plot No.	Arca Acquired	ऑार उपवारा (						ी थारा 6
1	2	3	4	5	6						उनन रिप	
	<del></del>			<del></del>							अनुसूच) में दि क्षिय किया ह	
Kanpu	r Dera-	Dera-	Bhud-	306	0-1-8							
Dehat		pur	tiapur	305	0-11-1						∍की उपध	•
				304	0-13-6						कार एनद्द्रा	
				303	1-1-0						<b>बि</b> निदेष्ट उ	
				301	0-9-16				पलाइन वि	शनिके	प्रयोजन के	লিए एনধ্য
				302	0-2-16	अजि <b>त</b> किय	ि अता है	<b>}</b> 1				
				312	0-0-7	are		UTT :	T T T T T		4) श्रीरा घट	en estrati
				313	0-0-14						काकारा अध ती है कि	
				341	0 0-12						पा ह ।क निदित्त होने के	
				342	0-7-10						(पाह्य हाथ क 'की में की	
				340	0-14-2	गत्त आपका की इस ता				। भास्ता	छ। भाताः	401 <b>ት</b> ዲከር
				343	0-1-19	नाम इत्ता आ	રાજ્ય જાા	171	ist since			
				338	0-8-18					ē.		
				345	0014				अनुसू	र्चि। ′		
				346	00- 7	±n{a ±	. बन्धरी.	TH FT	स्तीका ४७ स	एक स्वरूप स्थान	লে গানীক	
				351	2-11-16	1.1.1.2	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	-1	141-15	(1641 - 1714	("I A1911Q	
				354	0-0-7	· 6.—				. ~		
				355	0-0-14	भिला	तहसी	~1	पराान	M 1+1	गाटा संख्या	लिया ग
				418	0-1-0				_			₹3,
				416	2-0-1						~~~	
				442	0-10-10	. 1		2	3	4	5	6
				440	0-2-2	 कानपुर देहांत				ग <b>ादास</b>	0.10	
				441	0-5-12	कामप्रदेश बहात	44134		ખું	पुर उर्क	•	1-19-
				439	0-10-0					अनुस्त्रम्। उ. ०००	10/3 10/4	I~ 4~ 1
				443	0-4-5					%वरापुर जग्र		0-19-
				438	0-9-10					54 · 13·.	13/2	0-17-
				448	0-0-14						$\frac{13}{2}$	1-8-1
				449	0-0-7						12/3	118-
					0-2-19	4					13/1	0~ 5~ 0
				451	0-15-6						23/4	0~9~1 0~15~
				454	0-5-0					<u>.</u> .	23/4 23/4	0~15~0
				455 457	0-10-18					• '	23/4	0-5-0
					0-12-12						23/4	0-15-
					0-11-5	•					23/1	0-13-
		******	المستور المستواد	413	0-3-8						·	··-···

2 3 5 6 434 0-2-7 435 0-1-10 452 0 - 2 - 10413 0-0 7

[No. O-14016/408/84-GP]

का. ८.१. 3359 :~~यत: पेट्रालियम और श्रानिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अजन), अधिनिवस 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधार (1) के अधीन भारत सरकार के ऋज मंत्रालय पेट्रोलियम त्रिभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 4527 तारी**ख** 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय संस्थार ने उस अधिनुबना से संगरन अनुसूर्य। में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पश्चिम लाइनों को बिछाने

भिला	तहसीत	पर्गान	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गला
•					13.新
1	9	3	4	5	6
कानपुर देहाँत	 देरापुर	देशपु	ग <b>ादास</b>	31/3	1-19-0
			पुर उर्क	10/3	I~ 4~ 1
			ग्रन्ति।	10/4	0-19-10
			<b>४व ग</b> पुर	10/8	0-17-11
			-	13/2	1-8-13
				12/2	1 18 0
				12/3	0~5~01.
k ·				13/1	0-9-15
				23/4	0-15-0
		,	<u>'</u> ,	23/4	0~5~ 0
				23/4	0-5-0
,				23/4	0-15-0
				23/1 .	0~13~13

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
				23/4	0-9-15				—· · -	23/4	0-5-0
				23/3	0-5-0					23/4	0 5-0
				24	0-5-1					23/4	0-15-0
				25/1	0-7-15					23/1	0-13-13
				25/5	0-4-17					23/4	0-9-15
				25/3	0-7-3					23/3	0-5-0
				25/2	0-5-12					2 <b>4</b>	0 - 3 - 1
				411	0~4~0					25/1	0-7-15
				140/4	0-10-17					25/5	0-4-17
				140/7	2-4-9					25/3	0-7-3
				141/1	0-13-0					25/2	0-5-12
				141/232	0-6-10					411	0-4-0
					~ ~ . 1					140/4	0-10-17
		Ļ	म. <b>U</b> -1	4016/420/	s4-जा.पा]					140/7	2-4-9
			A .1.	C 41 .	2					141/1	0 - 13 - 0
S.O. 3359. India in th					Government 22-12-1984					141/232	0-6-10

S.O. 3359.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy S.O. 4527 dated 22-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. rree from all encumbrances,

SCHEDULE
Hajira-Bareilly -Jagdishpur Pipe Line Project.

Haj	jira~⊸ <b>B</b> a	reilly —Jag	dishpur	Pipe Lin	e Project.
Dist1.	Tehsil	Pargana	. Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
-	r Dəra-		Ganga	3/1 10/3	1-19-9 1-4-1
Dehat	Баг	pur .	Derapur @	10/4	0-19-10
			Auroji	10/8	0-17-11
			Derapur	13/2	1-8-13
				12/2	1-18-0
				12/3	()- <b>5</b> -1
				13/1	0 <b>-9</b> -1 <b>5</b>
				23/4	0-15-0

[No. O-14016/420/84-GP]

का. प्रा. 3360 म्यार पेट्रानिकम फ्रीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रार्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) कः धारा 3 क उपधारा (1) के प्रधान भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोनियम विभाग की अधिमूचना का. आ. सं. 4396 तार खा 15-12-84 द्वारा केन्द्र य सरकार ने उस अधिभूचना से संतरन प्रनुसूख में यिनिविष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को प्रध्य साइनों के लिए फ्रांजिन करने का प्राण्य धोगित कर दिया पा।

र्श्वार यतः सक्षम प्राधिकारः ने उक्त ग्राधिनियम कः धारा ६ कः, उपधारा (1) के श्रधं न सरकार को स्पिट दे दा है।

त्रीर द्यारो यतः केन्द्र संस्कार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चान् इस अधिसूचना से संनग्न प्रनृष्ट्या में विनिद्दिष्ट भूमियों में उपयोश का अधिकार अजित करने का विनिध्चय किया है।

श्रव, अतः उक्त श्रिष्ठियम क धारा ६ क उपश्रारा (1) श्रारा प्रदेश णिक्त भयीग करते हुए केन्द्र, य सरकार एसद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रिष्ठिस्ता में संलग्न श्रिपुस्त में श्रितिहिष्ट उक्त भृमियों में उपयोग का श्रिष्ठिकार पश्चित्राहत विष्ठाने के प्रयोजन के लिए एसर्हारा भजित किया जाता है।

प्रारे प्रामे उस धारा का उपधारा (4) द्वारा प्रवश्य गावित का प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार निर्येश देत है कि उक्ते भृमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्र य सरकार में निहित होते के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभा बाधाप्रों से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन का इस नार ख को निहित होगा।

श्चनुपूर्व हाजियाः —बरेल --- रस्त णपुर- माइप- नाइन- पोजेवट

जिला	सन्त्रम ल	पर्जन	) ग्राम	गाटः संख्या	लिया गया इसवा
1	:	3	·!	5	6
	वेरापुर	देरापुर	गुडिया	<u></u>	0-05-10
देहात			पुर	29	01610
				22	00610
				23	0-01-00
				31	U U 7 <b></b> 15

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	1	2	3	4	5	6
				32	0-408-40						0-10-00
				33	0 - 0 7 10					31	0-07-15
				34	0-00-15					32	0-08-10
				3 5	0 - 0 7 - 0 0					33	0-07-10
				37	0-01-00					34	
				4.4	0-11-05					35	0-00-15
				70	0-2-15					3 <i>7</i>	0~07-00
				49	0-0-05					37 44	0-01-00
				92	1-4-0						0 11-05
				50	0-10-0					70 40	0-2-15
				51	0-01-0					49 02	0-0-05
				5 2	0-06-05					92 50	1-4-0
				53	0-07-10					50	0-10-0
				54	0-14-15					51 53	0-01-0
				55	0-02-00					52 52	0-06-05
				58	1-11-05					53	0-07-10
				6.1	0~0~15					54	0-14-15
				6.4	0~0~15					55	0-02-00
				6.5	0-0.1-1.8					58	1-11-05
				66	0-01-15					61	00 15
				67	0-01-10					64	0-0-15
				68	0-10-0					65	0-01-18
				69	0-08-0					66	0-01-15
			ਸਿੰ O₁1	4016/426/	— — — — — 84—ज. प(.]					67	01-10-0
			Į 1. O-1	2010/220/	0 ± -11 · 11 · .j					68	0-10-0
S.O.	3360.—Whe	ereas by	notification	on of the C	Sovernment of					69	0-08-0

S.O. 3360.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4396 dated 15-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

## SCHEDULE

Hajira-Barielly-Jagdishpur Pipe Line Project

1,750	- , ,,,,,,,	T 0. 23.416.2	THASO	riot N	Acquired Area
1	2	3	4	5	6
Kanpu	r Dera-	Dera-	Gurya-	20	0-05-10
Dehat	pur	pur	pur	29	0-16-10
		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		22	0-06-10

[No. O-14016/426/84-G.P.]

को प्रा. 3061—यतः ऐट्टोलियम प्रीट खनिज पाइपलाइन (म्सि में उपयोग के प्रधिकार का अजंग) अधिनियम 1962 (1962 वा 50) के धारा 3 के उपधारा (3) के प्रश्नीत भारत गरकार के उर्जा मंत्रालय पेट्टोलियम विभाग कः अधिसूचना सं. का. प्रा. सं. 4399 तार हा 15-12-83 हारा फेन्द्र य सरकार ने उस अधिसूचना से संलयन प्रमुख्या में विनिद्दिन्द भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को जिलाने के लिए अजित करने का अपना प्राण्य घोषित कर दियाथा।

श्रीर यतः सक्तम प्राधिकार ने उत्तन प्रधिनियम क धारा 6 क। उपधारा (1) के ग्रंबन सरकार को रिपोर्ट दे द है।

भीर भागे पन केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रधिपूचना से संलग्न भ्रनुसूच, में विनिधिष्ट सूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रीवित करने का विनिधनय किया है।

अब. अत: उक्त अधिनियम के आग 6 के उपधारा (1) हारा प्रदत्न गमित का प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार एतद्रुकाण घोषित है कि इस अधिसुचना में संसरन अनुसूच में बिनिदिष्ट उक्त भूमियों में उस्सोग का प्रधिकार पढ़िपताइन बिकाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा श्राजित किया जाता है।

प्रौर प्रापे उप धारा क उपधारा (4) द्वारा प्रदल्त शिक्षतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार निर्देश देता है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रतिकार केन्द्र य सरकार में निहिल होने के बजाय भारत य गस प्राधिकरण लि. में सक, बाधाओं से मुक्त रूप में श्रोपणा के प्रकाशन के। इस तार स को निहित होगा।

		श्रनुसू	र्षः		
	हाजिरा-⊶बरेल	,जगद झ	<b>पु</b> र पा	इपलाइन प्रीऽ	<del>रेक</del> ्ट
जिला	तहस्.ल	पर्गना	ग्राम	गाटा सं .	लिया गया रक्तवा (एकइ में)
1	2 •	3	4	5	6
इटाबा	म्रोस्या	भौरया	नौल,	1	0-70
				2	0-19
				5/1	0-12
				б	0-65
				7	0-11
				24	0~72
				25	0-15
				26	0-01
				46	0-28
				4 7	0-28
				45	0~ 38
				50	0()5
				51	0-16
				5.2	0-57
				146	0~09
				156	0-10
				158	0-67
				159	0-24
				27	(>~48

[मं. O-14016/429/84-आ, ग]

S.O. 3361. —Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Deptt. of Petroleum) S.O. No. 4399, dated 15-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

# SCHEDULE

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Etawah	Auraiva	<b>Auraiy</b> a	Nawali	1	0-70
	•	,		2	0-19
				5/1	0-12
				6	0-65
				7	0-11
				24	0-72
				25	0-15
				26	0-01
				46	0-28
				47	0-28
				45	0-38
				50	0-05
				51	0-16
				52	0-57
				146	009
				156	0-10
				158	0-67
				159	0-24
				27	0-48

[No. O-14016/429/84-G.P.]

का. था. 3362.—यतः पेट्रांलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोनियम विभाग) की अधिमूचना का.आ. सं. 4400 तारीख 15-12-1984 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुमूची में बिनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों की बिछाने के लिये क्रैं अजित करने का अपना आश्रम धोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे ही है।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिष्<del>ध</del>य किया है।

अव, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मित्रयों का प्रकोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्क्वारा घोषित करती हैं कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुमूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार

पाइपलाइम बिछाने के प्रयोजन के लिये एतब्हारा अजिन क्या जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देतर हैं कि उक्त भूमियों में उपयोगका अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मक्त हूप में घोषणा के प्रकाशन की इस सारीख को निहित होगा।

ग्रन्मुच हाजि गु---वरेल.--जगद शपूर पाइपलाइन पाजिन्ह

जिला	तहप् ल	परशना	ग्राम	गाटा स .	लिया गया रकत्या (एकड़ में )
1	2	3	4	5	6
टाश	भीरया	भौरया	खजहा	1	1-15
	-			27	0-54
				28	0-08
				50	0-33
				31	0-11
				32	0-04
				39	0-42
				38	0-37
				41	0-66
				42	0-03
				43	0-10
				240	0-25
				230	1-15
				231	0-29
				223	0-37
				210	0-07
				229	0-01
				280	0-10
				226	0-59
				228	0-90
				225	0-06
				217	0-63
				214	0-23
				212	0-14
				213	0-43
				178	0~65
				179	0-06
				172	0~48
				173	0~12
				176	0-43
				177	0-96
				160	0-07
	~			216	0-06
		* .	_		

[मं O-- 14016/430/84-जी वी व]

S.O. 3362.—Whereas by notification of the Government of India, in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. No. 4400 dated 15-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition

of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this portification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this rotification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

**SCHEDULE** Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
<b></b>	1 4		Tri ' i		
Etawa	n Aura	iya Auraiya	Knajur		1-15
				27	0-54
				28	0-08
				29	0–33
				31	0-11
				32	0-04
				39	0-42
				38	0-37
				41	0-66
				42	0-03
				43	0-10
				240	0–25
				230	1–15
				231	0-29
				223	0-37
				210	0–07
				229	0-01
				280	0-10
				226	0-59
				228	0-90
				225	0-06
				217	0-63
				214	0-23
				212	0-14
				213	0-43
				178	0-65
				179	0~06
				172	0-48

	<del>-</del>		·	OF IND	11A . JULI 20, 1		, 1907		[F.	AKI II—S	EC. 2(11)1
1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Flav	wah $\overline{-C}$ $\operatorname{int}$	<del>-</del>		173	0-12	उटि(यः——∓ार्गः				51	0-73
				176	0-43					73	0-16
				177	0-96					8.3	1-11
				160	0-07					8.4	0.438
				216	0-06					8.5	0-58
					<del></del>					9.2	0~03
			[N	ა. <b>()-</b> 14 <b>0</b> 1	6/430/84- GP]					93	1~ 50
					ाइप लाइन (भूमि					9.4	0-08
					(1962 年150)					99	() <b>-0</b> 1
					कं ऊर्जी मन्त्रालय					100	0~01
					तारीखा 15-12-84					157	0~05
					मूर्पी में <b>वि</b> निर्दिण्ट					186	0-50
				को बिछाने	के जिए अजित					188	0-06
करन व	ला अपनी आणिय	वाषित कर दि	या था।							189	0-38
और	यतः सक्षमः प्र	(धिकारी ने उ	দে अधि	नेयम की ध	गरा 6 की उप-					196	0-70
धारा	(ा) के अधिन	सरकार की वि	'पोर्ट दे र	ते हैं ।						197	005
<b>ऑ</b> ग	आगे, यत: ^{को}	र्क्ष्य सरकार	ने उक्त	रिपोर्ट पर	विचार करने के					198	0-08
					मृमियों में उपयोग					234	10-0
	धेकार अजिन य				e.					235	1-10
अब	अनः उपन अ	धिनियम की	मारो ६	की लक्क्षा	ारा (I) <b>धा</b> रा					236	0~ 5 4
					एतद्वारा चौषित					237	1-48
					दण्ट उक्त भूमियों					266	0-09
		•	C 4.		के लिए <i>ए</i> तब्द्वारा					267	0-06
	किया जाता है		,,,,,		and the state of					268	1 → 40
			ਗ <del>ਰ</del> (1	) жи <del>л</del> п	१शत <b>शक्तियों</b> का					269	0-12
					इत शास्त्रया का भूमियों में उपयोग					271	0 - 54
					भागसाम उपयाप य भारतीय गैस					272	0-50
			-							624/93	0-38
AIII (4.45.4	रण लिमिटेड में गभी बाधाओं से मुक्त रूप में घौषणा के प्रकाशन							187	0-88.		

धनस्पाः हाजि रा-गरेली-जगदः गपुर पाडपलाइन प्रोजेक्ट

की इस तारीख की निहित होगा।

जिला.	कहग ल	परगना ग्रा	म गाट	ा मंख्या लि	या गयारक बा
				_	(एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
<b>१</b> टाक	भीरया	भौग्या	प परपुर	1	0-52
				3	0-30
				4	0-08
				5	0-12
				6	0-10
				28	0-60
				29	()48
				30	0 - 2.4
				31	0-08
				3.3	(1-10)
				3.4	0-42
				35	0-31
				36	0-01
				40	0-42
				-1 1	0-18
				42	0-06
				50	0-80

[मं. **O**-14016/431/84-जीपी]

0-01

S.O. 3363.—Whereas by notification of the Government of S.O. 3363.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum S.O. No. 1441 dated 15-12-84 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this not fication;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said  $\Lambda$ ct, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances,

0 - 52

0-30

~		
CASTLE	$\mathbf{r}$	
SCHE		LE

Hajir	a Bareilly	Jagd	ishpur	Pipe	Line	Project
Distt	Pargana	Tohsil	Village	Plot		Area Acquired
1	2	3	4		 5	

pur

1

Etawah Auraiya Auraiya Piper-

_,	O-20
4	0-08
5	0-12
6	0-10
28	0-60
29	0-48
30	0-24
31	0-08
33	0-10
34	0-42
35	0-10
36	0-01
40	0-42
41	0-18
42	0-06
50	0-80
51	0-75
73	0-16
83	0-11
84	0-28
85	0-58
92	0-06
93	1-50
94	0-08
99	0-01
100	0-01
157	0-05
186	0-50
188	0-06
189	0-38
196	0-70
197	0-05
1 <b>9</b> 8	0-08
234	0-01
235	1-10
236	0-54
237	1-48
266	0-09
267	0-06
268	1-40
269	0-12
271	0-54
272	0-50
624/93	0-38

287

91

[No. O-14016/431/84-GP]

0-88 0-01 का. आ. 3364:—यतः पेट्रोलियम और खनिश पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिमूचना का.आ. सं. 4676 तारीख 29-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुमूची में विनिद्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को खिछाने के लिए अजित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगं यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में मंनग्न अनुसूची में विनिद्धिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार कर अजित करने का विनिष्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्रनुसूच। हाजिरा-बरेलो∹जगदःशपुर पाइप लाइन प्रोजेस्ट

<u> </u>	तह्म₊ल	परगना	ग्राम	गाटा लि	यागयारक ब
				सं०	(एकड़) में
1	2	3_	4	5	6
कानपुरवेहास-देरा	पुर वेरापुर		चिनौल।	991	0-9-14
•	•			992	0-4-0
				996	0-7-0
				995	0-1-12
				998	1-7-8
				1012	0-14-0
				1013	0-19-0
				1031	0-4-10
	4			1120	0-1-15
				1119	1-0-5
				1118	0-6-0
				1109	1-4-0
				1110	0-0-10
				1107	0-11-1

			Nam	٠4.	refore	n Avaraine	of the m	nwer a	onferred by
1 2 3 4	102	6 0-4-19	sub-section	on	(I) of th	e Section (	Softhe.	said Act	the Central user in the
		0-3-17							this notifica-
		0-15-8	tion here	eby	acquired	l for laying	the pip	eline;	
		0-15-8	And f	furd	ther in	exercisa of	DOWER (	onferred	by sub sec-
		0-7-10	-						t directs that
		0-13-0							of vesting in
	094	0-4-0	-						publication in
•	161	0-8-8				he Gas Au	thority of	India L	td. free from
		0-15-8	all encun	nbi	rances.				
		0-13-0				SCUE	DULE		
		0-0-10				BCIIL	DULL		
		0-10-0	Hajira	a	Bareilly	Jagdishı	our Pipe	Line	Project.
	166	0-10-0	Distt	-,	Tehsil	Pargana	Willage	Plot 3	No Area
		0-15-8	Disti		1 (11511	I al Balla	Village	1100)	Acquired
	1378	0-0-13							Acquired
	1218	0-9-0	1		2	3	4	5	6
				_			·		-···-
,	1219	1-1-8	Kanpu	ır ]	Derapur	Derapur	Chil-		
	1221	1-5-0	Dehat		-	-	ouli	991	0-9-14
	1298	0-1-10						992	0-4-0
	1222	0-8-0						996	0-7-0
	1223	0-3-16						995	0-10-12
	1297	0510						998	1-7-8
	1296	0-18-0						1012	0-14-0
	1295	0-8-0						1013	0-19-0
	1307	0-2-0						1031	0-4-10
	1293	0-12-4						1120	0-1-15
		0-10-16						1119	1-0-5
	1309	0-15-0					,	1118	0-6-0
	1310	0-2-8						1109	1-4-0
	1311	0-15-0						1110	0-0-10
	1683	0-14-8						1107	0-11-15
	1684	0-8-8						1102	0-4-19
	1688	0-12-0						1101	0-3-17
		0-15-10						1090	0-15-8
	1720	1-0-8						1091	0-15-8
	1717	0-9-12						1092	0-7-10
	1852	1-4-0						1093	0-13-0
	1853	1-5-8						1094	0-4-0
	1854	1-3-0						1161	0-8-8
	2436	0-3-12						1162	0-15-8
[#o O-14016/-	491/2							1163	0-13-0
[4-0-14010]	/ 3	- 4						1165	0-0-10
S.O. 3364.—Whereas by notification of the	e Gove	ernment of						1169	0-10-0
India in the Ministry of Energy Departme	ent of	Petroleum						1166	0-2-2
S.O. 4676 dated 29-12-84 under sub-section of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acc	(1) of	Section 3						1167	0-15-8
of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962),	the Ce	ntral Gov-						1378	0-0-13
ernment declared its intention to acquire t in the lands specified in the schedule appear	the rig	ht of user						1218	0-9-0
fication for purpose of laying pipeline;	iucu IO	HIML HOU-						1219	1-1-8
								1221	1-5-0
And whereas, the Competent Authority l	has un	ider Sub-						1298	0-1-10
Section (1) of Section 6 of the said Act, s								1222	0-8-0
to the Government;								1223	0-3-16
And further whereas the Central Cause	P#174 # 4	hoe after						1297	0-5-10
And further, whereas, the Central Gover considering the said report, decided to acqu	juire th	e right of						1296	0-18-0
user in the lands specified in the schedule notification;					<del></del>			1295	0-6-0

1	2	3	4	5	6
				1307	0-2-0
				1293	0-12-4
				1308	0-10-16
				1309	0-15-0
				1310	0-2-8
				1311	0-15-0
				1683	0-14-8
				1684	<b>0-8</b> -8
				1688	0-12-0
				1719	0-15-10
				1720	1-0-8
				1717	0-9-12
				1852	1-4-0
				1853	1-5-8
				1854	1-3-0
				2436	0-3-12

[No. O-14016/491/84-G.P.]

# नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1985

का. आ. 3365:—यतः पेट्रोलियम और खिनिज पाइप लाइम (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का. आ. मं. 665 तारीख 16-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिन्युचना से संलग्न अनुसूचों में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विष्ठाने के लिए अजित करने का अवना अर्णय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारों ने उक्त अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूकों में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

ग्राम	बरखेड खु	तहर्मण	सारंगपुर	जिला-राजगढ	राज्य	(मध्य	प्रवेश)
			<b>ञ</b> न्मूच₁	<del></del>	<del></del> -		
भनु .'	क. खसरा न	. 1	_		প্স	योग घ जेन का हैक्टर्स	<u>धोल</u>
1.	329					(	0.051
2-	422					•	0.05
3.	390/1					•	0.090
4.	369/1					•	. 13
5.	395/2					C	0.030
ti.	400					C	0.089
7.	369/2					0	1.195
8-	370					0	. 199
9.	371					0	.07€
10.	382					0	0.017
11-	413					0	. 165
12.	420/3					C	100
13.	421/1					0	. 078
14	380					0	. 165
15.	412					O	. 141
l ti.	387/1					0	. 172
17.	387/2					0	. 301
18.	395/3					0	. 153
19.	399					0	. 226
20.	398					0	. 023
21.	277/1					0	. 154
22.	390/3					Ø	. 165
23-	277/2					0	.010
24.	278/1						
25-	277/3					0	. 405
26.	278/2						
27.	411					U	. 126
28.	414					0	. 270
29.	420/2						_
90.	420/1					0	.010
1.	403					0	. 170
				मोग:— कुल क्षेर	पफल	3.	763

एच. बंत. जे. गैम पाईप लाइन प्रोजेक्ट

#### [सं O- 14016/81/85-जीपी]

#### New Delhi, the 10th July, 1985

S.O. 3365.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 665 dated 12-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline:

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

New, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India 1.td. freefrom all encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village	Barkhedi Khurm	Tehsil	Sarangpur	Distt.
			Rajgarh	(M,P.)

	SCHEDU	LE
S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	32.9	0.051
2.	422	6.051
3.	390/1	0.090
4.	369/1	0.135
5.	395/2	0.030
6.	400	0.089
7.	369/2	0.195
8.	. 370	0.199
9,	371	0.076
10.	382	0.017
11.	413	0.165
12.	420/3	0.100
13.	421/1	0.073
14.	380	0.165
15.	412	0.141
16.	387/1	0.172
17.	387/2	0.301
18,	395/3	0.153
19.	399	0.226
20.	398	0.023
21.	277/1	0.154
22.	390/3	0.165
23.	277/2	0.010
24.	278/1	
25.	277/3	0.405
26.	278/2	<del></del>
27.	411	0.126
28,	414	0.270
29.	420/2	<del>-</del>
30.	42 0/1	0.010
31.	403	0.170
TO	OTAL AREA	3.763

[No. O-14016/61/85-GP]

का. आ. 3366----यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4567 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची

में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषिस कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उन्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन संस्कार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संसम्म अनुसूची में विनिद्धिट भूमियों में उपयोग का अधिकार अणित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उन्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शन्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार तद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतब्द्वारा अजित किया जाता है।

और अने उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस सारीख को निहित होगा।

अनुसूची हजीरा से बरेली से जगदीअपुर तक पाइप लाइन विकान के लिए।

राज्य :गुजरात जिला : पंजमहल तालुका : लिमखेडा							
गांव	सर्वे नं ः	हेमटे यर	——— घार.	 सेन्टीयरं			
भम्बा	140	0	42	00			
	81	3	54	87			
	117	0	27	0.0			
	143	O	46	02			
	144	0	09	27			
	137	U	43	0.1			
	136	U	30	97			
	135	O _c	33	60			
	82	0	32	2.4			
	83	0	50	75			
	133	ŋ	08	32			
	122	0	21	76			
	63	0	57	00			
	62	0	36	79			
_	61	O	45	09			

[सं. O- 14016/470/84-जीपी]

S.O. 3366.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4567 dated 10-12-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification needly acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULF
Pipeline from Hazira-Bareilly-Jagdishpur

State : Gujarat;	District : Panchr	n hal; Talu	ka Li	mkheda
Village	Survey No.	Hectaro A	Area	Centiare
Amba	140	0	42	00
	81	3	54	87
	117	0	27	00
	143	o	46	02
	144	O	09	27
	137	0	43	01
	136	Ü	30	97
	135	0	33	60
	82	0	32	24
	83	0	50	75
	133	0	08	32
	122	0	21	76
	63	0	57	00
	62	Ú	36	79
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	61	0	45	09

[No. O-14016/470/84-GP]

का.आ. 3367:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइम (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीम भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का. आ. सं. 726 तारीख 13-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धित्व भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजिन करने का अपना आध्य घोषत कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

आर आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चान इस अधिम्युचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिमार अजिति करने का विनिध्चय किया है।

अव, अतः उक्त अधिनियम की धात 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस पाधमूचना में मंलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अफिल किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपन्नारा (4) द्वारा प्रदक्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी वाधाओं में मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस तारेख को निहित होगा।

अनुसूची हजीरा से अरेग्ली में अगदीशहुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य:	गुजरात	जिला	प समहल	नासुका	वित्स	खंडा	
गाव		· - · · · ·	सर्वे नं.	हेस	टयर	भार	मेन्टीयर
<del></del> र ई			51	· <del></del>	O	27	00
			48		O	<b>0</b> U	64
			50		0	37	0.0
			49/1		O	36	υu
			4.4/ <del>प</del> ी		n	29	0.0
			42		0	0.0	16
			4.3		O	2.4	. 0.0
			26		Ō	12	80
			Kotar		0	01	28
			27		()	34	0.0
			काटेट्रक		0	0.2	0.0
			22		0	30	0.0
			$21/\mathbf{P}$		()	13	0.0
			19		0	20	0.0
			18		0	29	0.0
			17		O	0.2	40
			<b>1</b> /1		O	53	0.0
			360/3		U	41	00
			355		0	82	υO
			338		()	90	σσ
			340		0	47	0.0
			335		0	40	00
			327		0	22	00
			326		U	0.1	0.0
			256/ <b>P</b>		(	31	υu
			$256/\mathbf{P}$		C	40	0.0
			259		U	99	υO
			262		1	10	0.0
			$265/\mathbf{P}$		1	) 4.3	0.0
			$265/\mathbf{P}$		t	) 0.5	5 00
			$265/\mathbf{P}$		(	) 68	3 99

[सं. O-14016/68/85-खीपी]

S.O. 3367.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 726 dated 13-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this netification: Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd free from all encumbrances.

SCHEDULE
Pipeline from Hazira Bareilly-Jagdishpur

State : Gujarat	District Panchn	nahal Taluka	Limi	khed
Village	Survey No.	Hectare	Arc	Centiar
RAI	51		27	00
	48	0	00	64
	50	0	37	00
	49/1	0	36	00
	44/P	0	29	00
	42	0	00	10
	43	0-	24	00
	26	0	12	80
	Kotar	0	01	28
	27	0	34	00
	Cart track	0	02	00
	22	0	30	00
	21/P	0	13	0
	19	0	20	00
	18	()	29	0
	17	0	02	4
	1/1	0	53	0
	360/3	0	41	0
	355	0	82	0
	338	0	90	0
	340	0	47	0
	335	0	46	0
	327	0	23	0
	326	0	01	0
	256/P	0	31	0
	256/P	0	40	o
•	259	0	99	ŏ
	2 62	1	10	00
	265/P	0	43	00
	265/P	0	0.5	00
	265/P	Õ	68	0

[No O-14016/68/85-G-P]

का. आ. 3368.—यतः पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंद्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 595 तारीख 9-2-85 द्वारा की केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आश्रम घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी हैं। और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चान इस अधिमूचना में संस्थन अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अ**जित करने** कः विनिम्नय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एतद्द्वारा अभित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिन्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बनाय भारतीय गैस प्राधिकारण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त क्प में घोषणा के प्रकाशन की इस सारीख को निहित होगा।

प्रनुसूची एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रौंजैक्ट ब्राम ब्रगोलिया तहसील शाजापुर जिला-शाजापुर राज्य (सध्य प्रदेश)

 उनुऋ०	खप्रा न०	उपयोग अधिकार लाईन का क्षेत्र (हे	क्टेयर्स में)
1	2		3
1	429		0.303
2	179/1/2		0.157
3-	171		0.031
4.	86		0.021
5.	174/1/1		0.031
6.	7 1/1		0.062
7.	S 5/ 1		0.136
8.	173		0.167
	179/2		
ŋ.	68		0.125
10	7 2/ 1		0.072
11	$\frac{72/2}{73}$		0,010
12.	161		0.005
1.3	160		0,428
1.4	162		0.021
15.	163		0.125
16.	20	•	0.052
17.	21		0.215
18	22		0.052
19	23		0.042
20.	148/1		0.062
21	149/1		0.010
22.	148/2		0.052
23.	140		0.199
24	137/2.		0.005
25.	141		0.072
26.	136		0.209
27.	119		0.031
28.	7 1/ 2		0.167
29	63		0.062
30.	78/2		0.010

2	3	l	2	3
. 77/1	0,031	11	72/2	0 010
			73	_
2. 77/2	0 010	12.	161	0.05
3. 78/1	0 052	13.	160	0.428
4. 79	0,010	14.	161	0.021
5. 82	0.010	15.	163	0.125
		16.	20	0.052
8.83	0 021	17.	21	0.215
7. 85/2	0.146	18.	<u>22</u>	0.052
8 174/2	0 - 0.3.1	19,	23	0.042
9. 93	0.010	20-	148/3	0.062
0. 172	0.031	21.	149/ l	0.010
		22.	148/2	0.052
1. 158/ l	0.010	23.	140	0.199
2- 139	0 010	2.4.	137/2	0.005
		25.	141	0.072
योगः—-कृष क्षेत्रफणः	3.306	26.	136	0.209
3,1,1,1,1,1,1,1,1,1,1,1,1,1,1,1,1,1,1,1		27.	119	0.031
		28.	71/2	0.167
•	अपठनीय	29.	63	0.062
[म <b>ः O</b> -140 <b>1</b> 6/:	१८/८5-जीपी]	30.	78/2	0.010
0.0.40.00 700 - 1 - 100-11 - 100-11	<u> </u>	31.	77/1	0,031
S.O. 3368.—Whereas by notification of the India in the Ministry of Petroleum S.O.	Government	32.	77/2	0.010
2-1985 under sub-section (1) of Section 3 of		33.	. 78/1	0.052
im and Minerals Pipelines (Acquisition of Ri		34.	79	0.010
Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central	Government	35.	82	0.010
clared its intention to acquire the right of	user in the	36.	83	0.021
lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;		37.	85/2	0.147
		38.	174/2	0.031
And whereas the Competent Authority has under Sub-		39.	93	0.010
ction (1) of Section 6 of the said Act, subn		40.	172	0.031
the Government;	-	41.	158/1	0.010
		42.	139	0.010

[No. O-14016/38/85-GP]

3.306

का०आ० 3369.--यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधि-मूचना का०आ०५१० 727 तारीख 23-2-85 द्वारा केन्द्रीय मरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आपाय कोषित कर दिया था।

TOTAL AREA

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनसुची में विनिर्दिष्ट भमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिध्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

				अपर	उनीय
		योगः—-कुल	क्षेत्रफल :	3.	306
42-	139		<del></del>	0 	010
41.	158/1			0.0	010
40-	172			0 0	031
39.	93			0.0	010
38	174/2			0 (	034
37.	85/2			0.	146
36.	83			0 (	121
35.	82			0 (	) ( 0
34.	79			0,0	)]0
33.	78/1			0 (	52
32.	77/2			1) (	) [ ()

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands, shall instead of vesting in Central Government, vests on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

**SCHEDULE** HBJ Gas Pipeline Project

Village Aroliya Tehsil Shajapur; Distt.: Shajapur (M.P.)

S.No.	Survey No.	Area to be acquired fo RO.U. in Hectare	
1.	429	0.303	
2.	179/1/2	0.157	
3.	171	0.031	
4.	86	0.021	
5.	174/1/1	0.031	
6.	71/1	0.062	
7.	85/1	0.136	
8.	173	0.167	
	179/2	<del>-</del>	
9.	68	0,125	
10.	72/1	0.072	

और आगे उस धारा की उपधारा (4) धारा प्रवस्त गिंकतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होंने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि॰ में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच की, भे, गैस पाइप लाइन प्रोप्रैक्ट

ग्राम	भ्याना तहमील	—— सारंगपुर—जिस	ता – राजगढ़	राज्य (मध्य प्रदेश)
		ँ =============================	 बी	
भ्रनु. ऋ.	स्त्रुमरा सं			उपयोग द्याध- कार प्रजीन का क्षत्र (हैक्टर्स में)
1				3
1.	343		· ·	0.190
2.	342			0.038
3.	331/8			0.164
4.	344/2			0.091
5.	349			0.215
6.	344/1			0.013
7.	345			0.190
8.	348			0.005
9.	343			0,266
10.	334			0,104
11.	333			0.366
12.	332			0.479
1 3-	331/11			0,266
14.	332			0.166
1 5-	330			0,205
16.	329			0.291
17-	1			0.013
18.	2			0.013
19.	19/1			0.070
20.	296	•		0.309
21.	263			0.431
22.	264			0.200
23.	265			0.116
24.	281			0.300 0.300
25.	269			0.099
26.	259/2			
27.	271			0.256 0.038
28.	272/1			0.038
29.	260			0,216
30.	273/2			0.005
31.	246			0.251
2-	13/2			0.300
33.	245 ₁ 2			0.256
	245/1 13/1			0.251
15.	13/1 273.1			,0.050
16.	273 ₁ 1			0.006
	61/2 60/4			0.063
18. 19.	60 _i ∓ β _i 3			0.019

1	2	3
40.	46/3	0.28
41.	47	0.16
12.	60/3	0.16
13.	45/2	. 0.00
44.	c ₁ 2	v. 060
45.	61(1	0.00
16.	4 C/1 '	0.284
17.	12	0.140
18.	9	0.15
19.	10	0.251
50.	8/2	0.005
51.	60/1	0.010
2.	59	0.115
5 <b>3.</b>	11	0.010
54.	14	0,040
55.	18	. 0.100
6-	244	0.076
7.	243	0.025
8	242	0,104
ιο.	70	0.013
.O.	62	0,025
1.	64	0.025
2.	48	0.005
3.	63	0.100
		योग कुल क्षेत्रफन - 8.390

S.O. 3369.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 725 dated 13-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands—specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the sold lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

458 GI|85---12.

/illag		gpur, Distt. Rajgarh State M.P.	61. 64 0.025 62. 48 0.003
	SCHED		63. 63 0.100
S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in hoctare	TOTAL AREA 8.390
1	343	0.190	[No. Q-14016/69/85 -Q.P]
2.	342	0.038	[140] 0-14010[03/03 -0.1 ]
	331/6	0.164	
4.	344/2	. 0.091	
5.	349	0.215	का.आ. 3370.—यतः पेट्रोलियम और <b>स</b> निज पाइपलाइन
6.	344/1	0.013	(भृमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम,
7.	345	0.190 0.005	1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1)
8. 9.	343 343	0.266	,
10.	334	0.104	के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना
11.	333	0.366	का.आ.सं. 598 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार
12.	332	0.479	ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में बिनिर्दिष्ट भूमियों
13.	331/11	0.266	के उपयोग के अधिकार को पाइवलाइनों को विखाने के
14.	332	.0166	लिए अजित करने का अपना आशय वीवित कर दिवा
15.	330	0.025	·
16.	329	0.291 0.013	भा ।
17. 18.	1 2	0.013	और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की
	19/1	0.070	धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन तरकार को रिपोर्ट
	296	0.309	` /
	263	0.431	दे दी है।
22.	264	0.200	और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने खनत रिपोर्ट पर
	265	0.116	विभार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची
	281	0.300	
	2 69	0.300	में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने
	259/2	0.099	का विनिष्चय किया है ।
27. 28.		0.256 0.038	<del></del>
		0.038	अब, अतः उक्त अधिनियम् की धारा 6 की उपधारा
	273/2	0.216	(1) द्वारा प्रदक्त मन्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार
	246	0.005	्रतद्कारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न
32.	13/2	0.251	अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार
	245/2	0.300	34,
	245/1	0.256	पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एसद्द्वारा अजित
	13/1 273/1	0.251 0.050	किया जाता है ।
	61/2	0,006	और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त
38.	60/4	0.063	
	6/3	0.019	शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार
40,	46/3	0.284	में निहित होने के बजाय भारतीय पैस प्राधिकरण लिमिटेड
11.	47	0.163	में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की
12.	60/3	0.060	इस तारीख को निहित होगा ।
	45/2 6/2	0,005 0.060	क्ष्म तारा <b>व्या</b> का । नाहता हाना ।
	6/2 61/1	0.005	
16.	46/1	0.284	एस, बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट
17.	12	0.140	ग्राम-खेरचाखेडी, तहसील-सारंगपुर-जिला-राजगढ़ (राज्य मध्य प्रदेश
18.	9	0.153	अनुसूची
19.	10	0.251	
	3/2	0.005	अनु, सप्तरा नं. उपयोगक्के अधि-
	60/1	0.010	क. कार अजेन का
62, 63,	59 11	0,115	क्षेत्र (हैक्टर्स में)
	14	0.100 0.040	1 2 3
	18	0.100	
	244	0.076	1. 1 0.040
	243	0.025	2. 50 0.090
	2.42	0.104	3. 5/1 0.300
	70	00.013	4. 5/2 0.300
60.	62	00.025	5. 3 0.100

1	2					3
6.	<u>4</u> में	<del></del> —				0.080
7.	4में					0.300
8.	43					0.380
9.	49) 1					0.090
10.	44					0.400
			योग	- <b>-</b> कुंश	क्षेत्रफल	2.080

[मं**० O-14**016/41/85---जी पी]

S.O. 3370.—Whereas by notifications of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 598 dated 9-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that votification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the senedule uppended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the ripeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

### HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village: Khercha Khedi, Tehsil: Sarangpur, Distt. Rajgarh MP

	SC	HEDULE
S. N	o. Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1	2	3
1.	1	0.040
2.	50	0.090
3.	5/1	0.300
4.	5/2	0.300
5.	3	0.100
6.	4M.	0,080
7.	4M.	0.300
8.	43	0.380
9.	49/1	0.090
10.	44	0,400
	TOTAL AREA	2.020
		[No. O-14016/41/85-GI

का. आ. 3371 -- यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भृमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्टोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का, आ. सं. 733 सारीख 23-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट मुमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को विष्ठाने के प्रयोजन के लिए अजित भरने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट 6 की उपधारा दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूर्व विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्चयं किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयंगकरते हुए केन्द्रीय सरकार एतदुक्कारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिकाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त -गाक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइपलाइन प्रोजेस्ट थाम वयाखेडी--तहसील सारंगपुर--जिला राजगढ--राज्य (मध्य प्रदेश)

		अन्सूची	
अनु. ऋ.	खसरा र्न . ः		उपयोग अधि- कार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2		3
1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10.	7/1 6 8 9 7/2 54 52 5 56 47/1 55		0.170 0.0005 0.050 0.130 0.160 0.250 0.095 0.005 0.005
12- 13- 14- 15- 16-	57   1 62 58 59 60		0.210 0.105 0.050 0.240 0.031
17.	63	<u></u>	0.350

I	2	3	J	2	3
i 8.	67	0.060	15.	59	0.240
19.	68	0.150	16.	60	0.031
30.	69	0,057	17.	63	0.350
21.	70	0.100	18.	67	0.060
22.	66	0,005	19.	68	0.150
23.	37	0.032	20	69	0.057
24.	19	0.005	21.	70	0.100
35.	38	0.005	22.	66	0.005
26.	39	0.320	23.	37	0.032
27.	41	0.025	24.	19	0.005
28.	46/2	0.200	25.	38	0.005
z	ोग: कुल क्षेत्रफल	3.015	26.	39	0.320
	[सं॰ O-14016/75/85-जोपी]		27.	41	0.025
			28.	46/2	0.200
S.O ( Ind	. 3371.—Whereas lia in the Ministry of	by notification of the Government of Petroleum S.O. 733 dated 23-2-85		TOTAL AREA	3.015

of India in the Ministry of Petroleum S.O. 733 dated 23-2-85 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances

HBJ GAS PIPELINE PROJECT Village: Daya Khedi, Tehsil: Sarangpur: Distt.: Rajgarh(MP)

			SCHEDULE
S No.		ucvey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1		2	3
1.	7/1		0,170
2.	6	-	7" 0.005
3.	8		0,050
4.	9		0.130
5.	7/2		0.160
6.	54		0.250
7.	52		0.095
8	5		0.005
9.	56		0.005
U.	47/1		0.060
11.	55		0.100
2.	57/1		0.210
13,	62		0.105
14.	58		0.050

[No. O-14016/75-85-GP]

का . आ . 3772:--यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन मारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय को अधिसूचना गा. आ . सं . 874, तारीख 2-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधि-कार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जिस करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे दत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्यात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-दिण्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अित करने का विनिश्चय किया है।

अव अत: उक्त अधिनियम को धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदश शक्ति का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करतो है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उद्य बारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त णितयौँ का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को ंनिहिस होगा ।

एचा बी. जे. गैस पाईप लाईम प्रोजेक्ट

ग्राम संदावता तहसील सारंगपुर-जिला--राजगढ़ राज्य (मध्य प्रदेश)

		- 4	ኊ
2. H	ш	-	Ή
~ ~ ~ ~	v	~	1

अमु, त्र	. <b>। ख</b> सरामं. 1	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र
		(हैक्टर्स में)
1.	1263	0.043
2.	1290	0.101
3.	943	0 253
4.	1315	0.076
5√]	871	0 _ 29 i
в.	863	0.025
7.	803	0.025
8.	1273/1	1.012
9.	1274	~-
10.	1275	0.053
11	1216	0.177
1 2.	1276	0.240
13	1300	0.151
i 4.	1277	0.051
15.	1286	0,354
16	1303	0.468
17.	1285	0.038
18.	1298	0.151
19.	1299	0,126
20.	870	0.2 53
21.	868/1	0.540
22.	8 6 9/1	<del></del>
23	877	0.063
24.	864	0.101
25.	868/2	0.013
26.	869/2	
27-	857	0.025
28.	862	0.354
29.	865	0.013
30.	858	0.013
3 L.	795	0.190
32.	801	0.013
33,	796	
34.	797	0.013
3 5∙]	798	0.038
36.	799	0.380
37.	800 में से	0.230
38.	782	0.051
39	1297	0.038
40-	1268/2	2.031

[सं • O-14016/90/85-जीपी]

5.994

S.O. 3372.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 874, dated 2-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

योगःकुल क्षेत्रफल

And whereas the Competent Authority has under Subsection (!) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ Gas Pipeline Project

Village: Sandavata, Tehsil: Sarangpur, Distt. Rajgarh (M.P.)

		SCHEDULE
S.No	o. Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
~í.	1263	0.043
2.	1290	0.101
3.	943	0.253
4.	1315	0.076
5.	871	0.291
6.	863	0.025
7.	803	0.025
8.	1273/1	1.012
9.	1274	
10.	1275	0.053
11.	1216	0.177
12.	1276	0.240
13.	1300	0.151
14.	1277	0.051
15.	1286	0.354
16.	1303	0.468
17.	1285	0.038
18,	1298	0.151
19.	1299	. 0.126
20.	870	0.253
21.	868/1	0.540
22.	869/1	<del>.</del>
23. 24.	877 864	0.063
24. 25.	868/2	0.101
25. 26.	869/2	0.013
20. 27.	857	- '-
28.	862	0.025
29.	865	0.354
30.	858	0.013
31.	795	0.013
3 <b>2</b> .	801	0.190
33.	796	0.017
34.	797	0.013
35.	798	0.013 0.038
36.	799	0.380
37.	800 M/C	0.230
38.		0.051
39.	1297	0.038
40.		0.031
	TOTAL A	

[No. O-14016/90/85-GP]

का॰ का॰ 3373. -यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का॰ प्रा॰ तं॰ 668 तारीख 16-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का प्रपना आश्रम घोषित कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और मागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पश्चात् इस म्राधसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का विनिध्चय किया है।

श्रव अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदरत एक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा धोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा श्रजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुफ्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

एन . बी . ज . गैस पाईपलाइन पोधेनट ग्राम पठारी - तहसील सारगपुर - जिला-राजगढ़---राज्य (मध्य-प्रदेण)

		अनुसूची :
अन्त्र.	खमरा न	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स मे)
1	2	3
1.	290	0 126
2	289	0.105
3	292 में से	0.374
4.	293	0.026
5-	145	0.051
б	294	0.028
7.	295 में से	0.253
8.	297/2 में से	0.341
9	431/1 में स	0.025
10.	416	0.273
11.	417	0.075
12.	401	0.052
13.	388	0.126
1 4	390	0.151
15.	391	0.006

1	2		3
16.	394		0 126
17.	398		0.006
18.	399		0.032
19	386		0 <b>022</b>
20	414		0 075
24.	372/1		0.040
22.	375		0.020
2.3	299/4		0.022
24.	368/2		0.216
25.	402		0.093
2.6	387/1		0 042
2.7	387/2		0.070
28.	387/5		0.110
29	389		0.012
30	381		0.020
3.1	369		0.366
3 2.	366		0.006
33.	370		0.075
3 4.	374/1		0.189
3.5.	374/2		0.151
36.	372/3		0.075
37.	384		0.010
38	415		0 035
		योग कुल क्षेत्रफल	3.825

[सं 0 O-14016/64/85-जीपी]

S.O. 3373.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petzoleum S.O. 668 dated 16-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this netification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification bereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free frem encombrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village: Pathari; Tehsil Sarangpur: Distt. Rajgarh (M.P.)		
SCHEDULE		
S.No. Survey No	Area to be acquited for R.O.U. in Hectare	
1. 290 2. 289 3 292M.S.	0.126 0.105 0.374	

1	2	3
4.	293	0.026
5	145	0.051
6.	294	0.028
7.	295M S.	0.253
8.	297/2 M.S.	0.341
9.	421/1	0.025
10.	416	0.273
11.	417	0.075
12.	401	0,052
13.	388	0.126
14.	390	0.151
15.	391	0.006
16.	394	0.126
17.	398	0.006
18.	399	0.032
19.	386	0.022
20.	414	0.075
21.	372/1	0.040
22.	375	0.020
<i>2</i> 3.	299/4	0.022
24.	368/2	0.216
<b>2</b> 5.	402	0.093
26.	387/1	0.042
27.	387/2	0.070
28.	387/3	0.110
29.	389	0.012
30.	381	0.020
31,	369	0,366
32.	366	0.006
33.	370	0.075
34.	374/1	0.189
35.	374/2	0.151
36.	372/3	0.075
37.	384	0.010
38.	415	0.035
	TOTAL AREA	3.82 5

[No. O-14016/64/85-GP]

का. आ. 3374.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 655 तारीख 16-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आध्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संतक्त अनुपूत्र में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा चोषित करती है कि इस अधिसूचना में संखग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजिन किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एख, बी, जे, गैस पाइपलाइभ प्रोजेक्ट

ग्राम समली लोश--तहसील मारंगपुर जिला--राजगढ़ राज्य (म.प्र.)

		अनु <b>सू</b> ची	
अन् अन्	~ दसरा न	T.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स मे)
1.	681		0,190
2.	682		0.400
3	675/2		0.100
4.	544		0.040
5.	543		0.470
6.	675/3		0.010
7.	537		0.120
8.	5 4 1/1		0.560
g.	540		0.005
10.	<b>683</b>		0.170
11.	675/1		0.110
,		योगः कुल क्षेत्रफ	ल 2.175

[सं॰ **Q-**14016/50/85-जीपी]

S.O. 3374.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 665 dated 16-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared as intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whoreas, the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further, whereas the Ceptral Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

 $\label{eq:Village:SemalsLoda} Village: SemalsLoda_{f}: Teshil Sarangpur; Distt. \ Rajgarh(M.P.) \\ SCHPDULE$ 

S. N	o Survey No	Area to be acquired for R.O.U in Hectare
1.	681	0.190
2.	682	0.400
3,	675/2	0.100
4.	544	0.040
5.	543	0.470
6.	675/3	0.010
7	537	0.120
8.	541/1	0.560
9.	540	0.005
10.	683	0.170
ıl,	675/1	0.110
. —	TOTAL AREA	2.175

[No. O-14016/50/85-GP]

का. आ. 3375:—यतः पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 657 तारींख 16-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए अजिन करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था ;

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दें दी हैं;

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार आजित करने का विनिश्चय किया हैं।

अय, अतः उनते अधिनियम की धारा 6 की उपधारा, (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुभूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजिन किया जीता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) बारा प्रदत्त गिक्सियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में बोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा ।

्राप्त की. जै. गैस कार्य साधित प्रोजेश्वट

ग्राभ	घाटाम्ब्रेश	तहसील	मारंगपुर	विला- राजगढ	राज्य (सध्यप्रदेश)
-	<del>-</del>		अनृस्ची		
 अन	·····································	स्त्रम्य त	,	उपयोग	अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैफ्टर्स में)
1	1				0 050
2	3.9				0.030
3	10			,	0.020
.4.	15				0.260
5.	2				0.360
6.	3				0.350
7	4				0.170
н	16				0 030
_		'	योग: कुल	— क्षेत्रफल	1.270

[मं O-14019/52/85-जीवी]

S.O. 3375.—Whereas by notilication of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 657 dated 16-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipeline Project
Village Ghatakhedi Tehsil Sarnagpur Distt. Rajgarh (M.P.)

	SC	HEDULE
S. S No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in hec- tare
1.	1	0.050
2.	39	0.030
3.	10	0.020
4.	15	0.260
5.	2	0.360
6.	3	0.350
7.	4	0.170
8.	16	0.030
	Total Area	1.270
		INT () 14016/52/95 CD1

[No. O-14016/52/85-GP]

का.आ. 3376.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 का (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 734 तारीख 23-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय बोषित कर दिया था।

े और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करनी है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट ग्राम देवला नहसील सारंगपुर जिला राजगढ राज्य (मध्य प्रदेश)

***************************************				अनुसूच [ी]	
अनु ऋ.		खमर:	न.		उपयोग अधिकार अजन का क्षेत्र (हैक्टस में)
1	2				3
1.	708				0,256
3.	830/1				0.118
3.	829				0.210
4.	832				0.548
5.	253				_ 0,013
6.	615				0.100
7	833				0.390
8.	697/2				0.331
9.	208				0.005
10.	307/1				0,095
11.	185				0,051
1 2.	186				0.006
13.	205				0.990
1 4.	206	-			0.030

1	2	3
•		
16.	190	0.100
1-	254,3	0 040
18.	573	0.010
19.	573	0.010
20.	594	0.044
21.	565	0.010
22.	831	0,013
23.	611	0.119
24.	589	0.016
25.	616	0.095
$26.^{3}$	593	0.010
27.	595	0.012
23.	596	0.012
29.1	602	0.010
30.	603	0.040
31.,	604	0.013
32.	628	0.148
33.1	629	0.101
$34.^{1}$	632	0 100
3 5.	633	0 066
3 6.	591	0.040
37.	635	0.166
38.	634	0 052
3.9.	588	0.108
40	590	0.016
41	587	0.190
42.	570	0.318
43	531	0.010
4 4.	571	0.096
45.	568	0.045
46.	566	0 315
48.	. 543	$\theta$ .238
48.	545	$\theta.189$
40.	538	0.207
50.	539	0.065
51.	530	0.011
5%	537	0.129
53.	533	0.322
54.	532	0.010
55.	528	0.253
56.	529	0.016
57.	534	0.198
58.	482	0 023
59.	567	0.110
60.	617	0.025
61.	618	0.040
w	योग : कुल क्षेत्रप	हल 6.416 
	- <del></del>	[मंठ <b>O</b> -14016/76/85-जीपी]

S.O. 3376.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 734 dated 23-2-1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Govern-

ment declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipeline Project

Village Dedla: Tehsil: Sarangpur Distt.: Rejgarh State (M.P.)

SCHEDULE		
S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U in Hectare
1	2	3
1.	708	0.256
2.	830/1	0.118
3.	829	0.210
4.	832	0.543
5.	253	. 0.012
6.	615	0.100
7.	833	0.390
8.	697/2	0.331
9.	208	0.005
10.	207/1	0.095
11.	185	0.051
12.	186	0.076
13.	205	0 090
14.	206	0.030
15.	547	0 010
16.	190	0.100
17.	254/3	0 040
18.	572	0.010
19.	573	0.010
20.	594	0.044
21.	565	0.010
22.	831	0.010
23.	611	0.119
24.	589	0.016
25.	616	0.095
26.,	593	0.010
27.	<b>.</b> *95	0.012
28.	596	0.012
29.	602	0.010
30.	603	0.040
31.	604	0.013
32.	628	0.143
33.	629 .	0.101

1	2	3
34.	632	0.100
35.	633	0.066
36.	591	0.040
37.	635	0.166
38.	634	0.052
39.	588	0.108
<b>4</b> 0.	590	0.016
41.	587	0.190
42.	570	0.318
43.	531	0.010
44,	571	0.096
45.	568	0.045
46.	566	0.315
<b>4</b> 7.	543	0.238
48.	545	0.189
49.	538	0.207
50.	539	0.065
51.	530	0.011
52.	537	0.129
53,	533	0.322
54.	532	0.010
55.	528	0.253
56.	529	0.010
57.	534	0,198
58.	482	0.023
59.	567	0.110
60.	617	0.025
61.	618	0.040
	Total area	6.416

[N . O-14016/76/85-GP]

का ० अ ० 3 3 7 7. — यतः पेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन (मूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 600 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए ऑजन करने का अपना आधाय घोषित कर दियाथा।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट देरी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चास् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचों में विनिद्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अधित करने का विनिध्चय किया है।

अब, म्रतः उक्त अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनद्ार घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में यिनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोगन के लिये एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त णिकतयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहिन होने की बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में धोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच०वी०जे० गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट भ्राम भामगीबाटा तहसील सारंगपूर जिला राजगढ़ राज्य (मध्य प्रदेश) अनमची

		अनुसूची
भन्, क.	खसरा ते.	उपयोग अधिकार अर्जुन का
		क्षेत्रफल (हे. में)
1	2	3
1.	385/3	0,100
2.	457	0.303
3-	455	0.137
4-	456/1	
5.	459	0.131
6.	458	
	460 (	0.360
	469	
	_	
7.	416	0.090
٤.	419	0.087
9.	420	0.353
10.	421	0.013
11.	464	0.087
1 2.	465	0.040
	408	0.140
13.	406	0,212
1 4.	407	0.110
15.	493	0.022
16.	495/3	0.100
17.	496	0.316
18.	575	0.110
19.	577/2	0.100
20,	578	0.114
21.	543	0.126
22.	544	0.063
23.	573	0.025
24.	574/1	0.569
25.	570/3	0.189
26.	569	0.304
27.	563/1	0.263
28.	545/2	0,138
29.	538	0.316
30.	536/1	0.110
31. 32.	536/2 539	0.063
		0.210
33.	534/3 535	0.201
3 4. 3 5.	535 409	0.025
36		0.012
37-	417/1 453	0.005 0.030
38.	471/1	0.030
<b>3</b> 9.	494	
		0.010

1	2	3
40.	518	0.030
41-	534/2	0.050
42.	577/1	0.005
	यौग कुल क्षेत्रफल	5.598

[सं O-14016/43/85-र्जापी]

S.O. 3377.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 600 dated 9-2-1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances,

HBJ Gas pipe line project

ge Samagi Ghata	Tehsil Sarangpur	Distt. Rajgarh(M.P.)
	SCHEUDLE	
Survey No.		Area to be Acquired for R.O.U. in hecture
385/3		0.100
457		0.303
455		0.137
456/1		-
459		0.131
460 466		0.360
418		0.090
419		0.087
420		0.253
421		0.012
464		0.087
465		0.040
408		0.140
406		0.212
407		0.110
493		0.022
495/3		0.100
496		0.316
	Survey No.  385/3 457 455 456/1 459 458 460 466 469 418 419 420 421 464 465 408 406 407 493 495/3	SCHEUDLE  Survey No.  385/3 457 455 456/1 459 458 460 466 469 418 419 420 421 464 465 408 406 407 493 495/3

1	2	3
18.	575	0.110
19,	577/2	0.100
20.	578	0.114
21,	543	0.126
22.	544	0.063
23.	573	0.025
24.	574/1	0.569
25,	570/3	0.189
26.	569	0.304
27.	568/1	0.263
28.	545/2	0.138
29.	538	0.316
30.	536/1	0.110
31.	536/2	0.063
32.	539	0.210
33.	534/2	0.201
34.	535	0.025
35.	409	0.012
36.	417/1	0.005
37.	453	0.030
38.	<b>47</b> 1/1	0.030
39.	494	0.010
<b>4</b> 0.	518	0.030
41.	534/2	0.050
42.	577/1	0.005
-	Total Area	5,598

[No. O-14016/43/85-GP]

का. आ. 3378: — यतः पेट्रोलियम और खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 594 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय बोषित कर दिया वा।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्टिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है;

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-साइन विकान के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा क्जित किया आता है। और आगे उस धारा की उपधारा (4) रा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय ररकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण निर्मे सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की स्त तारी का को निहित होगा।

एवं. बा. जे. गैप पाईन लाईन प्रोप्तेस्ट

	: ग्रनस्च	· ·
मनुक.	<b>ध</b> सरा नं .	उपयोग का ग्रधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टमैं में
1	2	3
1.	9	0.100
2.	29 में से	0.200
3.	8	0.570
4.	30	0.200
5.	31	0.350
6.	38	0.005
7.	39 / 1 में	0.200
8.	5	0.080
9.	7 / 1	0.260
10.	6	0.240
11.	37/3	0.080
12.	37/4/2	0.075
13.	39/1 (ম)	0.020
14.	40	0.020
15.	57	0.690
16.	1	0.251
17.	7/2	0.015
18-	37/1	0.050
	योग : कुल क्षेत्रफल	3.406

[सं • O-14016/37/85-अभि]

S.O. 3378.—Where by notification of the Government of India in the Ministry of Petroïcum S.O. 594 dated 9-2-85 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the

publication of this declaration in the Gas Authority of India 1 ited, free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipeline Project

Ville: :Rhajuria Ghata Tehsil :Sarangpur Distt. :Rajgarh (M.P.)

	SCH	EDULE
\$1. <b>N</b> o.	Survey No.	Atca to be acquired for R.O.U. in hecture
1	2	3
1.	9	0.100
2.	29 M.S.	0.200
3.	8	0.570
4.	30	0.200
<b>5</b> .	31	0.350
6.	38	0.005
7.	39/1 M.	0.200
8.	5	0.080
9.	7/1	0.260
10.	6	0 240
11.	37/3	0.080
12.	37/4/2	0.075
13.	39/1A	0.020
14.	40	0.020
15.	57	0.690
16.	1	0.251
17.	7/2	0.015
18.	37/1	0.050
	Total Area	3.406

[No. O-14016/37/85 GP]

का. आ. 3379:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की छारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिस्वना का. आ. सं. 578 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सेलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आश्रय घोषित कर विद्या था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्षात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करते हैं कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार गाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिल्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एचं बंः जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

-ग्राम ऊपरः तह्सं.ल चाचोड़ा जिला–गुना राज्य (मध्य प्रदेश)

धनुसू <del>व</del> ो		
घनुक.	यासरा नं.	उपयोग प्रक्षिकार झर्जन <b>का क्षेत्र</b> (हैफ्टर्स में)
1	2	3
1.	3 6 2 / 6 ( <b>य</b> र)	0.157
2-	363	0.314
3.	329	0.105
4.	315	0.209
5.	312	0.300
6.	313	0.084
7.	300	0.052
8-	335	0.021
9.	290	0.261
10.	291	0.240
11.	3,27	0.146
12-	316	0.157
1 7.	330	0.084
14.	25	0.178
15-	324	0.366
16.	325	0.010
17.	326	0.084
19.	361/1	0.052
19-	3.22/1	0.627
20.	319	0.063
24-	321	0,502
23.	293	0.544
23.	283	0.240
24.	284	0.293
25.	240/1/1	0,167
26-	92/1	0.418
27.	91	. 0.418
28.	89	0.314
29.	89/601	0.314
30.	88	0.387
31.	87	0.005
32.	85	0.417
33.	80	0.261
34.	71	0.084
3 5.	79	0.178
36.	34	0.742
37.	35	0.073
38.	26	0.105

1	2	3
9.	20	0.240
0.	21	1 317
1	22	0.188
.2	4	0.742
13.	5	0.052
14.	6	0,146
45.	7/1	0.021
46.	7/2	0.491
47.	3/7	0.251
48.	3/11	0.188
49.	3/22	0.105
50.	3/608	0.010
51.	10/618	0.188
5 2-]	1	0.125
53.	3/8	0.021
5 4.	8	0.084
55.	10	0.052
56.	14	0.324
57-	19	0.021
58-	24	0 105
₹ 9.	33	0.094
60	90	0 073
61.	328	0.005
62.	315/606	0.052
63.	92/2	0.157
	योग कुल क्षेत्रफल :	14.024

S.O. 3379.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 578 dated 9-2-1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this positication.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

'illage: Upari Tehsil: Chachora, Distt. Guna (M.P.)  SCHEDULE		
. S Io.	irvey No.	Area to be acquired for R.O U. in hectare
1	2	3
<u> </u>	362/6(a)	0.157
2.	363	0.314
3.	329	0.105
4.	315	0.269
5.	312	0.300
6.	313	0.084
7.	300	0 052
8.	335	0.021
9.	290	0.261
0.	291	0.240
1, 2.	327	0.146
3.	316 330	0.157
4.	25	0.084 0.178
15.	324	0.366
16.	325	0 010
17.	326	0.084
18.	361/1	0 052
19.	322/1	0.627
20.	319	0.063
21.	321	0.502
22.	293	0.544
23.	283	0.240
<b>2</b> 4.	284	0.293
<b>2</b> 5.	240/1/1	0.167
26.	92/1	0.418
27.	91	0 418
28.	89	0 314
29.	89/601	0.314
30.	88	0.387
31.	87	0 005
32. 33.	85 80	n 417
34.	71	0.261
35.	79	0.084 0.178
36.	34	0.742
37.	35	0.073
38.	26	0.105
3 <b>9</b> .	20	0.240
40.	21	1.317
41.	22	0.188
42.	4	0.742
45.	5	0.052
44.	6	0.146
45.	7/1	0.021
46.	7/2	0.491
47.	3/7	0.251
48.	3/11	0.188
49.	3/22	0.105
50.	3/608	0.010
51.	10/618	0.188
52.	1	0.125
53.	3/8	0.021
54. 55.	8	0.084
56.	10 14	0.052
20.	7.4	0.324

HBJ Gas pipeline Project

1	2	3
57	19	0.021
58.	24	0.105
59.	33	0.094
60.	90	0.073
61.	328	0.005
62.	315/606	0.052
63.	92/2	0.157
	Total Area	14.024

[No. O-14016/25/85-GP]

का. आ. 3380:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अबोन भारत सरकार के पेट्रालियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 667 तारीख 16-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये अर्जित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट वे दी है।

और आगे मतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनि-श्चय किया है।

अब, अहाः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संक्षण्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

भौर आगे उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए के दीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

एच, बं।, जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम संजरपुर तहस ल धारंगपुर जिला- राजगढ राज्य (मध्य प्रदेश)

- I	<b>ध</b> नुसू <del>ष</del>		
धनु क	श्वसरा नं.	उपयोग धक्षिकार मर्जन का क्षेत्र (हेक्टसं में)	
1	2	3	
1.	1/5/4	0.460	
2.	26	v. 020	

1	2	3
3.	115	0.015
4.	128	0.040
5.	23	0.050
6.	107	0.059
7.	118/3	0 130
8.	133	0.240
9.	116	0.100
10.	114	0.150
11.	113/2	0.060
12.	113/1	0.002
1 3.	111/1	0.240
14.	8	0.010
15	2	0 220
16.	3	0.220
1 7.	4	0.050
18.	5	0.050
19.	9/ 1	0.110
20.	10	0.340
21.	11	0.100
22.	16/1	0.220
23.	17	0.300
24.	18/2	0.190
25.	18/1	0.010
26.	22/1	0.090
27.	25	0.080
	योग : कुल क्षेत्रफल	3.556

[400-14026/63/85 GP]

S.O. 3380.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 667 dated 16-1-85 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from all encumbrances.

HBJ Gas pipeline project

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

Village Kha nia	rour Tehsil Sarangpui	r Distt. Rajgarh (M.P.)

प्राम	_	बारोल,	नहसील	सारंगपुर,	जिला–	राजभार,	राज्य-मध्य	प्रदेश

ग्रन्सूची

	SC	HEDULE	
S.	Survey No.	Are to be acquired	
No.		for R.O.U. in hectar	
1.	1/5/4	0.460	
2.	26	0.020	
3.	115	0.015	
4.	128	0.040	
5.	23	0.050	
6.	107	0.059	
7.	118/3	0.130	
8.	133	0.240	
9.	116	0.100	
10.	114	0.150	
11.	113/2	0.060	
12.	113/1	0.002	
13.	111/1	0.240	
14.			
19.	2	0.220	
16.	5. 3 0.220		
<b>17</b> .	4	0.050	
18.	5	0.050	
19.	9/1	0.110	
20.	10	0.340	
21.	11	0.100	
22.	16/1	0.220	
23.	17	0.300	
24.	18/2	0.190	
25.	18/1	0.010	
26.	22/1	0.090	
27.	25	0.080	
· •. • <u>-</u> -	Totalarea	3.556	
		[No O-14016/63/85-	

धनुक.	खसरा मं.	उपयोग श्रधिकार धर्जन का श्रेफफल (हेक्टंस में)
1	2	3
1-	150	0.100
2.	149/3	0.420
3.	149/1	0.005
4.	89/2	0.080
5.	147/2	0.320
6.	86/1	0.310
7.	<b>8</b> 9/ 1	0.260
8-	127/1	0.090
9.	147/1	0.030
10.	127/2	0.220
11.	110/2	0.180
1 2.	126 में	0.120
13.	111	0.005
1 <b>4</b> .	126 में	0.080
15.	124	0.250
16.	122	0.050
17.	110/1	0.250
18.	110/3	0.030
19.	107	0.250
20.	106	0.120
21.	74/2	0.050
22.	91/1	0.150
23.	75	0 260
24	90	0.040
25.	88	0.070
26.	86/2	0.370
27.	83	0.010
28.	95	0.020
29.	109	0.013
30.	113	0.012
31.	151/1	0.012
	योग कुल क्षेत्रफल —	4, 167

का. बा. 3381.—यतः पेट्रोलियम और खनिक पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्थन) अधिकियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. सा. 590 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय संरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में बिनिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आश्य घोषित कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) के बसीन सरकार को रिपोर्ट दे दी हैं।

और आरो, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संनग्न अनुसूची में विनिविष्ट धूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का विभिन्न्य किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदृद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में सलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उनत भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन विछाने के प्रयोजन के लिए एतदृद्वीरा अजित किया जाता है।

बौर आग्रे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के वजाय भारतीय ग्रैस क्वाधिकरण लि. में सभी बाक्षाओं से मुक्त रूप में, बोबणा के प्रकाशन की इस नारीख की निहित होगा।

[सं०0-1: 026/23/85-जी.पी.]

S.O. 3381.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 590 dated 9-2-85 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government; And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for Jaying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipeline Project

SCHEDULE			
S.No.	Survey	No.	Area to be acquired for R.O.U. in heetrac
1.	150		0.100
2.	149/3		0.420
3.	149/1		0.005
4	89/2		0 080
5.	147/2		0.320
6.	86/1		0.310
7.	89/1		0.260
8.	127/1		0.090
9.	147/1		0.050
10.	127/2		0.220
11.	110/2		0.180
12.	126 M.		0 120
13.	111		0 005
14.	126 M.		0.030
15	124		0.250
16.	122		0.050
17.	110/1		0.250
18.	110/3		0.030
19.	107		0 250
20.	106		0.120
21.	74/2		0.050
22.	91/1		0 150
<b>2</b> 3.	75		0.260
24.	90		0.040
25.	88		0.070
26.	86/2		0.370
27.	83		0.010
28.	95		0 020
29.	109		0.013
30.	113	,	0. 012
31.	151/1		0.012
	Total	al arca	4.567

N #210.6/33/85 GP

का. था. 1382—पेट्रोलियम और खनित्र पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मिक्रकार का भर्जन) भिक्षितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयोग (1) के भिक्षान भारत सरकार के उर्जा संज्ञालय पेट्रोलियम विभाग की धांधनुनना का. था स. 4420 वारीख 10-12-84

कारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिमूचना से संलग्न प्रमृंपूनी में विनिर्विष्ट भूमियोंके उपयोग के अधिकार को पाइप काइनों को विछाने के निए अस्ति करने का अपना आशाय घोषित कर दिया था।

भीर यत: सक्षम प्राधिकारी ने उन्नतं भिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के भ्रधीन सरकार को रिपोर्ट वे दी हैं।

श्रीर मागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रशिलूचना से संसम्ब धनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का भीधकार धर्जित करने का विनिष्णय किया है।

धन, प्रतः उनत प्रश्निनियम की धारा 6 की उपधारा (1) हारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है की इस प्रशिस्चना में संलग्न धनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रश्निकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा मजित किया जाता है।

भौर मागे उस घारा की उपघारा (4) हारा प्रवत्त पक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के वंजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधामों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस सारीख को निहित होगा।

हर्ज.रा से यरेलः से जनदशयुर तक पाईप लाईन विख्याने के लिये। राज्य गुजरात, जिला– एवं– तालुका– भेरूथ

ग्र**नुपूच**े

गौव	सर्वे नं.	हेक्टर	म्रार	सेन्ट ग्रर
झाडेचर	234/2	0	02	72
	237/3	()	28	u o
	237/5	0	04	96
	237/2	Ð	12	00
	237/1	0	20	00
	238/6	0	27	20
	208/4	0	0.4	48
	कार्ध ट्रेक	0	0.1	92
	173/4	0	03	20
	173/5	0	16	80
	173/2	0	29	60
	173/1	0	04	00
	174/4	0	16	80
	174/3	0	25	60
	174/5	0	07	50
	170/4	0	0.5	60
	170/2+1	0	22	40
	1 6 9/ 4/म्	0	0.0	60
	र G 9 <b>/</b> 5/वं	0	13	0.0
	। ६ <i>५/ ६/च</i>	0	20	3 2
	169/7	0	2.5	4.4
	175/1	0	07	5 2
	168/3 + 4 + 5	0	0.4	80
	168/1	0	0.9	12
	167/1	0	0.3	0.0
	कार्ट देक	0	0.7	0 (
	261/1	0	0.5	8'
	261/2	0	10	6(
	260	0	0.8	0.0
	259	n	13	5 20

1	2	3	4	5	k	2	{	4	5
	166/4	0	0.1	<del>5</del> ()		173/1	0	04	00
	166/7	O	16	0.0		174/4	0	16	80
	166/6	0	13	60		174/3	0	25	60
	,					174/5	0	07	50
	291	υ	26	38		170/4	0	05	60
	263/5	0	12	0.0		170/2+-1	0	22	40
	263/6	Ó	01	76		169/5/A	0	00	60
	262/1	0	01	90		169/5/B	0	13	00
	262/4	0	07	20		169/6/B	0	20	32
	•			00	·	169/7	0	25	44
	262/2	0	38			175/1	0	07	52
	262/3	0	20	00		168/3 + 4 + 5	0	04	80
	265/1	0	0.7	20		168/1	0	09	12
	265/2	U	0.8	0.0		167/1	0	03	00
	265/3	0	1.4	40		Cart Track	0	07	00
	265/4	0	1.5	20		261/1	0	03	00
	·					261/2	0	10	60
	283/4	9	0.0	32		260	0	08	00
	282	0	0.0	5 5		259	0	15	20
	[#- O	14016/378	7/04 <del>=</del>			166/4	0	01 16	60 00
	[Ho O−	14016/.378	5/8/4-41io	4101		166/7	0 0	13	60
EO 2302 1	Whereas by notification	n of the G	OVERNO	ent of		166/6		26	38
	inistry of Energy (De				•	291 263/5	0 0	12	00
	d 10-12-84 under su					263/5 263/6	0	01	76
	leum and Minerals I					263/6 262/1	0	01	90
	n Land) Act, 1962 (					262/4	0	07	20
	clared its intention t is specified in the sc					262/2	0	38	00
	purpose of laying t		piroca to	) tilat		262/2	0	20	00
						265/1	0	07	20
	the Competent Aut					265/2	0	08	00
to the Governm	Section 6 of the sai	a Act, sub	muca	report		265/3	0	14	40
-	•					265/4	0	15	20
	whereas the Central					283/4	0	00	30
	said report, decided					203/ <del>4</del>	0	00	55

[No. O-14016/378/84-GP]

55

00

notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notifica-

user in the lands specified in the schedule appended to this

tion hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free

SCHEDULE
Pipeline from Hajira-Bareilly-Jagdishpur
State: Gujarat District & Taluka: Bharuch

from encumbrances.

Village	Survey No.	Hoc- taro	Are	Cone tiar
1	2	3	4	5
Zadeshwar	234/2	0	02	72
	<b>2</b> 37/ <b>3</b>	0	28	00
	237/5	0	04	96
	237/2	0	12	00
	237/1	0	20	00
	238/6	0	27	20
	238/4	0	04	48
	Cart track	0	01	92
	173/4	0	0	20
	173/5	0	16	80
	173/2	0	29	<b>6</b> 0

का० था० 3383—यतः पेट्रोलियम श्रौर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का श्रजेंन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के धारा 3 के उपधारा (1) के अधिन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिसूचना का० था० सं० 118 तारीख 3-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रधिसूचना से संलग्न अनुसूच में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विद्यान के लिए अजित करने का अपना आज्ञय घोषित कर दिया था।

282

श्रीर यंतः सक्तम प्राधिकारं ने उक्त मधिनियम कं धारा 6 कं उपधारा (1) के मधिन सरकार को रिपोर्ट देद हैं।

श्रीर श्रामे, यतः केर्न्स्य सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस ग्रश्चिम्बना से संसम्ब श्रनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उप योग का ग्रश्चिकार ग्राजित करने का विनिष्टम्य किया है।

भव, भतः उनत भविनियम के धारा 6 के उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त सक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस भविसूचना में संलग्न अनुसूध, में विनिर्विष्ट उनत मूमियों में उपयोग का भविकार पाइपलाईन विकान के प्रयोजन के लिए एतप्दारा भजित किया जाता है।

भीर भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रंथ सरकार में निष्ठित होने के बजाय भारत य गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, भोषणा के प्रकाशन की इस नारंख को निष्ठित होगा।

	अनु <b>सू</b> र	मी			I 2	3	4	5
हजीरा से	बरेली से अगदीशपुर तक	क्ष पा <b>इ</b> प लाई-			720	9	20	00
राज्य: गुअरात जि	भ्ला . पंचमह्ल -	तालु	काः का	र्न"क	721	0	13	00
गौव	सर्वे मं.	हेक्टर	आर	सेन्टोयर	719	0	03	00
1	2	3		5	733	0	63	00
<del></del>	<u> </u>				597	0	30	0.0
भविता	637	0	44	0.0	596	0	00	70
	636	0	13	50	594/4	0	00	30
	63 शमी	n	17	0.0	595/1	0	19	00
	63 शकी	0	33	0.0	595/3	0	05	00
	63 शुक्षी	0	0.0	40	595/3	0	01	00
	640 बी	0	06	50	592/3	0	01	60 00
	640JT	0	20	0.0	591/3	0	05 18	00
	641/ <b>की</b>	0	30	00	591/2 591/1	0	08	00
	641/₹	0	02	00	590/1	0	07	00
	659/बी	0	03	0.0	590/2	0	02	00
-	659]ए	0	27	00	587/1	0	04	00
	643j₹	. 0	22	00	587/2/4		0.5	00
	643) <b>सी</b>	0	21	50	5R9/2	0	24	00
	644/1	0	0.5	00	589/2	0	01	00
	644/2	0	00	30	587	0	01	0.0
	645	0	34 34	00	588	0	02	00
	646 647			00	457	0	1 G	00
		0	20 20	00 00	456	0	09	0.0
	648/1	0	01	00	401	0	12	50
	648/2 648/3	. 0	00	40	454/1	0	08	00
	649/6	0	05	00	454/2	0	02	0.0
	623/1	0	32	00	452/1	0	10	00
	623/2	0	05	00	451	0	00	10
	625/3	. 0	00	20	449	o	11	00
	649/5	0	0.5	50	448/1	0	04	00
	703/1	0	07	00	448/2	0	06	00
1	703/2	0	17	00	44 <i>6</i> į 1	0	01	0.0
	703/3	0	06	00	447/2	0	06	00
	702	0	08	00	447/1	0	0.0	10
	704/1	0	01	00	4 4 5/ 2	0	02	40
	704/2	0	13	00	445 1	0	07	00
	612/2	0	04	80	447	0	05	0.0
	612/1	0	19	50	444/1	0	04	00
	612/3	0	04	50	441,1	0	07	0.0
	707/1	0	02	50	443	0	09	00
	707/2	0	08	00	439	0	08	00
	706/1	0	03	00	428,1	0	00	60
	708/3	0	20	00	424/4	Ů	01	00
	708/2	0	02	0.0	425/2	0	04	00
	708/1	0	08	00	425 3	0	07 08	0 <b>0</b>
	715/1	0	11	00	426 427	0	01	00
	715/2	0	15	00	427	0	06	00
	715/4	0	00	10	421	0	07	00
	712/3	0	00	10	420	0	08	00
	713/2	0	07	50	417/1	0	04	00
	714/1	0	11	50	417/2	0	04	00
ı	714/2	0	17	00	या // ≟ कार्ट ट्रेक	0	04	00
	609	0	03	00	मार्ट द्रवा	U	04	00

1	2	3	4	5	1	22	3	4	5	
भक्कादरा (जारी)	333/1	0	U 1	 ij0		104/2	0	08	00	
( )	333/4	0	03	00		103/2/1	0	02	0.0	
	323/5	0	11	00		103/2/2	0	10	00	
	333/3	0	0.0	40		103/2/3	0	16	0.0	
	,	0	07	00		102/2/4	O	00	1.5	
	332			00		103/1	O	16	0.0	
	331	0	01			102/2	0	01	0.0	
	330/1	O O	09	00						
	329/1	0	0.4	0.0		]सं <b>० O</b> -1	4016/51	1/84-	सांपी]	
	3 3 9 2	Ú	08	00	S.O. 3383	Whereas by notification	of the	Gove	rnmer	
	277	0	18	0.0	of India in th	he Ministry of Petrole	um S.O.	. 118	date	
	307	U	0.4	<b>0</b> 0		2-1-1985 under sub-section (1) o Petroleum and Minerals Pipelines (Acc				
	278	0	01	0.0		Act, 1962 (50 of 1962)				
	308	0	0 3	0.0		its intention to acquire				
	307	0	0.5	0.0		ied in the schedulg apper c of laying pipeline	naea to	іпиі п	Othice	
	306	0	08	00		the Competent Author	ritu baa	unde	e Cui	
	305/2	0	0.5	00						
	305 1 ए	0	I O	0.0	Section (i) of Section 6 of the said Act, submitte to the Government.					
	305/1/47	()	0.3	00	And further					
	280/1	()	0 (	3.0	considering the					
	303	0	0.3	0.0	user in the lands specified in the schedule appendantification.					
	281	U	0.5	32	Now therefor	e in exercise of the nov	ver confi	erred t	ar enk	
	282	0	10	0.0	Now, therefore, in exercise of the power conferred section (1) of the Section 6 of the said Act, the					
	283/3	0	10	00	Government her	reby declares that the	right of	user	in th	
	283/1	0	09	00		ified in the schedule ap acquired for laying th			non	
	/				And further in exercise of power conferred by su					
	283/2	0	06	00	And further i	n exercise of nower con	ferred b	v enh.	ection	
		0	06 07	00 00	(4) of that se	ction, the Central Gove	ernment	direct	s tha	
	283/2				(4) of that se	ction, the Central Government of the central control of the central	ernment instead	direct of vest	s tha	
	283/2 295/3	0	07	0.0	(4) of that se the right of use Central Governs	ction, the Central Gove	ernment inst <b>ea</b> d of the p	direct of vest ublicat	s tha ting it ion o	
	. 283/2 295/3 287/1/ए	0 0	07 02	00	(4) of that se the right of use Central Governs	ction, the Central Gover in the said lands shall nent vests on this date in the Gas Authority	ernment inst <b>ea</b> d of the p	direct of vest ublicat	s tha ting it ion o	
	283/2 295/3 287/1/ <del>4</del> 294	0 0 0	07 02 16	00 00 00	(4) of that se the right of use Central Governa this declaration	ction, the Central Gover in the said lands shall nent vests on this date in the Gas Authority brances.	ernment inst <b>ea</b> d of the p	direct of vest ublicat	s tha ting it ion o	
	283/2 295/3 287/1/ए 294 293/3	0 0 0	07 02 16 00	00 00 00 10	(4) of that se the right of use Central Governa this declaration	ction, the Central Gover in the said lands shall nent vests on this date in the Gas Authority	ernment inst <b>ea</b> d of the p	direct of vest ublicat	s tha ting is ion o	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293 2 288	0 0 0 0 0	07 02 16 00	00 00 00 10	(4) of that se the right of use. Central Governs this declaration from all encum	ction, the Central Gover in the said lands shall nent vests on this date in the Gas Authority brances.	ernment instead of the p of Ind	direct of vest ublicat	s tha ting it ion o	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293/2 288 289/2	0 0 0 0 0	07 02 16 00 07	00 00 00 10 00	(4) of that se the right of use. Central Governt this declaration from all encum	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE	ernment instead of the p of Ind	direct of vest sublicat ia Ltd	s tha ling in lon o l. free	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293 2 288 289/2 289/1	0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02	00 00 00 10 00 00	(4) of that se the right of use. Central Governt this declaration from all encum	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  de from Hajira-Bareilly Jagorian control of the control o	ernment instead of the p of Ind	direct of vest sublicat ia Ltd	s tha ling in lon o l. free	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293 2 288 289/2 289/1	0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09	00 00 00 10 00 00 00	(4) of that se the right of use. Central Governt this declaration from all encum  Pipelin State: Gujar	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  te from Hajira-Bareilly Ja  at District : Panchamah	ernment instead of the p of Ind gdishpur	direct of vest ublicat ia Ltd	s thating in ion of the free o	
	283/2 295/3 287/1/ए 294 293/3 293/2 288 289/2 289/1 290 291/2	0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09	00 00 00 10 00 00 00	(4) of that se the right of use. Central Governt this declaration from all encum	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  de from Hajira-Bareilly Ja	ernment instead of the p of Ind	direct of vest sublicat ia Ltd	s thating in ion of the color o	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293 2 288 289/2 289/1 290 291/2 264	0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00	00 00 00 10 00 00 00 00 40	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State: Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Jagat District: Panchamaha	ernment instead of the p of Ind gdishpur al Taluka  Hec- tare	direct of vesi ublicat ia Ltd	s thating it ion of the contract of the contra	
	283/2 295/3 287/1/ 294 293/3 293/2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262	0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27	00 00 00 10 00 00 00 00 40 00	(4) of that se the right of use. Central Governt this declaration from all encum  Pipelin State: Gujar	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  te from Hajira-Bareilly Ja  at District : Panchamah	ernment instead of the p of Ind gdishpur al Taluka Hec-	direct of vest ublicat ia Ltd	s thating in ion of the color o	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293 2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152	0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05	00 00 00 10 00 00 00 00 40 00	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall nent vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Jasat District: Panchamaha  Survey No.	ernment instead of the p of Ind gdishpur al Taluka  Hec- tare	direct of vesi ublicat ia Ltd	s thating it ion of the contract of the contra	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293 2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154	0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05	00 00 00 10 00 00 00 00 40 00 00	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State: Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Jagat District: Panchamaha	ernment instead of the p of Ind gdishpur al Taluka  Hectare	direct of vest ublicat ia Ltd  Are  4  44  13	s thating it ion ool. free	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293/2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154 156/2	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05 21 02	00 00 00 10 00 00 00 00 40 00 00 00	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Japate District: Panchamaha  Survey No.  3  637 636 639/C	gdishpur al Taluka  Hectare  3  0 0 0	direct of vest ublication Ltd  Are  4  13 17	ol  Centiare  5  00 50 00	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293/2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154 156/2 156/1	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05 21 02 31	00 00 00 10 00 00 00 00 40 00 00 00 00	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Japate District: Panchamaha  Survey No.  3  637 636 639/C 639/D	ernment instead of the p of Ind gdishpur al Taluka Hectare 3	direct of vestublicatia Ltd  Are  4  13 17 32	s thating in ion ool. free	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293/2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154 156/2 156/1 157/1	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05 21 02 31 03	00 00 00 10 00 00 00 00 40 00 00 00 00 00	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Japate District: Panchamaha  Survey No.  3  637 636 639/C 639/D 639/B	gdishpur al Taluka  Hectare  3  0 0 0 0	direct of vestublicating Ltd  Are  4  13 17 32 00	s thating in ion ool. free	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293/2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154 156/2 156/1 157/1 158/1	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05 21 02 31 03 15	00 00 00 10 00 00 00 00 40 00 00 00 00 00	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Japate District: Panchamaha  Survey No.  3  637 636 639/C 639/D 639/B 640/B	gdishpur al Taluka  Hectare  3  0 0 0 0 0	direct of vest while at the control of the control	s thating in ion ool. free	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293 2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154 156/2 156/1 157/1 158/1 159/3	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05 21 02 31 03 15	00 00 00 10 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Japate District: Panchamaha  Survey No.  3  637 636 639/C 639/D 639/B 640/B 640/A	gdishpur al Taluka  Hectare  3  0 0 0 0	direct of vestublicating Ltd  Are  4  13 17 32 00	s that the state of the state o	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293 2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154 156/2 156/1 157/1 158/1 159/3 159/1	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05 21 02 31 03 15 14	00 00 00 10 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Japate District: Panchamaha  Survey No.  3  637 636 639/C 639/D 639/B 640/B 640/B 640/A 641/D 641/A	ernment instead of the p of Ind gdishpur al Taluka Hectare 3	direct of vest while at the control of the control	s that the state of the state o	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293/2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154 156/2 156/1 157/1 158/1 159/3 159/1	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05 21 02 31 03 15 14 02 11	00 00 00 10 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Japate District: Panchamaha  Survey No.  3  637 636 639/C 639/D 639/B 640/B 640/A 641/D 641/A 659/B	ernment instead of the p of Ind gdishpur al Taluka  Hectare  3  0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	direct of vest while at the control of the control	s that the state of the state o	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293/2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154 156/2 156/1 157/1 158/1 159/3 159/1 159/2 160/1	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05 21 02 31 03 15 14 02 11 12	00 00 00 10 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Japate District: Panchamaha  Survey No.  3  637 636 639/C 639/D 639/B 640/B 640/A 641/D 641/A 659/B 659/A	ernment instead of the p of Ind gdishpur al Taluka Hectare 3 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	Are  4  44  13  17  32  00  06  20  30  02  03  27	s thating in ion ool. free tiare    Centiare   5	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293/2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154 156/2 156/1 157/1 158/1 159/3 159/1 159/2 160/1 116.	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05 21 02 31 03 15 14 02 11 12 28	00 00 00 10 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Japate District: Panchamaha  Survey No.  3  637  636  639/C  639/D  639/B  640/B  640/A  641/D  641/A  659/B  659/A  643/A	ernment instead of the p of Ind gdishpur al Taluka Hectare 3 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	Are  4  44  13  17  32  00  06  20  30  02  03  27  22	tiare  Cen tiare  5  00  50  00  00  00  00  00  00  00	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293 2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154 156/2 156/1 157/1 158/1 159/3 159/1 159/2 160/1 116 . 114/2	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05 21 02 31 03 15 14 02 11 12	00 00 00 10 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Japate District: Panchamaha  Survey No.  3  637  636  639/C  639/D  639/B  640/B  640/A  641/D  641/A  659/B  659/A  643/A  643/B	ernment instead of the p of Ind gdishpur al Taluka Hectare 3 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	direct of vestublicatia Ltd  Are  4  44  13  17  32  00  06  20  30  02  03  27  22  21	s that the state of the state o	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293/2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154 156/2 156/1 157/1 158/1 159/3 159/1 159/2 160/1 116.	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05 21 02 31 03 15 14 02 11 12 28	00 00 00 10 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Japate District: Panchamaha  Survey No.  3  637  636  639/C  639/D  639/B  640/B  640/A  641/D  641/A  659/B  659/A  643/A  643/B  644/A/1	ernment instead of the p of Ind gdishpur al Taluka Hectare 3 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	Are  4  44  13  17  32  00  06  20  30  02  03  27  22	s that the state of the state o	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293 2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154 156/2 156/1 157/1 158/1 159/3 159/1 159/2 160/1 116 . 114/2	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05 21 02 31 03 15 14 02 11 12 28 32	00 00 00 10 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Japate District: Panchamaha  Survey No.  3  637  636  639/C  639/D  639/B  640/B  640/A  641/D  641/A  659/B  659/A  643/A  643/B	ernment instead of the p of Ind gdishpur al Taluka Hectare 3 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	Are  4  44  13  17  32  00  06  20  30  02  03  27  22  21  05	tiare  Cen tiare  5  00  00  00  00  00  00  00  00  00	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293 2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154 156/2 156/1 157/1 158/1 159/3 159/1 159/2 160/1 116 114/2 114/1	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05 21 02 31 03 15 14 02 11 12 28 32	00 00 00 10 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Japate District: Panchamaha  Survey No.  3  637  636  639/C  639/D  639/B  640/B  640/B  640/A  641/D  641/A  659/B  659/A  643/A  643/B  644/A/1  644/2	ernment instead of the p of Ind gdishpur al Taluka Hectare 3 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	Are  4  44  13  17  32  00  06  20  30  02  03  27  22  21  05  00	tiare  Centriare  5  00  00  00  00  00  00  00  00  00	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293/2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154 156/2 156/1 157/1 158/1 159/3 159/1 159/2 160/1 116. 114/2 114/1 113/1 98/6	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05 21 02 31 03 15 14 02 11 12 28 32 10 06	00 00 00 10 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Japate District: Panchamaha  Survey No.  3  637 636 639/C 639/D 639/B 640/B 640/A 641/D 641/A 659/B 659/A 643/A 643/B 644/A/1 644/2 645 646 647	ernment instead of the p of Ind gdishpur al Taluka Hectare 3 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	Are  4  44  13  17  32  00  06  20  30  02  03  27  22  21  05  00  34  34  20	that ting in tion of tiare tiare to	
	283/2 295/3 287/1/T 294 293/3 293/2 288 289/2 289/1 290 291/2 264 262 152 154 156/2 156/1 157/1 158/1 159/3 159/3 159/1 114/2 114/1 113/1	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	07 02 16 00 07 02 09 10 09 00 08 27 05 21 02 31 03 15 14 02 11 12 28 32 10 06 17	00 00 00 10 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0	(4) of that se the right of use Central Govern this declaration from all encum  Pipelin State : Gujar  Village	ction, the Central Gover in the said lands shall ment vests on this date in the Gas Authority brances.  SCHEDULE  The from Hajira-Bareilly Japate District: Panchamaha  Survey No.  3  637 636 639/C 639/D 639/B 640/B 640/A 641/D 641/A 659/B 659/A 643/A 643/B 644/A/1 644/2 645 646	gdishpur al Taluka  Hectare  3  0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	Are  4  44  13  17  32  00  06  20  30  02  03  27  22  21  05  00  34  34	ting in ion or i	

1	2	3	4		1	2	3	4	5
Adadra (Contd.)	648/3	0	00	40	Adadra (coatd.)	442	0	05	(
	649/6	0	05	00	,	<b>444</b> /I	0	0.1	C
	623/1	0	32	00		441/1	0	0.7	(
	623/2	0	05	00		443	0	09	0
	623/3	ō	00	20		439	0	08	(
	649/5	ő	05	50		428/1	0	00	
	<b>703</b> /1	ő	07	00		424/ 4	ő	01	
		0	17	00		425/2	0	04	
	703/2								
	703/3	0	06	00		425/3	0	07	
	702	0	08	00		426	0	08	
	<b>704</b> /1	0	01	00		427	0	O.J	
	<b>704</b> /2	0	13	00		422	0	06	
	612/2	0	04	80		421	0	07	
	612/1	0	19	50		420	0	08	
	612/3	0	04	50		417/1	0	04	
	707/1	o	02	50		417/2	o	04	
	707/2	ŏ	08	00		Cart Track	ŏ	04	
	706/1	Ő	03	00			_		
			20	00		333/1	0	01	
	708/3	0				322/4	0	03	
	708/2	0	. 02	00		322/5	0	11	
	708/1	0	08	00		322/3	0	00	
	715/1	0	11	00		33 <b>2</b>	0	07	
	715/2	Ö	15	00		331	0	01	
	715/4	ő	00	10		330/1	ñ	09	
	712/2	ő	00	10		329/1	0	04	
		0	07	50				08	
	713/2					329/2	0		
	714/1	0	11	50		<b>277</b>	0	18	
	714/2	0	17	00		<b>327</b>	0	04	
	609	0	03	00		278	0	01	
	720	0	20	00		308	0	02	
	721	0	12	00		307	0	05	
	719	0	08	00		306	0	08	
	722	0	63	00		305/2	0	05	
			20	00		305/2 305/1/A	0	10	
	597	0		70				03	
•	596	0	00			305/1/B	0		
	594/4	0	00	30		280/J	0	01	
	<b>595</b> /1	0	19	00		303	0	02	
	595/2	0	05	<b>0</b> 0		281	0	05	
	595/3	0	01	00		282	0	10	
	592/3	0	01	60		283/3	0	10	
	591/3	0	05	00		****	0	09	
	591/2	ņ	18	00		283/1		06	
	591/2 591/1	0	06	00		283/2	0		
			07	00		295/3	0	07	
	591/1	0				287/1/A	0	02	
	591/2	0	02	00		294	0	16	
	587/1	0	04	00		293/3	0	00	
	587/2/A	0	0.5	00		293/2	0	07	
•	589/1	0	24	00		288	0	02	
	589/2	0	01	00		289/2	0	09	
	587	0	01	00		289/1	o	10	
	588	0	02	00		290	0	09	
	<b>45</b> 7	0	16	00			0	00	
	456	0	09	00		291/2			
		0	12	50		264	0	08	
	401					262	0	27	
	454/1	0	08	00		152	0	05	
	454/2	0	02	00		154	U	21	
	<b>452</b> /1	0	10	00		156/2	0	02	
	451	0	00	10		156/1	0	31	
	449	0	11	00		157/1	0	03	
	448/1	ő	04	00			0	15	
	448/2	ŏ	06	00		158/1		14	
		0	01	00		159/3	0		
	446/1					159/1	0	02	
	447/2	0		00		159/2	O	11	
	<del>44</del> 7/1	0		10		160/1	0	12	
	445/1	0		40		116	0	28	
	445/2	0	07	00		114/2	0	32	

1	2	3	4	5
<del>,</del>	114/1	0	10	00
	113/1	0	06	00
	98/6	0	17	00
	99/P	0	16	00
	99/P	0	10	00
	104/1	0	21	00
	104/2	o	08	00
	103/2 I	0	02	00
	103/2/2	0	10	00
	103/2/3	0	16	00
	102/2/4	0	00	1.5
	103 1	0	16	00
	102/2	0	01	00

INo. O-14016/111/84-GP[

का. आ. 1384.--- यतः पेट्रोलियम श्रीर खिनिज पादप लाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का श्रजेंत) प्रधितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत संरकार के ऊंजी मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की प्रधिसूचना का. आ. सं. 4543 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार की पाइप लाइनों की विछाने के लिए प्रांतिस करने का अपना श्राक्षय भोषित कर दिया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त भविनियम की धारा 6 की उपकारा (1) के प्रधीन सरकार का रिपोर्ट वे दी है।

भीर धारो यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्स रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस धिंधसूचना से संलग्न धनुसूची में विनिधिष्ट मूमियों में उपयोग का श्रधिकार धर्षिण करने का विनिध्यय किया है।

अब, भ्रतः उक्त प्रधिनियम की आरा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एत्रदृद्वारा घोषित उरती है कि इस प्रधिसूचना में मंलग्न अनुसूची में त्रिनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का भ्रधिकार पाथप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एत्रदृद्वारा भ्रजित किया जाता है।

ब्रोप आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्धेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीवकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के वजाय भारतीय गैस प्राधिकरण जि. में सभी बांधांधों से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीक को निहित होगा।

धनुसूच. इज रा से यरेलं से जगद गापुर पक्ष पाइप लाईन बिछाने के लिये। राज्य – गुजरात जिला– पंचमहल तालुका– देवगढ बारिया

गांच	सर्वे नं .	हेक्टर	भार	सेन्ट यर
बोलोया	17	0	39	00
	48	0	13	50
	44	0	<b>3</b> 1	80
	43	0	08	88
	12	0	50	52
	41	0	10	50
	4 o <b>/</b> व	0	33	60
	39	0	20	23
	34	ŋ	49	80
	3 2	O	29	70
	30	v	97	24
	कोटर	0	12	60

[सं॰ O-14016/445/84-जी पी]

S.O. 3384.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroteum) S.R. 4543 dated 10-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipel nes (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of twer in the lands specified in the schedule appended to this satisfaction.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

## **SCHEDULE**

Pipeline From Hajira Bareilly Jagdishpur State : Gujarat District : Panchamahal Taluka : Dovgadh Bariya

Village	Survey No	Hec- tare	Are	Cen- tiare
Biliya .	47	0	39	00
	48	0	13	50
	44	0	31	80
	43	0	08	88
	42	0	50	52
	41 -	0	10	50
	40/P	0	33	60
	39	0	20	23
	34	0	49	80
	32	0	29	70
	30	0	97	24
	Kotar	0	12	60

[No. O-14016]445|84-GP1

का०आ० 338 5-- यतः पेट्रोलियम और खनित्र पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जी मंसालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ० सें० 3676 तागेच 27-10-84 द्वारा केट्रीय सरकार ने उस लिधसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जिन करने का अपना आगय मोधित कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियस की धारा ६ की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट वे दी है।

और आगे. यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते ये परकात् इस अधिस्वता से संनान अनुसूची में विनिविध्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करते का विनिक्चय किया है। अस अतः उनन अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करतो है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिविध्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विद्यान के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा को उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त सक्तियों का प्रमाग करते हुए केन्द्रीय सरकार भूतिर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपभोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में तिहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण निमिट्ट में सभी वाक्षाओं से मुक्त रूप में. घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की तिहित होगा।

धनुसूच हम रा से बरेस में जगद सपुर तक पाइप लाईन बिछान के लिये । राज्य-- गजरास जिला-- मरुब तालका-- धकनेग्बर

गांव	स्लाकन.	हेक्टेयर -	एझारई	सेन्ट थर
1	<u>'</u>	3	4	
<b>इ</b> हाल	9	0	32	77
	10	0	15	1.5
	11	0	10	20
	21	0	19	20
	23	0	35	48
	25	0	25	6.2
	26	n	, 21	4 1
	27	0	01	8.9
	28	0	12	88
	29	0	02	68
	51	, 0	28	97
	52	0	14	58
	132	0	39	60
	1330/Q4-4	0	19	50
	134	0	06	60
	144	0	12	25
	145	0	31	0.5
	146	0	04	46
	कार्ट ट्रे <del>क</del>	n	03	60
	154	0	10	58
	155	Ω	16	43
	कार्ट हैक	0	40	00
	156	0	24	80
	161	0	04	0.5
	162	0	32	45
	163	0	21	40
	164	0	34	25
	· 168	0	11	5.5
	कोटर	0	29	30

[सं O-14016/110/84- जीपी]

S.O. 3385.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 3676 dated 27-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government bas, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd, free from encumbrances.

#### **SCHEDULE**

Pipeline From Hajira to Bareilly to Jagdishpur State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Ankleshwar

Village	Block No.	Hec- tare	Are	Con- tiare
1	2	3	4	5
Dadhai .	9	0	32	77
	10	0	15	15
	11	0	10	20
	21	0	19	20
	23	0	35	48
	25	0	25	62
	26	0	21	41
	27	0	01	89
	28	0	12	89
	29	0	02	68
	51	0	28	97
	52	0	14	58
	132	0	39	60
	133/A+B	0	19	50
	134	0	06	60
	144	0	12	25
	145	. 0	31	05
	146	0	04	46
	Cart track	0	03	60
	154	ō	10	58
	155	0	16	42
	Cart track	0	40	00
	156	0	24	80
	161	ŏ	04	05
	162	0	32	45
	163	0	21	40
	164	0	24	25
	168	0	11	55
	Kotar	Ő	29	30

[No. O-14016|110|84-GP]

का०आ० 3386.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ० सं० 3758 तारीख 6-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइमों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आभाय घोषित कर दिया था।

और प्रतः सक्षम प्राधिकारो ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन संस्कार की रिपोर्ट दें दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एसद्द्वारा घोषित करतो है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एसद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस घारा की उपघारा (4) द्वारा [प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि॰ में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, बोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

**अनुसूच**ः

हुज,रा से बरेल, से जगवंशपुर तक पाइप लाईन बिछाने के लिये। राज्य – गुअरात जिला– भरुच तालुका– झंकलेश्वर

গৰি	सर्वे नं.	हेक्टर	भार	सेन्टं यर
<b>उ</b> ण्छालः	169	0	67	50
	175	0	06	30
	176	0	20	70
	1 <b>7</b> 7	0	34	50
	46	0	19	35
	45	0	31	80
	44	0	0.0	78
	40	v	33	30
	41	0	13	0.0
	कार्ट ट्रेक	0	02	10
	17	. 0	06	00
	20/八十年。	0	69	60
	14	0	45	0
	10	0	39	5
	157	0	76	5
	201/ <b>ए</b> / <del>प</del> ा	0	52	0
	कोटर	0	02	4

[सं • O-14016/111/84-जीपी]

S.O. 3386.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 3758 dated 6-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the sald lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances;

## SCHEDULE

Pipeline From Hajira To Bareilly To Jagdishpur State : Gujarat `District : Bharuch Taluka : Ankleshwar

Village	Survey No.	Hec- tare	Ато	Con- tiare
Uchhali	169	0	67	' 5
	175	0	06	30
	1 <b>76</b>	0	20	70
	17 <b>7</b>	0	34	50
	46	0	19	35
	45	0	31	80
	44	0	00	78
	40	U	33	30
	41	0	13	00
	Cart track	0	02	10
	17	0	06	00
	$20/\mathbf{A} + \mathbf{B}$	0	69	60
	14	0	45	00
	10	0	39	55
	157	0	76	50
	201/A/P	0	52	05
	Kotar	0	02	40

[No. O-14016/111/84-GP]

मई दिल्ली, 12 जुलाई, 1985

का.आ. 3387:—यतः पेट्रोलियम और खितिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पैट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का.आ. सं. 4560 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में बिनिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विद्यान के लिए अजित करने का अपना आधार घोषित कर दिया था।

और यतः सक्तम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी हैं।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अमृसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है । - अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त प्रक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्बारा घोषित वरते हैं कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिण्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मृक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्रनुसूच हजं.रा से बरेलं से जगदं शपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिये। राज्य – गुजरान जिला– पंचहमल तालुका – देवगढ़ वार.या

गांब	सर्वे नं.	हेक्टेयर	मार.	सेन्टीयर
<b>अधाव</b> ला	8 5/ 1/पं	0	43	0.0
	8 5/2/1	0	07	0.0
	S 5/ 2/पी	0	0.7	0.0
	8 5/3/ <b>प</b> ।	0	04	00
	101	0	0.0	70
	99/2	0	30	0.0
	<b>⊌9/</b> 7	0	0.1	44
	99/6	0	28	00
	99/5	ΰ	00	75
	99/4	0	10	0.0
	103	0	24	0.0
	कोटर	ń	28	0.0
	130	0	03	0.0
	129	0	77	0.0
	128	O	1 n	0.0
	127	Ö	41	0.0
	126	a	41	0 υ
	125	O	62	0.0

[सं. **O**-14016/463/84 णी पो.]

## New Delhi, the 12th July, 1985

S.O. 3387.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 4560 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipel nes (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipel ne;

And whereas the Competent Authority has under sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline From Hazira-Bareilly-Jagdishpur State : Gujarat District : Panchmahal Taluka : Devgadhbariy a

Village	Survey No.	Hec-	Are	Cen-
-		tare		tiare
Udhavala	. 85/1/P	0	43	00
	85/2/1	0	07	00
	85/2/P	0	07	00
	85/3/P	0	04	00
	101	0	00	70
	99/2	0	30	00
	99/7	0	01	44
	99/6	0	28	00
	99/5	0	00	75
	99/4	0	10	00
	103	0	24	00
	Kotar	0	28	00
	130	0	03	00
	129	0	77	00
1	128	0	10	00
	127	0	41	00
	126	0	41	00
	125	0	62	00

[No. O-14016/463/84] PG1

का. आ 3388: — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपभारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंद्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 119 तारीख 2-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट मूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों की विष्ठाने के लिए अजित करने का अपना आधाय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट देदी हैं।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार अजिस करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्ष शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमि मे उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

## **अनुसूध**।

हुअ।रा मे बरेला मे जगद शपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिये। राज्य --- गुजरात जिला- पंचमहल लालुका-- देवगढ़ बारीया

गांव	सर्वे नं.	हेक्टयर	भार	सेन्ट यर
 उचवाण _ु	212	0	22	0.0
	151	0	35	υί
	126	0 .	91	0.0
	107/2	0	36	O (
	107/1	0	43	0 (
	कोटर	O	25	(1.0
	112/1	U	32	0(
	कोटर	0	11	0.0
	112/2	0	22	00
	कोंटर	0	10	0.0
	102	0	41	0.0
	101	0	02	0.0

[सं. **O**-14016/51%/84-जी. पी.]

S.O. 3388.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 119 date d2-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Submection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the sald report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the nuclication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

# SCHEDULE

Pipeline From Hajira Bareilly Jagdishpur State : Gujarat District : Panchamahal Taluka : Devgadh Bariva

			Pariy	a
Village	Survey No.	Hec- taro	Aro	Cen- tiare
Uchxvan	212		22	_ 00
	151	0	35	00
	126	0	91	00
	107/2	0	36	00
	107/1	0	43	00
	Kotar	0	25	00
	112/1	0	32	00
	Kotar	0	11	00
	112/2	0	22	00
	Ketar	0	10	00
	102	0	41	00
	101	0	02	00

[No. O-14016/512/84-GP]

का. आ. 3389-यतः पेट्रोलियम और खलिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्गन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जी मंत्रालय (पेट्रोलियम दिशाए) की अधिनूचना का. आ. मं. 4572 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुमूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अजिन किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयाग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहिस होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।

अनुसूची: हुजीरा से बरेली से अगदीशपुर तक पाइप लाइन विछाने के लिए राज्य : गुजरात जिला : पंचमहल राज्य : पीसखेड़ा

गांव	 सर्वे नं .	्षे <b>बटर</b>	आर	 मेटोसर 
चोर बारीया	59	0	27	0.0
	58	0	53	00
	53	0	46	00
	51	0	46	0.0
	कोटार	0	08	0.0

सि. O-14016/475/84-जी, पी

S.O. 3389.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petro-Jeum) S.O. 4572 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Piptlines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification bereby acquired for laying the pireline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this Jeclaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances,

SCHEDULE

	rom H£jira-Bareilly District : Panchmahal	_		thuda
Village	Survey No.	Hec- lare	Are	Cen tiare
Chor Bariya	59	0	27	00
·	58	0	53	00
	53	0	46	00
	51	0	46	00

Kothr

[No. C--14016/475/84-GP]

0

-08

00

का. श्रा. 3390.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रवीन भारत सरकार के ऊर्गा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की श्रिधिसूचना का. श्रा. मं. 121 तारीख 2-1-85 हारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिध्सूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के श्रिधकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए श्रिजित करने का श्रपना श्राक्षय घोषित कर दिया था।

और यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट वे दी है।

और श्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्राजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव श्रतः उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदश शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्ह्वारा धोषित करती है कि इस श्रधिसूचना में संलग्न श्रनुसची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्दारा श्रजित किया जाता है।

और म्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिं० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अन्मूची

हर्जीरा मे बरेली से जगर्दाणपुर तक पाइप लाइन विछाने के लिए राज्य:गुजरात जिला:पंचमहल नालुका देवगढ़ बारीया

राज्य : गुजरान	जिला : पंचमहल	तालुकाः देवगढ् बारीया			
गांव		हैक्टय र	आर	सेन्टी/यर	
1	2	3	4	5	
	1 4 5	0	38	00	
	144	0	06	0.0	
	1 4 3/1	0	26	0.0	
	1.43/2	0	26	0.0	
	। 41/पी	0	0.5	0.0	
	142	0	22	0.0	
	कार्ट ट्रक	0	08	0	
	1 6 5/1	0	42	0	
	1 6 2/पी	0	20	0	
	160	0		0	
	178/1	0		0	
	1 5 6/1	0		0	
	188	0		0	
	189	0		0	
	3	0		0	
	15	0		0	
	1 9/1/पी	C		0	
	22/1	()		0	
	22/2	0		0	
	58	0			
	387	0		0	
	379/1	0		0	
	199	C			
	201	(			
	236/2	(			
	202 236/1	(			
	235	•			
	233	,			
	232		) 29		
	229		) 45		
			_		
	230 228		) 14 ) 0(		
	227		0 62		
	226/2		0 26		
	225/1		0 0:		
	225/2		0 0:		
	225/4		0 28		
	225/5		0 19		
	224/1		0 2.		
	224/2		0 1		
	224/3		0 2.		
	224/4		0 1.		
	223		0 2		
	220		0 0		
	3 <b>7 4</b> /पी		0 2		

S:O. 3390.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 121 dated 2-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisit on of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notificat on for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sab-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Pipeline From Hazira-Barelly-Jagdishpur

• State: Gujarat District: Punchmahal Taluka: Devgadh-Baria

Village	Survey No.	Hec tare	Are	Con- tiaro
1	2	3	4	5
Ruvabari	145	0	38	00
	144	0	06	00
	143/1	0	26	00
	143/2	0	26	00
	141/P	O	05	00
	142	0	22	00
	Cart track	0	08	00
	165/1	0	42	00
	162/P	0	20	00
	160	0	40	00
	178/1	O	13	00
	156/1	0	44	00
	188	0	16	00
	189	0	57	00
	3	0	35	00
	15	0	44	00
	19/1/P	0	19	00
	22/1	0	0,5	00
	22/2	0	40	00
	58	0	09	00
	387	0	27	00
	379/1	1	82	00
	199	0	06	20
	201	0	0a	75
	236/2	0	06	00
	202	U	21	75
	236/1	0	30	48
	235	0	20	00
	223	ō	36	72
	232	Ü	29	40
	229	ŏ	45	00
	230	ő	00	15
	228	Ű	14	50

l	2	3	4	.5
	227	0	67	66
	226/2	0	26	90
	225/1	0	09	48
	225/2	0	02	40
	225/4	0	28	80
	225/5	0	19	22
	224/1	0	24	65
	224/2	0	10	80
	224/3	0	25	92
	224/4	0	14	45
	223	0	27	45
	220	0	02	90
	374/P	0	28	00
			_	

[No. O-14016/514/84-G,P.]

का०आ० 3391,--यतः पेट्रोलियम और खिति गाइ४ लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962(1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्ज मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिमूचना जा०आ०मं० 4540 तारीख 10-12-84 हारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार की पाइएलाइनों की बिछान के लिए अजिन करने का अपना अर्थण शीपित कर दिया था।

र्जार यत: मधाम प्राधिकारी ने उत्ता प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सम्वार की रिपोर्ट दे दें हैं।

और आसे, यतः केन्द्रीय गरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पृण्यात् इस प्रधिसूषना से सलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोध का प्रधिकार प्रणित करने का विनिध्नय किया है।

श्रवः श्रतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त सिक्त का प्रतीन करते हुए केल्क्षीय सरकार एनद्वारा बौधित करती है कि इस अधिस्चना में संजन प्रत्यूषी में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार पाइपलाइन विद्याने के प्रयोजन के लिए एनब्द्वारा धाँजत किया जाना है।

और खारी उस घारा भें उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय तैस प्राधि-करण लिमिटेड में सभी बाबाओं से मुक्त रूप, में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख की निहित होगा।

अन्**मूर्च**ी

हजीरा से बरेली से जगदीणपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए राज्यःगुक्ररात जिला पंत्रसहल तालुकाःदेवगढ़ बारीमा

गांव	मर्वे नं.	हेक्टेयर	आर	सेटायर
1	2	3	4	5
डागरं≀या _]	277	U	28	00
	278	0	65	78
	276	U	06	08
	270	U	21	76
	271	0	<b>η</b> 6	0.0
	269/1	0	05	07
	269/2	U	16	80
	269/4	U	1.3	15
	268	0	03	60
	26 <i>7 </i> पीं]	0	38	40
	263	υ	39	30

स्रोडार 0 12 24 246 0 21 00 244 0 23 27 243 0 16 00 242 0 33 12 408 0 12 14 स्रोडार 0 1.3 21 स्रोडार 0 1.3 21 स्रोडार 0 0 1.3 21 स्रोडार 0 0 1.3 28 स्रोडार 0 0 28 00 231 0 61 28 स्रोडार 0 28 00 229 0 42 00 228 0 27 90 89 0 02 40 स्रोडार 0 02 40 स्रोडार 0 02 40 स्रोडार 0 06 07 98/प 0 91 70 94 0 40 00 स्रोडार 0 06 07 98/प 0 18 33 418/1 0 10 22 418/2 0 04 40 185 0 01 00 1884 0 28 00 1887/3 0 18 30 1837/2 0 34 20 1887/4 0 01 50 1882 0 15 52 181 0 06 00 178 0 08 64 178 0 06 00 178 0 08 64 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 178 0 06 00 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16 18 180 0 16	1	2	3	4	5
246 0 21 00 244 0 23 27 243 0 16 00 242 0 33 12 408 0 12 14 कोटार 0 13 21 कोटार 0 08 10 231 0 61 28 कोटार 0 28 00 229 0 42 00 228 0 27 90 89 0 02 40 कोटार 0 02 40 कोटार 0 02 40 कोटार 0 06 07 98 क  0 01 70 94 0 40 00 कोटार 0 18 33 418 1 0 10 22 418 2 0 04 40 185 0 01 00 184 0 28 00 185 3 0 18 30 185 3 0 18 30 185 3 0 18 30 185 3 0 18 30 185 3 0 18 30 185 3 0 18 30 185 3 0 18 30 185 3 0 18 30 185 3 0 18 30 187 2 0 34 20 186 41 0 01 50 182 0 15 52 181 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 176 0 14 50 162 0 54 95 161 0 04 25 155 5 0 18 72 156 0 17 20 148 0 03 78 14/ 0 15 18 14/ 4  4  4  4  4  4  4  4  4  4  4  4  4		——  —— —— . कोटार	0	12	24
244 0 23 27 243 0 16 00 242 0 33 12 408 0 12 14 कोटार 0 13 21 कोटार 0 61 28 कोटार 0 28 00 231 0 61 28 कोटार 0 28 00 229 0 42 00 228 0 27 90 89 0 02 40 83/प 0 91 70 94 0 40 00 कोटर 0 06 07 98/प 0 18 33 418/1 0 19 22 418/2 0 04 40 185 0 01 00 184 0 28 00 185/3 0 18 30 183/2 0 34 20 186/प 0 01 50 182 0 15 52 181 0 06 00 179 0 03 64 178 0 06 00 179 0 03 64 178 0 06 00 179 0 03 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 179 0 15 52 181 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 179 0 15 52 181 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 180 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 07 180 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 00 188 0 08 0			0	21	
243 0 16 00 242 0 33 12 408 0 12 14 कोटार 0 1. 21 केटार 0 08 10 231 0 61 28 कोटार 0 28 00 231 0 61 28 कोटार 0 0 28 00 229 0 42 00 228 0 27 90 89 0 02 40 93/पि 0 91 70 94 0 40 00 कोट र 0 06 07 98/प 0 18 33 418/1 0 19 22 418/2 0 04 40 185 0 01 00 184 0 28 00 180/प 0 01 50 182 0 15 52 181 0 06 00 178 0 03 64 178 0 06 00 178 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 179 0 15 18 140 0 15 18 140 0 15 18			0	23	27
408 0 12 14 कोटार 0 1.3 21 कोटार 0 08 10 231 0 61 28 कोटार 0 28 00 229 0 42 00 228 0 27 90 89 0 02 40 93/कोटार 0 02 40 93/कोटार 0 06 07 98/कोटार 0 06 07 98/कोटार 0 06 07 98/कोटार 0 06 07 98/कोटार 0 07 98/कोटार 0 08 33 418/1 0 19 22 418/2 0 04 40 185 0 01 00 184 0 28 00 180/3 0 18 30 183/2 0 34 20 186/कोट 0 01 50 182 0 15 52 181 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 180 0 16 18 177 0 18 00 176 0 14 50 162 0 54 95 161 0 04 25 154/कोट 0 42 85 155 0 18 72 156 0 17 20 148 0 03 78 147 0 15 18 146/कोट 0 23 50 267/कोट 0 01 50			0	16	0.0
कोडार 0 1.3 21 काडार 0 08 10 231 0 61 28 कोडार 0 28 00 229 0 42 00 228 0 27 90 89 0 02 40 काडार 0 02 40 83/प 0 91 70 94 0 40 00 काडार 0 06 07 88/प 0 18 33 418/1 0 19 22 418/2 0 04 40 185 0 01 00 184 0 28 00 180/4 0 01 50 182 0 15 52 181 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 08 64 178 0 06 00 179 0 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 170 18 00 180 180 180 180 180 180 180 180 180 180		242	0	33	12
कोट र 0 08 10 231		408	0	12	1.4
231			0	1.3	21
स्रोटार 0 28 00 229 0 42 00 228 0 27 90 89 0 02 40 70 107 0 91 70 94 0 40 00 स्रोट र 0 06 07 98 0 18 33 41 8 1 0 19 22 41 8 1 0 19 22 41 8 1 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 3 0 18 30 18 5 1 5 5 1 5 5 2 18 1 0 0 0 0 1 50 18 2 0 15 52 18 1 0 0 0 0 0 1 50 18 0 0 16 18 17 7 0 18 00 17 8 0 0 16 18 17 7 0 18 00 17 8 0 0 16 18 17 7 0 18 00 17 8 0 0 16 18 17 7 0 18 00 17 8 0 0 16 18 17 1 18 14 14 15 18 14 6 1 0 0 15 18 14 14 0 15 18 14 6 1 0 0 15 64 14 6 1 0 0 15 64 14 6 1 0 0 15 64		कोट र	0	8.0	10
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$			Ú	61	
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$		कोटार	0		
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$		229	0		
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$		228	0	27	90
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$			Ü	02	40
94 0 40 00  612 \tau 0 06 07  98/\tau 0 18 33  41\tau 1 0 19 22  41\tau 2 0 04 40  185 0 01 00  184 0 28 00  180/\tau 0 34 20  180/\tau 0 01 50  182 0 15 52  181 0 06 00  179 0 03 64  178 0 06 00  179 0 03 64  178 0 06 00  180 0 16 18  177 0 18 00  176 0 14 50  162 0 54 95  161 0 04 25  154/\tau 0 42 85  155 0 18 72  148 0 03 78  14/\tau 0 15 18			0	0.2	40
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$			0		70
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$			0	40	
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$					
$146/\hat{q}$ 0 15 64 $146/\hat{q}$ 0 28 50 $267/\hat{q}$ 0 01 50					
$14e/\sqrt{1}$ 0 28 50 267/ $\sqrt{1}$ 0 01 50					
267/47 0 01 50					
***					
er 1 28 (II)					
		200ji	1		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·

[सङ्या -14016/442/84-जीपी

S.O. 3391.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 4540 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declars, its intention to acquire the right of Government declares its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;
And whereas the Competent Authority has under Sub-

Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to

the Government;

And further whereas the Central Government bas, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

New, therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd., free from all encumbrances.

Pipoline	From	Haira	Bareilly	, Ja	gdishpı	I <b>r</b>
State : Gujarat		: Pancha			De Bariy	vgadh
	SCI	HEDULE		-	Duriy	-
Village		Survey 1	No.	Hec-	Аге	Cer- tiar
1		2		3	4	5
Dangariya .		277		0	28	00
		278		0	65	78
		276		0	06	08
		270		0	21	76
		271		0	06	00
		269/1		0	05	07
		269/2		0	16	80
		269/4		0	13	15
		268		0	03	60
		267/P		0	38	40
		263		0	39	30
		Kotar		0	12	24
		246		0	21	00
		244		o	23	27
		243		ō	16	00
		242		ŏ	33	12
		408		ő	12	14
		Kotar		ō	18	21
		Kotar		ō	08	10
		231		0		28
		Kotar		0		00
		229		0		00
		228		0	27	90
		89		0		40
		Kotar		0		40
		93/P		0		70
		94		ő		00
		Kotar		0		
		98/P		0		
		418,1		0	19	
		418/2		0		_
		185		0		40
		184				00
		183/3		0		
		183/3		0		
		186/P				
		182		0		
		181		0		
		179				
		178		0		
		180		0		
		177		0		
				0		
		176		C	14	00

162

0

54

95

0 0	04 42	 25 85
		85
0		
	18	72
0	17	20
0	03	78
0	1.5	18
0	15	$\omega$ 1
0	28	50
0	01	50
U	29	00
	0 0 0	0 15 0 28 0 01

INo. O-14016/442/84-GPI

का. आ. 3392. —यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उत्रयांग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 130 तारीख 12-1-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपार्ट देवी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विकार करने के पक्षात् इस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिष्चय किया है ।

अब, अतः उन्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एत्द्द्वारा अजिन्त किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रकत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण नि. में सभी बाधाओं स मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम अ	तन्याभाटी तह्सील	आगर जिला शाजापुर राज्य (मध्य प्रदेश)				
	अनुसूची					
अनु य .	%सरानं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टमें मे)				
1	2	3				
1.	2	0.045				
2.	4	0.094				
3.	5	0,073				
4.	6	0.010				
5.	8	0.418				
6-	9	0.031				
7.	10	0.157				

8-	1.5	0.031	
9.	16	0.261	
l u.	1.7	0.084	
l t-	1.8	0.042	
12.	1	0 010	

S.O. 3392.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 130 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Sect on 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village 4	<b>Ak</b> yabhati	Tehsil Agar	Distt. Shajapur (M.P.)
		SCHE	DULE
S.No. S	Survey No.		Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1 2			3
1. 2			0.045
2. 4			0.094
3. 5			0.073
4. 6			0.010
5. 8			0.418
6. 9			0.031
7. 1	0		0.157
8. 1	5		0.031
9. 1	6		0,261
10. 1	7		0.084
11. 1	8		0.042
12. 1			0.010
Total	Arca		1.256
. <b></b>			O—14016/523/85•GPJ

का० आ० 3393 ---यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उर्जा मंत्रालय (पेट्रेलियम दियाग) की त्राधिसूचना का ० आ० 3941, तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना के संलग्न अनुसूची में विनिदिश्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार का पाइप लाइनों की विछाने के लिए प्रधित करने का अपना आग्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन संस्कार की रिपोर्ट दें है।

ग्रीर ग्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस ग्राधिमूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनि-दिण्ट भूमियों में उपयोग के ग्राधिकार ग्राधित करने का विनि-श्चिम किया है।

यब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनदद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संनग्न यासूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार प.इपनाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एलद्द्वारा अजित किया जीता है।

आंग श्रामे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होते के बर्गाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि॰ में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन को इस तारीख को निहित होगा।

एच . बी . जें . गैस गाईप लाइन प्रॉजनट

अनुमुची				
-: <del></del> ३:नु.	ा. वस्य न.	उपयोग अधिकार अजेन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)		
·- I	2	3		
1.	14	0.081		
2.	347	0.084		
3	26	0.190		
4	27	0.010		
5.	25	0,240		
ь.	29/1	0.165		
7	29/2	0,270		
8	29/3	0.245		
٠,	30	0.018		
10.	31	0.201		
1 1-	33/2	0.253		
12.	33/ J	0.081		
13.	35	0.051		
1.1.	39	0.253		
I ه٠	1.	0.051		
16	4.2	0.175		
17-	<b>৬</b> 5	0.041		
18-	66	0.007		
19.	64/1	0 041		

	:	
_11		3
30.	6 1/ 33	0.042
21	63/1	0.165
22.	e3/2	0 042
23.	6.2	0.10τ
24.	45	0.081
25	61/1	0.005
26.	56/2	0.061
27.	56/ t	0.506
23	5.7	0.025
29.	8 <i>3/3</i>	0.571
3.0	8.4	0.030
31.	86	0.061
3 3.	አ 7%	0.311
33.	88	0.005
3-1-	9 1	0.170
3.5.	352	0.025
3 6	55	0 005
याग गु	न ः क्षेत्रफल	4.671

[मं. O-14016/284/85 मार्गी]

S.O. 3393.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 3941 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline,

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this decalaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village Karoda Thesil Badnawar Distt. Dhar (M.P.)

		SCHEDULE
S.No.	Survey No.	Area to be Acquried for R.O.U. in Hectare
1	2	- 3
1.	14	0.081
2.	347	0.084
3,	26	0.190
4.	27	0.010
5.	2.5	0.240
6.	29/1	0.165
7.	29/2	0.270

1	2	3
8.	29/3	0 245
9.	30	0.018
10.	31	0,201
11.	33/2	0,253
12.	33/1	0,081
13.	35	0.051
14.	39	0.253
15.	41	0.051
16.	42	0.175
17.	65	0.041
18.	66	0.005
19.	64/1	0.041
20.	64/2	0,042,
21.	63/1	0,165
22.	63/2	0.042
23.	62	0.101
24.	45	0.081
25,	61/1	0.005
26.	56/2	0.061
27.	56/1	0,506
28.	57	0.025
29.	83/3	0.571
30.	84	0.030
31.	86	0.061
32.	87	0.311
33.	88	0.005
34.	94	0.170
35.	352 P	
36.	55	0,005
	Total Are	4.671

[No. O-14016/284/84-GP]

का. अ. 3.394.— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (मूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जी मंदालय पेट्रोलियम विभाग की अधिमूचना का. आ. सं. 4538 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीम सरकार ने उम अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के विष् अर्जित करने का अपना आगय धीरिंग कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपभारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चाम् इस अधिसूधना में संख्यन अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिष्टय किया है।

अब, अतः जनत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त याक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संस्कार एतद्दारा घोषित करती कि इस अधिसूचन। में संलग्न अनुसूची में त्रिनिदिष्ट उकत भूमियों में जपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिटाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजिन किया जाता है।

और आसे उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण नि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन को इस नारीख को निष्ठित होगा।

					बनुमूम					
हलीग	से	यरसी	स्	जगकीमा <u>ग</u> ुर	गःह	पाद्य	लाइन	<b>যি</b> তান	न्ः	निए।
	<b>3</b> ∓	ग्ुंख्र्	<b>7</b> ∏	fym:	पंचम?	স শ	नुका :	देवगर	बारी	ũĮΤ

गाय		सर्वे नं.	हेबटर	आर	सेन्द्रीयर
कांचडा	<del>.</del> ,	3		34	40
		4/ 2	13	12	$\theta$
		5	0	0.3	0.0
		6	0	10	3.2
		1 1	i)	28	0.0
		15/1	0	10	0.0
		15/2	0	02	7.0
		17	0	21	0.0
		28/1	0	08	St
		28/2	0	33	30
		27	1	01	0.0
		कोटार	0	20	0.0
		28/3	0	0.0	50

[सं. O~14016/440/84-जीपी]

S.O. 3394.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Deptt. of Petroleum) S.O. 4538 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central overnment declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby deciares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laving the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests from this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances,

SCHEDULE
Pipeline from Haijira Bareilly Jagdishpur
State: Gujarat District: Panchamahai Taluka: Devgadh

			Ba	riya
Viilage	Survey No.	Hectare	Area Cer	tiare
Koyada	3	0	34	40
	4/2	0	12	60
	5	0	03	00
	6	0	10	32
	14	0	28	00
	15/1	0	40	00
	15/2	0	02	70
	<b>1</b> 7	0	21	00
	2.8/1	0	08	80
	28/2	0	31	30
	27	1	0	00
	Kotar	0	2.0	(1)
	28/3	0	00	50

[No. O-14016/440/84-GP]

का.श्रा. 3395 --श्रम पेट्रोनियम ग्रीर खनिष्रपाद्य लाइन (भूमि ने उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उर्जा मंत्राला पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 3471 तारीख 3.11.84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिए भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के लिंगे अजित करने का अपना ग्राशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रिष्ठिनियम की छारा 6 की उप-छारा (1) के श्रिष्ठीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

भीर भागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची में विनिर्दिग्ट भूमियों में उपयोग का मिक्रकार अजित करने का विनिश्वय किया है।

श्रम, अतः जनत अधिनियम की धारा 6 की जपधारा (1) द्वारा अदस्त सक्ति कात्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती हैं कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में बिनिर्दिष्ट उनन भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतव्द्वारा अजिन किया जाना है।

भौर भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

णचा. बी जे. भैस पाईप लाईन प्राजियटं
-------------------------------------

ग्राम सन्दराबाद	नहर्सान	बड़नगर जिला उपजै	न राज्य	(मध्य प्रदेश)
-----------------	---------	------------------	---------	---------------

#### अनुसूर्चा

अन्, क	, खमग	नं०	उपयोग	अधिकार	अर्जन	का	क्षेत्र	(हैमटर्स	मं)
1	2							3	
1.	302							0.220	
2.	301							0,420	
3	305							0.700	
4.	268/I							0.110	
5.	262							0.120	
6.	267/1							0.250	
7.	267/3							0.070	
8.	259/2							0,080	
9.	266							0.720	
10-	142							0.380	
	143 ∫								
11.	141							0,220	
12.	139/1							0.030	
13.	138							0.120	
14.	139/2							0.430	
15	156							0.070	
16.	157							0.270	
ī 7.	80							0.070	
18.	82/2							0.110	
19.	83/3							0.220	
20.	83/2							0.100	
21-	85							0.370	
22.	100							0.400	

23.   99	1	2	3
$ \begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$			
415 $\int$ 25. 417			
25. 417 26. 420 27. 422 0.010 424 0.400 28 298 0.150 29 304 0.100 30 313 0.060 31 272/1 32 267/2 0.070 33 182 0.110 34 135 0.130 35 117 0.030 36 114 0.160 37 72 0.030 38 81 0.040 39 102 前 0.050 40 416 0.080 41 418 0.010 42 458/1 0.190 43 300 0.025 44 144	24		0.590
27. 422 0.010 424 0.400 28 298 0.150 29 304 0.100 30 313 0.060 31 272/1 0.120 32 267/2 0.070 33 182 0.110 34 135 0.130 35 117 0.030 36 114 0.160 37 72 0.030 38 81 0.040 39 102 前、 0.050 41 418 0.050 41 418 0.010 42 458/1 0.190 43 300 0.025 44 144 0.015	25.	•	0.170
424	26.	420	0.640
28 298 0.150 29 304 0.100 30. 313 0.060 31 272/1 0.120 32 267/2 0.070 33 182 0.110 34 135 0.130 35 117 0.030 36 114 0.160 37 72 0.030 38 81 0.040 39 102 前、 0.050 40 416 0.080 41 418 0.010 42 458/1 0.190 43 300 0.025 44 144 0.015	2 <b>7.</b>	422	0.010
29   30.4   0.100   30. 313   0.060   31   272/1   0.120   32. 267/2   0.070   33. 182   0.110   34. 135   0.130   35. 117   0.030   36. 114   0.160   37. 72   0.030   38. 81   0.040   39. 102 前. 0.050   41. 418   0.050   41. 418   0.010   42. 458/1   0.190   43. 300   0.025   44. 144   0.015		424	0.400
30. 313 0.060 31 272/1 0.120 32 267/2 0.070 33 182 0.110 34 135 0.130 35 117 0.030 36 114 0.160 37 72 0.030 38 81 0.040 39 102 前 0.050 40 416 0.080 41 418 0.010 42 458/1 0.190 43 300 0.025 44 144 0.015	28	298	0.150
31 $272/1$ 0.120         32 $267/2$ 0.070         33 $182$ 0.110         34 $135$ 0.130         35 $117$ 0.030         36 $114$ 0.160         37 $72$ 0.030         38 $81$ 0.040         39 $102 \overline{\mathfrak{Pl}}$ 0.050         40 $416$ 0.080         41 $418$ 0.010         42 $458/1$ 0.190         43       300       0.025         44       144       0.015	29	304	0.100
32. 267/2 0.070 33. 182 0.110 34. 135 0.130 35. 117 0.030 36. 114 0.160 37. 72 0.030 38. 81 0.040 39. 102 前. 0.050 40 416 0.080 41. 418 0.010 42. 458/1 0.190 43. 300 0.025 44. 144 0.015	30.	313	0.060
33. 182 0.110 34. 135 0.130 35. 117 0.030 36. 114 0.160 37. 72 0.030 38. 81 0.040 39. 102 前. 0.050 40 416 0.080 41. 418 0.010 42. 458/1 0.190 43. 300 0.025 44. 144 0.015	31	272/1	0,120
34. 135 0.130 35. 117 0.030 36. 114 0.160 37. 72 0.030 38. 81 0.040 39. 102 前. 0.050 40 416 0.080 41. 418 0.010 42. 458/1 0.190 43. 300 0.025 44. 144 0.015	3 2-	267/2	0.070
35. 117 0.030 36. 114 0.160 37. 72 0.030 38. 81 0.040 39. 102 中. 0.050 40 416 0.080 41. 418 0.010 42. 458/1 0.190 43. 300 0.025 44. 144 0.015	33.	182	0.110
36. 114 0.160 37. 72 0.030 38. 81 0.040 39. 102 前. 0.050 40 416 0.080 41. 418 0.010 42. 458/1 0.190 43. 300 0.025 44. 144 0.015	34.	135	0.130
37. 72 0.030 38. 81 0.040 39. 102 中. 0.050 40 416 0.080 41. 418 0.010 42. 458/1 0.190 43. 300 0.025 44. 144 0.015	3 5.	117	0.030
38. 81 0,040 39. 102 前. 0,050 40 416 0,080 41. 418 0,010 42. 458/1 0,190 43. 300 0,025 44. 144 0,015	36.	114	0.160
39. 102 前. 0.050 40 416 0.080 41. 418 0.010 42. 458/1 0.190 43. 300 0.025 44. 144 0.015	37.	73 `	0.030 `
40       416       0.080         41.       418       0.010         42.       458/1       0.190         43.       300       0.025         44.       144       0.015	38.	81	0.040
41.       418       0.010         42.       458/1       0.190         43.       300       0.025         44.       144       0.015	39.	102 मी.	0,050
42.       458/1       0.190         43.       300       0.025         44.       144       0.015	40	416	0,080
43. 300 0.025 44. 144 0. <b>0</b> 15	41.	418	0.010
44. 144 0.015	42.	458/1	0.190
	43.	300	0.025
= # <del></del>	44.	144	0.015
<b>फुण दाल्लाल ।                                     </b>	 कृलक्षेत्र	·····································	8.600

[ सं. O-14016/70/84-जीपी]

S.O. 3395.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Pepartment of Petroleum) S.O. 3471 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And Further Whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of Judia Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ Gas Pipe Line Project

Village: Sundarabad Tehsil: Badnagar Distt.: Ujjain

		Area to be Acquired for R.O.U. in Hectore
1.	301	0.720
2.	3012	0.470
3.	305	0,700
4.	2.68/I	0.110
5.	2.62	0.120
6.	2 67/1	0.250
7.	2.67/3	0.070
8.	2 59/2	0,080
9.	266	0.720
10.	142 143	0.380
11.	141	0.220
12.	139/1	0.030
13.	138	0.120
14.	139/2	0.430
15.	156	0.070
16.	157	0.270
17.	90	0.070
18.	82 /2	0.110
19.	83/3	0.220
	83/2	0.100
11.	85	0.370
22.	100	0.400
23.	99	0.030
24.	414	0.590
c	415	A
5. 3.	417	0.170
26.	420	0.640
27/1	422	0.010
27/2 28,	<b>4</b> 24	0.400
46. 29.	2 98 304	0,150
≟ 9. 30.	313	0.100
31.	272/1	0.060
32,	2.67/2	0.120
33.	182	0.070 0.110
34.	135	0.130
35.	117	0.030
36.	114	0.160
37.	72	0.130
38,	81	0.040
39.	102 Mt.	0.050
40.	416	0.080
41.	418	0.010
4?.	458/1	0.190
43.	300	0.025
44.	144	0.015
	tal Arca	8.690

[No. O-14016/70/84-GP]

का.घा. 3396.—यतः पेट्रोलियम भौर खिनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मन्त्रालय, पेट्रोलियम विकाश की अधिसूजना का.धा. मं. 303 तारीख 26-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूजना से संलग्न अनुधूची में विनिधिक्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अर्जिन करने का अगना आण्य योषित कर दिया था //

भीर पा सक्तम प्राधिकारी ने उक्त भनिनियन की धारा 6 की अपधारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है;

भौर भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चास् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट वृक्तियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है;

भव अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 भी उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ए। वृद्धारा धोषित कश्ती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन विद्याने के प्रयोजन के लिए एतवृष्ठारा अर्जन किया जाना है ;

भौर मागे अस धारा की उपधारा (ब) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैम प्राधिकरण निमिटेड में सभी बाधामों से मुक्त कल में, घोषणा के प्रकाणन की भ्रस नारीय की निहित होगा।

एस जी में. गैंग पाइंप लाइन प्रोजेक्ट

याम : तुमिटिया खेड़ी तहरील । राजगढ जिला : राजगढ राज्य : (मध्य प्रवेण)

		अनु <b>सूर्ण</b> ी	
— अनु.	स, जसरान	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैसटर	में
1	182	0 060	•
2.	254	0.063	
٦,	197	0.050	
4	198	0.064	
5.	196	0.007	
6	195	0,090	
7	194	0 026	
s.	201	0.091	
9.	189	0.120	
10	188	0.106	
11.	187	0.063	
12.	186	0.039	
13.	179	0 250	
1 4.	178	0.089	
15.	130	0 100	
16.	2 1	0.019	
17.	20	0.120	
18.	1.5	0.020	
19.	19	0.019	
20.	18	0 358	
24.	17	0 048	
22.	30	0.015	
23	33	0.150	
24.	3 2	0.206	
25.	36	0.131	
26	39/2	0.065	
27.	57	0.253	
28.	62	0 013	
29	56	. 0.204	
30	5.5	0 500	
3 1		0.144	
3 2.	256	0 019	
33.		0.030	

1	2	à
34	175	0.019
3 5.	6.1	0.450
36.	139	0.010
37	233	0.005
38.	255	0.039
	domination of the four dissertate	and a draw of the entire of the same of th
-5	ुति को शिक्षातः	3.996
		[ਸ਼ <b>ਂ O-</b> 14016/537/84-ਤੀਂਪੀ

सि. **O-**14016/537/84-क्रेपन

S.O. 3395.—Whereas by notification of the Gorenment of India in the Ministry of Energy of Deptt, of Petroleum S.O. 303 dated 26-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Paroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Governmen, declared its intention to acquire the right of user in the land, specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Cen' al Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HRJ Gats Pipe Line Project Village: Tumadiya Khedi: Tehsil Rajgarh Distt.: Rajgarh (M.P.)

	SCHEDULE		
S.No.	Survey No.	Area to b: Acquired for R.O.U. in Hoctare	
1.	182	0.060	
2.	254	0.063	
3.	197	0.050	
4.	198	0.064	
5.	196	0.007	
6.	195	0.090	
7.	194	0.006	
8.	~01	0.091	
9.	139	0.170	
10.	188	0.106	
11.	187	0.063	
12.	186	0.039	
13.	179	0.250	
14.	173	0.089	
15.	130	0.100	
16.	2.4	0.019	
17.	20	0.120	
18.	15	• 0.910	
19.	10	0.010	
20.	18	0.353	
21.	17	G. <b>04</b> 9	
22.	30	0.015	
23.	33	1.159	

1	2	3
24.	32	0-05
33.	36	0.131
. ó.	39/3	0 + 65
. 7.	57	0.003
28.	67	0.013
39.	56	0.5 04
30.	55	0.500
3:.	54	0.144
3?.	2.56	0.019
33,	60	$9.0^{\circ}0$
34.	177	0.019
35.	61	0.400
35.	199	0.010
37.	757	0.095
39.	1.55	0.0°0
T	otal Asta	3.095

O-14016/537-84--GE1

का. आ. २२९७:-- यतः पैट्रोलियम और पाइपताइन (भृषि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरक र के पैट्रोलियम मंत्रालग की अधिमूचना का. आ, सं. 584 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना में मंलग्न अन्युची में विनिर्दिष्ट भूमियों सें उपयोग के अधिकार को पाइप ल इनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशा घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

. और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना मे संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार आजत करने का विनिश्वय किया है।

अव, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णिक्त का प्रयोग करने हए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना 🚶 संतम्न अनुपूर्वी में विनिर्दिष्ट उन्त भूमियों में उपयोग रा अधिकार पद्माल इन विकान के प्रयोजन के लिए एनवृद्धारा अजित किया वाता है।

और आगे उन धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देवी हैं उनन महिल्यों में उत्तोश का प्रविधार हेन्द्रीय स्रवार में निहित होने के बजाय भारतीय गैल प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

	्र एक भंग	हे भेत पार्ट्य तार्टन प्रोजेस्ट
्व :	क्रमानी तर ::	ं का ह कि का रणानिक राज्य (सहस्र प्रदेश)
may depay the a	MR * # * * * * * * * * * * * * * * * * *	3r(***if
ः इ.स. इ	प्रसम्बद्धाः व	च्या क्यांकार <b>अर्जन का क्षेत्र (</b> हैस्टॉर्स)
1	9	3
	624	0.230
2	625	8 310
3	63.5	0.240
4.	638	0.200
5.	639	0.915
13	045	0 079
7.	641	0.500
ς,	635	0.070
9	653	0.010
. 6	667	0.140
	663	U-140
.0	C ' >	0,120
<i>3</i> ,	6701.	0 10)
· <u>1</u> ,	730	0.430
1 5.	751	0 270
. 6	623	0 035
7.	637	0.059
j .	634	9.035
धान क्	न भेदकल विभेदकल	2 935

[सं. O-14016/30/85-जिपः]

S.O. 3397.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 584 dated 9-2-85 under sub-tection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pyrelines (Acquistion of Right of User in Land) Aut, 1962 (50 of 1962), the Central Government declated is intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Covernment;

And further whereas the Central Government has, after a sidering the said report, decided to accure the right of u er in the lands specified in the schedule appended to this retification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subscription (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Covernment hereby declares that the right of user in the 1d lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section () of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government verts on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village: Kaipony Tchsil: Rajgarh Distt: Rajgarh State (M.P.)

S		SCHEDULE
S.No.	Sugvey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hecture
1.	6.4	0.250
2.	6 ⁷ 5	0 010
3.	635	0.240
4.	638	0.200
5.	639	0.015
6.	6.1.5	0.070
7.	641	C.509
8.	665	0.~70
9,	656	0.010
10.	667	0 149
11.	668	0.140
1.	669	0 120
13.	670/1	0.140
14.	750	0.450
15.	⁷ 51	0.270
16.	6,3	0 035
17.	637	C.050
13.	634	6.0 5
To	tal Area	2.935
	annada nanadadi. Annagaga interituta pamahda matamada samahdadi dipungan <u>satisatan pamahda</u>	IND. O-14016/30/85-GP

[No. O-14016/30/85-GP]

ना. आ. 3398.--यतः पेट्रोलितम और खिनज पाइम लाईन (मूनि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधित्यम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारा गरकार के पेट्रोतियम मन्द्रातन की अधिमुक्ता का. आ. सं. 33 तारीख 5-1-85 द्वारा केव्हीय सरकार ने उस अधिमुक्ता से मंजन्व अनुमूची में विविधिष्ट भूपियों के उपयोग के अधिकार की पाइप नाईनों की विद्यान के जिए अजिन करने का अपना आकृष्णित कर विद्या था।

और बनः सक्षम प्राविकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपकारा (.) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के परज्ञान इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूत्री में विनिधिट भूमि में उपयोग गा अधिकाः प्रजित करने का विनिध्यय किया है।

अब, अत. उनत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) हारा प्रवक्त शिवत का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मंग्कार एउद्हारा बोधित करती है कि इस अभिनुचना में संजग्न अनुभूवी में विनिधिष्ट उना भूतियों में उपयोग का अभिकार पाउप लाईन विछाने के प्रयोजन के निए एत्यूबरा अभिन किया अभी किया अभी है।

अरेर आगे एन धारा की उपकारा (4) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उपन भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बकाय मारतीय गैस प्राधिकार विभिन्न में राधि बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषण के प्रकाशन की ध्या तार्ग्य की निहित होगा।

		.चयं के. गैस पद्य लाइन प्रोजेक्ट 	<b>-</b> -
धाम — –	. हाबहा राज	म् तहसील . तयाना जिला : उज्जैन राज्य (मध्य प्र	देश
		अनु <b>सूर्</b> न।	
 यन्	ऋ. खमरा	पं. उपयोग अक्षिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स्स	- रे)
		<del></del>	-
l	1	0 090	
	1 2	0 090 0.025	
2.			

[बंख्या 0-14016/502/सय-जीवी]

S.O. 3398.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 52 dated 5-1-85 under sub-section (!) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the fands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from all encumbrances.

Tehsil: Tarana

HBJ Gas Pipe Line Project

Village: Dabda Rajput

	SCHEDULE			
S.No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare		
1.	1	0.090		
2.	2	0.05		
3.	3/1	0.285		
4.	3/3	0.012		
To	tal Area	0.412		

[F. No. O-14016/502/84-G.P]

Distt.: Ujjain

का. भा. 3.199.— मतः पेट्रोलियम भीर खितिज पाइपलाइम (भूमि में उपयोग के श्रिष्ठिकार का भर्जन) श्रिष्ठिनियम. 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन भारत सरकार के उकी मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की श्रिष्ठिस्त्वना का. भा. सं. 117 तारीख 12-1-85 हारा केन्द्रीय सरकार न उस श्रिष्ठ्यमा में संलग्न श्रुप्तुची में विनिवष्ट भूमियों के उपयोग के श्रिष्ठकार की पाइप लाइनों को बिछाने के लिए श्रिजन करने का ध्रपना श्राक्ष्य धोषित कर दिया था।

मीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की बारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन धरकार को रिपोर्ट वे वी है।

भीर भागे यतः केन्द्रीय सरकार ते उक्त रिपोर्ट पर विचार अस्ते के पत्रचाल इस पश्चित्त्वना से मंत्रान भनुमूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार श्राजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, श्रतः उक्त प्रशिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रयत्त सक्ति का प्रयोग करते हुए केम्ब्रीय सरकार एनद्द्वारा वोषिस करती है कि इस भिधिसूचना में संलग्न प्रनुसूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का भिधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा प्रजित्त किया जाता है ।

भीर श्रागे उस धारा का उपधारा (4) द्वारा प्रदत गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण नि०में सभी बाधायों में मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निटित होगा।

एचं वर्षा अर्थ भैस पाइप लाइन प्रोजन्ट

याम :रुई 		जिला : <b>उज्जैन</b> राज  नुसूर्षाः	प्य (मध्य-प्रदेश)
ः _ अनुका.	स्त्रमरानं. ⊥		 र अर्जन का क्षेस्र )
1.	1 में में	0.376	
2-	52	0.209	
3.	51	0.031	
योग कुल	भेवफल :	0.616	
		1.0	

[सं. **O**-14016/510/84-जीपी]

S.O. 3399.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 117 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power confered by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands—shall instead of vesting in

Central Government vests on this date of the publication of th's declaration in the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Villago	: Rui	Tehsil:	Ghatiya	Distt.:	<u>Ujjain</u>
		S	CHEDULE		
S.No.	Survey No.				be Acquired U. in Heatre
1.	1 M.S.				0.376
2.	52				0.209
3.	51				0.031
To	Total Area				0,616
			77	No. O-1401	6/51 <b>0/</b> 34-GP]

का शाव 3400 -- - यतः पेट्रोलियम और का मिण प इप ल इस (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत बरकार के ऊर्जा मंद्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधीन भारत बरकार के ऊर्जा मंद्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिमुचना का० आ० सं० 49 तारीख 5-1-85 द्वारा केन्द्रिय सरकार में उस अधिमुचना से संलग्न अनुसूची में बिनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों की विकान के लिए अजित करने का अपना आधाय घोषश कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधील सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उकत रिपोर्ट पर विकार करने के पक्षात् इस अधिसूचना से संख्या अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजिन करने का विनिध्चय किया है।

अब अतः उन्तं अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त सम्बद्धीं का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्धारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट उन्तं भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन विकाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त वाक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण जिल में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की दस नारीख की निहित होगा।

एच० बी० जे० गैम पाईप लाईन प्रोप्रकट

<u>and the same of t</u>

श्राम : बोपरिया तहसील : षट्टिया जिला : उज्जैन राज्य : (मध्य-प्रदेश)

	·	अनुसूची 
 সন্তু _০	खनरा	उपयोग अधिकार अर्जन
<b>3</b> 0	न .	का क्षेत्र (हैक्टर्स में
1.	47	0.470
2.	46	0.031
3.	170	0.021
4.	114	0.073
5.	54/2	0.512
6.	36	0.271
7.	57	0.073
8.	35	0, 282
9.	56	0.031
10-	<b>6</b> 1	0.167
11.	113	0.167
12.	6.2	0.157
13	63	0.073
14.	66	0.087
15.	67	0,157
16.	68	0.105
1 <b>7</b> .	69	0.314
18.	108	0.021
19.	107	0.491
20.	115	0.157
21 ;	118	0.105
22.	116	0.105
23.	122	0.073
24.	117	0.021
25.	31	0.721
26.	111	0.086
27-	121	0.010
28.	60	0.031
	ल क्षेत्रपल :	4.812

[सं ॰ O-14016/499/84-जी पी] एम ०एस० श्रीनिकासन्, स्वास्तिव

S.O. 3400.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 49 dated 5-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification, for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquired the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all co. umbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village: Khopariya Tehsil: Ghatiya Distt.: Ujain

#### **SCHEDULE**

S.No.	Survey No.	Area to be Acquired
		for R.O.U. in Hectare
1.	47	0 470
î.	46	0.0^1
3.	120	0.0~1
4.	114	0.073
5.	54/2	0.512
6.	36	0.271
7.	57	0.073
8.	· 35	0.283
9.	56	0.031
10.	61	0.167
11.	113	0 167
12.	62	0 157
13.	63	0.073
14.	66	0.037
15.	67	0.157
16.	68	0.105
17.	69	0.314
18.	108	0.0~1
19.	107	0.491
20.	115	0.157
21.	118	0.105
າວ.	116	0.105
23.	1:2	0.073
24.	117	0.0^1
25.	31	0.731
26.	111	0.086
27.	121	0.010
28.	60	0.031
	Total Area	4.812

[No. 14016/499.84—GP] M. S. SRINIVASAN, Dy. Secy. 😼

## MINISTRY OF STEEL MINES AND COAL

(Department of Coal)

New Defini, the 3rd July, 1985

## CORRIGENDUM

S.O. 3401.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal), No. S.O. 3566 dated the 30th August, 1983, published in the Gazette of India dated the 17th September, 1983, Part II. Section 3, Sub-section (ii), at page 3651, issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands described in the Schedule appended to that notification;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Central Government that certain errors of printing nature have occurred in the publication of the said notification in the Gazette;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 7 of the said Act and of all other powers enabling it in this behalf, the Central Government

hereby amends the Schedule appended to the said notal, ation-us tollows:-

At page 3651,

- In line 50 for "2520, 2424 and 3201" read 18520, 2524 and 3201"
- in line 55 for "1910, 1941, 1953, 1956, 1957, 1959, 1969, 1960, 1972" read "1910, 1931, 1956, 1957, 1959, 1960, 1972"
- in line 56 for "2021 20-2, 2021" read "1921, 2022, 2021" in line 59 for "Churu Nadi" read "Churu Nadi."

Any person interested in any land in respect of which the above amendment has issued, may within thirty days of the issue of this notification, object to the acquisition of the whole or any part of the said land, or any right in any of such land in terms of sub-section (1) of section 8 ct the said Act.

[No. 19/7/83-CL/CA]

#### CORRIGENDUM

S.O. 3402.—Whereas, by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 846 dated the 2nd March, 1984, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), at pages 722 and 723, issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands described in the Schedule appended to that notification;

And whereas, it has been brought to the notice of the Central Government that certain errors of printing nature have occurred in the publication of the said notification in the Gazette:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 7 of the said Act and of all other nowers enabling it in this behalf, the Central Government hereby amends the Schedule appended to the said notification as follows:—

At page 723 in column 2, in line 4, for "218" read "212".

Any person interested in any land in respect of which the above amendment has been i sued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the said land or any right in any of such land in terms of sub-section (1) of section 8 of the said Act.

[F. No. 19/39/83-CI/CA]

# इस्पात खान और कोयला मंत्रालय

(बोण्ला विशाग)

नई दिल्लं . ८ जुलाई, 1985

का. आ. 3403.-- लेर्न्स य गरकार सरकारे स्थान (अप्रशिक्त अधियोगियों की बेदलली) अधिनियम. 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करने हुए और भारत सरकार ने िर्घण और आवास मंत्रालय की अधिसूचना सं.का आ. 2699 तारी कि 26 मि एक्टर 1972 को उन बानों के सिवाय जिल्हें ऐंगे अधिकमण से पहले किया गया है या करने का लोग किया गया है, अधिकाल करते हुए ने के स्वार्थ (1) में विणित अधिकारियों को जो सरकार के राज्यद्वित अधिकारियों को ने सरकार के राज्यद्वित अधिकारियों के लंकित के समतुल्य अधिकार हैं, उन्हां अधिनियम है प्रयोग के लिए सम्पदा अधिकार नियंत्रत करते हैं, जो उन्नत मारणी रहें। (2) में

र्भि १८७ ए एए। ए स्थानी के वाबत अपने अधिकारिता के स्थान । स मार्ग । १ तर उक्त अधिनियम हारा या उनके अधंन सम्पदा ्रिः 👯 । का प्रदार अशितया का प्रयोग करेंगे छौर उन पर अधिरोपित कर्तव्यों क राज्य वेसी ।

The second of th

#### स्रारण

सरकार स्थानों के प्रवर्ग अधिकार का पदनाम _____ प्रवरण्ड (प्राप्ता). भारत कोशिंग कोल, निमिटेड धनवाद । ग्रौर से पटटे पर लिए गण स्थान।

उपायंक्षक (सप्पदा). भारत कोविंग कील जिमिटेड धनगाद क्षेत्र ग कामिक पर्यं अक, क्षेत्रमं. 1 (बरोग लेख) मारत को कि। की वि'पटैंड **ान**काद

जैल प्रवंपक (योजना) अंव स । (बरोरा क्षेत्र). भारत कोजिन कोल नि धनताय । क्षेत्रं न कार्निक प्रबंधक क्षेत्र सं. 21 (महदा क्षेत्र) भार कोजिंग कोल विमिटेड भ्रमहास् । क्षेत्र नंब उक्त गोजना क्षेत्र मं. 2 (महुदा क्षेत्र) भारत कोकिंग कोन लि धनगार्। क्षेत्र व कार्तिक प्रयंधक, क्षेत्र सं 3 (गोविंदपुर क्षेत्र). भारत कोशिंग कोल लिमिटेट वनस्य

श्रेत प्रबंधक योजना क्षेत्र मं, ३ (गोविद एर शेव) भारत कोतिन कील निमिटेड शुनवार । क्षेत्र व कार्निक प्रत्रंबकः क्षेत्र म. । (राज्याम क्षेत्र), शास्त्र कोडिंग कोच ति. धनाः ।

क्षेत्र प्रचंत्रक (प्रोजना). क्षेत्र मं 4 (व । राम क्षेत्र), सारत कीकिए कील लि., धन्य १

विद्वार स्रौर पण्चिम बंगाल राज्यों में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड मगान या उसके द्वारा या त्यकी

विशार राज्य में वें. संः. संः. एल. के क्षेत्र सं 2 (महवा-क्षेत्र) के स्थान या उसके द्वारा 'या उसकी 'स्रोर से पटटे पर लिए गए स्थान।

-- गथोक्त ---

विहार राज्य में बे.सी.सी.एल. के क्षेत्र सं 3 (गोविन्दपुर-क्षेत्र) जीर ब्लाक क्षेत्र के स्थान पर उसके द्वारा या उसके और से पट्टेपर लिए गए स्थान

बिहार राज्य में .से .से एल ब के क्षेत्र मं. 1 (बरोरा क्षेत्र) के स्थान पर उसके द्वारा या उसकी ओर में पट्टे पर लिए गत म्थान ।

विदार राज्यं में वः.सं.मं.एकः के क्षेत्र सं. ७ (मुसुन्दा क्षेत्र) के स्थान पर उसके द्वारा या उसक स्रोर से पट्टे पर लिए गए स्थान।

क्षोत्य नामिक प्रबंधक, क्षेव सं 5 (मिज्जा क्षेत्र) भारत कोकिंग कील लि. धनवाद

क्षेत्र प्रबंधक (योजना), क्षेत्र सं. 5 (सिज्ञा क्षेत्र). भारत कोकिंग होन लि. धनवाद

क्षेत्र य कार्मिक प्रबंधक, क्षेत्र मं. ६ (कुगुन्दा क्षेत्र), भारत कोकिंग कोल लि. धनवाद

क्षेत्र प्रबंधक (योजना), क्षेत्र मं. 6 (कुम्ना क्षेत्र), भारत कोकिंग कोल लि.. धनबाद. क्षेत्र य कार्मिक, प्रयंधक, क्षेत्र सं. 7 (भागवन्द जेव), भारत कोकिंग कोल ति धनवाद

क्षेत्र प्रबंधक (योजना). क्षेत्र मं, ७ (सागबत्द भेद) भारत कोकिंग कोत लि. धनबाद क्षेत्र य कार्मिक, प्रबंधक, क्षेत्र मं 8 (कुमूर क्षेत्र), भारत कोकिय कोल लि.

क्षेत्र प्रज्ञधक (योजना), क्षेत्र मं. ८ (कस्तूर क्षेत्र) भारत को किंग कोल लि. धनवाद .

धनबाद

क्षेत्र व कार्मिक प्रवत्रक, क्षेत्र सं. 9 (वस्ता कन्नां). धारत कोकिंग कोल लि - धनवाद

धोत्र प्रवधक (योजना). क्षेत्र स 9 (बस्ता कन्त्रा क्षेत्र), भारत कांकिंग कोल लि...

विहार राज्य में बी.सं.म .एल के क्षेत्र सं. 7 (भागवन्द क्षेत्र) ग्रौर पुनकं बलिहार परियोजन के स्थान या उसके द्वारा या उसकी ग्रोर से पटटे पर लिए गए स्थान।

बिहार राज्य में ब..सं.सं एल. के क्षेत्र मं. 4 (कटराम क्षेत्र) के स्थान या उसक द्वारा या उसक ओर में पट्टेपर लिए गण स्थान।

विहार राज्य मे वे .सं .सः . एल. के क्षेत्र मं 5 (मिजआ-क्षेत्र) के स्थान या उसके द्वारा या उसक शोर ने पट्टे पर तिए गए स्थान।

बिहार राज्य में वःस सः एल. के स्थान या उसके द्वारा या उसकी स्रोर से पटटे पर लिए गए स्थान।

विहार राज्य के व .स .स . एल. के क्षेत्र सं. 11 (भवरा-क्षेत्र) और युदामडह क्षेत्र के स्थान पर उसके द्वारा या उमक, ओर से पट्टे पर लिए गए स्थान ।

क्षेत्र य कार्मिक प्रबंधक क्षेत्र सं. 10 (भोदमा क्षेत्र), भारत कोकिंग कोल लि , धमबाद बिहार राज्य में बं.सा.सा. एल. के क्षेत्र मंठ १ (बस्ता कोल्ला श्रेत्र ग्रीर रण्ज्यामं प्रभाग के स्थान या उसके द्वारा या उसकी (ग्रीर से पट्टे पर लिए गए स्थान।

क्षेत्र प्रश्चेत्रक (योजना), क्षेत्र मं. 10 (लोदना क्षेत्र), मारत कोकिय कोल लि. धनबाद

क्षेत्रं य कामिक प्रबंधक क्षेत्रं सं. 11 (सवरा क्षेत्र), भारत कोकिंग कील लि. धमवाद बिहार राज्य में बो.सं.मं. एल. के क्षेत्र मं. 8 (कुन्तुर क्षेत्र) भीर मालगौर परियोजना के स्थान या उसके द्वारा या उसके भीर से पट्टें पर लिए गए स्थान ।

क्षेत्र प्रबंधक (योजना). श्रीम सं. 11 (भवरा), भारत कोकिंग कोल लि., सन्वाद

क्षेत्रं य कासिक प्रबंधक, क्षेत्रं सं. 12 (चांचित्रक्टोरिया), भारत कोकिंग कोल लि., भांच विक्टोरिया बिहार भीर पश्चिम बंगाल राज्यों में बा.सा.सां.एख. के क्षेत्र मं. 12 (जीजविक्टो-रिया क्षेत्र) के स्थान या उसके द्वारा या उसको भीर से पट्टे प्रतिमृगिए

क्षेत्र प्रबंधक (योजना), क्षेत्र सं. 12 (चांचिषक्टोरिया), भारत कोल कोकिंग लि. चांचिषक्टोरिया

समय सिष्ठ, अवर सचिव

Area).

Limited.

Dhanbad

Bharat Coking Coal

# MINISTRY OF STEEL, MINES & COAL

(Department of Coal)

New Delhi, the 8th July, 1985

S. O. 3403:—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing No. S.O. 2684, dated the 25th September, 1972, except as respects things done or omitted to be cone before supersession, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (i) of the Table below, being officers equivalent to the rank of Gazetted officers of the Government to be estate officers for the purposes of the said Act who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the estate officers, by or under the said Act,

within the local limits to their respective jurisdictions in respect of the public premises specified in column (2) of the said table.

## THE TABLE

THE	TABLE
Designation of the Officer	Categories of public premises
(1)	(2)
Manager (Estate), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of the Bhara Coking Coal Limited in the States of Bibar and West Bengal.
Dy. Manager (Estate), Brarat Coking Coal Limited, Dhanbad	—do—
Area Personnel Manager Area No. 1(Barora Area), Bharat Coking Co Ltd. Dhanbad Area Manager (Planning) Area No. 1 (Barora Are Bharat Coking Coal Limited,	
Dhanbad Area Personnel Manager, Area No. 2 (Mahuda Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad	Premises belonging to on taken on lease by or on behalf of Area No. 3 (Govindpur Area) and Block-II Area of BCCL in the State of Bihar.
Area Manager (Planning Area No. 2 (Mahuda	
Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad	
Area Personnel Manager, Area No. 3 (Govindpur Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad.	Premises belonging to o taken on lease by or or behalf of Area No. 1 (Barora Area) of BCCL in the State of Bihar.
Area Manager (Planning) Area No. 3 (Govindpur	•

1 Area Personnel Manager Area No. 4 (Katias Area), Bharat Coking Coal Ltd., Premises belonging to or Dhanbad taken on lease by or on Area Manager (Planning) behalf of Area No. 6 Area No. 4 (Kusunda Area) of (Katras Area), BCCL in the State of Bharat Coking Coal Bihar. Limited. Dr anbad Area Personnel Manager, Area No. 5 (Sijua Area), Premises belonging to or Bharat Coking Coal taken on lease by or on Limited. behalf of Area No. 7 Dhanbad (Bhagaband Area) and Area Manager (Planning) Putki-Balihari Project Area No. 5 (Sijua Area), of BCCL in the State of Bharat Coking Coal Bihar. Limited, Dhanbad Area Personnel Manager, Area No. 6 (Kusunda Area), Bharat Coking Coal Premises belonging to or Limited. taken on lease by or on Dhanbad behalf of Area No. 4 Area Manager(Planning). (Katras Area) of BCCL Area No. 6(Kusunda) in the State of Bibar. Area), Bharat Coking Coal Limited. Dhanbad Area Personnel Magager, Area No. 7 (Bhagaband Premises belonging to or Are taken on lease by or on Bharat Coking Coal behalf of Area No. 5 Limited, (Sijua Area) of BCCL Dhanbad in the State of Bihar. Area Manager (Planning) Area No. 7 (Bhagaband Area). Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad Area Personnel Manager Area No. 8 (Kustore Area), t Coking Coal Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Area No. 10 Dhanbad (Lodna Area) of BCCL in the State of Bihar. Area Manager (Planning), Area No. 8 (Kustore Area),

Bharat Coking Coal

Limited.

Dhanbad 458 GI/85—17

2 Area Personnel Manager, Area No. 9 (Bastacolla) Premises belonging to or Bharat Coking Coal taken on lease by or on behalf of Area No. 11 Limited. Dranbad. (Bhowra Area) and Sudamain Area of BCCL in the State of Bihar. Area Manager (Planning) Area No. 9 (Bastacolla Area). Bharat Coking Limited. Dhanbad. Area Personnel Manager, Premises belonging to or Area No. 10 taken on lease by or on behalf of Area No. 9 (Lodna Area). Bharat Coking Coal (Bastacolla Area) and Ropeways Division of Limited. Dhanbad. BCCL in the State of Bihar. Area Manager (Planning), Area No. 10. (Lodna Area), Bharat Coking Coal Limited. Dhanbad. Area Personnel Manager, Premises belonging to or taken on lease by or Area No. 11, on behalf of Area No. 8 (Bhowra Area), (Kustore Area) and Bharat Coking Coal Ltd., of Bhalgora Project Dhanbad. BCCL in the State of Bihar. Area Manager (Planning) Area No. 11 (Bhowra Area), Bl arat Coking Coal Ltd., Dhanbad Area Personnel Manager, Premises belonging to or Area No. 12, taken on lease by or (Chanch Victoria), on behalf of Area No. 12 Bharat Coking Coal Ltd., (Chanch Victoria Area) of Chanch Victoria. BCCL in the States of Birar and West Bengal. Area Manager (Planning),

Area No. 12,

(Chanch Victoria),

Chanch Vctoria.

Bharat Coking Coal Ltd.

[No. 29/2/82-CL/CA] SAMAY SINGH, Under Secy.

# स्वास्थ्य कीर परिकार कल्याण मंत्रालय

# नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1985

का. आ. 3404 :-- भारतीय विकित्सा केन्द्रीय परिषद अधिनियम 1970 (1970 का 48) को घारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवस पास्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद से परामणे करने के पश्चात, एतवद्वारा उक्त अधितियम के दूसरी अनुसूची में निम्नलिखित मीर संशोधन करती है, अर्थात् :--

# अनुसूचा के भाग~2 में .---

(1) "महाराष्ट्र" शेर्धे के मंतर्गेत ऋम संख्या 11 क तथा उसमे संबंधित प्रविष्टियों के बार निम्नलिखित कम संख्या तथा प्रविष्टियो स्वीजाएं :

"11च"बस्बई विश्व-कामिल-ए-तिब्ब-भो.-को. मृ. 1984 से विद्यालय, बम्बई अराहत (बैंबलर झाफ एम. एस. धागे" यूनानां मेडिसिन एण्ड सर्जरः)

(ii) "राजस्थान" मार्च के धन्तर्गत कम संख्या 20 भीर इससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निस्तिखित कम संख्या तथा प्रविष्टियां रखी जाएं, नामसः

1

2 " 20क" भारतीय कामिल-ए-तिब्ब-मो . -¥Î. ₹. चिकित्सा बोर्ब, राज-जराहत (बैचलर झाफ एस. एस. स्थान, जयपुर यूनानः मेडिसिन एण्ड सर्वरं )

> [सं. वः. 26015/1/84-ए.ई.] हर्सः व महमद, भवर समिव

नोहः :-- भारतः य चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् मधिनियम, 1970 (1970 का 48) का दूसर भनुसूची बाद में संगोधित की गई देखिए:--

- ा. का. भा. संख्या 4068 विमांक 30 मधम्बर, 1979.
- 2. का. भा. संबंधा 2635 दिनांक 18 सितम्बर, 1980
- का. मा. संख्या 2313 विनांक 20 मगस्स, 1981
- का. मा, सख्या 2314 विसंक 22 भगस्त, 1981
- 5 का. मा. संख्या 137 दिलांक 24 दिसम्बर, 1981
- 6. का. घा. संख्यां 638 दिनांक 25 जनवरा, 1982
- का. मा. संख्या 661 विनोक 2 फरवरी, 1982
- 8. का. आ. संख्या 973 विमांक 20 फरवरें, 1982
- 9. का. ग्रा. संख्या 354 (ई) विनोक 6 मई, 1983
- 10. का. था. संख्या 3550 दिनांक 5 सितम्बर, 1983
- का. का. संख्या 804 (ई.) विनोक 11 नवस्वर, 1983
- कां, मा. संख्या 462 (ई.) विनांक 23 जून, 1984

# MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE New Dolbi, the 5th July, 1985

S.O.3404 ;—In exercise of the powers conferre! by sub-section (2) of section 14 of the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Government, after consulting the Central Council of Indian Medicine, here by makes the following further amendments in the Second Schedule to the said Act, namely :-

In Part II of the said Schedule :--

1

1

(i) under the heading "Maharashtra", after scrial Number 11A and the entries relating thereto. the following Serial Number and entries shal be inserted, namely :-

"11B. University Kamile-Tibo B.U. From of Bombay, Jarahat (Bachelor M.S. 1984 of Unani Bombay. onwards" Medicine and Surgery).

2

3

4

(ii) under the heading "Rajasthan", after Serial Number 20 and the entries relating thereto. the following Serial Number and entries shall be inserted, namely :---

"20A. Board of Kamile-Tibo B.U. From Indian Medicine, Jarahat M.S. 1981 on Rajasthan, (Bachelor of wards". Unani Medicine Jaipur. and Surgery).

> [No. V-26015/1/84-AE] HASIB AHMAD, Under Secy.

3

4

Note:-The Second Schedule to the Indian Med cine Central Council Act, 1970 (48 of 1970) has been subsequently amended vide :--

- 1. S.O. No. 4068, dated the 30th November, 1979.
- 2. S.O. No. 2635, dated the 18th September, 1980.
- 3. S.O. No. 2313, dated the 20th August, 1981.
- 4. S.O. No. 2314, dated the 22nd August, 1981.
- 5. S.O. No. 137, dated the 24th December, 1981.
- 6. S.O. No. 638, dated the 25th January, 1982.
- 7. S.O. No. 661, dated the 2nd February,
- 8. S.O. No. 973, dated the 20th February, 1982.

- 9. S.O. No 354(E), dated the 6th May 1983.
- 10. S.O. No. 3550, dated 1 o 5th September, 1983.
- 11. S.O. No. 804(E), date . 11th November, 1983.
- 12. S.O. No. 462(E), dated the 23rd June, 1984.

# कषि और ग्रामीण विकास मंद्रालय

# (ग्रामीण विकास विभाग)

नई दिल्ली, 26 जून, 1985

का. अं. 3405.—इलायको श्रेणीकरण और विक्हांकन नियम 1962 का और संगोधन करने के लिए निवमों का निम्नलिकित प्राष्ट जिसे के लीए स्वाप्त करने के लिए निवमों का निम्नलिकित प्राष्ट जिसे के लीए सरकार इचि उपज (श्रेणीकरण और किस्हांकन) अधिनियम 1937 (1937 का 1) भी आरा 3 द्वारा प्रवत्त शिक्सों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त आरा की श्र्पेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारों के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना है। इसके द्वारा यह सूचना दो जाती है की उक्त प्राष्ट्र नियमों पर उस तारीक से जिस की भारत के उस राजपक कि प्रतियां जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की गई है जनता को उपलब्ध कराई जाती है 45 दिन के प्रकार विचार किया जाएगा।

ऐसे किन्ही आक्षेपों या सुझावों पर जो इस प्रकार विनिर्विष्ट अवधि की समाप्ति से पहले उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त ोंगें केट्यीय सरकार विचार करेगी।

#### प्राप्तप नियम

- इन नियमों का संकिष्त नाम इलायका श्रेणीकरण भौर चिन्हांकत (संशोधन) नियम, 1985 है।
  - इलायची श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम 1962 में ---
  - (क) नियम 7 के उपनियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित पंतुक्त अंतःस्यापित किया जाएगा अर्थात् :--

## यवि

"परन्तु माँव ऐसे पैकेजों में प्रति पैकेज 2 कि.मा. या 2 कि. मा. से कम इलायची है तो उन पर एगमार्क लेबल या उनकी प्रतिकृति होना आवश्यक नहीं है।"

- टिप्पण:--- 1. सूल नियम भारत के राजपन्न भाग 2 खण्ड 3 उप-खण्ड (ii) तारीख 12-5-1962 में पृष्ट 1685 से 1692 पर का. आ. 1410 हारा प्रकाशित किए गए थे।
  - 2. पहना संशोधन भारत के राजपन भाग 2 खाण्ड 3, उप-खण्ड (ii) तारोखा 31-8-1963 में पृष्ट 2878 से 2883 पर का. आ. 2467 द्वारा प्रकाशित किया गया था।
  - 3. बूसरा संगोधन भारत के राजपन्न भाग 2 छाउँ । उप-खण्ड (ii) ताराय 16-8-1969 में पूष्ठ 3461 से 3463 पर का.आ. 3246 हारा प्रकाशित निया गया था।

[संख्या 10-व/83-एस अहर | बी. के. बजाज, अधर सचिय

# MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT

(Department of Rural Development)

New Deshi, the 26th June, 1985

S.O. 3405.—The following draft rules, further to amend the Cardamom Grading and Marking Rules, 1962 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) are hereby published as required by the said section for information of, all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft rules shall be taken into consideration after 45 days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public.

Any objections or suggestions received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified, will be considered by the Central Government.

## DRAFT RULES

- 1. These rules may be called the Cardamom Grading and Marking (Amendment) Rules, 1985.
- 2. In the Cardamom Grading and Marking Rules 1962.—
  (a) in rule 7, after sub-rule (3), the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided that when such packages contain 2 kg. or less than 2 kg. of cardamom per package, they may not bear Agmark labels or replica thereof".

### NOTE:

- 1. The principal rules published vide S.O. 1410 on pages 1685 to 1692 in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated 12-5-1962.
- 2. First amendment published vide S.O. 2467 on pages 2878 to 2883 in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated 31-8-1963.
- 3. Second amendment published vide S.O. 3246 on pages 3461 to 3463 in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated 16-8-1969.

[No. 10-4/83-M.I] B. K. BAJAJ, Under Secy.

# मौबहुन और प्ररिवहन संजालक

(परिवहन पदा)

मर्द दिल्ली, 2 जुलाई, 1985

कां. आं.3406.—केन्द्रीय सरकार गोवं। अभिक (रोजगार का विनियम ) नियमावली 1962 के नियम 4 के उप नियम (1) के दितीय परन्तुक के पाच पठिस गोवी अभिक (रोजगार का विनियमन) अधिनियम 1948 (1948 का 9) के खंड 5क के उपखंड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री ए जो. चिरपुटकर को कैप्टन एम. ए. तम्हाणे के स्थान पर मुरगांव गोदी अभिक बोर्ड का सबस्य नियुक्त करती है और उस उद्देश्य के लिए भारत सरकार नौबहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) को दिनांक 10 अगस्त, 1982 की अधिसुकना संख्या का आ. 2969 में संशोधन करती है अर्थात्:

उक्त अधिमूचना में "गोदी अभिक्ष और नौबहुन कंपनियों के नियोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले सक्स्यों" गोर्चक के अंतर्गत मच सं. 3 की प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की आएगी अर्थात् "श्री ए.वी. धिरपुटकर"।

टिप्पणी : मूल अधिसूचना सरकारी अधिसूचना नौबहम और परिवहन मंत्रालय संख्या का.आ. 2060 दिनाक 10-8-1982 द्वारा भारत के राजपक्ष के भाग II आंड 3 उपखंड (ii) दिनांक 21-8-1982 पृष्ठ संख्या 3006-7 पर प्रकाशित हुई थों और इसमें बाद में निम्नलिखित अधिसूचना द्वारा संशोधन किया गया था:

- (i) भारत के राजपक्ष के भाग (II) खंड 3 उपखंड (ii) के पृष्ठ 3237 पर प्रकाणित 10-10-84 की सरकारी अधि-सूचना सं. का. आ. 3489
- (ii) भारत के राजपक्ष के भाग II खंड 3 उपबंड (ii) में पृष्ठ 3267 पर प्रकाशित विनांक 16-10-1984 की सरकारी अधिसूचना सं. का. आ. 3579
- (iii) भारत के राजपक्ष के भाग II खंड 3 उपखंड (ii) में पूष्ठ 2305 पर प्रकाशित विनाम 20-4-1985 की सरकारी अधि-सूचना संख्या का. आ. 1914

[फा. सं. एल. डी. जी./θ/84-यू.एस. (एल.)] सुदेश कुमार, अवर सचिव

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT ;

## (Transport Wing)

## New Delhi, the 2nd July, 1985

S.O. 3406.—In exercise of the powers conferred by subsection (3) of section 5A of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), read with the second proviso to sub-rule (1) of rule 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Rules, 1962, the Central Government hereby appoints Shri A. V. Chirputkar as a member of the Mormugao Dock Labour Board vice Captain N. A. Tamhane, and for that purpose amends the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing), No. S.O. 2969, dated the 10th August, 1982, namely:—

In the said notification, under the heading "Members representing the empolyers of Dock Workers and Shipping Companies" for the entry against item No. (3), the following entry shall be substituted namely:—

## "(3) Shri A. V. Chirputkar"

NOTE:—The principal Notification was published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated 21-8-1982 at pages 3006-7 vide Govt. notification, Ministry of Shipping and Transport, No. S.O. 2969 dated 10-8-1982 and was subsequently amended by :—

- Government notification No. S.O. 3489 dated 10-10-84 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) at page 3237;
- (ii) Government notification No. S.O. 3579 dated 16-10-1984 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) at page 3237;
- (ili) Government notification No. S.O. 1914 dated 20-4-1985 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) at page 2305.

[F. No. LDG/6/84-US(L)] SUDESH KUMAR, Under Secy.

## नदि विल्ली, 5 जुलाई, 1985

का० आ 3407: — केन्द्रीय सरकार बीपणर अधिनियम 1927 (1927 क. 17) की धारा 2 की खंड (ग) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के प्रयोजनीय निकालिक दीपणरों की सामाध्य वीपणर षोषित करती है क्या:-

- 1 कासरगोढ दीपवर।
- 2 मछलीपटणम दीपधर।
- 3 पिगमेलियन पाइंट स्थित राडार ट्रास्पोंडर बीकन ।
- कीर्टिंग पाइंट स्थित राष्ट्रार ट्रांस्पोइर बीकन ।
- 5 मुहालीपार स्थित राहार दुरियाहर बीकन।
- 6 मिनिकाय स्थित राष्ट्रार दांस्पोंबर बीकन ।
- 7 अंद्रमान जलबन्स 48यपूर्वी प्रवेश स्थित वीपचर -

[फा॰ सं॰ 1-डी( ६)/84-एस एफ एस] डी. डी. सद, अबर सचिव

## New Delhi, the 5th July, 1985

S.O. 3407.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of Section 2 of the Lighthouse Act, 1927 (17 of 1927), the Central Government hereby declares the following lighthouses to be general lighthouses for the purposes of the said Act, namely:—

- 1. Kasargad Lighthouse.
- 2. Machilipatnam Lighthouse.
- 3. Radar Transponder Beacon at Pymalion Point.
- 4. Radar Transponder Beacon at Keating Point.
- 5. RadarTransponder Beacon at Suhelipar.
- 6. Radar Transponder Beacon at Minicoy.
- 7. Lighthouse at Andaman Strait Eastern Entrance.

[No. 1-D(6)/84-SFS]

D. D. SOOD, Under Secy.

# पर्यटन भीर नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली; दिमांक 13 जुलाई, 1985

का. अ. 3.408.—:यसः 23 जूम, 1985 के, चारत में पंजीकृत एयर इंडिया बोइंग 747—237 की विमान की टी--ई एफ को, मोद्रियाल (कृतांबा) से उद्योग संख्याए आई -182 का प्राचालन करते हुए एटलांटिक महासागर म गिर कर दुर्बेटना प्रस्त हो गया, जिसके परिणामस्वरुप विमान पर सवार 329 व्यक्तियों (22 कर्मीवल सवस्यों सहित) की मृत्यु हो गई।

यतः केन्द्रीय सरकार का बह मत है कि संबंधित धुर्वेटना परि-स्थियों की जीपकारिक जांब करवानी समीचीन होगी;

यतः, जब वायुवान अधिनियम, 1937 के नियम 75 द्वारा प्रदस्त शक्तियों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एसद्वारा यह निवेस देती हैं कि संबंधित दुर्घटमा की औपचारिक आंच की जाए।

केन्द्रीय संरकार विस्ती उच्च स्यायालय के न्यायमृति श्री बी. एन. कुपाल स्यायाधीश को जिन्हें आगै "न्यायाध्य" कहा जाएगा उक्त जाच के लिए नियुक्त करती है।

केन्द्रीय सरकार निम्नलिखिल को भी उक्त आंख में निर्धारक के रूप में नियुक्त करती है:--

- हा० वी० रामाचम्द्रम, राष्ट्रीय वैमानिक प्रयोगशाला, वंगलीर ।
- श्री जे०एस० धरिया, , जिस्कोटक अनुसंधान भीर विकास प्रयोगशाला, पुणे।
- 3. कैंग्टन जै० एस० शिल्लो, विसानचालक भीर प्रचालन निदेशक, एयर इंडिया (सेवा निवृत्त) द्वारा प्रवश्ध निवेशक, एयर इंडिया, बस्बई ।
- 4. श्री जे० क० मेहरा, प्रबरधक (तकनीकी अशिक्षण), केन्द्रीय प्रशिक्षण स्थापना, इंडियन एयरलाइन्स (सेवा-निवृत्त), द्वारा प्रबंध निवेशक, इंडियन एयरलाइन्स, मई दिल्ली।
- 5. कैंप्टन बी०के० भ्रसीन, "उप प्रबन्धक निवेशक भीर निवेशक, उड़ान सुरक्षा, इंडियन एयर लाइन्स नई विल्ली । व्यायालय अपनी जांच पूरी करके अपनी रिपोर्ट 31 दिसम्बर, 1985 सक केन्द्रीय सरकार को पेश करेगा । व्यायालय का मुख्यालय नई विल्ली में होगा ।

[एफ ॰ सं ॰ ए ॰ वी ॰ 15013/10/85-ए] 'सुरेन्द्र सिंह, संयुक्त सचिव

# MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th July, 1985

S.O. 3408.—Whereas on 23rd June, 1985, an Air India Boeing 747-2378 aircraft VT-EFO, an aircraft registered in India, while operating flight number AI-182 from Montreal (Canada), crashed into the Atlantic Ocean resulting in the death of 329 persons (including 22 crew members) on board;

And whereas it appears to the Central Government that it is expedient to hold a formal investigation into the circumstances of the said accident;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 75 of the Aircraft Rules, 1937, the Central Government hereby directs that a formal investigation of the said accident be held.

The Central Government is further pleased to appoint Shri Justice B. N. Kirpal, Judge of the Delhi High Court (hereinafter referred to as "the Court") to hold the said investigation.

The Central Government is also pleased to appoint:

 Dr. V. Ramachandran, National Aeronautical Laboratory, Bangalore.

- (2) Shri J. S. Gharia, Explosive Research and Development Laboratory, Pune.
- (3) Capt. J. S. Dhillon,
  Pilot and Director of Operations, Air India
  (Retd.)
  C|o Managing Director, Air India,
  Bombay.
- (4) Shri J. K. Mehra, Manager (Technical Training), Central Training Establishment, Indian Airlines (Retd.), C o Managing Director, Indian Airlines, New Delhi.
- (5) Capt. B. K. Bhasin, Dy. Managing Director and Director, Flight Safety, Indian Airlines, New Delhi,

to act as assessors to the said investigation.

The Court will complete its inquiry and make its report to the Central Government by 31st December, 1985.

The headquarters of the Court will be at New Delhi.

[F. No. Av. 15013|10|85-A] SUURENDRA SINGH, Jt. Secy.

# संचार मंत्रालय

(बाक सार बोर्ड)

नई विस्स्ती, 4 जुलाई, 1985

का० आ० 3409 — स्थायी शवेश संख्या 627 दिमीक 8 मार्च, 1960 द्वारा लाग किये गये भारतीय लार नियम 1951 के नियम 434 के आप्ड III के पैरा (क) के अनुसार काक-तार महानिर्देशक ने सार्वतवादि टेलीफीन केम्द्र में दिनांक 16-8-85 से प्रमाणित दर प्रणाली लाग करने का निश्वय किया है।

[संख्या 5-10/85-पी ज्या किया विकास वी अप सिंह, सहायक महानिवेणक

# MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P&T Board)

New Delhi, the 4th February, 1985

S.O. 3409.—In exercise of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs hereby specified 16-8-1985 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Sawantwadi Telephone Exchange Mahararahtra Circle.

[No. 5-10/85-PHB]

B. R. SINGH, Asstt. Directo, General (PHB)

## श्रम मंत्रालय

## नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1995

का. आ. 3440.--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 मा 14) की धारा 17 के अनुसरण में केल्यीय सरकार पंजाब नेगनल बैंक के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अन्बंध में निर्विष्ट भीशोशिक विवाद में केन्द्राय सरकार मोद्योगिक अधि-भरण के पंचाट मुद्धिपत को प्रकाशित करना है।

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 4th July, 1985

S.O. 3410.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Corrigendum Award of the Central Government Industrial Tribunal Chandigarh as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank, and their workmen.

#### CORRIGENDUM

Dated the 6th of June, 1985

BEFORE SHRI I. P. VASISHTH, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRBUNAL, CHANDIGARH

Case No. I.D. 138/83

#### PARTIES:

Employers in relation to the Management of Punjab National Bank,

AND

Their workmen.

# APPEARANCES:

For the Employers-Shri Malvinder Singh.

For the Workmen-Shri V. S. Malhi.

INDUSTRY: Banking

STATE : Punjab

Sub.: -- Award dated 10th of April, 1985 in LD, No. 138[83] per Reference Order No. L-12012/26/83/D.II(A) dated the 9th of May, 1983 read with corrigendums dated 9th of June, 1983 and 28th of February, 1984.

On the recorded request of the parties the following clerical mistake is rectified in para No. 22 of the relevant Award.

"At serial No. 3 instead of Davinder Pal Singh the name of Nirmal Singh be substituted and read as such."

> I. P. VASISHTH, Presiding Officer [No. L-12012]26]82-D.II(A)|D.IV(A)]

## नर्फ विल्ली, 5 जुलार्फ, 1985

का. अ. 34 ा.-- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनसरण में, केन्द्रीय सरकार, न्यू इण्डिया एशोरेंस कं. कि. के प्रबंधनंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीफ. अनुबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधि-करण, बैंगलीर के पंचाट की प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार की 26 जून, 1985 की प्राप्त हुआ था।

## New Delhi, the 5th July, 1985

S.O. 3411.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Common Award of the Industrial Tribunal, Bangalore, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of New India Assurance Co. Ltd., Bangalore and their workmen, which was received by the Central Covernment on the 26th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL IN KARNATAKA, BANGALORE

Dated this the 15th day of June. 1985

PRESENT: Presding Officer

Sri R. Ramakrishna B.A., B.L.,

(1) Central Reference No. 5 of 1985

I PARTY

PARY

 $V_{S}$ .

Sri Annamalai. C/o The Joint Secretary, New India Assurance Co. The Regional Manager. New India Assurance

Co. Ltd.,

Ltd. Southern Region Unity Building Annexe, Mission Road.

Employees Association. Unity Building Annexure, Bangalore.-27.

Mission Road.

Bangalore-27.

G.O. No. L-17012/47/84/D-IV. A dt. 6-3-1985

Central Reference No. 6 of 1985.

Sri K.R. Ravi.

Vs. -Do-

C/o. -do-

G.O. No. L-17012/53/84/D-IV. A dt. 6-3-1985

(3) Central Reference No. 7 of 1985.

Sri Malikarjunaiab,  $V_{S}$ . -Do-

C/o -da-

- G.O. No. L-17012/48/84-D-TV. A d.t. 6-3-1985
- (4) Central Reference No. 8 of 1985.

Sri Kempaiah,

Vs. -Do-

C/o -do-

- G.O. NO. L-17012/52/84/D-IV. A. dt. 6-3-1985
- (5) Central Reference No. 9 of 1985.

Sri Dayanand

15.

-Do-

C/o -do-

- G.O. No. L-17012/51/84/D-IV. A. dt. 6-3-1985
- (6) Central Reference No. 10 of 1985.

Sri T. Rajendra Kumar, C/o

-Do-

-do-

G.O. No. L-17012/49/84-D. IV. A. dt. 6-3-1985

(7) Central Reference No. 11 of 1985.  $V_{S}$ .

Sri Ananth Raj,

-Do-

C/o -do-

G.O. No. L-17012/50/84/D-IV. A. dt. 6-3-1985

- (8) Central Reference No. 12 of 1985 Sri T. Chandrappa, Vs, -Do-C/o -d o-
  - G.O. No. L-17012/46/84/D. A-IV.A dt. 6-3-1985
  - (9) Central Reference No. 13 of 1985

Sri Basavaraj, Clo -Do-

G.O. No. L-17012|54|84|D-IV.A dt. 14-3-1985

# APPEARANCES

For all the I Party-Workmen:-Sri V. Lakshminarayana, Advocate, Banglore.

For all the II Party—Management:—Sri C.K. Kambeyanda. Advocate, Bangalore

# COMMON AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, shortly called Act, has referred the above noted disputes for adjudication to this Tribunal.

2. The point of dispute referred in Schedule is relating to the regularisation of services of various workmen working in the II Party managements. In view of this the common question referred to this Tribunal in accordance with the Schedule by the Government may be stated as follows:—

## **SCHEDULE**

"Whether the action of the management of New India Assurance Co. Ltd., Bangalore, in refusing to regulariso the services of Sriyuts:—Annamalai, K.R. Ravi, M. Malikarjunaiah, Kampaiah, Dayanand, T. Rajendra Kumar, Anant Raj T. Chndrappa and Basavaraj, sub-staff, is justified? If not to what relief are the workmen concerned entitled?

- 3. Consequent to these reference the notices are issued to the parties concerned and they have appeared and filed their respective claim statements and counter statements. The statements and counter statements except the date of appointment, length of service, daily wages and all other material particulars being common to all the cases the averments of respective statements is hereunder narrated:—
- 4. In Reference No. 5|85 is contended by the workman that be has been appointed as sub-staff in the year 1980 on daily wages of Rs. 10|- and he has put in nearly 5 years of service as sub-staff member and therefore he is entitled for regularisation.
- 5. In Reference No. 6|85 the workman contended that he has been appointed as sub-staff in the year 1982 on a daily wages of Rs. 9 and it was subsequently raised to Rs. 12 and has put in nearly 3 years of service.
- 6. In Reference No. 7/85 the workman was concinted as a sub-staff in the year 1981 on daily wages of Rs.12|- and he has put in nearly 3 years of service.
- 7. In Reference No. 8|85 the workman contended that he has been appointed as a sub-staff in the year 1982 on daily wages of Rs.15|- and he has put in nearly 3 years of service.
- 8. In Reference No 9/85 the workman contended that he has been appointed as a sub-staff during July 1982 on the daily wages of Rs. 12 and he has put in rearly 2 years of service.
- 9. In Reference No. 10|85 the workman contended that he has been appointed as sub-staff during 1981 on the daily wages of Rs. 5 and he has put in nearly 4 years of service.

- 10. In Reference No. 11|85 the workman contended that he has been appointed as sub-staff during January, 1983 on the daily wages of Re.10|- and he has put in nearly 2 years of service.
- 11. In Reference No. 12|85 the workman contended that he has been appointed as sub-staff in the year 1979 on daily wages of Rs. 12 and he has put in nearly 5 years of service.
- 12. In Reference No. 13|85 the workman has contended that he has been appointed as sub-staff in the year 1978 on the daily wages of Rs.15|- and he has put in nearly 7 years of service.
- 13. The Common contentions raised by all the above workmen for regularisation are briefly stated as follows:—

They have put in more than 240 days in each calendar year of service, that the work is available so for as regularisation is concerned and the II Party is postponing the same for the reasons best known to them. They have made applications for confirmation but it is not done on the ground that the recruitment rules provide a separate avenue for the purpose of recruiting. But the pesons who have been appointed and employed as daily wage workers were absorbed without raising the technicalities of statutory requirements out in their cases the Corporation is raising all the technical pleas to evade their liabilities. In fact, mere yardstick was not at all applicable to the persons who are similarly placed and number of perons who have been absorbed and under these circumstances, non-consideration of the case of these workmen amounts to hastile discrimination and arbitrary. The various decisions rendered by the Supreme Court is of the view that the pesons who have put in more than 240 days service cannot be terminated for want of work or dual-ification and they have got protection under the Industrial Law.

- 14. They have further contended that the Company being an Authority under Art. 12 of the Constitution of India is required to follow the principles underlying under Art 14 in view of the fact that confirmation was extended to the persons who are similarly placed which resulted in miscarring of justice. The II Party have altered the conditions of service by asking orally not to come to duties and some cases they have forced to work for additional hours of work which amounts to alteration of service condition without notice. It is further contended that the Company has absorbed whout raising any technical pleas of several persons and calling these workmen for interview does not arise as they have worked for more than 240 days. It is further contended that the Branch Managers and Divisional Manager have recommended the absorption of these workmen on the pround that the nost is of a perennial nature as the nature of duties is not different from that being done by the permanent sub-staff.
- 15. It is further contended that under the Scheme provided in the year 1974 sub-staff have not been naid sufficient allowances and therefore requested to direct the management to may the claims as and when materially available to workmen. They have been prevented from paying through their claims and it is one of the duties for the management to maintain the muster roll and the same should be summoned. They have further contended that the contention of the H Party that the contract of employment being temporary in nature becomes superfluous having regard to the fact that all the workmen have contineously discharging duties of perennial nature identical to those being discharged by permanent employees and there is no dissimilarity so far as the workmen are concerned.
- 16 The Y Party workmen have prayed to pass an award to confirm them in their posts from the date on which they fell vacant and also the date on which their funiors have been confirmed and to great all consequential benefits from the date of confirmation and also the costs of these proceedings.
- 17 The II Party have filed a common counter statement in all these disputes denvine all the contentions raised by the J Party workmen including the daily wages and years of service. It is further contended that the service registers

maintained by them do not disclose the I Party either serving the company or the staff attendance register is signed by the I Party to indicate they have put in more than 240 days in each calendar year. It is further contended the II Party is a Government company and the appointment to any category of post is regulated by the Recruitment Scheme and these regularisations are required to be adhered to by the II Paty which includes the categoy of sub-staff.

- 18. It is further contended that the clerical and subordinate staff are governed by the terms and conditions as are set out in the scheme notified by the Government of India on 27-5-1974 which have been amended from time to time which is the subject-matter of challenge before the Hon'ble Supreme Court in W.P. 5370/74 of 1980 wherein an interim injunction was praved and obtained where by the Hon'ble Supreme Court staved the implementation of the amended scheme pending disposal of the writ petition. As a consequence of the stav order there was a stalemate untill the Hon'ble Supreme Court pronounced its judgment on 21-3-1984 allowing the writ retitions and quashed the 1980 amended scheme. In these intervening period no regular appoinments could be made nor any of the vacancies could In these intervening period no regular be ascertained and declared in accordance with the recruitment procedure which provided for reservation of some vacancies for scheduled castes and schedule tribes, cally handicapped persons, ex-servicemen etc. In the absence of such vacancies being declared and reserved the question of calling for applications and/or making appointments on the basis of the scheme did not arise till March 1984.
- 19. It is further contended that the II Party being bound by the statutory directions could not have made appointments to any category of posts due to the facts the regulations contemplated recruitment of sub-staff on the basis of qualifications after adhering to the reservation policy of the Government of India following the roaster maintained by the Employment Exchanges. It is further contended the ouestion of confirmation therefore is contrary to recruitment scheme and the same cannot be violated.
- 20. The II Party further denied for regularising other substaff employed by them and contneded that the recruitment has been made only on the basis of fulfilling recruitment regulations and qualifications. They have further denied the allegation that the I Party workmen have put in 240 days in any year and there was no contract for labour and hance they are not protected workmen. They have further denied the violation of Article 14 and contended that the I Party have worked on a piece rate basis for doing odd jobs and they have been paid for the work fixed on contract rate therefore they do not come within the definition of the workman under Sec. 2(s) of the Act. Hence there was no question of subjecting them for disciplinary action and marking of attendance register etc.
- 21. It is further contended that the I Party have appeared for interview and they having failed to qualify cannot take shelter under the above proceedings for regularisation. very fact that the I Party have applied for the post and were not selected is indicative of the fact they were not in employment of the II Party at any time. They have also denied that the I Party workmen were appointed in respect of a duty of a perennial nature. It is further contended that in these cases the II Party is neither the employer nor the I Party is a workman hence the allegation of alteration of conditions of service is misconceived. They have further contended the prayer cannot be granted as the I Party not being a workman or an employee of the II Party they cannot claim equality of treatment with regard to employees appointed under the recruitment scheme. Hence their prayed that the proceedings be dropped as not maintainable and an award be passed disallowing the contentions of the I Party workmen.
- 22. When these disputes were noted for framing additional issues the Joint Secretary of Employees Association one Sri G. Krishna has filed a memo for withdrawal of all the disputes referred to above. It is contended in the memo that they may be permitted to withdraw the references on

the ground that the II Party Management have given assurances that the cases of all the eligible workmen could be considered subject to the condition that the workmen should withdraw the cases.

- 23. After perusing the counter statement filed by the II Party in all these disputes a specific ground made out is that their Industry is governed by the terms and conditions of a Scheme notified by Government of India on 27-5-1974 applicable to the clerical and subordinate staff. This scheme was animaled from time to time and the same was the subject-matter of writ petitions before the Hon'ble Supreme Court filed by Ajay Kumar Banarejree and others and a judgment was pronounced on 21-3-1984 quashing the 1980 amended scheme. During the intervening period of the writ petitions and before its final disposal the regular appointments could not be made nor the vacancies could be ascertained in view of the reservation policy to various categories and giving priorities as per the roaster maintained by the Employment Exchanges.
- 24. On these conditions along with several other contentions raised by the II Party it looks, after disposal of the writ petitions before the Hon'ble Supreme Court of India the avenues are opened for the management to regularise the services of the workmen referred in the above disputes. Hence I make the following award:

#### AWARD

The I Party is permitted to withdraw the references and consequently an award is passed rejecting the references. Parties shall bear their own costs.

Keep a copy of this award in each of the file.

(Dictated to the Stenographer, transcribed and typed by him and corrected by me).

R. RAMAKRISHNA, Presiding Officer,

[No. L-17012|46|84-D.IV(A)]

मई दिल्ली, जुलाई, 1985

का. आ. 3412--- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार विशाधापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकाठों के बीच अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2 जुलाई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 5th July, 1985

S.O. 3412.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Visakhapatnam Port Trust and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD.

PRESENT:

Sri J. Venugopal Rao,

Industrial Tribunal,

Industrial Dispute No. 23 of 1982

## BETWEEN

The workmen of Visakapatnam Port Trust. Visakhapatnam.

#### AND

The Management of Visakhapatnam Port Trust. Visakhapatnam.

## APPEARANCES:

Sri'G. Bikshapathi, Advocate—for the workmen.

Sarvasri K. Srinivasa Murthy and K. Satyanarayana Rao, Advocates—for the Management.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-34011|4|82-D.IV(A) dated 9-6-1982 referred the following dispute under sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Visakhapatnam Port Trust in denying the payment of one day's extra wages to the Maintenance Staff, who get weekly off, on the 6th January, 1980 being holiday for elections to the Lok Sabha, is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled"?

This reference was registered under Industral Dispute No. 23 of 1982 and notices were issued to the parties.

- 2. In the claims statement it is mentioned that the Government of India by special Notification declared 6-1-1980 as a paid holiday in the light of the general election, for the entire factory. The management of Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam employed various workers for its operations and 6-1-1980 incidentally happened to be Sunday which matters less either for maintenance or field staff. The Management declared weekly off to various workers depending upon the nature of work and proper distribution. Under this arrangement the same categories of employees get Sundays weekly off for the same period. Therefore it is obvious that the Management had to declare paid holiday for all the sections of the employees. As per wage Revision Recommendations Para 8.43 the employees are eligible for 1-1/2 days extra wages for the work done on weekly day of rest or for festival or National holidays if no compensatory off is given If compensatory off is given the employees are paid 1/2 days extra wages. Even if the weekly off falls on the notified paid holiday the employees are given one extra day wages. Therefore the employees are entitled for one day extra wages when the rest day coincides with notified paid holiday.
- (a) The Respondent-Management declared 6-1-1980 as additional paid and closed holiday. The Respondent-Management paid extra one day wages to all the workers except the ministerial and maintenance staff. The ministerial staff raised this dispute on the subject and the same is pending in the court in I.D.No.10 of 1981. The present reference relates to maintenance staff while the case of the Ministerial staff stands on a different footing. In the case of maintenance staff, they are covered under wage Revision Recommendations. The Management cannot discrim nate the workmen who enjoy the weekly off on Sunday either by rotation or by permanent arrangement. Therefore it is necessary to pass an Award holding that the Management is not justified in denving extra wage to Maintenance staff on 6-1-1980 and 458 GI/85—18

to direct the Management to pay one day's extra wages immediately

- 3. In the counter of the Management, it is mentioned that the Port & Dock Employees Association was formed in 1970. It is Sectional Association and it is not a recognised Union. Thus it has no locus-stendi to raise the dispute. It is true that in the year 1980 general elections to the Lok Sabha were held on 6-1-1980 and it incidentally happened to be Sunday. The Government of India issued orders to Port Trust that the additional paid holiday m ght be granted to the employees on the polling day in the particular area, if it did not fall on a Sunday or paid holiday provided State Government had declared that day as a local holiday in the area. 6-1-1980 (Sunday) was the Polling day for the Lok Sabha constituency and the State Government declared that that day as a local holiday, Accordingly holiday that the state of the sta was declared for the workers of Port Trust on 6-1-1980 who are normally required to work on Sundays having some other day as their weekly off. No holiday was de lared for maintenance staff who were not on duty on 6-1-1930 (Sunday) as they were already having a holiday. The purpose of declaring holiday on the above date for workers was to enable them to exercise their franchise. However if any of the essential categories of employees especially those connected with the Cargo handling operations etc., worked on that day, they were either paid 1-1/2 days extra wages without compensatory off or were given compensatory off with half-a-day's extra wages. As on separate holiday was declared for those who are not on duty on 6-1-1980 they are not cligible for any extra wages, their allegation in the claims statement contra are not true. The maintenance staff are eligible for two restricted holidays also in addition to 16 effective holidays. The Shore Labourers are given 9 effective holidays and casual labourers are given 4 effective holidays including three National holidays during the calender year. The wage Revision Committee as shown in para 8.43 will not given benefits sought for to the Petitioners. These petitioners should have impleaded as party in I.D. No. 10 of 1981 instead of resorting to separate reference, The workers whose weekly off coincided with declared holiday on 6-1-1980 were given benefits of one days extra wages but not other workers whose weekly off coincided with the above declared holiday. Casting of vote as a citizen in a public election cannot be treated as performing duty on employment for purpose of paying wages. On a previous occasion when assembly election took place on 25-2-1978 which has Seturday and working day the Management declared holiday on that day as a holiday to maintenance stoff in accordance with the established practice in vougue. The petition is devoid of any merits.
- 4. The workmen examined two witnesses as W.W.1 and W.W.2 and Exs.W1 to W3 were marked. On the other hand the Management exemined witness as M.W.1 and marked Exs.M1 to M4.
- 5. W.W.1 is one A Rahman who is the Gereral Secretary of Port and Dock Employees Association 6-1-1980 was declared holiday by Government of India for the purpose of voting in the Lok Sabha elections. Port Trust, Visakhapatnam declared that as a holiday. The workers who were on roaster weekly off were given additional one day wages. For the roaster off means the workers are given weekly off changing from Monday to Sunday depending upon the nature of work. He marked Ex. W1 order of Port Trust sanctioned extra wages on 6-1-1980 Ex. W2 is the representation made by the Union demanding similar wages to them. In the conciliation talks which resulted in failure, Port was submitted and the same is marked as Ex.W3. In 1977 general election the employees were given wages when holiday was declared whether they were having weekly off or not. He denied that Ex.W1 applies only to those who are having roaster weekly off on 6-1-1980. According to him the employees concerned in this dispute did not work on 6-1-1980
- 6. W.W. 2 is one K. Paradesinaidu who is Assistant Ward keeper in the Port Trust. It is his case that on 6th January, 1980 general election day they were not paid extra wages while the other workers in Ore Handling Complex, Traffic Department etc. were paid one day extra wages even though

their weekly off was Sunday He conceded that the employees in Ore Handling would be having different shifts and they work on Sundays also, and those workers would be having weekly offs on different days in a week and not Sunday alone were paid one day extra wages.

- 7. M.W. 1 is Assistant Personnel Officer by name P. S. N. Murthy, According to him the maintenance section Molor section, workshop are completely closed on 6th January, 1980. Those sections close on all Sundays ond not specifically because 6th January, 1980 was declared as an Election Holiday. All the sections which are connected with Cargo handling operation, and where man to man relief is essential, they work on all the days including Sundays. He conceded that this Union was registered subsequently in 1964 and there were four recognised Unions which were registered in 1964. According to him the persons who were employed as essent al services as man to man relief round the clock also get weekly off on 6th January, 1980 to the extent of 1/7th of the staff.
- 9. The admitted facts are the Visakhapatnam Port Trust employed various categories of workmen in various sections. Most of the employees of the Port Trust do not have a fixed holiday. They get holiday by rotation as the Port works round the clock. It is compulsory that employees should get one day off in a week and no one is entitled out of right to choose any particular day as a holiday. It depends on which day the holiday falls due to rotation and only on the days which have been declared as Holidays as notified as such for a particular employee, he will be entitled for either compensatory off or additional wages if he is called upon to work on those days. In fact para 8.43 of the wage agreement reads as follows:—
  - "Payment for work on a weekly day of rest or on a fest val or national holiday shall be made to all employees at the rate of one and a half times the daily rate and a compensatory day off shall be given; if it is not feasible to give a compensatory day off, the rate shall be two and a half times the daily rate for employee entitled to a paid weekly day of rest or a paid festival or national holiday and one and a half times the daily rate for those not so entitled."
- 9. It is admitted that 6th January, 1980 is declared as holiday due to general election. It happened to be a Sunday incidentally. The workers represented by the Union in the Instant case is maintenance staff and Port Workshon. Maintenance staff of Motor Vehicle Section and Mobile etc., work in general shift and have flexd weekly off on Sunday. As per the wage agreement, para 8.43 employees are eligible for 1-1/2 days wages for work on weekly day of rest or on festival or National holidays if no compensatory off is given. If compensatory off is given employees are paid 1/2 day extra wages.
- 10. Now it is admitted for one day extra wages to the ministerial staff were paid on 16th March, 1977 due to the election to the Assembly and 16th March, 1977 happened to be Wednesday which is a working day. On 16th March, 1977 it was declared as a special holiday. Similarly on 25th February, 1978 holiday was declared for workers as well as maintenance staff in connection with the general election to the A. P. Legislative Assembly when that polling day fell on Saturday which was not a holiday for the maintenance staff.
- 11. It is the Management's contention that the workers whose weekly off while coincided with the declared holiday they were given the benefit of one day extra wages but not other workers whose weekly off dld not coincide with the above declared holiday. According to them it is established principle from the very beginning that certain categories of employees of Port have been enloying general holiday on every Sunday during the entire year. Since the general election fell on Sunday which is a general holiday in most of the categories that they need not be given extra ware. In the case of certain other categories whose weekly off changes from time to time such employees have been paid one day

- extra wage if such weekly off fall on Sunday 6th January, 1980. It is maintained by the Management in the present case, the sections referred to by the Association have got fixed general holiday on Sunday which does not meet any extra wages on account of general election which feil on Sunday i.e., 6th January, 1980. On the other hand the workers contended that Motor Vehicle Section Workshops. Electrical Maintenance Section, Mobile Train, Dry Dock, Out Door repairing sections, Floading Crafts etc., the Management was paying one day extra wages as could be seen under Ext. W1 and W2. Therefore, they demanded one day wages should be paid to the maintenance staff also i.e., (these employees) when they declared 16 public holidays as per the Wage Committee Recommendations, though it is on Sunday.
- 12. A careful perusal of the Wage Revision Recommendations in para 8.43 would show that payment for work on weekly holidays of rest, pre-supposes that the Port Authorit es should call the employee to do some work relating to the working of the Port and it does not apply when the Management did not call them to any work either during weekly day of rest or on holiday. It is true that on 6th January 1980 which is admitted to be Sunday it was declared to be holiday by Notification issued by Government of Ind a for purpose of polling for Lok Sabha election. This was done to enable everyone to exercise his franchise. Holiday was not declared to enable the employees to come for work nor did they come and did any work in the Port. The employees of the Port Trust are allowed 16 affective holidays including National holidays during the callender year. The Maintenance staff are cligible for two restricted holidave also in addition to the 16 effective holidays. Admittedly for the maintenance section Sunday being weekly holiday they need not come for work on that day. The question of giving compensation to the maintenance staff whose weekly off falls on Sunday does not therefore arise. Compensation will arise only when they are deprived of the holiday and made to work and they are compensated for the work done by coming to the Port to carry out the work which otherwise could not be done. The condition precedent is that the emplovers are entitled for one day of rest for work and they should not be allowed to work on all the 7th days in a week without they getting weekly off.
- 13. The contention of the workers that the Chairman declared 6th January, 1980 as paid holiday to all the work-men whose weekly off fell on 6th January, 1980 and that the Visakhapatnam Port Trust paid one extra wage to all the workers except the maintenance and ministerial staff seems, to be not correct. On an earlier occasion on 16th March, 1977 which is a polling day for general election it is declared as paid holiday. All the employees irrespective of the weekly off day were given one day extra wages is not correct. But on 16th March, 1977 as per M.W. 1 the said extra wages were raid only to staff who had staggered weekly off. Others only the naid holiday because it is a declared holiday. In the instant case it is true reporting certain other categories similar to other categories for those which it was a working day they were paid one day wages but these workers who are having regular weekly holiday of rest cannot claim the same. According to MW, I the Mannearment spreed to nay extra wages to those who work round the clock where man to man relief is essential but the Management never arreed to pay extra wages to staff of maintenance section. According to him the persons who are employed as essential services as man to mon relief round the clock also got weekly off on 6th January, 1980 and among these persons about 1/7th of the staff must have weekly off on 6th January, 1980 and for those persons they were poid extra wages pursuant to Ex. W1. The counsel for the workman contended that no such distinction is made between the Maintenance section and other sections and there is no specific order excluding the maintenance staff for getting one day extra wages. It is contended vehemently that the workmen whose weekly off fell on Sunday are given one day extra wages and therefore no reason why the maintenance staff whose weekly off fell on Sunday should be denrived. According to him it clearly amounted to discrimination which cannot stand reasonableness. I do not think that the said contention is correct. The employee who

is enjoying weekly oil by rotation being employee of essenthat services as man to man relief round the clock. The maintenance shall who is enjoying weekly off on every shalday as a matter of course after doing six days work have got unterence in their duties. The maintenance staff are having fixed honday on every Sunday whereas the essential services who work man to man renef round the clock got out of 1/11h of the stait weekly off by rotation. It so nappened to oe a weekly off on our lanuary, 1980 only that particular rotation stall who are available i.e., to the extent of 1/7th who must have got weekly oft on 6th January, 1980 being the members of essential services were paid wages to the exclusion of maintenance staff. The maintenance staff avail weekly on on Sunday holiday cannot be declared merely to give benefits of extra day's wage to the Maintenance state on oth January, 1,80 which happened to be Sunday holiday was declared for workers and Store labour only, therefore the question of payment of extra wage arise only to such of the maintenance staff on duty on oth January, 1980. It is not the case of these workers who are having regular holiday of weekly off being Sunday did any work or the man-agement caded them to duty to do work and thus they are not entitled for extra wages. There is no discrimination. It is not correct to say that an employee who is enjoying weekly oil by rotation and an employee is having weekly off on fixed day should be treated on same par, there is difference for the purpose of payment of extra wages for both the cases. In the case of persons who get weekly off by rotation the essential services as man to man relief round the clock only 1-17th of the said strength get additional benent and not all the 6th day rotation to a particular number of staff by chance fell on 6th January, 1980 which happened to be holiday, so they were paid wages. They are part of the essential services and they are working round the clock. Whereas in the case of those who are having weekly off on a fixed day i.e. Sunday they are not entitled for any extra wages. It is no doubt true that the circular issued on 14th July, 1980 under Ex. W1 mentioned about the payment of extra wages and the Chairman accorded sanction to the employees of C.E/CNE/DC/TM|F&CAO|DIRECTOR (R&P)/COS/CMO ETC. It cannot be said that the said circular Ex. W1 is unequivocal and unambiguous while the regintenance staff get a permanent holiday on every Sunday maintenance staff get a permanent holiday on every Sunday to those workers whose weekly off by chance coincided with the declared holiday will not have a permanent rotational holiday on Sunday. Ex. W1 is only an answer to the letter addressed by the concerned department and thus a clarification given with reference to their request. So 1/7th of the staff have such disadvantage by working on rotation being an essential services were given the benefit of one day extra wages but not to other workers. The evidence of M.W. 1 would show that when the election took place on 25th February, 1978 or on 16th March, 1977 those charges were not on weekly holiday like Sundays and therefore the maintenance staff were also paid extra wages and the policy of tenance staff were also paid extra wages and the policy of the management cannot be construed to be inconsistent when it is admitted weekly. The workers who had privilege of being having weekly holiday being a Sunday cannot have further benefit of extra wages while enjoying weekly holidays which was a privilege given to them as a matter of course. I, therefore, hold that the Management of Visikhapatnam Port Trust was justified in not granting one day extra wages to the maintenance staff who get weekly off on 6th January, 1980 being paid holiday for them and the workers are not entitled for any relief. workmen are not entitled for any relief.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tr bunal, this the 17th day of June, 1985.

Sd/-

Industrial Tribunal.

## APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses examined for the workmen.

- (1) W.W. 1 A. Rahman.
- (2) W.W. 2 K. Paradesi Naidu

For the Management.

(1) M.W. 1 P. N. Murty,

Documents marked for the workmen.

- (1) Ex. W. 1—Letter Dated 14-7-80 addressed by the Secretary Visakhapatnam Port Trust, to CE/CME/DC/TM/FA&CAO/Director (R&P)|COS|CMO, regarding the payment of extra wage.
- (2) Ex. W2 Leiter dated 18-7-80 addressed by A. Rehman General Secretary, Port & Dock Employees Association to all members, P&DEA/VSP. regarding the payment of extra wage for work on 6-1-1980, the date of General Elections.
- (3) Ex. W3—Failure of conciliation report No. 16/20/81-ALC dated 11-2-82 submitted by Assistant Labour Commissioner (C) Visakhapatnam, to the Secretary to the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi.

Documents marked for the Management,

- (1) Ex. M1—Circular No. F/1486/61, dated 9-5-72 with regard to revision of Office working hours.
- (2) Ex. M2—Award in 1.D. No. 10/81 and its publication,
- (3) Ex. M3—Report of wage revision committee for Port and dock workers at major ports.
- (4) Ex. M4—Working hours at Visakhapatnam Port Trust.

[No. L-34011|4|82-D.IV(A)] K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नर्भ दित्सी, 5 ज्लाई, 1985

शा. अत. अत. अत. अत. अने क्षांतिक विकाद अधिनियम 1847 (1847) ते) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खादा नियम कुरमूल के प्रश्रंधसंत्र से सम्बद्ध नियोशकों और उसके कर्मकारों के ब्रांच अनुशंध में निविष्ट श्रंचीिकों निवाद में अंद्योगिक अधिकारण, हैंदराबाद के पंचाट को अञ्चलित कर्मकार को 1 जुलाई 1985 को प्रांच हुआ था।

## New Delhi, the 5th July, 1985

S.O. 3413.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Industrial Tribunal Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Kurnool, and their worknen, which was received by the Central Government on the 1st July, 1985.

## **ANNEXURE**

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

## PRESENT:

Sti J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal. Industrial Dispute No. 103 of 1984

## BETWEEN

The Workmen of the Food Corporation of India, The Workmen of the Food Corporation of India, ... Kurnool, A.P.

## AND

The Management of Food Corporation of India, Kurnool.

## APPEARANCES:

Sri Md. Miskin Iqbal, Industrial Law Consultant—for the Workmen.

Sri M. V. Bharathi, Advocate-for the Management.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L.42012(13)/84-D.V. dt. 29-11-1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.) to this Tribunal for adjudication:

"Whether the management of Food Corporation of India, Kurnool is justified in terminating the services of Shri S. Basheer, Ex-Watchman with effect from 6-5-1977. If not to what relief the workman is entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 103 of 1984 and notices were issued to the parties.

- 2. In the claims statement the Petitioner, ex-Watchman of F.C.I. represented that he worked as daily rated watchman from 7-2-1976 to 5-5-1977 at the F.C.I., Thimancherla and that his services were terminated from 5-51977 for no his though the F.C.I. Head Office, New Delhi issued a Gazette Notification dated 4-2-1976 for regularisation of service of daily rated watchman who were recruited directly by giving an opportunity while conducting interview along with the candidates sponsored by the Employment It is mentioned that the District Manager of Exchange. did not adhere to the circular but removed him from service and thereupon he made representation to various authorities and finally the matter was represented to the Assistant Commissioner of Labour (Central) for tervention and the matter was referred to the Tribunal for adjudication. So it is requested that he should be paid all back wages since 5-5-1977 till the date from which the reinstatement will be done and for also continuity of service with terminal benefits from the date of his first appointment on 7-2-1976.
- 3. In the counter, it is mentioned that the claimant petitioner worked only from 7-2-1976 to 6-5-1977 with breaks and thus he worked for 15 months. It is contended that the Industrial Disputes Act has no application as he had no continuous service for one year and thus he is not entitled to any reliefs under the Act. The Management further mentioned that Gazette Notification referred to is not applicable to him since he is not exempted from the conditions of sponsorship by the Employment Exchange. It is mentioned that he is not regularly appointed or continued in Employment and thus the question of non-compliance with the Gazette Notification did not arise,
- (a) It is mentioned that the daily rated watchman were found surplus on 17-1-1977 and hence the service of the claimant had to be terminated while the service of the senior watchmen were regularised. The petitioner is only working at hired godowns, Kurnool and they were dehired and the process of dehiring and closure of godowns were under taken phase-wise and ultimately the godowns were dehired on 16-1-1978.
- (b) So it is mentioned that the worker has no right to challenge the termination order since his services were terminated by reasons of closure of godowns and closure of activities/business at Kurnool Godown which were debired infact. The petitioner is not entitled to be called for interview. Moreover the Petitioner is guilty of latches for not raising a dispute over a period of five years. If this petition is entertained the administration will be confronted with numerous personal problems. There is no comparison between the cases of the others to whom the petitioner made reference.
- (c) The management further submits that the Gazette Noit-fleation dated 4-2-1976 will not be applicable to the petitioner and he is not entitled to claim benefit thereof.
- 4. The Petitioner examined himself as W.W.1 and marked Exs. W1 to W7. On the other hand the Management examined one Sri J.V. Ramona Murthy and marked Exs. M1 and M2.

- 5. The sum and substance of the evidence of W.W1 is that under Ex. W1 he was appointed as Watchman on daily rated basis from 7-2-1976 to 5-5-1977. According to him he made representations to the Department to take him into employment and he approached the authorities concerned whis employment card. Finally the matter was raised before the Conciliation Officer under Ex. W2 and the conciliation proceeding failed.
- 6. He pointed out that Sri ramamurthy, S. A. Basha and Arshad Basha were reinstated as per Exs. W3, W4 and W5 while he was not considered and the management applied inconsistent in similar circumst ances sof the workers. He filed the Notification dt. 4-2-1976 as Ex. W6 wherein the Food Corporation of India (Staff) Regulations 1971 were amended paying way for consideration for such employecs for interview. It is his case that he was not called for interview along with the sponsored candidates from the Employment Exchange though he had experience. He requested that he should be reappointed on the lines as was done in the case of Arshad Basha., S. A. Basha and Sriramamurthy. In the cross examination he admitted that ne did not complete 240 days continuously but he worked for 388 days with breaks. He denied the suggestion that the case of S.A. Basha, Arshad Basha and Sriramamurthy are different from his case. He denied that Ex. W6 has no application to him as he was appointed subsequent to the commencement of the said G. O.
- 7. On behalf of the Management, the then District Manager, Kurnool was examined and marked Exs. M1 and M2. Ex. M1 is the service particulars of the petitioner. It showed that the petitioner was in Timmencherla hired godowns. Ex. M2 showing dehired godowns during the years 1975-76 and 1976-77. According to him this godown was dehired on 28-5-1977. In the cross examination he admitted that he was not aware of Ex. W6 issued by the Head Office, New Delhi which he saw subsequently. He conceded that there is recruitment of watchmen after this retrenchment and according to him as the contents of Ex. W6 was general in nature the same was not implemented.
- 8. The facts are not in dispute. The evidence of W.W1 as well as the claims statement read with Ex. M1 would show that the petitioner (W.W1) worked as daily rated watchman from 7-2-1976 to 5-5-1977 with breaks as shown in Ex. M1. He was terminated on 5-5-1977. It is admitted that he worked for all 388 days with breaks. The argument of the management is that the Industrial Disputes Act had no application as he did not complete 240 days continuous service of attendance for eligibility for consideration under the provisions of the LD. Act etc. has no application to the present facts on the basis of Exs. W3. W4 and W5. Fx. W3 is a Notification with reference to Sriramamurthy, Ex-Watchman regarding his termination of services on which the Government of India, Ministry of Labour issued in tretions to the Regional Manager. It is clarified that the soid Stirama Murthy be reinstated on the same terms and conditions on which he was working earlier and the intervening period when the workman services were terminated when he is to be reinstated should be treated by the Corporation of India without back wages but at the time with continuity of services for the Payment of terminal Thus it was mentioned that it was not a fit case benefits. where the matter should be referred to industrial adjudica-tion. The factum of issuing such instructions in the case of Srirama Murthy were borne out by Ex. W3 and the same were not denied. Similarly in the case of S. A. Basha who was also on ex-watchman, there terms of settlement dated 16-2-1983 between the parties showing that the Management (F. C. L.) Kurnool was reinstating S. A. Basha, Fx-Watchman with effect from 1-3-1983 on the same terms and conditions as he was working earlier and that the reinstatement should be without back wages but it would affect continuity of service for the payment of terminal benefits and they were policed to send implementation report with reference to the sold Sattlement. In the said case as could be seen, under Ex. W4 the Watchman was appointed as daily roted hasis from 22-12-1975 onwords till 18-11-1976 with breaks and

he was removed from service and the matter was pending before the Conciliation, the parties representing the Food Corporation of India Management as well as the representative of the workers (Md. Miskin Iqbal) arrived at the said Settlement as mentioned therein. This is also not disputed. Similarly under Ex. W5 dated 16-2-1985 on the same date in the case of S. Arshad Basha who was an ex-Watchman, similar orders were passed reinstating him without back wages but giving him continuity of servee with terminal benefits.

These proceedings under Exs. W3, W4 and W5 would show that the Management has considered similar cases of exwatchman who were terminated though they have not completed 240 days continuous service in a calender year by reinstating them in 1982-83 as could be seen thereunder. In this context Ex. W6 is relevant. Ex. W6 dated 4-2-1976 is a Gazette Notification published in India Gazette with regard to the Staff Regulations of the F.C.I. 1971. It is mentioned that "Provided further that such of the employees who were recruited on daily rate basis for period of less than 3 months on or purely temporary basis and whose services have been retained after allowing periodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against direct recruitment along with the candidates sponsored by the respective Employment Exchanges." This Notification issued by the Government of India for Food Corporation of India, Head Office. It clearly mentions that those persons who having periodical breaks and whose services were retained after allowing these breaks shall also be eligible to be considered for appointment along with the direct recruited candidates sponsored by the Employment Exchanges. In the instant case it is prima facie borne out and admitted M.W1 also that this petitioner is not called for interview along with other candidates sponsored by the respective Employment Exchanges when there were direct recruitment. It is admitted by M.W1 that 171 persons were newly recruited after these persons were retrenched. On the face of Ex. W3 to W5 when similarly situated persons were reinstated without back wages but giving conitnuity of service for payment of terminal benefits as it happened to Srirama Murthy, S. A. Basha and S. Arshad Basha and when there is clear amendment to the regulation of the F.C.I stating that these persons who were having periodical breaks and those who have been recruited on daily rated basis for a period of not fess than 3 months also or purely temporary basis are eligible for being called for interview, and when they are not been called for interview and when petitioner made representation and the same was not considered; it is incorrect and illegal to take a stand that this petitioner is not entitled for similar treatment on the basis of Regulations of F.C.I. which are infact enforced in other cases i.e. Exs. W3, W4 and W5. Fx. W7 would show that 171 persons were recruited. If Ex. W6 Regulations are properly applied and considered, the person who is temporarily appointed as Watchman even if there is dehiring of godowns and his services were terminated on 5-5-1977 the Management should have considered his application along with the applicants sponsored by the Employment Exchange in view of his past experience in the some field and he should have been preferred in the given circumstances. Exs. W3, W4 and W5 would stringthen the case of the petitioner since they too had similar reactice and the Management did not hesitate to have a settlement with them though they did not complete 240 days continuous services in a calendar year in the light of the said Gazette Notification under Ex. W6. Fx. W6 is a boon for such workers and they were terminated under the Regulations of the F.C.I. and thus the petitioner is entitled to claim benefits there of even he is appointed subsequently.

9. Thus on a consideration of the entire material placed before me, I hold that the Petitioner is entitled to be reinstated forthwith without back wages but with continuity of service for the purpose of payment of terminal benefits. The retitioner also expressed his willingness to work at any where if posted in the entire Zone and the same will not also come in way of administration for fixing them properly without inconvenience to any one Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribungl, this the 18th day of June, 1985.

Sd. - Industrial Tribunal

## Appendix of Evidence

Witnesses Examined
For the Workmen
W.W1 S. Basheer,
Witnesses Examined
For the Management

M.W.1 I. V. Ramena Murthy.

Documents marked for the Workmen:

- Fx. M1 Certificate dt. 2-16-77 issued by the Assistant Manager, Food Corporation of India, Timmancherla to S. Basheer.
- Ex. W2 Minutes of Conciliation Proceedings filed on 23-3-84 under Section 12(4) of I.D. Act, 1947 in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their Ex-Workman S. Basheer with regard to alleged illegal termination of his services as daily rated watchman.
- Ex. W3 Photostat copy of the order No. L-42012(3)/82-FCI/D. IV(A) dt. 6-5-82 issued by the Desk Officer, Government of India, Ministry of Labour, New Delhi to C. Srirama Murthy with regard to his reinstatement in to Service.
- Ex. W4 Photostat copy of the Memorandum of Settlement arrived at under Section 12(3) of I.D. Act, 1947 during the conciliation proceedings held on 16-2-83 in the Office of District Manager, Food Corporation of India, Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their Ex-Workman S. A. Basha.
- Ex. W5 Photostat copy of the Memorandum of Settlement arrived at U/S, 12(3) of the I.D. Act, 1947 during the conciliation Proceedings held on 16-2-83 in the Office of District Manager, Food Corporation of India, Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of F.C.I. Kurnool and their ex-Workman S. Arashad Basha.
- Ex. W6 Photostat copy of the Notification dt. 4.2-76 issued by the Food Corporation of India, Head Office. New Delhi with regard to Food Corporation of India Staff regulations 1971.
- Ex. W7 Photostat copy of the Office Order issued by the F.C.I. Kurnoof to 171 workmen.

Documents marked for the Management

- Ex. M1 Statement showing the attendance particulars of S. Basheer, Ex-Watchman.
- Ex. M2 Photostat copy of the Statement showing the details of Godowna hired/dehired during the years 1975-76 and 76-77.
  - J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal [No. L-42012]13]84-D.VI

का. अ. 3414—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाध निगम कुरनूल के प्रबंधनंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अमुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण हैचराबाद के पंचाट को प्रकालित करती है को केन्द्रीय सरकार को 1 भूलाई 1986 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3414.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st July, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 1 of 1985

#### BETWEEN

#### AND

The Workmen of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.).

#### AND

The Management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.).

## APPEARANCES:

Sri Md. Miskin Iqbal, Industrial Law Consultant—for the workmen.

Sri M. V. Bharathi, Advocate-for the Management.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42012(3)|84-D. IV|D.V. dated 22-12-1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10 (1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.) to this Tribunal for adjudication.

"Whether the management of Food Corporation of India, Kurnool is justified in terminating the Services of Shri G. Venkateswarlu Setty, Daily Rated Watchman with effect from 18-11-76? It not to what relief the workman is entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 1 of 1985 and notices were issued to both the parties.

- 2. In the claims statement the Petitioner-ex-watchman of F.C.I. represented that he worked as daily rated watchman from 23-12-1975 onwards till 18-11-1976 at the F.C.I. Kurnool and that his services were terminated from 19-11-1976 for no fault of his though the F.C.I. Head Office, New Delhi issued a Gazette Notification on 4-2-1976 for regularisition of services of daily rated watchmen who were recruited directly by giving an opportunity while conducting interview along with the candidates sponsored by the Employment It is mentioned that the District Manager of Pood Corporation of India did not adhere to the circular but removed him from service and there-upon be made representations to various authorities and finally the matter was represented to the Assistant Commissioner of Labour (Central) for intervention and the matter was referred to the Tribunal, for adjudication. Thus the question of completion of 240 days of attendance for eligibility for consideration under the provisions of the Industrial Disputes Act did not arise when the specific instructions under reference are in force for appointment. So it is requested that he should be paid all back wages since 19-11-1976 till the date from which the reinstatement will be done and for also continuity of service with terminal benefits from the date of his first appointment on 23-12-1975.
- 3. In the counter, it is mentioned that the petitioner worked as daily rated watchman and has not worked for 240

- days in a year continuously. It is contended that the Industrial Disputes Act has no application as he had not continuous service for one year and thus he is not entitled to any reliefs under the Act. The Management further mentioned that Gazette Notification referred to is not applicable to him since he is not exempted from the conditions of sponsorship by the Employment Exchange. It is mentioned that he is not regularly appointed or continued in Employment and thus the question of non-compliance with the Gazette Notification did not arise.
- (a) It is mentioned that the daily rated watchmen were no more required since the hired godowns were closed. The petitioner is only working on hired godowns, Kurnool and they were de-hired and the process of de-hiring and closure of godowns were undertaken phase-wise and ultimately the godowns were de-hired on 16-1-1978.
- (b) So it is mentioned that the workers have no right to challenge the termination order since his services were terminated by reasons of closure of godowns and closure of activities business at Kurnool Godowns which were dehired infact. The Petitioner is not entitled to be called for interview. Moreover the Petitioner is guilty of latches for not raising a dispute over a period of six years. If this petition is entertained the administration will be confronted with numerous personal problems.
- 4. The petitioner examined himself as W.W.1 and marked Exs. W1 to W8. On the other hand and the Management examined one Sri I. V. Ramana Murthy and marked Exs. M1 and M2.
- 5. The sum and substance of the evidence of W.W.1 is that under Ex. W1 he was appointed as watchman on daily rated basis from 23-12-1975 to 18-11-1976. According to him he made representations to the Department to take him into employment and he approached the authorities concerned with his employment card. Finally the matter was raised before the Conciliation Officer under Ex. W2 and the conciliation proceedings failed as per Ex. W3.
- 6. He pointed out that Srirama Murthy, S. A. Basha and S. Arahad Basha were reinstated as per Exs. W4, W5 and W6 while he was not considered and the management applied inconsistency in similar circumstances of the workers. He filed the Notification dated 4-2-1976 as Ex. W7 wherein the Food Corporation of India (Staff) Regulations 1971 were amended paving way for consideration for such employees for interview. It is his case that he was not called for interview along with the sponsored candidates from the Employment Exchange though he had experience. He requested that he should be reappointed on the lines as was done in the case of Arshad Basha, S. A. Basha and Srirammurthy. In the cross examination he admitted that he did not complete 240 days continuously without breaks. He denied the suggestion that the case of S.A. Basha, S. Arshad Basha and Shriramamurthy are differen from his case. He denied that Ex. W7 has no application to him as he was appointed subsequent to the commencement of the said G,O.
- 7. On behalf of the Management, the then District Manager, Kurnool was examined and marked Exs. M1 and M2. Ex. M1 is the service particulars of the Petitioner. It showed that the Petitioner was in Kurnool hired Codowns. Ex. M2 showing de-hired godowns during the years 1975-76 and 1976-77. According to him this godow was dehired on 17-1-1977, In the cross examination he admitted that he was not aware of Ex. W7 issued by the Head Office, New Delhi which he saw subsequently. He conceded that there is recruitment of watchmen after this retrenchment and admitted that one watchman was recruited subsequent to this retrenchment as per Ex. W8. According to him as the contents of Ex. W7 were general in nature the same was not implemented.
- 3. The facts are not in dispute. The evidence of W.W. 1 as well as the claims statement read with Ex. M1 would show that the Petitioner (W.W. 1) worked as daily rated watchman from 23-12-1975 to 18-11-1876 with breaks as shown in Ex.

M1. He was terminated on 19-11-1976. It is admitted that he worked in all 276 days with breaks. The argument of the management is that the Industrial Disputes Act had no application as he did not complete 240 days continuous service of attendance for eligibility for consideration under the provisions of I. D. Act etc., has no application to the present facts on the basis of Ex. s. W4, W5 and W6. Ex. W4 is a notification with reference to Sri Sriramamurthy, Ex-Watchman regarding his termination of services on which the Government of India, Ministry of Labour issued instructions to the Regional Manager, It is clarified that the said Srirama-murthy be reinstated on the same terms and conditions on which he was working earlier and the intervening period when the workman's services were terminated and when he is to be roinstated should be treated by the Food Corporation of India without back wages but at the same time with continuity of service for the payment of terminal benefits. Thus it was mentioned that it was not a fit case where the matter should be referred to industrial adjudication. The factum of issuing such instructions in the case of Sriramamurthy were borne out by Ex. W4 and the same were not denied. Similarly in the case of S.A. Basha who was also an Ex.Watchman, there were terms of settlement dated 16-2-1983 between the parties showing that the Management (F.C.I.), Kurnool was reinstating S. A. Basha, Ex-Watchman with effect from 1-3-1983 on the same terms and conditions as he was working earlier and that the reinstatement should be without back wages but it would affected continuity of service for the payment of terminal benefits and they were asked to send implemention report with reference to the said settlement. In the said case as could be seen under Ex. W5 the Watchman was appointed daily rated basis from 22-12-1975 onwards till 18-11-1976 with breaks and he was removed from service and the matter was pending before the Conciliation, the parties representing the Food Corporation of India Management as well as the representative of the workers (Md. Miskin Inbal) arrived at the said settlement as mentioned therein. This is also not disputed. Similarly under Ex. W6 dated 16-2-1983 on the same date in the case of S. Arshad Basha who was an Fx. Watchman, similar orders were passed reinstating him without back wares but giving him continuity of service with terminal benefits. These proceedings under Exs. W4, W5 and W6 would show that the management has considered similar cases of ex-watchmen who were terminated though they have not completed 240 days continuous service in a calendar year by reinstating them in 1982-83 as could be seen thereunder. In this context Ex. W7 is relevant, Ex. W7 dated 4-2-1976 is a Gazette Notification published in India Gazette with regard to the Staff Regulations of the F.C.I. 1971. It is mentioned that "povided further that such of the employees who were recruited on daily rate basis for period of less than 3 months on or purely temporary basis and whose services have been retained after allowing periodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against direct recruitment along with the candidates sponsored by the respective Employment Exchanges". This Notification was issued by the Government of India for Food Corporation of India, Head Office. It clearly mentions that those persons who were having periodical breaks and whose services were retained after allowing those breaks shall also be eligible to be considered for anpointment along with the direct recruitment candidates sponsored by the Empolymen Exchanges. In the instant case it is prima facle borne out and admitted by MW.1 also that this petitioner is not called for interview along with other candidates sponsored by the respective Employment Exchange when there were direct recruitments. It is admitted by MW.1 that 171 persons were newly recrulted after these persons were retrenched. On the face of Exs. W4 to W6 when similarly situated persons were reinstated without back wages but giving continuity of service for payment of terminal benefits as it happened to Sriramamurthy, S.A. Basha and S. Arshad Pasha and when there is clear amendment to the Regulation of the F.C.I. stating that these persons who were having periodical breaks and those who have been recruited on daily rate hosis for a period of not less than 3 months also or nurely temporary hasis are eligible for being called for interview, and when they are not been called for interview and when netitioner made representation and the same was not considered, it is incorrect and illegal to take a stand that this petitioner is not entitled for similar treatment on the basis of Regulations of F.C.I. which are in fact enforced in other cases i.e. Fxs. W4

W5 and W6. Ex. W8 would show that 171 persons were recruited. If Ex. W7 regulations are properly applied and considered, the person who is temporarily appointed as Watchman even if there is dehiring of godown and his services were terminated on 19-11-1976 the Management should have considered his application along with the applicants sponsored by the Empoyment Exchange in view of his past experience in the same field and he should have been preferred in the given circumstances. Exs. W4, W5 and W6 would strengthen the case of the petitioner since they too had similar practice and the Management did not hesitate to have a settlement with them though they did not complete 240 days continuous service in a calendar year in the light of the said Gazette Notification under Ex. W7. Ex. W7 is a boom for such workers and they were terminated under the Regulations of the F.C.I. and thus the petitioner is entitled to claim benefits thereof even he is appointed subsequently.

10. Thus on a consideration of the entire material placed before me, I hold that the petitioner is entitled to be reinstated forthwith without back wages but with continuity of service for hte purpose of payment of terminal benefits. The petitioner also expressed his willingnes, to work at anywhere if posted in the entire Zone and the same will not also come in the way of administration for fixing them properly without inconvenience to any one.

## Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 10th day of June, 1985.

Sd. |- (Illegible,

Industrial Tribunal

## Appendix of Evidence.

Witnesses examined for the workman:

(1) W.W. 1: G. Venkateswarlu Setty.

For the Management:

(1) M.W. 1 : I. V. Ramana Murty,

## Documents marked for the workman.

- Ex. W1. Appointment order dt. 22-12-75 issued by the District Manager, Food Corporation of India, Kurnool to G. Venkateswarlu Setty.
- (2) Ex. W2 Minutes of concililation proceedings held under Section 12(4) of I. D. Act, 1947 in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their exworkman G. Venkateswarfu Setty on 27-1-1984 in the office of the District Manager, F.C.I., Kurnool, regarding alleged illegal termination of his services as watchman.
- (3) Ex. W3 Failure of concillation report dated 7-2-84, between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their workman G. Venkateswarlu Setty, Ex.-Watchman regarding illegal termination of services under Section 12(4) of the I. D. Act.
- (4) Ex. W4 Photo Stat copy of the order No. L-42012(3)|82-F. C. L|D. IV(A) dt. 6-5-82 from Desk Officer, Government of India, Ministry of Labour. New Delhi. with regard to reinstatement of C. Sriramamurthy.
- (5) Ex. W5 Photo Stat conv of the Memorandium of Settlement dated 16-2-83 arrived at under Section 12 (3) of LD. Act. 1947 during the conciliation proceedings held in the Office of District Manager, Food Corporation of India, Kurnoci.

in the Industrial Dispute between the Management of F.C.I., Kurnool and their ex-workman S. A. Basha.

- (6) Ex. W6 Photo Stat copy of the Memorandum of Settlement dt. 16-2-83 arrived at under Sect on 12(3) of I.D. Act, 1947 during the conciliation proceedings held in the Office of District Manager, F.C.I., Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of F.C.I., Kurnool and their ex-workman S. Arashad Basha.
- (7) Ex. W7 Photo stat copy of the notification dt 4-2-76 issued by the Food Corporation of India, Head Office, New Delhi with regard to Food Corporation of (Staff) Regulations, 1971.
- (8) Ex. W8 Photo Stat copy of the Office order issued by the District Manager, Food Corporation of India, Kurnool to 171 workmen.

## Documents marked for the Management

- 1. Ex. M1 Statement showing the Attendance particulars of G. Venkateswarlu Setty.
- 2. Ex. M2 Photo Stat copy of the Statement showing the details of Godowns hired dehired during the years 1975-76 and 1976-77.
  - J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal [No. L-42012]3[84-D. IV (B)]D. V]

ं कां. आं. 3415.--औधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 कां. 14) की धारा-17 के अनुसरण में केन्द्रंय सरकार भारतीय खाद्य नियम, कुरनूस के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैवराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रोय सरकार को 1 खुलाई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3415.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Insdustrial Tribunal, Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Kurnool (AP) and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st July, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

## PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 86 OF 1984.

## BETWEEN:

The Workmen of Food Corporation of India, Kurnool, A.P.

## AND

The Management of Food Corporation of India, Kurnool, A.P.

## APPEARANCES:

Sri Md. Miskin Iqbal, Industrial Law Consultant for the Workmen.

Sri M. V. Bharathi, Advocate for the Management.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42012(2)|84-D.IV(B)|D.V., dated 21-11-1984 referred the following dispute under Section 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workman and the

Management of Food Corporation of India, Kurnool, A.P. to this Tribunal for adjudication.

"Wheher the management of Food Corporation of India, Kurnool is justified in terminating the services of Shri M. Chalapathi, daily rated Watchman with effect from 24-1-77. If not, to what relief the workman is entitled?

This reference was registered as Industrial Dispute No. 86 of 1984 and notices were issued to the parties.

- 2. In the claims statement the Petitioner, Ex. Watchman of F.C.I. represented that he worked as daily rated watchman from 15-1-1976 to 24-1-1977 at the F.C.I. Kurnool and that his services were terminated from 25-1-1977 for no fault of his though the F.C.I. Head Office, New Delhi issued a Gazette Notification on 4-2-1976 for regularisation of service of daily rated watchmen who were recruited directly by giving an opportunity while conducting interview along with the candidates sponsored by the Employment Exchange. It is mentioned that the District Manager of Food Corporation of India did not adhere to the circular but removed him from service and thereupon he made representation to various authorities and finally the matter was represented to the Assistant Commissioner of Labour (Central) for intervention and the matter was referred to the Tribunal for adjudication. So it is requested that he should be paid all back wages since 25-1-1977 till the date from which the reinstatement will be done and for also continuity of service with terminal benefit from the date of his first appointment on 15-1-1976.
- 3. In the counter, it is mentioned that the claimant petitioner worked only from 15-1-1976 to 24-1-1977. It is contended that the Industrial Disputes Act has no application as he had no continuous service for one year and thus he is not entitled to any reliefs under the Act. The Management further mentioned that the Gazette Notification referred to is not applicable to him since he is not exempted from the conditions of sponsorship by the Employment Exchange. It is mentioned that he is not regularly appointed or continued in Employment and thus the question of non-compliance with the Gazette Notificaion did not arise.
- (4) It is mentioned that the daily rated watchmen were found surplus on 17-1-1977 and hence the service of the claimant had to be terminated while the service of senior watchmen were regularised. The Petitioner is only working at hired godowns, Kurnool and they were dehired and the process of dehiring and closure of godowns were undertakes phasewise and ultimately the godowns were dehired on 16-1-1978.
- (b) So it is mentioned that the worker has no right to challenge the termination order since his services were terminated by reasons of closure of godowns and closure of activities business at Kurnool godowns which were dehired in fact. The petitioner is not entitled to be called for interview. Moreover the petitioner is guilty of latches for not raising a dispute over a period of five years. If this petition is entertained, the administration will be confronted with numerious personal problems. There is no comparison between the cases of the others to whom the petitioner made reference.
- (c) The Management further submits that the Gazette Notification dated 4-2-1976 will not be applicable to the petitioner.
- 4. The petitioner examined himself as W.W1 and marked Exs. W1 to W7. On the other hand the Management examined one Sri I, V. Ramana Murthy and marked Exs. M1 and M2.
- 5. The sum and substance of the evidence of W.W.1 is that under Ex. W1 he was appointed as Watchman on daily rated basis from 15-1-1976 to 24-1-1977. According to him he made representations to the Department to take him into employment and he approached the authorities concerned with his employment card. Finally the matter was raised before the Conciliation Officer under Ex. W2 and the onciliation proceedings failed.
- 6. He pointed out that Sriramamurthy, S. A. Bacha and S. Arshad Basha were reinstated as per Exs. W3, W4 and W5

he was not considered and the management applied inconsistency in similar circumstances of the workers. He filed the Notification dated 4-2-1976 as Ex. We wherein the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971 were amended paving way for consideration for such employees for interview. It is his case that he was not called for interview along with the sponsored candidates from the Employment Exchange though he had experience. He requested that he should be reappointed on the lines as was done in the case of Arshad Basha, S. A. Basha and Sriramamurthy. In the cross-examintion he admitted that he did not complete 240 days continuously but he worked for 321 days with breaks. He denied the suggestion that the case of S. A. Basha, Arshad Basha and Sriramamurthy are different from his case. He denied that Ex. We has no application to him as he was appointed subsequent to the commencement of the said G.O.

7. On behalf of the Management, the then District Manager, Kurnool was examined and marked Exs. and M2. Ex. M1 is the Attendance part culars of the petitioner. It showed that the Petitioner was in Nandyal hired godown. Fx. M2 showing dehired godowns during the years 1975-76 and 1976-77. According to him this godown was dehired on 11-3-1977. In the cross-examination he admitted that he was not aware of Ex. W6 issued by the Head Office, New Delhi which he saw subsequently. He conceded that there is recruitment of watchmen after this retrenchment. According to him as the contents of Ex. W-6 were general in nature the same was not implemented.

8. The facts are not in dispute. The evidence of W.W1 as well as the claim statement read with Ex. M1 would show that the petitioner (W.W1) worked as daily rated watchman from 15-1-1976 to 24-1-1977 with breaks as shown in Ex. M1. He was terminated on 25-1-1977. It is admitted that he worked in all 321 days with breaks. The argument of the Management s that the Industrial Disputes Act had no application as he did not complete 240 days continuous service of attendance of a legibility for consideration under the provisions of the I. D. Act etc. has no application to the present facts on the basis of Exs. W3, W4 and W5 is a notification with reference to Sriramamurthy, Ex-Watchman regarding his termination of service on which the Government of India, Ministry of Labour issued instuctions to the Regional Manager. It is clarifled that the said Sriramamurthy be reinstated on the same terms and conditions on which he was working earlier and the intervening period when the services of workman were terminated and when he is to be reinstated should be treated by the Food Corporation of India without back wages but at the same time with continuity of service for the payment of terminal benefits. Thus it was mentioned that it was not a fit case where the matter should be referred to industrial adjudication. The factum of issuing such instructions in the case of Sriramamurthy were borne out by Ex. W3 and the same were not denied. Similarly in the case of S. A. Basha who was also an ex-watchman, there were terms of settlement dated 16-2-1983 between the parties showing that the management (F.C.L.), Kurnoof was reinstating S.A. Basha, Ex-Watchman with effect from 1-3-1983 on the same and conditions as he was working and that the reinstatement should be without back wages but it would affect continuity of service for the payment of terminal benefits and they were asked to send implementation report with reference to the said settlement. In the said case as could be seen under Fx. W-4 the Watchman was appointed on daily rated basis from 22-12-1975 onwards till 18-11-1976 with breaks and he was removed from service and the matter was pending before the Conciliation, the parties representing the Food Corporation of India Management as well as the representative of the workers (Md. Miskin Iqbal) arrived at the said settlement as mentioned therein. This is also not disputed. Similarly under Ex. W-5 dated 16-2-1983 on the same date In the case of S. Arshad Basha who was an ex-watchman, similar orders were passed reinstating him without back

wages but giving him continuity of service with terminal benefits. These proceedings under Exs. W-3, W-4 and W-5 would show that the Management has considered similar cases of ex-watchman who were terminated though they have not completed 240 days continuous service in a calendar year by reinstating them in 1982-83 as could be seen there-under. In this context Ex. W-6 is relevant. Ex. W-6 dated 4-2-1976 is a Gazette Notification published in India Gazette with regard to the Staff Regulations of the F.C.J. 1971. It is mentioned that "provided further that such of the employees who were recluited on daily rate basis for period of less than 3 months on or purely temporary basis and whose services have been retained after allowing periodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against direct recruitment along with the candidates sponsored by the respective Employment Exchanges". This Notification issued by the Government of India for Food Corporation of India, Head Office. It clearly mentions that those persons who were having periodical breaks and whose services were retained after allowing those breaks shall also be eligible to be considered for appointment along with the direct recruited candidates sponsored by the Employment Exchanges. In the instant case it is prima facie borne out and admit ed by WW-1 also that this petitioner is not called for interview along with other candidates sponsored by the respective Employment Exchanges when there were direct recruitments. It is admitted by MW-1 that 171 persons were newly recruited after those persons retrenched. On the face of Fxs. W-3 to W-5 when similarly situated persons were reinstated without back wages but giving continuity of service for payment of terminal benefits as it happened to Sriramamurthy, S. A. Basha and S. Arshad Basha and when there is clear amendment to the Regulation of F.C.I. stating that there persons who were having periodical breaks and those who have been recruited on daily rated basis for a period of not less than 3 months also or purely temporary bas's are eligible for being called for interview, and when they have not been called for interview and when petitioner made representation and the same was not considered, it is incorrect and illegal to take a stand that this petitioner is not entitled for similar treatment on the basis of regulations of F.C.I. which are in fact enforced in other cases i.e. Exs. W-3, W-4 and W-5. Ex. W-7 would show that 171 persons were recruited. If Ex. W-6 Regulations are properly applied and considered, the person who is temporarily appointed as Watchman even if there is dehiring of godown and his services were terminated on 25-1-1977, the Management should have considered his application along with the applicants sponsored by the Employment Exchanges in view of the past experience in the same field and he should have been preferred in the given circumstances Fxs. W-3, W-4 and W-5 would strengthen the case of the petitioner since they too had similar practice and the Management did not hesitate to have a settlement with them though they did not complete 240 days continuous service in a calendar year in the light of the said Gazette Notification under Ex. W-6. Ex. W6 is a boom for such workers and they were terminated under the Regulations of the F.C.I. and thus the petitioner is entitled to claim benefits thereof even if he is appointed subsequently

la synymeth boro illustrational and a <u>la care e com</u>

9. Thus on a consideration of the entire material placed before me. I hold that the Petitioner is entitled to be reinstated forthwith without back wages but with continuity of service for the purpose of payment of terminal benefits. The petitioner also expressed his willingness to work at anywhere if posted in the entire Zone and the same will not also come in the way of administration for fixing them properly without inconvenience to any one.

Award passed accordingly.

(Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 14th day of June, 1985).

Industrial Tribunal

#### Appendix of Evidence

Witnesses Examined

#### Witnesses Examined

For the Workmen---WW-1 M. Chalapathi.

For the Management:

WW-1 M. Chalapathi.

For the Management-MW-1 I. V. Ramana Murthy.

Documents marked for the Workmen

- Ex. W-1—Service Certificate issued by Quality Inspector, Food Corporation of Ind.a, Nandyal to M. Chalapathi.
- Ex. W-2—Minutes of conciliation proceedings held under Section 12(4) of I. D. Act, 1947 in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their ex-Wörkmon M. Chalapathi on 21-1-84 in the Office of the District Manager, F.C.I. Kurnool regarding alleged illegal termination of his Services as Watchman.
- Ex. W-3—Photostat copy of the Order No. L-42012 (3)/82-FCI/D.IV (A) dated 6-5-82 issued by the Desk Officer, Government of India Min'stry of Labour, New Delhi issued to C. Srirama Murthy.
- Ex. W-4—Photostat copy of the Memorandum of Settlement dated 16-2-83 arrived at under Section 12(3) of Industrial Dispute Act, 1947, during the Conciliation proceedings held in the Office of District Manager, Food Corporation of India, Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their Ex-Workman, S. A. Basha.
- Ex. W-5—Photostat copy of the Memorandum of Settlement dated 16-2-83 arrived at under Section 12(3) of the I. D. Act, 1947, during the Conciliation held in the Office of District Manager, Food Corporation of India, Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their ex-workman S Arashad Basha.
- Ex. W-6—Photostat copy of the Notification dated 4-2-1976 issued by the Food Corporation of Ind'a, Head Office. New Delhi, with regard to Staff regulations 1971.
- Ex. W-7—Photostat cony of the office order with regard to appointment of Watchman on Short term basis, regularisation of appointment issued by the Management.

Documents marked for the Management :

- Ex. M-1-Statement showing the attendance particulars of M. Chalapathy Ex-Workman
- Ex. M-2—Photostat copy of the Statement showing the details of Godowns hired/dehired during the years 1975-76 and 1976-77.
  - J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal [No. L-42012|2|84-D. IV(B)|D.V]

का. मा. 1416: — भौद्योगिक विवाद मिधिनियस, 1947 (1947 का 14) की सारा 17 के भनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय खाद्य निगम, कुरनूल प्रवंधतंत्र से मम्बद्ध नियोजकों भौर उनके अर्मकारों के बीच, भनुबंध में निविष्ट भौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार भौद्योगिक प्रक्षिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1 जुलाई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3416.—In purpuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of Industrial Tribunal, Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Kurnool and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st July, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 98 of 1984

#### BETWEEN

The Workmen of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.).

#### AND

The Management of Food Corporation of India, Kurnoel (A.P.).

#### APPEARANCES:

- Sri Md. Miskin Igbal, Industrial Law Consultant—for the Workmen.
- Sr M. V. Bharathi, Advocate-for the Management.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by the Order L-42012(11)/84-DV dated 22-11-1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Kurnool to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the action of the management of Food Corporation of India, Kurnool is justified in terminating the services of Shri S. Maula Ali, Ex. Watchman with effect from 10-1-77? If not to what relief the workman is entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 98 of 1984 and notices were issued to both the parties.

- 2. In the claims statement the Petitioner ex-Watchman of Food Corporation of India represented that he worked as Jaily rated watchman from 7-1-1976 onwards till 17-1-1977 at the F.C.I. Kurnool and that his services were terminated from 18-1-1977 for no fault of his though the F.C.I. Head Office, New Delhi issued a Gazette Notification on 4-2-1976 for regularisation of service of daily rates wotchman who were recruited directly by giving an opportunity while conducting interview along with the candidates sponsored by the Employment Exchange. It is mentioned fint the District Manager of Food Corporation of India did not adhere to the circular but removed him from service and thereupon he made representation to various authorities and finally the matter was represented to the Assistant Commissioner of I about (Central) for intervention and the matter was referred to the Tribunal for aidudication. According to him as per the Gazette Notification dated 23-1-1976 it is mentioned as follows:—
  - "Provided further that such of the employees who were recruited on daily rate basis for period of less than 3 months on or purely temporary basis and whose service as have been retained after allowing reviodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against direct recruitment for appointment against direct recruitment along with the candidates anonsored by the tespective Employment Exchanges".

Thus the question of completion of 240 days of attendance for elimibility for consideration under the provisions of the Industrial Disputes Act did not arise when the specific mistructions under reference are in force for appointment. 50, it is requested that he should be paid all back wages since 1.-1-1977 till the date from which the reinstatement will be done and for also continuity of service with terminal benefits from the date of his first appointment on 7-1-1976.

- 3. In the counter, it is mentioned that the claimant petitioner worked only from 7-1-1976 to 17-1-1977 and thus he worked for one year with breaks. The daily rated workman in not an employee of any cadre or category of regular employee enlisted in the Food Corporation of India Staff Regulations.
- (a) It is mentioned that the daily rated watchman were tound surplus on 17-1-1977 and hence the service of the cainiant had to be terminated while the service of senior watchman were regularised. The Petitioner is only working at hired godowns, Kurnool and they were dehired and the process of de-hiring and closure of godown were undertaken phase-wise and ultimately the godowns were dehired on 16-1-1978.
- (b) So it is mentioned that the worker has no right to chatlenge the termination order since his services, were terminated by reasons of closure of godowns and closure of activities/business at Kurnool Godowns which were defired infact. The Petitioner is not entitled to be called for interview. Moreover the Petitioner is guilty of latches for not raising a dispute over a period of five years. If this petition is entertained the administration will be confronted with numerous personal problem. There is no comparison between the cases of the others to whom the petitioner made reference.
- (c) The Management further submits that it was already clarihed that the Gazette Notification dated 4-2-1976 will be applicable to only such of those daily rated workmen who were appointed on or before 25-1-1976 the Petitioner having been appointed on 7-1-1976.
- 4. The Petitioner examined himself as WW-1 and marked Exs. W-1 to W-8. On the other hand the Management examined one Sri I. V. Ramana Murthy and marked Exs. M-1 to M-2.
- 5. The sum and substance of the evidence of WW-1 is that under Ex. W-1 he was appointed as Watchman on daily rated basis from 7-1-1976 to 17-1-1977. According to him he made representations to the Department to take him into employment and he approached the authorities concerned with his employment card. Finally the matter was raised before the Conciliation Officer under Ex. W-2 and the conciliation proceedings failed as per Ex. W-3.
- 6. He pointed that Srirama Murthy, S. A. Basha and S. Arshad Basha were reinstated as per Exs. W-4, W-5 and W-6 while he was not considered and the management applied inconsistent in similar circumstances of the workers. He filed Notification dated 4-2-1976 as Ex. W-7 wherein the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971 were amended paying way for consideration for such employees for interview. It is his case that he was not called for interview along with the sponsored candidates from the Employment Exchange though he had experience. He requested that he should be reappointed on the lines as was done in the case of Arshad Basha, S. A. Basha and Srirama Murthy. In the cross examination he admitted he tild not complete 240 days continuously but he worked for 284 days. He den'ed the suggestion that the case of S. A. Basha, Arshad Basha and Sriramamurthy are different from his case.
- 7. On behalf of the Management, the then District Manager, Kurnool was examined and marked Exs. M-1 and M-2. Ex. M-1 is the service particulars of the petitioner. It showed that the Petitioner was in Kurnool hired Godowns. Ex. M-2 showing the dehired godowns during the years 1975-76 and 1976-77. According to this godown was dehired on 17-1-1977. In the cross examination he admitted that he was not aware of Ex. W-7 issued by the Head Office. New Delhi which he saw subsequently. He conceded that there is recruitment of watchman after this retrenchment and admitted that one watchman was recruited subsequent to this retrenchment as per Ex. W-8. According to

nim as the contents of Ex. W-7 was general in nature the same was not implemented.

8. The facts are not in dispute. The evidence of WW-1 as well as the craims statement read with Ex. M-1 would snow that the Pentioner (WW-1) worked as daily rated watchman from 7-1-1976 to 17-1-1977 with breaks as shown in Ex. M-1. He was terminated from 18-1-1977. It is admitted that he worked in all 284 days with breaks. The argument of the management is that the Industrial Disputes Act had no application as he did not complete 240 days continuous service of attendance for eligibility for consideration under the provisions of the I. D. Act etc. has no application to the present facts on the basis of Exs. W-4, W-5 and W-6. Ex. W-4 is a Notification with reference to Srirama Murthy, Ex. Watchman regarding his termination of service on which the Government of India, Ministry of Labour issued instructions to the Regional Manager. It is clarified that the said Sriramamurthy be reinstated on the same terms and conditions on which he was working earlier and the intervening period when the workman services were terminated and when he is to be reinstated should be treated by the Food Corporation of India without back wages but at the same time with continuty of services for the payment of terminal benefits. Thus it was mentioned that it was not a fit case where the matter should be refer-ved to industrial adjudication. The factum of issuing such instructions in the case of Srirama Murthy were borne out by Ex. W-4 and the same were not denied. Similarly in the cuse of S. A. Basha who was also an ex-watchman, there were terms of settlement dated 16-2-1983 between the parties showing that the Management (F.C.I.) Kurnool was reinstating S. A. Basha Ex-Watchman with effect from 1-3-1983 on the same terms and conditions as he was working earlier and that the reinstatement should be without back wages but it would affect continuity of service for the payment of terminal benefits and they were asked to send implementa-tion report with reference to the said Settlement. In the said case as could be seen under Ex W-5 the Watchman was appointed as daily rated basis from 22-12-1975 onwards till 18-11-1976 with breaks and he was removed from service and the matter was pending before the Conciliation, the parties representing the Food Corporation of Irda Management as well as the representative of the workers (Md. Miskin Igbal) arrived at the said settlement as mentioned therein. This is also not disputed. Similarly under Ex. W-6 dated 16-2-1983 on the same date in the case of S. Arshad Basha who was an ex-Watchman, smilar orders were passed reinstating him without back wages but giving him continuity of service with terminal benefits. These proceedings under Exs. W-4, W-5 and W-6 would show that the Management had considered similar cases of ex-watchman who were terminated though they have not completed 240 days continuous service in a Calendar year by reinstating them in 1982-83 as could be seen thereunder. In this context Ex. W-7 is relevant. Ex. W-7 dated 4-2-1976 is a Gazette Notification published in Ind's Gazette with regard to the Staff Regula-tions of the F.C.I. 1971. It is mentioned that "provided further that such of the employees who were recruited on daily rate basis for period of less than 3 months on or purely temporary basis and whose services have been retained after allowing periodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against direct recruitment along with the candidates sponsored by the respective Employment Exchanges." This Notification issued by the Government of India for Food Corporation of India, Head Office. It clearly mentions that those persons who were having periodical breaks and whose services were retained after allowing those breaks shall also be eligible to be considered for appointment along with the direct recruited candidates sponsored by the Employment Exchanges. In the instant case it is prima facie borne out and admitted by MW-1 also that this petitioner is not called for interview along with other candidate sponsored by the respective Employment Exchange when there were direct recruitments. It is admitted by MW-1 that 171 persons were newly recruited after these persons were retrenched. On the face of Exs W-4 to W-6 when similarly situated persons were reinstated without back wages but giving continuity of service for payment of terminal benefits as it happened to Srirama Murthy, S. A. Basha and S. Arshad Basha and when there is clear amendment to the regulation of the F.C.I. stating that these persons who were having periodical breaks and those who have been

recruited on daily rated basis for a period of not less than 3 months also or purely temporary basis are eligible for being called for interview, and when they are not been called for interview and when peritioner made representation and the same was not considered, it is incorrect and illegal to take a stand that this petitioner is not entitled for similar treatment on the basis of regulations of F.C.I. which are in tact enforced in other cases i.e. Exs. W-4, W-5 and W-6. Ex. W-8 would show that 171 persons were recruited. If Ex. W-7 regulations are properly applied and considered, the person who is temporarily appointed as watchman even if there is dehiring of godowns and his services were terminated from 18-1-1977 the Management should have considered his application along with the applicants sponsored by the Employment Exchange in view of his past experience in the same field and he should have been preferred in the given circumstances. Exs. W-4, W-5 and W-6 would strengthen the case of the petitioner since they too had similar practice and the Management did not hesitate to have a settlement with them though they did not complete 240 days continuous service in a calendar year in the light of the said Gazette Notification under Ex. W-7 Ex. W-7 is a boon for such workers and they were terminated under the Regulations of the F.C.I. and thus the petitioner is entitled to claim benefits thereof even he is appointed subsequently.

10. Thus on a consideration of the entire material placed before me. I hold that the Petitioner is entitled to be reinstated forthwith without back wages but with continuity of service for the purpose of payment of terminal benefits. The petitioner also expressed his willingness to work at anywhere if posted in the entire Zone and the same will not also come in way of administration for fixing them properly without inconvenience to any one.

Award passed accordingly,

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal th's the 17th day of June, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence

Witnesses Fxamined

For the Workmen:

WW-1S. Maulo Ali

Witnesses Examined For the Management:

MW-1 I. V. Ramona Murthy.

#### Documents marked for the Workmen

- Ex. W-1.—Certificate dated 18-11-1976 issued by the District Manager, Food Corporation of India, District Office, Kurnool (A.P.) to S. Maula Ali.
- 1:x. W-2—Minutes of conciliation proceedings held on 23-3-84 under Section 12(4) of I. D. Act, 1947 in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their Ex-Workman S. Maula Ali in the Office of the District Manager, Food Corporation of India, Kurnool regarding alleged illegal termination of his services as daily rated watchman.
- Ex. W-3—Failure of conciliation report under Section 12(4) of the I. D. Act, 1947 between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their workman S. Maula Ali.
- Ex. W-4—Photostat copy of the Order No. L-42012 (3)/82-FCI/D.IV(A) dated 6-5-82 issued by the Desk Officer, Government of India, Ministry of Labour, New Delhi with regard to reinstatement of C. Srirama Murthy.
- Ex. W-5—Photostat copy of the Memorandum of Settlement dated 16-2-83 arrived at under Section 12(3) of I. D. Act. 1947 during the conciliation Proceedings held on 16-2-83 in the Office of District Manager, Food Corporation of India, Kutnool in

the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their ex-workman S. Arshad Basha.

- Ex. W-6—Photostat copy of the Memorandum of Settlement dated 16-2-83 arrived at under Section 12(3) of I. D. Act, 1947 during the conciliation proceedings held on 16-2-83 in the office of District Manager, Food Corporation of India, Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their ex-workman S. Arshad Basha.
- Ex. W-7—Photomist copy of the Notification dated 4-2-76 issued by the Food Corporation of India, Head Office, New Delhi with regard to Food Corporation of India Staff Regulations 1971.
- Fx. W-8—Photostat copy of the Office Order issued by the Food Corporation of India, Kurnool to 171 workmen.

Documents marked for the Management:

- Ex. M-1-Statement showing the Attendance particulars in respect of S. Maula Ali, Ex-Watchman.
- Ex. M-2—Photostat copy of the Statement showing the details of Godowns hired/debired during the years 1975-76 and 1976-77.

[No. L-42012/11/84-D.V] J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

का. भा. 3417— प्रांचाियक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय बाब निगम, कुरनृत्व के प्रबंधनंत्र से सम्बद्ध नियोजकों भीर उनके कर्मकारों के बीच प्रनुशंध में निर्दिष्ट श्रीसंगिक विवाद में भौद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाद की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1 जुलाई, 1985 की प्राप्त सुशाया ।

[सं० 42012/16/84-डीव्वीव]

S.O. 3417.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Kurnool and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st July, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD.

PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunol. Industrial Dispute No. 83 of 1984

Industrial Dispute No.83 of 1984

#### BETWEEN

The workmen of Food Corporation of India, Kurnool (AP).

#### AND

The Management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.).

#### APPEARANCES:

Shri B. Nagi Reddy, Advocate—for the workmen. Sri M. V. Bharathi, Advocate—for the Management.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42012/16/84-D.V. dated 16-11-1984 referred the tollowing dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the

Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P) to this Tribunal for adjudication:

"Whether the management of Pood Corporation of India, Kurnool is justified in terminating the services of Sri B. Narayana, Ex.-Watchman with effect from 20-4-1977? It not, to what relief the workmen is entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 83 of 1984 and notices were issued to the parties.

- 2. In the claims statement it is mentioned that the Petitioner-workmen Sri B. Narayana was appointed as Watchman on daily rated basis with effect from 25-6-1976 and that he was continuously working ever since his appointment being attached to Timmencherla. According to him all appointments in the Food Corporation of India have been made initially on daily rated basis in Andhra Pradesh region even though there were clear vacancies and the F.C.I. Head Quarters issued circulars to the Regionl Manager, Hyderabad to treat the period of service of daily rated employees as ad hoc appointment with effect from 8-1-1976. According to him even subsequent appointees also shall be given the benefits of scales. It is this case that the Respondent did not implement the direction of the Headquarters.
- (a) While so, the Petitioners services were terminated with effect from 20-4-1977 without any reasonable cause or notice. The matter was taken up by the Union immediately and the matter was also finally raised before the Asst. Commissioner of Labour (Central) for conciliation but without any effect of reinstatement.
- (b) It is his case that the termination of service is illegal and invalid and the same is in violation of the Industrial Disputes Act. It is also his case that the employees who were appointed later to the petitioner were retained in service and thereby the Respondent contravened the provisions of Section 25-G of the I.D. Act. According to the Respondent also opened a number of depots subsequent to the termination and when there are number of permanent vacancies who should have reinstated them. Since he is eligible to hold the post of Watchman and he had experience and necessary qualification prescribed. The petitioner should have been entitled for regular scale attached to the watchman ever since he was appointed in view of the circular. Moreover in June 1984 the Management entered in to a Settlement with the Union and granted regular appointment to all the daily rated staff. But for the illegal termination the Petitioners could have got all the benefits under the said settlement.
- 3. In the counter it is mentioned that the daily rated watchman have no service conditions than the principles of work and pay. The claimant petitioner in this case was ex-watchworking at Open Storage Godown at Timmencherla and the services were terminated at the opens storage godown system was abolished and the very nature of godown was to store the paddy for temporary period. It is mentioned that the service of casual labourers such as the petitioner were terminated due to closure of open storage godown and transfer of entire goods to permanent godowns. It is also pointed out as an economic measure the Management has to cut off the dead wood and streamline the administration. According to him the facts of the case attract provisions of Section 25FFF of the I.D. Act and the workman is not entitled for reinstatement, and his termination is justified. According to him the casual labour has no right for reinstatment or re-appointment even though he completes 240 days of continuous attendance in a year within the meaning of Section 25-B of the I.D. Act. It is also mentioned that the circular is not an authority to re-appointment and there is no guarantee of re-appointment or fresh appointment in service are not applicable to him. It is also mentioned that he did not require notice of termination. He denied opening of new depots and vacancies being available. In the instant case the recruitment of Employment Exchange candidates was held on 31-3-1977 and termination was effected from 23-4-1977. All the claims of the workman are not ten-
- 4. On behalf of the workman, the Petitioner himself is examined as W.W.1 and marked Exs.W1 to W6. While the Respondent-Management examined M.W.1 and marked Ex.M1.

5. W.W.1 stated that he worked as Watchman at Timmencherla Depot from 28-4-1976 to 23-4-1977 and he was terminated on 23-4-1977 without any notice. According to him he is a daily rated watchman working on ad hoc basis at F.C.I., Timmencherla. He marked the certificate issued by the District Manager, F.C.I. to show the same as Ex. W1 and he also marked termination order given to him as Ex. W2. He marked service certificate as Ex. W3. According to him he approached the authorities for conciliation to settle their dispute as per Ex. W4, and also marked S.S.C. appeared as per the certificate issued to him as per Ex.W5. According to him he should be considered for reinstatment as was done in the case S.A. Basha, S. Arshad Basha and Sriramamurthy. The Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971 as amended on 4 2-1976 is marked as Ex. W6. and mentioned that there is provision for reinstatement. According to him Ex.W7 marked in I.D. No. 81/84 is a repersentation made by him for reinstatement to the Depot Superintendent, Timmencherla and that he is un-employed all these years and he also expressed himself to appoint him as a fresh candidate without insisting back wages to provide any watchman job by the F.C.I.

المراجعة ال

- 6. The evidence of M.W.1 who is the District Manager, F.C.I. Branch to the following effect He deposed that due to heavy receipt of imported wheat in 1976 and to accommodate the said stock large units of private godowns were taken on hire. According to him to protect the said stocks he appointed watchman on daily rate basis depending upon the volume of stocks. He marked Ex. M-1 to show that the petitioner is appointed as daily rated watchman by filing his particulars of attendance and wages. According to him as per Ex.M2 which is dated 4-2-1976 (which is marked in I.D. No.81/84) it was stated that where the officials were taken before 25-1-1976 without employment exchange channel such officials should be interviewed along with the candidates sponsored through the Employment Exchanges and regularise with effect from the date of such employment. In case such an interview has already been conducted after 25-1-1976 they may be regularised with effect from such date of interview. He admitted that under Ex.M3 dt. 26-2-1983 is one of the orders (marked in I.D. No. 81/84) by the Senior Regional Manager reinstating S. A. Basha and Arshad. Basha. In the cross-examination he admitted that the work-man was in service for a total period of 341 days by the time he was terminated. According to him during that settlement they might have terminated 100 people who were temporarily working as Watchmen and witness admitted after seeing Ex. W7 marked in I.D. No. 100/84 that Sriramamurthy is reinstated as Watchman with the same terms and conditions on which he was working earlier and there was a Memorandum of Settlement dated 16th February, 1983 with reference to S. Arshad Basha and S. A. Basha as per Exs. W8 and W9 which are marked in I.D. No. 100/84. He conceded that the Petitioner should have interviewed candidates sponsored by the Employment Exchange channel vacancies which are filed after 4th February, 1976. He also admitted that in view of the clarification he should have been regularised with effect from such date of interview after 25th January. 1976 provided he is appointed prior to 25th January, 1976. He denied that the termination of the petitioner on 23rd April, 1977 is illegal and invalid. He admitted that F.C. f. is now expanding and progressing Corporation and it required lot of man power.
- 7. The admitted facts are the petitioner worked as daily rated watchman at Timmencherla in the Food Corporation of India Godowns from 25-6-1976 to 20-4-1977 and it is elicited that in the evidence of M.W.I that he had put in a total period of 341 days in all by the time he was terminated. It is also conceded that as per Ex. W5 and also as per Exs. W2 and W1 read with the oral evidence that the petitioner had requisite qualification to be appointed as Watchman and that under Exs. W1 and W2 termination was done without notice. The order of appointment would show under Ex. W1 that he will be paid daily wages for the days of work as per the usual allowance. Failure of conciliation report marked under Ex. W4 would show that the management though was directed to apply the circular namely Gazett Notification dt. 4-2-1976, the Management mentioned that it is not possible to give effect for the said Circular. Now the Circular dated 4-2-1976 mentioned that it was a Gazette Notification amending the

rood Corporation of India (Staff) Regulations and it is mentioned that the said Regulations should have come into force on 27-1-1976 and the same should be added to the existing proviso of the F.C.I. Regulations namely provided turther that such of the employees who were recruited on daily rated basis for periods of less than 3 months or on purely temporary basis and whose services have been retained after allowing periodical breaks, shall also be eligible to be considered for appointment against direct recruitment along with candidates sponsored by the respective Employment Exchages. It means that the Food Corporation of India, Head Office amended the Regulations to consider those employees who were employed as daily rated for periods of less than three months or putely temporary basis and whose services have been retained after filing periodical breaks, shall be eligible for appointment against direct recruitment along with the candidates sponsored by the respective Employment Exchanges, and the same is brought to the notice of the Regional Manager, F.C.I. under Ex.W7. The Manager did not act wisely. Moreover it is admitted that on an earlier occasion Sri S.A. Basha, S. Arshad Bash; and Sriramamurthy were reinstated by the Management. In similar circumstances in the case of Srirama Murthy, he was re-appointed without back wages and given continuity of service for payment of terminal benefits by the Headquarters of the F.C.I. and in the case of S.A. Basha and S. Arshad Basha, the Management, entered into a Settlement on similar terms. Now in the inclant case when the employee worked for 341 days and when he is having all the requisite qualifications to be considered for regularisation as Watchman being S.S.C. in the light of the Circular Ex. W-6 the management should have considered this person who is terminated without any notice for appointment against the direct recruitment of candidates sponsored by the respective Employment Exchanges is a mandatory provision as per the amended F.C.I. Regulations. It is admitted that there was recruitment of candidates even under Ex.M2 (marked in I.D. No.81/84) as per the clarification of the circular where officials had been taken before 25-1-1976 without Employment Exchange channel auch official should be interviewed along with the candidates sponsored through Employment Exchange and regularise with effect from the date of such employment and in case such interview had already been conducted after 25-1-1976 they may be regularised with effect from such date of interview. No subsequent to this clarification it is admitted that under Ex.M3 (marked in I.D. No.81/84) the reinstatment of S.A. Basha and S. Arshad Basha were done. The Management conceded that the Petitioner should have been interviewed along with the candidates sponsored by the Employment Exchange channel when there are vacancies which are filed after 4-2-1976 and it is also conceded even by the clarification under Ex. M-2 they should have been regularised with effect from such date of interview after 25-6-1976 provided appointed prior to 25-1-1976. In this case on 25-6-1976, According to the management the said clarification under Ex.M2 and Ex.W6 will not apply to those persons who are appointed after 25-1-1976. When the persons are governed by the F.C.I. Regulations and Regulations are amended with reference to the persons who are appointed prior to 25-1-1976 and there is notification issued on 4-2-1976 and clarification was also given under Ex. M-2 how those persons should be interviewed and appointed. It cannot be said that the said Ex.M2 and Ex.W6 had no prospective application to the candidates who were appointed subsequently, when the same is applicable retrospectivaly it automatically follows that the same is also applicable prospectively. Now the question of workmen completing more than 240 days of service in a calendar year for being considered under the provisions of the LD. Act is not at all applicable to this case. The very Ex, W6 and Ex.M2 and the subsequent action of the management with reference to the reinstatement of Sriramamurthy, S.A. Basha and S. Arshad Basha in the light of the notification dt 4-2-1976 and the subsequent clarification Ex. M2 would show that the management clearly violated the mandatory provisions of Section 25F of the said I.D. Act and the said termination is ab initio void. Moreover there is clear evidence and admission that after this petitioner is terminated the Management recruited some persons through Employment Exchanges. While so when the candidates were sponsored by the Employment Exchange were interviewed the Petitioner was not called for the selection and the action of the termination of the service of the petitioner in not calling for

interview along with them is contrary to the rules and Regulations of the F.C.I. It is not in dispute that some new persons were appointed on regular scales after these petitioners and others numbering about 100 were terminated. This is in violation of Section 25(H) of the I.D. Act and the contention of the Management that there was no necessity of continuing the post of Watchman is absolutely ill-founded and baseless. The evidence of W.W.I and M.W.I when read together would show that the termination is aimed only for denying the regular status of watchman to the Pet tioper and that the termination is mala fide and colourable exercise of powers by the Management.

8. In fact the appointment of daily rated workmen were banned by the F.C.I. by circular dated 4-2-1976 and subsequently modified circular dated 20-12-1977 under Ex. M2 the employees were working on daily rated basis were all ad hoc appointments provided under F.C.I. Regulations. The petitioner is also entitled for the scales from the date of his appointment i.e. 25-6-1976 till his services were terminated on ad hoc basis. The argument of the Management is that watchmen were recruited at Open Storage Godowns and that the Open Storage Godowns systems was abolished and therefore the services of casual labour were such as the petitioner were terminated due to closure of the Open Storage Godowns and transfer of eptire stocks to permanent godowns is not at all borne out by accord. There is no evidence that these petitioners and others like him were subsequently engaged for looking after the hired godowns. There was also no evidence to show that the so called hired godowns handed over back to the respective owners. Moreover when similarly placed daily rated watchman like Sriramamurthy, Arshad Basha and S A. Basha were reinstated and when simifarly placed daily rated watchmen working at Sanathnagar were given regular posts of Watchmen January, 1985 from the date of their appointment including seniority and other benefits. I must hold that the said termination of this workman is in violation of Section 25F of the I.D. Act and that the said termination must be held to be illegal. Moreover the petitioner is now over-aged, he cannot be completed to seek employment elsewhere and it is also eligited that he was not able to secure any employment and that he was working as hired labour and when there are admitted vacancies under the control of Senior Regional Manager, Hyderabad must be held that the petitioner can be easily accommodated for the post of watchman and it is also admitted that there is expansion scheme and the F.C.I. is a progressing Corporation and it required lot of man power. Having regard to all these circumstances I hold that the termination of B. Narayana is illegal and he is directed to be reinstated forthwith without back wages but at the same time with continuity of service for the purpose of payment of termnal benefits as is done in the case of Srirama Murthy, S. Arshad Basha and S.A. Basha, I; therefore, hold the Management of Food Corporation of India, Kurnool is not justified in terminating the service of Sri B. Narayana, Ex. watchman with effect from 23-4-1977 as per Exs. W2 and W3 though the reference ways 20-4-77 and that further directed that he should be reinstated forthwith without back wages in the given circumstances but with continuity of service for markent of terminal benefits. The petitioner also expressed his willingness to work at anywhere if posted in the entire zone and the same will not caucse any difficulty in way of administration for fixing them properly without inconvenence to any one.

Award passed accordingly.

er tal malety marita

Dictated to the Stenographer transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 19h day of June, 1985.

#### Appendix of evidence

#### Witnesses examined:

For the workman.

(1) W.W.1 B. Narayana (1) M.W.1 I. V. Ramana Murty

#### Documents marked for the workman

- Ex. W1—True copy of the appointment order dated 28-4-76 issued by the District Manager, Food Corporation of India, Kurnool to B. Narayana.
- (2) Ex. W-2—Termination order dated 27-4-77 issued by District Manager, Food Corporation of India Kurnool to B. Narayana.
- (3) Fx. W-3—Certificate dated 4-5-77 issued by the Assistent Manager (Depot) Food Corporation of India, Thimmancherla to B. Narayana.
- (4) Fx. W-4—Failure of conciliation report u/s, 12(4) of the I. D. Act, 1947, between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their workman B. Narayana.
- (5) Ex. W-5—Photostat copy of the Statement showing the particulars of B. Narayana and others worked at Thimmancherla depot.
- (6) Ex. W-6—Photostat copy of the notification dated 4-2-76 issued by the Food Corporation of India. Head Office, New Delhi with regard to Food Corporation of India Staff Regulations, 1976.

#### Documents marked for the Management

(1). Ex. M-1—True copy of the Statement showing the attendance particulars of B. Narayana.

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-42012(16)]84-D.V]

का. श्री. 3418: — भौधोगिक विवाद प्रक्षितियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के धनुमरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय श्राध निगम, कुरनूल के प्रवेधनंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनये कर्मकारों के वीच भनुबंध में निविष्ट भौधोगिक विवाद में धौधोगिक प्रधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती हैं, जो केन्द्रीय सरकार को 1 जुलाई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

## [संख्या एल-43012/4/84-D.IV(B)/DV]

S.O. 3418.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Kurnool, and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st July, 1985.

[No. L-42012(4)|84-D.IV(B)|D.V.]

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT:

.Shri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 97 of 1984

#### BETWEEN

Workmen of Food Corporation of India, Kurnool, A.P.

AND

The Management of Food Corporation of India, Kurnool, A.P.

#### APPEARANCES:

Sri Md. Miskin Iqbal, Industrial Law Consultant—for the Workmen.

Sri M. V. Bharathi, Advocate-for the Management,

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-42012(4)/84-D.IV(B)/DV dated 22nd November, 1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Kurnool, to this Tribunal, for adjudication:

"Whether the management of Food Corporation of India, Kurnool is justified in terminating the service of Shri D. Chandrana, daily rated Watchman with effect from 24th January, 1977? If not to what relief the workman is entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 97 of 1984 and notices were issued to all the parties.

- 2 In the claims statement the petitioner, ex-Watchman of FCI represented that he worked as daily rated Watchman from 4th January, 1976 to 24th January, 1977 at the FCI, Kutnool and that his services were terminated from 25th January, 1977 for no fault of his though the FCI Head Office. New Delhi issued Gazette Notification on 4th February, 1976 for regularisation of service of daily rated watchman who were recruited directly by giving an opportunity while conducting interview along with the candidates sponsored by the Employment Exchange. It is mentioned that the District Manager of FCI did not adhere to the circular but removed him from service and thereupon he made representation to various authorities and finally the matter was represented to the Assistant Commissioner of Labour (Central) for intervention and the matter was referred to the Tribunal for adjudication. So it is requested that he should be paid all back wages since 25th January, 1977 till the date from which the reinstatement will be done and for also continuity of service with terminal benefits from the date of his first appointment on 4th January, 1976.
- 3. In the counter, it is mentioned that the claimant petitioner worked only from 4th January, 1976 to 24th January, 1977. It is contended that the Industrial Disputes Act has no application as he had no continuous service for one year and thus he is not entitled to any relief under the Act. The Management further mentioned that Gazette Notification referred to is not applicable to him since he is not exempted from the conditions of sponsorship by the Employment Exchange. It is mentioned that he is not regularly appointed or continued in employment and thus the question of noncompliance with the Gazette Notification did not arise.
  - (a) It is mentioned that the daily rated watchman were found surplus on 17th January, 1977 and hence the services of the claimant had to be terminated while the service of senior watchmen were regularised. The petitioner is only working at hired godowns, Kurnool and they were dehired and the process of dehiring and closure of godowns were undertaken phasewise and ultimately the godowns were dehired on 16th January, 1978.

- (b) So it is mentioned that the worker has no right to challenge the termination order since his services were terminated by reasons of closure of godowns and closure of activities/business at Kurnool Godowns which were dehired infact. The petitioner is not entitled to be called for interview. Moreover the Petitioner is guilty of latches for not raising a dispute over a period of five years. If this petition is entertained the administration will be confronted with numerous personal problems. There is no comparison between the cases of the others to whom the petitioner made reference.
- (c) The Management further submits that the Gazette Notification dated 4th February, 1976 will not be applicable to the petitioner.
- 4. The petitioner examined himself as W.W. I and marked Exs. W-1 to W-8. On the other the management examined one Sri I. V. Ramana Murthy and marked Exs. M1 and M2.
- 5. The sum and substance of the evidence of W.W.1 is that under Ex. W1 he was appointed as Watchman on daily rated basis from 4th January, 1976 to 24th January, 1977. According to him he made representations to the Department to take him into employment and he approached the authorities concerned with his employment card. Finally the matter was raised before the Conciliation Officer under Ex. W2 and the conciliation proceedings failed as per Ex. W3.
- 6. He pointed out that Srirama Murthy, S. A. Basha and S. Arshad Basha were reinstated as per Ex. W4, W5 and W6 while he was not considered and the management appled inconsistent in similar circumstances of the workers. He filed the Notification dated 4th February, 1976 as Ex. W7 wherein the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971 were amended paving way for consideration for such employees for interview. It is his case that he was not called for interview along with the sponsored candidates from the Employment Exchange though he had experience. He requested that he should be reappointed on the lines as was done in the case of Arshad Basha, S. A. Basha and Sriramamurthy. In the cross examination he admitted that he did not complete 240 days continuously but he worked for 277 days with breaks. He denied the suggestion that the case of S. A. Basha, Arshad Basha and Sriramamurthy are different from his case. He denied that Ex. W7 has no application to him as he was appointed subsequent to the commencement of the said G.O.
- 7. On behalf of the Manugement, the then District Manager, Kurnool was examined and marked Exs. M-1 and M-2 Ex. M1 is the service particulars of the petitioner. It showed that the petitioner was in Nandyal Hired Godowns, Ex. M-2 showing de-hired godowns during the years 1975-76 and 1976-77. According to him this godown was dehired on 11th April, 1977. In the cross-examination he admitted that he was not aware of Ex. W-7 issued by the Head Office, New Delhi which he saw subsequently. He conceded that there is recruitment of watchman after this retrenchment and admitted that appointment of 171 workmen is shown as Fx. W8. According to him as the contents of Ex. W7 was general in nature the same was not implemented.
- 8. The facts are not in dispute. The evidence of W.W.1. as well as the claims statement read with Ex. M1 would show that the Petitioner (W.W. 1) worked as daily rated watchmen from 4th January, 1976 to 24th January, 1977 with breaks as shown in Ex. M1. He was terminated on 25th January, 1977. It is admitted that he worked in all 277 days with breaks. The argument of the management is that the Industiral Dispute Act, had no application as he did not complete 240 days continuous service of attendance for eligibility for consideration under the provisions of the LD. Act etc. has no application to the present facts on the base of Exs. W-4. W 5 and W-6. Ex. W-4 is a Notification with reference to Sri Sriramamurthy. Ex. Watchman regarding his termination of service on which the Government of India, Ministry of Labour sauch instructions to the Regional Managers. It is clarified that the said Sriramamurthy be reinstated on the same terms and conditions on which he was working earlier and the intervening period when the workmen services were terminated and when he is to be reinstated should

be treated by the Food Corporation of India without back wages but at the same time with continuity of service for the payment of terminal benefits. Thus it was mentioned that t was not a fit case where the matter should be referred to industrial adjudication. The factum of issuing such instructions in the case of Srirama Murthy were borne out by Fx. W4 and the same were not denied. Similarly in the case of S. A. Basha who was also an Ex-Watchman, there were terms of settlement dated 16th February, 1983 between the parties showing that the Management (FCI) Kurnool was reinstat-A. Basha, Ex-Watchman with effect from 1st March, 1983 on the same terms and conditions as he was working earlier and that the reinstatement should be without back wages but it would effect continuity of service for the payment of terminal benefits and they were asked to send implementation report with reference to the said Settlement. In the said case as could be seen under Ex. W5 that Watchman was appointed on daily rated basis from 22nd December, 1975 onwards till 18th November, 1976 with breaks and he was removed from service and the matter was pending before the Conciliation the parties representing the Food Corporation of India Management as well as the representative of the Workers (Md. Miskin Iqbal) arrived at the said settle-ment as mentioned therein. This is also not disputed. Simi-larly under Ex. W6 dated 16th February, 1983 on the same date in the case of S. Arshad Basha who was an ex-Watchman, similar orders were passed reinstating him without back wages but giving him continuity of service with terminal benefits. These proceedings under Exs. W4, W5 and W6 would show that the Management has considered similar cases of ex-watchmen who were terminated though they have not completed 240 days continuous service in a calendar year by reinstaing them in 1982-83 as could be seen thereunder. In this context Fx. W-7 is relevant. Fx. W-7 dated 4th February, 1976 is a Gazette Notification published in India Gazette with regard to the Staff Regulations of the FCI 1971. It is mentioned that "provided further that such of the employees who were recruited on daily rate basis for period of less than 3 months on or purely temporary basis and whose services have been retained after allowing periodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against direct recruitment along with the candidates sponsored by the respective Employment Exchanges. This notification issued by the Government of India for Food Corporation of India, Head Office. It clearly mentions that those persons who were having periodical breaks and whose services were retained after allowing those breaks shall also be eligible to be considered for appointment along with the direct recruited candidates sponsored by the Employment Exchanges. In the instant case it is prima facle borne out and admitted by M.W.1 also that this petitioner is not called for interview along with other candidates sponsored by the respective Employment Exchanges when there were direct recruments. It is admitted by M.W. 1 that 171 persons were newly recruited after these persons were retrenched. On the face of Exs. W4, W5 and W6 when similarly s'tuated persons were reinstated without back wages but giving conti nuity of service for payment of terminal benefits as it har nened to Srirama Murthy, S. A. Basha and S. Arshad Basha and when there is clear amendment to the Regulations of the FCI stating that these persons who were having per odical breaks and those have been recruited on daily rated basis for a period of not less than 3 months also or purely temporary basis are eligible for being called for interview and when they are not been called for interview and when petitioner made representation and the same was not considered. it is incorrect and illeral to take a stand that this netitioner is not entitled for similar treatment on the basis of Regulations of FCI which are infact enforced in other cases i.e. Exs. W-4, W-5 and W-6. Ex. W-8 would show that 171 persons were recruited. If Fx. W7 regulations are properly applied and considered, the person who is temporarily appointed as watchman even if there is de-hiring of godown and his services were terminated on 25th January, 1977 the Management should have considered his application along with the applicants sponsored by the Employment Exchange in view of his past experience in the same field and he should have been preferred in the given circumstances. Exs. W4, W5 and W6 would strengthen the case of the petitioner since they too had similar practice and the management did not besitate to have a settlement with them though they did not com-Fxs. W1 W5 and W6. Ex. W8 would show that '71 persons light of the said Gazette Notification under Ex. W7. Ex. W7 is a boon for such workers and they were terminated

under the Regulations of the FCI and thus the patitioner is entitled to claim benefits thereof even he is appointed subsequently.

9. Thus on a consideration of the entire material placed before me, I hold that the Petitioner is entitled to be reinstated forthwith without back wages but with continuity of service for the purpose of payment of terminal benefits. The petitioner also expressed his willingness to work at anywhere if posted in the entire Zone and the same will not also come in way of administration for fixing them properly without inconvenience to any one.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 15th day of June, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence

Witnesses Examined For the Workmen:

WW-1 D. Chandranna

For the Management: Witnesses Examined

MW-I I. V. Ramana Murthy.

Documents marked for the Workman:

- Ex. W-1—Appointment Order dated 5-1-76 issued by the District Manager Food Corporation of India, District Office, Kurnool to D. Chandranna.
- Ex. W-2—Minutes of Conciliation Proceedings held under Section 12(4) of I. D. Act, 1947 in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their ex-Workman D. Chandranna, on 27-1-84 in the office of the District Manager, F.C.1., Kurnool regarding alleged illegal termination of his services as Watchman.
- Ex. W-3-Failure of Conciliation Report dated 7-2-84 in Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their workman D. Chandranna, Ex-daily rated watchman regarding alleged illegal termination of services under Section 12(4) of the I. D. Act, 1947.
- Ex. W-4—Photostat copy of the Order No. L-42012 (3)/82-FCI/D.IV (A) from the Desk Officer. Government of India, Min'stry of Labour, New Delhi to C. Srirama Murthy with regard to reinstatement as daily rated workman.
- Ex. W-5—Photostat copy of the Memorandum of Settlement arrived under Section 12(3) of I. D. Act. 1947, during the conciliation proceedings held on 16-2-83 in the Office of District Manager, Food Corporation of India, Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their ex-Workman S. A. Basha,
- Ex. W-6—Photostat copy of the Memorandum of Settlement arrived at under Section 12(3) of the I. D Act, 1947 during the conciliation proceedings held on 16-2-83 in the Office of the District Manager, Food Corporation of India, Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their ex-Workman S. Arshad Basha.
- Ex. W-7—Photostat copy of the notification dated 4-2-76 issued by the Food Corporation of India Head Office, New Delhi with regard to Staff Regulations, 1971.
- Ex. W-8-Photostot copy of the Office Order issued by the District Manager, Food Corporation of India, Kurnool to 171 workmen.

#### Documents marked tor the Management:

- Ex. M-1.—Statement showing the Attendance particulars in respect of D. Chandranna, Ex-Workman.
- Ex. M-2—Photostat copy of the statement showing the details of Godowns hired/dehired during the years 1975-76 and 1976-77.
  - J. VENUGOPALL RAO, Industrial Tribunal [No. L-42012|4|84.D.IV(B)|D.V]

नई दिल्ली, 8 जुलाई 1985

का. मा. 3419:---मीयोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 के धनुसरण 14) की बारा 17 में, भारतीय खाद्य निगम, कुरमूल के प्रवधात्र सम्बद्ध नियोजको कर्मकारों à. बीच प्रनृबंध में मीद्योगिक प्रधिकरण, हैदराबाद प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1 जुलाई, प्राप्त हमाधा।

[धंक्या एल-42012/16/83-की, 4 की/की, 5]

New Delhi, the 8th July, 1985

S.O. 3419.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.) and the r workmen, which was received by the Central Government on the 1st July, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT:

Sri J. Venugopal Rao, Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 44 of 1984

#### BETWEEN

The workmen of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.)

#### AND

The Management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.)

#### APPEARANCES:

- Sri Md. Miskin Iqbal, Industrial Law Consultant—for the workmen.
- Sri M. V. Bharathi, Advocate-for the Management.

#### AWARD

The Government of India Ministry of Labour by its Order No. L-42012(16)/83-D.IV(B)/D.V dated 12-7-1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.) to this Tribunal for adjudication:

"Whether the management of the Food Corporation of India, Kurnool is justified in terminating the services of Shri Shaik Abdul Lateef, Watchman w.e.f. 17-1-1977 ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

This reference was registered os Industrial Dispute No 44 of 1984 and notices were issued to parties.

2. In the claims statement the petitioner, ex-watchman of F.C.I., represented that he worked as daily rated watchman from 26-12-1975 onwards till 17-1-1977 at the F.C.I. Kurnool and his services were terminated from 18-1-1977 for no fault of his though the F.C.I. Head Office, New Delhi issued a Gazette Notification on 4-2-1976 for regularisation of services of daily rated watchmen who were recruited directly by giving an opportunity while conducting interview along with the candidates sponsored by the Employment Exchange.

It is mentioned that the District Manager of Food Corporation of India, did not adhere to the circular but removed him from service and thereupon he made representation to various authorities and finally the matter was represented to the various authorities and finally the matters was represented to the Assistant Commissioner of Labour (Central) for intervention and the matter was referred to the Tribunal for adjudication. So it is requested that he should be paid all back wages since 18-1-1972 till the date from which the reinstatement will be done and of also continuity of service with terminal benefits from the date of his first appointment on 26-12-1975.

- 3. In the counter, it is mentioned that the claimant petitioner worked only from 27-12-1975 to 17-1-1977 and thus he worked for one year with breaks. It is contended that the Industrial Disputes Act has no application as he had no continuous service for one year and thus he is not entitled to any reliefs under the Act. The Management further mentioned that Gazette Notification referred to is not applicable to him since he is not exempted from the conditions of sponsorship by the Employment Exchange. It is mentioned that he is not regularly appointed or continued in Employment and thus the question of non-compliance with the Gazette Notification did not arise.
- (a) It is mentioned that the daily rated watchman were found surplus on 17-1-1977 and hence the service of the claimant had to be terminated while the services of senior watchmen were regularised. The retitioner is only working at Hired godowns, Kurnool and they were de-hired and the process of de-hiring and closure of godowns were undertaken phase-wise and ultimately the godowns were de-hired on 17-1-1978.
- (b) So it is mentioned that the worker has no right to challenge the termination order since his services were terminated by reasons of closure of godowns and closure of activities/business at Kurnool Godowns which were defined infact. The petitioner is not entitled to be called for interview. Moreover the petitioner is guilty of latches for not raising a dispute over a period of five years. If this petition is entertained the administration will be confronted with numerous personal problems. There is no comparison between the cases of the others to whom the petitioner made reference.
- (c) The management further submits that the Gazette Notification dated 4-2-1976 will not be applicable to the petitioner.
- 4. The petitioner examined himself as WW-1 and marked Exs. W-1 to W-8. On the other hand the Management examined one Sri I. V. Ramana Murthy and marked as Exs. M-1 and M-2.
- 5. The sum and substance of the evidence of WW-1 is that under Ex. W-1 he was appointed as Watchman on daily raised before the Conciliation Officer and the conciliation the Department to take him into employment and he is approached the authorities concerned. Finally the matter was raised before the Conciliation Officer and the conciliation proceedings failed as per Ex. W-2.
- 6. He pointed that Srl S. Arshad Basha and S. A. Basha were reinstated as per Exs. W-3 and W-4 while he was not considered and the management applied inconsistency. In similar circumstances of the workers. He filed the Notification dated 4-2-1976 as Ext. W-6 wherein the Food Corporation of India (Staff Regulations 1971 were amended paying way for consideration for such employees for interview. It is his case that he was not called for interview along with the snonsored candidates from the Employment Exchange though he had experience. He requested that he should be re-appointed on the lines as was done in the case of Arshad Basha and S. A. Basha and Stirama Murthy. In the cross examination he admitted that he did complete 240 days continuously. He depied the suggestion that the case of S.A. Basha and Arshad Basha and Sriramamurthy are different from his case. He denied the Ex. W-6 has no amplication to him as he was appointed subsequent to the commencement of the said G.O.
- 7. On hehalf of the management the then District Manager, Kurnool was examined and marked Exs. M-1 and M-2. Ex. M-1 is the Attendance particulars of the Petitioner.

- It showed that the petitioner was in Kurnool hired godown. Ex. M-2 showing de-hired godowns during the years 1975-76 and 1976-77. According to him this godown was de-hired on 17-1-1977. In the cross examination he admitted that he was no aware of Ex. W-6 issued by the Head Office, New Delhi which he saw subsequently. He conceded that there is recruitment of watchman after this retrenchment. According to him as the contents of Ex. W-6 was general in nature the same was not implemented.
- W-6 was general in nature the same was not implemented. 8. The facts are not in dispute. The evidence of WW-1 as well as the claims statement read with Ex. M-1 would show that the petitioner (WW-1) worked as daily rated watchman from 26-12-1975 till 17-1-1977 with breaks as shown in Ex. M1. He was terminated on 18-1-1977. argument of the management is that the Industrial Disputes Act had no application as he d'd not complete 240 days continuous service of attendance for eligibility for consideration under the provisions of the I. D. Act etc. has no application to the present facts on the basis of Exs. W-3, W-4 and W-5. Ex. W-3 is a notification with reference to Sri S. Arshad Basha, Ex. Watchman regarding his termination of service on which the Government of India, Ministry of Johann Regard of Laboratory and instructions to the Beginnel Managers. of Labour issued instructions to the Regional Managers. It is clarified that the said S. Arshad Basha be reinstated on the same terms and conditions on which he was working carlier and the intervening period when the workman's services were terminated and when he is to be reinstated should be treated by the Food Corporation of India without back wages but at the same time with continuity of service for the payment of terminal benefits. Thus it was mentioned that it was not a fit case where the matter should be referred to industrial adudication. The factum of issuing such instructions in the case of S. Arshad Basha were borne but by Ex. W-3 and the same were not denied. Similarly in the case of S. A. Basha who was also an ex-watchman, there were terms of settlement dated 16-2-1983 between the parties showing that the management (F.C.I.) Kurnool was reinstating S. A. Basha, Ex-Watchman with effect from 1-3-1983 on the same terms and conditions as he was working earlier and that the reinstatement should be without back wages but it would affect continuity of service for the payment of terminal benefits and they were asked to send implementation report with reference to the said settlement. In the said case as could be seen under Fx. W-4 the watchman was appointed on daily rated basis from 22-12-1975 onwards till 18-11-76 with breaks and he was removed from service and the matter was pending before the Conciliation, the parties representing the Food Corporation of Management as well as the representative of the Workers (Md. Miskin Iqbal) arrived at the said settlement as mentioned therein. This is also not disputed. Similarly under Ex. W-5 dated 6-5-1982 on the same date in the case of Srirama Murthy who was an ex-watchman, similar orders were passed reinstating him without back wages but giving him continuity of service with terminal benefits. These him continuity of service with terminal benefits. These proceedings under Exs. W-3, W-4 and W-5 would show that the Management has considered similar cases of exwatchmen who were terminated though they have not completed 240 days continuous service in a calender year by reinstating them in 1982-83 as could be seen thereunder. In this context Ex. W-6 is relevant. Ex. W-6 dated 4-2-1976 is a Gazette Notification published in India Gazette with regard to the Staff Regulations o fthe FCI 1971. It is mentioned that "provided further that such of the employees who were recruited on daily rate basis for period of less than 3 months on purely temporary basis and whose services have been retained acter allowing periodical breaks shall also eligible to be considered for appointment against of direct recruitment along with the candidates sponsored by the respective Employment Exchanges." This notification issued by the Government of India for Food Corporation of India, Head Office. It clearly mentions that those persons who were having periodical breaks and whose services were retained after allowing those breaks shall also be eligible to considered for appointment along with the direct recruitment candidates as sponsored by the Employment Exchanges. In the instant case it is prima facie borne out and admitted by M.W.1 also that this petitioner is not called for interview along with other candidates sponsored by the respective Employment Exchanges when there were direct recruitment. It is admitted by M.W.1 that 171 persons were newly recruited after these persons were retrenched. On the face of Exs. W3. W4 and W5 when similarly situated persons were reinstated without back wages but giving continuity of service-

payment of terminal benefits as it happened to S. Arshad Basha, S. A. Basha and Shrama Murthy, when there is clear amendment to the Regulation of the F.C.I. stating that these persons who were having periodical breaks and those who have been recruitted on daily rated basis for a period of not less than 3 months also or purely temporary basis are eligible for being called for interview and when they have not been called for interview and when petitioner made representation and the same was not considered; it is incorrect and illegal to take a stand that this petitioner is not entitled for similar treatment on the basis of regulation of F.C.I. which are infact enforced in other cases i.e. Exs. W3, W4 and W5. Ex. W8 would show that 171 persons were recruited. If Ex. W6 Regulations are properly applied and considered the person who is temporarily appointed as watchman even if there is de-hiring godown and his services were terminated on 18-1-1977 the Management should have considered his application along with the applicants sponsored by the Employment Exchange in view of his past experience in the same field and he should have been preferred in the given circumstances. Exs. W3, W4 and W5 would strengthen the case of the petitioner since they too had similar practice and the Management did not hesitate to have a settlement with them though they did not complete 240 days commuous service in a calender year in the light of the said Gazette Notification under Ex. W6. Ex. W6 a boon for such workers and thus the petitioner is entitled to claim benefits thereof even he is appointed subsequently.

9. Thus on a consideration of the entirematerial placed before me, I hold that the petitioner is entitled to be reinstated forthwith without back wages but with continuty of service for the purpose of payment of terminal benefits. The petitioner also expressed his willingness to work at anywhere if posted in the entire zone the same will not also come in way of administration for fixing them properly without inconvenience to any one.

Award passed accordingly.

Dictated to the stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 12th day of June, 1985.

#### APPENDIX OF EVIDENCE

Witness examined for the Workman.

For the Management.

I. W.W.1 Shaik Abdul late of (1) MW.1. I. V. Ramana Murty,

Documents marked for the workman

- Ex. W1. Appointment order dated 26-12-75 issued by the District Manager Food Corporation of India. Kurnool to Shaik Abdul Lateef.
- Ex. W2 Minutes of the conciliation proceedings held on 9-12-83 in the Office of the RLC(c) Hyderabad in the Industrial Disputes between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their workman Shaik Abdul Lateef, Ex-Workman regarding alleged illegal termination of Services.
- 3. Ex. W3 Photostat copy of the Memorandum of settlement arrived at U/s. 12(3) of I.D. Act, 1947 during the conciliation proceedings held on 16-2-83 in the office of District Manager, F.C.I. Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of F.C.I. Kurnool and their ex-workman S. Arashad Basha.
- 4. Ex W4 Photo Stat copy of the Memorandum of Settlement arrived at Uls. 12(3) of I.D. Act. 1947 during the conciliation proceedings held on 16-2-83 in the office of District Manager, F.C.I. Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of F.C.I. Kurnool and their ex-workman S. A. Basha.
- Ex. W5 Photo Staf copy of the Order No. L-42012-(3)|82-F.C.I.|D.IV(A) dated 6-5-82 issued by the Desk Officer, Government of India Ministry of Labour, New Delhi with regard to re-instatement of C. Shri Srirama Murty.

- Ex. W6 Photo Stat copy of the notification dt. 4-2-76 issued by the Food Corporation of India. Head Office, New Delhl, with regard to Food Corporation of India (Staff) Regulations 1971.
- Ex. 7 Representation dt. 23-12-82 made by Shalk Abdul Lateef to the Regional Manager, Food Corporation of India, Regional Office, Hyderabad with regard to re-instatement.
- 8. Ex. W8 Photo Stat copy of the Office order issued by the Food Corporation of India, Kurnool to 171 workmen.

Document marked for the Management

- Ex. M1 Statement showing the Attendance particulars of Shaik, Abdul Lateef.
- 2. Ex. M2 Statement Showing the details of Godowns hired dehired during the years 1975-76 and 76-77.
  - J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal [No. L-42012/16/81-D.IV(B)/D.V]
    R. K. GUPTA, Desk Officer

## नई दिल्ली, 5 जुनाई, 1985

का. आ. 3420— औदांशिकः विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में कन्द्रीय सरकार भारत कोरिंग कील सि. की बनेडीह कोलियरों के प्रबंधसंख्व से सम्बद्ध नियोजकों भार उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक प्रधिकरण, न. 2, धनकाद के पंचाट को प्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2-7-1985 को प्राप्त हुआ था।

#### New Delhi, the 5th July, 1985

S.O. 3420.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhaubad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Benedih Colliery of M|s. Bharat Coking Coal Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1985.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT:

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 8 of 1985

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d)

of the I.D. Act. 1947

PARTIES:

Employers in relation to the management of Benedih Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

## APPEARANCES:

On behalf of the employers: Shri B. Joshi, Advocate.

On behalf of the workmen: Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

STATE; Bihar.

INDUSTRY: Coal.

#### Dated, Dhanbad, the 25th June, 1985 AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-20012(324)[84-D.III(A), dated, the 25th January, 1985.

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Benedih Colliery of M|s. Bharat Coking Coal Ltd. P.O. Nawagarh, Distt. Dhanbad in not regularising Shri Raj Kishore Choudhary as Loading Clerk Grade-H is justified? If not, to what relief is he entitled?"

The case of the workmon is that the concerned workman Shri Raj Kishore Choudhary had been working as Asstt. Loading Clerk since 1-5-73. Since 7-3-80 he has been working as Loading Clerk Grade-II in place of Shri P. C. Sah Loading Clerk who was promoted as Loading Superintendent. Since 3-9-80 the concerned workman has been performing the same and similar job as is being performed by Shri P. C. Sah Loading Supdt. The concerned workman has put in more than 240 days attendance as Loading Clerk in each calendar year since 7.3.80 and he should have been regularised as Loading Clerk in Grade-II after completion of one year of continuous service. The concerned workman represented before the management several times for his regularisation as Loading Clerk in Grade-II but the management did not regularise. The B.C.K.U. of which the concerned workman is a member, raised an industrial dispute before the ALC(C) Dhanbad on 15-4-81 for conciliation. During the said conciliation proceeding the management assured the union that the concerned workman will be regularised through D.P.C. and on the said assurance of the management the union withdrew the dispute. The concerned workman waited patiently on the said assurance for sometime and when the management refused to regularise him the union again raised the dispute in respect of the concerned workman before the ALC(C), Dhanbad on 13-3-84. The conciliation proceeding ended in failure and thereafter the present reference was made by the Govt. The action of the management in not regularising the concerned workman as loading Clerk in Grade-II is illegal, arbitrary and against the principles of natural justice. The concerned workman had in the past received the difference of wages of Clerical Grade-II and Clerical Grade-III for 9 months when he had worked as Loading Clerk. The concerned workman is an active member of B.C.K. Union and as such the management is biased against him. The demand of the workman is that the management be directed to regularise the concerned workman as Loading Clerk in Grade-II with retrospective effect with consequential benefits.

The case of the management is that the concerned workman has been working as Asatt. Loading Clerk since 1-5-73 and has been placed in Clerical Grade-III. According to the recommendation of the Coal Wage Board Asatt. Loading Clerks are placed in Clerical Grade-III whereas Loading Clerks are placed in Clerical Grade-III whereas Loading Clerks are placed in Clerical Grade-III and they work under the supervision of the Leading Supervisor placed in Clerical Grade-1 or Special Grade. The duties of Loading Clerks and Assit. Loading Clerks are similar in some respects but the responsibilities of the Loading Clerk is higher depending upon the capacity of siding and number of wagon loaders deployed in a siding and accordingly clerical duties are entrusted to a Loading Clerk or an Asstt. Loading Clerk. The placement of Loading Personnel at different sidings is purely at the discretion of the management according to their requirement. Shri P. C. Sah is the Loading Supdt. under whose control and supervision the Loading Clerk, Asstt. Loading Clerk and Loading Munshi etc. work in different sidings. There is a cadre scheme of promotion of clerical staff and the Loading Personnel are also promoted from lower grade to higher grade according to the norms of promotion which is Senioritycumsuitability. The concerned wirkman was not promoted to the post of Loading Clerk and as such he was not placed in clerical Grade-II. The demand of the concerned workman be promoted to the post of Loading Clerk in Clerical Grade-II by way of regularisation is without any basis. The concerned workman had not been deputed to work as Loading Clerk and he has not performed the duties of Loading Clerk and as such his claim for regularisation on the substantive post of Loading Clerk cannot be accepted. The management denica that the concerned workman performed the duties of Loading Clerk since 7-3-80 or that he was performing the duties of Louding Sundt. from 3-9-83. The management had never given any assurance for regularising the concerned workman in Clerical Grade-II. The concerned workman did not ever put 240 days of attendance in any calendar year as Loading There is no policy to regularise a Clerk in higher grade on the basis of duties performed by him of higher grade and the nost of higher grade are filled up by the promotion done according to the promotion scheme. Accordingly it is submitted on behalf of the management that the concerned workman is not entitled to any relief.

The point for determination in this reference is whether the concerned workman is working as Loading Clerk since 7-3-80 and that he deserves to be regularised as Loading Clerk in Grade-14.

The management have examined three witnesses in support of their case and the workmen have examined two witnesses in support of the case of the concerned workman. Besides that the management have produced document which have been marked Ext. M-1 to M-5. The documents produced on behalf of the concerned workman have been marks as Ext. W-1 to W-6.

From the facts stated above it will appear that the claim of the concerned workman is that he shauld be regularised as Loading Clerk in Clerical Grade-II as he has been working as I oading Clerk since 7-3-80. the question, therefore to be first determind is whether the concerned workman was working as a Loading Clerk from 7-3-80. WW-2 is the concerned workman. He has stated that he has no letter with him to show that Shri Mahendra Lal, Agent of Benedih Colliery had asked him to take over charge as loading Clerk from P. C. Sah who had been promoted as Loading Superindent. It is therefore admitted that the management had not issued any letter of authorisation to the concerned workman to take charge from Shri P.C. Sah as Loading Clerk. Shri P.C.Sah however, who has been examined as WW-1 has stated that he had handed over charge of Loading Clerk to the concerned workmen in 1980 whan he became loading Supdt. Thus according to the evidence of WW-1 and WW-2 it is asserted that the concerned workman was working as a Loading Clerk since 5-3-80 although there is no document to show that the concerned workman had been authorised to take charge from Shri P. C. Sah as Loading Clerk.

WW-2 has given his evidence about the job performed by an Assit, Loading Clerk and has stated that as Assit, Loading Clerk he used to take the number of wagons placed for Loadclerk he used to take the number of wagons placed for Loading and to affix label on the wagons and further to write down the names of the persons engaged for loading and to handover the same to the Loading Clerk. He has also stated as to what job was performed by Shri P. C. Sah as a Loading Clerk and has stated that Shri P. C. Sah was maintaining Form IVA and Form E. He has asserted that if Form IVA and Form E. A brought it will above the he was working and form E s brought it will show that he was working as a Loading Clerk from 1980 and that he was designated as Loading Clerk. WW-1 has also stated that as Loading Clerk he used to mark attendance of Wagon Loaders and shale pikers and used to prepare Form IVA of the wagons loaders and shale pickers and that while he was working as Loading Clerk he was in Grade-II. The case of the management on the other hand is that the duties of Loading Clerk and Asstt. Loading Clerk are similar except in respect of the higher responsibilities of the Loading Clerk, MW-2 is working as Manager (Operation) in Benedih Colliery since Februry, 1983. He has stated that Shri R. N. Chaudhary was the Loading Supervisor who was subsequently transferred and in his place Shri P. C. Sah became the Loading Supervisor. He has also stated that the concerned workman give view working as Assit Loading Clerk became the Loading Supervisor. He has also stated that the concerned workman who was working as Assit. Loading Clerk was transferred to Dugda Washery and he worked there as Assit. Loading Clerk. He has also stated about the job of Asst. Loading Clerk which is similar to the evidence of WW-1 and WW-2. He has denied that the concerned workman had worked as Loading Clerk. According to him the Loading Clerk works under the supervision and direction of the Loading Supervisor and the Loading Clerk is next to the Loading Supervisor and all retsons under him work under Loading Supervisor and all persons under him work under the Loading Clerk. He has stated that there was no Loading Clerk when he had joined Benedih Colliery in February. 1983. In his further cross-examination he has stated that the Loading Clerk maintains Form IVA and Form E register and the Asstt. Loading Clerk also does the same job. It will appear from the evidence of MW-2 and WW-2 that the concerned workman was posted at Dugda Washery along with P. C. Sah and at that place the concerned workman did not maintain any Form IVA or Form F. It will appear from their evidence that the duties being performed by the concerned workman at Dugda Washery was different from the duties which were being performed by the concerned workman in Renedih Colliery. Thus the period during which the concerned workman asserts to have worked as a Lording Clerk is confined between the period form 7-3-80 to 8-5-83 as the concerned workman was posted at Dugda washery since 9-5-83.

Ext. M-2 is the Staff Attendance register written by the Time Keeper Shri K. K. Singh in which the attendance is marked by the workmen. The attendance of the concerned workman also is marked in this attendance register Ext. M-2. This attendance register Ext. M-2 is for the period from 16-7-82 to 15-2-83. The designation of the workmen is stated in it. In the attendance register from 16-7-82 to 15-2-85 the concerned workman has been shown designated as Asstt. Siding Clerk except in the attendance for 16-9-82 to 15-10-82 his designation is shown as Loading Clerk and the column for designation in the attendance for 16-1-83 to 15-2-83 is blank. I have carefully gone through the entries in this register and have noticed that at some places the designation of workmen are not stated. Even in the case of the concerned workman in the attendance for the period from 16-1-83 to 15-2-83 the designation is not written in the said column. Except in the Attendance for 16-9-82 to 15-10-82 the concerned workman has been shown as Asstt. Siding Clerk which is equivalent to the Asstt. Loading Clerk. There is no evidence but on careful perusal it appears that the Loading Clerk in the Attendance Register from 16-9-82 to 15-10-82 was inserted sometime afterwards as the said column might have been left blank. The reason for this conclusion is based on the fact that in the said attendance register prior to 16-9-82 and after 15-10-82 the concerned workman has been shown designated as Assit, Siding Clerk. The overall picture which Ext. M-2 presents is that the concerned workman was shown designated as Assit. Siding Clerk during the period 16-7-82 onwards. This register therefore cannot be used to establish that the concerned workman was shown as Loading Clerk in the Attendance Register and that it appears from this attendance register that he was working as Asstt. Siding Clerk which is equivalent to Asstt. Loading Clerk.

Ext. M-1 to M-1/4 are registers in Form E for the period from 13-1-80 to 9-8-80. These registers are in the writing of Shri P. C. Sah and the concerned workman and the attendance of the shale pickers are marked in it. The case of the concerned workman is that these registers were maintained by the Loading Clerk but the case of the management, on the other hand in that these registers are maintained by both Asstt. Loading Clerk and the Loading Clerk. On perusal of Ext. M-1 it appears that day-to-day attendance are mostly signed by Shri P. C. Sah who was admittedly the Loading Clerk and that on some dates the concerned workman has also signed the attendance. It will also appear that P.C. Sah has signed as the person who has kept this register on all the dates except on 26-1-80 which is signed by the concerned workman. In some of the pages of the Attendance Register, I have found that both P. C. Sah and the concerned workman have signed the attendance register on a number of days. Thus it apears from Ext. M-1 that this was being maintained by the Loading Clerk and the concerned workman who was admittedly an Asstt. Loading Clerk during the period when Ext. M-1 was maintained was also maintaining it. Similarly is the case in Ext. M-1|5 which is for the period from 10-2-80 to 8-3-80. The case of the concerned workman is that he took over charge from Shri P. C. Sah on 7-3-80 and since then he was doing the work of Loading Clerk: But from the last page of Ext. M-1|5 it will appear that P. C. Sah has signed this register as Loading Clerk and had dated it as 9-3-80. Thus it appears that Shri P. C. Sah continued working as Loading Clerk till 9-3-80 and that this register will not show that the concerned workman had started working as Loading Clerk on 7-3-80. Ext. M-1 4 is the Attendance Register from 9-3-80 to 5-4-80. It will appear that till 14-3-80 this register was not being maintained by the concerned workman. The concerned workman has signed this register as Loading Clerk from 15-3-80. Ext. M-1|1 is from 4-5-80 to 7-6-80 and Ext. M-1|3 is from 6-7-80 to 9-8-80. Admittedly. all these registers contain the signature of the concerned workman in which he has described himself as Loading Clerk, On further perusal of these registers it will appear that Shri P. C. Sah was signing on each day of the register even after the date from which it is claimed that he became a Loading Supervisor. This fact lends support to the case of the managemen that P. C. Sah was actually working as a Loading Clerk even after 7-3-80, although he is stated to be promoted as a Loading Supervisor, and as such he was also maintaining the attendance register along with the concerned workman. WW-1 P. C. Sah has stated that Shri R. N. Chondhary was senior to him and that he (Shri P. C. Sah) was working under him. He has stated that Shri R. N. Choudhary was transterred in Block 2 Office in March 1983. WW-2 has also stated in his cross-examination that Shri R. N. Choudhary was mansferred to Block 2 area office in 1983 and that Shri P. C. Sah was working under him. He has also stated that Shri P. C. Sah along with him were transferred to Dugda in 1983. It will appear therefore that as Shri R. N. Choudhary was transferred to Block 2 area office in 1983, P. C. Sah was still working as Loading Clerk till 1983 as Shri R. N. Choudhary had not been transferred from there and it was for this reason that Shri P. C. Sah was also marking the attendance in Ext. M-1 series even after the period of his alleged promotion as Loading Supervisor.

Ext. M-3 is Form IVA of Benedih Colliery in which the work done by piece rated workers namely permanent wagon loaders and casual wagon loaders is detailed. Admittedly this was prepared by the concerned workman as stated by MW-1. This has been filed to show that the concerned workman described himself as Loading Clerk from 20-6-83 to 11-8-83 and it is also signed by Shri P. C. Sah, Admittedly the word "H" has been inserted before 'Ladan Lipik' by Shri K. K. Singh Time Keeper in Ext. M-3 series, MW-1 has stated that the designation was corrected by the Time Keeper as the concerned workman had described himself as Loading Clerk although he was Asstt. Loading Clerk. As Ext. M-3 was prepared by the concerned workman it was in his hand to describe himself as Loading Clerk but when it came to the notice of the Time Keeper he corrected his designation as Asstt. Loading Clerk.

Ext. M-4 to M-4/2 are three Leave applications under the signature of the concerned workman in which the concerned workman has shown his designation as Asstt. Loading Clerk. These are the petitions for leave during the year 1984. If the concerned workman was working as Loading Clerk he would not have described himself as Asstt. Loading Clerk in Ext, M-4 series. These applications were made in due course before the management and he had correctly described his designation as Asstt. Loading Clerk as these applications were with the management he could not lay his hand on it to change the said designation of Asstt. Loading Clerk stated in it. These papers had gone out of his hands but so far Ext. M-1 series, Ext. M-3 are concerned the concerned workman had described himself as Loading Clerk. In the office oder Ext. W-3 and W-4 the concerned workman has been shown designated as Asstt. Loading Clerk in the year 1983-84. It will appear from the W.S. of the concerned workman that the industrial dispute was first raised before the ALC (C), on 15-4-81 Ext. W-1 is the comment filed on behalf of the management before the ALC(C), Dhanbad on 12-5-81 in which it is stated that the concerned workman was designated as Asstt. Loading Clerk and performing the duties of Asstt. Loading Clerk. It appears, therefore that the concerned workman had started claiming as Loading Clerk since 15-4-81 and it is quite possible that since then he was creating papers which were in his possession to show that he was a loading clerk and the papers which have been filed showing him designated as Loading Clerk are only those documents which have been created by the concerned workman. Ext. M-2 is the Attendance Register fo the year 1982-83 in which the designation of the concerned workman is shown as Assit, Loading Clerk and if that was not the correct designation the concerned workman would have objected to The designation of Loading Clerk shown in Ext. M-2 in one month, as I have discussed above, appear to be a subsequent entry as the Column was left blank.

WW-1 Shri P. C. Sah has come to support the case of the concerned workman and from the perusal of the register it appears that he had the concerned workman had always worked together and as such he has come to support the concerned workman.

It will appear that there is no reliable materials on the record to show that the concerned workman was directed to take charge of a Loading Clerk from P. C. Sah on 7-3-80 and that he was working as a Loading Clerk since then. It is admitted by Shri P. C. Sah (WW-1) himself that there was no order in writing to show what work are to be come by the Loading Clerk or the Asstt. Loading Clerk and that the Asstt. Loading Clerk used to help the Loading Clerk and

he was to work as assigned by the Loading Clerk. WW-2 has also stated that he has no paper to show as to what work has to be done by the Asstt, Loading Clerk and what work are to be done by the Loading Clerk. He has stated that the work of Asstt, Loading Clerk is to help in the work of Loading Clerk and that he was doing all the work as directed by Shri P. C. Sah. A suggestion was made to him that Form IVA and Form E are maintained both by the Loading Clerk and the Asstt, Loading Clerk but he has denied. It is clear therefore that the writing of Form IVA and Form E Registers by the concerned workman will not establish that he had written those registers as a Loading Clerk.

• In view of the discussions made above I hold that the concerned workman was working as Asstt. Loading Clerk and that he was not either directed to work as Loading Clerk or had worked as Loading Clerk from 7-3-80 and as such there is no question of his regularisation as Loading Clerk in Grade-IL. The question of promotion of a workman is a managerial function and the Tribunal cannot interfere in this reference.

In the result I hold that the action of the management of Benedih Colliery of M|s. Bharat Coking Coal Ltd. in not regularising the concerned workman Shrl Raj Kishore Chaudhary a Loading Clerk in Grade-II is justified and that the concerned workman is not entitled to any relief.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer [No. L-20012/324/84-D. III(A)]
A. V. S. SARMA, Desk Officer

नई दिस्ली, 12 जुलाई, 1985

का. घा. 3431:— ग्रीचोगिक विवाद ग्रीघित्यम. 1947 (1947 [का 14] की घारा 17 के भनुमरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरी खानी, जिला करीम मगर.......

.

New Delhi, the 12th July, 1985

S.O. 3421.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri I. P. Watts a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao,

Chairman, Industrial Tribunal (Central).

Miscellaneous Petition No. 140/83.

IN

Industrial Dispute No. 11|82

#### BETWEEN:

I.P. Watts Workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, (A.P.)

. . Petitioner.

#### AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, (Andhra Pradesh).

. . Respondent.

### APPEARANCES:

Sri G. Bikashapathy, Advocate—for the petitioner.
 Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocate—for the Respondent.

#### AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of the LD. Act, while I.D. No. 11|82 is pending.

Since I.D. No. 11|82 disposed off, this petition become unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

#### Appendix of Evidence

#### NTL.

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal [No. L-29025[3]85-D.III(B) (XVI)]

थीं एस. राजेश्वर राज द्वारा वायर की गई शिकायत पर धनुबध यथा निविष्ट श्रीकोशिक श्रविकरण हैवराबाद के पंचाट की प्रकाशित करेशी है, जो केन्द्रीय सरकार 27 जुन, 1985 प्राप्त हुआ था।

S.O. 3422.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government herby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri S. Rajeshwara Rao, workman of Singareni Collieries Company Limited, Karimnagar Distt. which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao,

Chairman, Industrial Tribunal (Central).

Miscellaneous Petition No. 146 83

IN

Industrial Dispute No. 11|82

#### BETWEEN:

S. Rajeshwar Rao,

Wockman of Singareni Collieries Company

Limited, Godavarikbani,

Karimnagar District, (A.P.)

Petitioner.

AND
The Management of Singareni
Collieries Company Limited,

Godavarikhani, Karimnagar District,

(Andhra Pradesh)
APPEARANCES:—

-Respondent.

(1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the petitioner.

(2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Seighal and Kumari G. Sudha, Advocate for the Respondent.

#### AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act, while I.D. No. 11|82 is pending.

Since I.D. No. 11|82 disposed off, this petition become unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

#### Appendix of Evidence

# NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal [No. L-29025/3/85-D. III (B) (xxi)] का. मा 3433: — भौबोगिक विवाद प्रधिनियस, 1947 (1947 का 14) का धारा 16 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गांदावरीखाना, जिला करीमनगर.....

S.O. 3423.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government herby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri P. Kanakaiah, a workman of Singarani Collieries Company Limited, Godavarikhani Karimngar Distt. A.P. which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao,

Chairman, Industrial Tribunal (Central).

Miscellaneous Petition No. 154/83.

IN

Industrial Dispute No. 11|82

#### BETWEEN:

P. Kanakaiah,

Workman of Singarani Collieries Company Limited, Godavarikhani,

Karimnagar District, (A.P.)

-Petitioner.

#### AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, (Andhra Pradesh)

—Respondent.

#### APPEARANCES ;-

- (i) Sri G. Bilhapathy, Advocate for the petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocate for the Respondent.

#### AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of the I.D. Act, while I.D. No. 11|82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition become unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly,

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence

#### NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal [No. L-29025|3|85-D.III(B)|(xxlx))

का. म 3424: — मौद्योगिक विद्याद घिष्ठिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के मनसरण में, केन्द्रीय सरकार मिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिशिटक, गोदावरीखानी जिला करीमनगर उक्त प्रधिनियम की धारा 3.5क के अन्तर्गत श्री के. वैंग्केटद्या द्वारा वायर की गई णिकायत पर मन्त्रंस में यथा निदिन्द भौद्योगिक प्रधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3424.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri K. Venkataiah a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani Karimuagar Distt. (A.P.) which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central). Miscellaneous Petition No. 153|83

#### IN

Industrial Dispute No. 11/82

#### BETWEEN:

K. Venkatalah,

Workman of Singreni Collieries Company, Limited, Godavarikhani,

Karimnagar District, (A.P.)

-Petitioner.

#### AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, (Andhra Pradesh)

-Respondent.

#### APPEARANCES :--

- (i) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocate for the Respondent.

#### AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of the I.D. Act, while I.D. No. 11|82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition become unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

### Appendix of Evidence NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal [No. L-29025(3)|85-D.HI(B)|(xxviii)]

का. भा 3425: — भौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के भनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड गोदावरीखानी, जिला करीमनगर् उन्त प्रधिनियम की धारा 33क के भन्तर्गत सी बी. करनादास द्वारा दायर की गई शिकायत पर भनुबंध में यद्या निदिष्ट भौद्योगिक प्रधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 प्राप्त, हुआ बा।

S.O. 3425.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri D. Sanjeevaiah, workman of Singareni Collieries Company Limited. Godavarikhani Karimnagar Distt. (A.P.) which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

Miscellaneous Petition No. 144/83

IN

Industrial Dispute No. 11/82.

BETWEEN

D. Sanjeevaiah,

Workman of Singareni Collieries Company, Limited, Godavarikhani, Karimnagar District,

Andhra Pradesh.

...Petitloner.

#### AND

The Management of Singareni, Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District,

Andhra Pradesh.

.. Respondent.

#### APPEARANCES:

Sri G. Bikshapathy, Advocate—for the Petitioner. Sarvasri K. Srinivasas Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates—for the Respondent.

#### AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence NIL

> J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-29025/3/85-D. III(B)/(xxvi)]

का. आ. 3426: — भौधोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कौलरीज कम्पनी लिमिटेंड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर उक्त प्रधिनियम की खारा 33क के प्रन्तर्गत श्री वी. राजागोपाल रेड्डी द्वारा दायर की गई शिकायत पर मनुबंध में यथा निर्दिट प्रौद्योगिक प्रधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 प्राप्त हुआ था।

S.O. 3426.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shrì V. Rajagopal Reddy a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani Distt. Karimnagar which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT:

. Sri J. Venogopala Rae, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

Miscellaneous Petition No. 143/83.

#### IN

Industrial Dispute No. 11/82.

BETWEEN

V. Rajagopal Reddy,

Workman of Singareni Collieries Company, Limited, Godavarikhani,

Karimnagar District,

Andhra Pradesh.

...Petitioner.

#### AND

The Management of Singareni, Collieries Company Limited, Godavarikhani. Karimnagar District, Andhra Pradesh.

.. Respondent.

#### APPEARANCES:

Sri G. Bikshapathy, Advocate—for the Petitioner. Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates—for the Respondent.

#### AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of LD. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Industrial Tribunal

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribune?

[No. L-29025/3/85-D. III (B) (xxy)]

का. मा. 3427: -- मौधोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कम्पनी लिमिटेड, गोवाबरीखानी, जिला करीमनगर प्रधिनियम की 3.3% सत्यानारारण द्वारा शिकायत मन्बं छ में यथा निर्दिष्ट बौद्योगिक ग्रक्षिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 2.7 जून, 1985 प्राप्त हुमा था।

S.O. 3427.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Golernment hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the America, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri V. V. Satyanarayna, a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Distt. Karimnagar (A.P.) which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

Miscellaneous Petition No. 141/83.

IN

Industrial Dispute No. 11/82.

BETWEEN

D. Satyanarayana,

Workman of Singareni Collieries Company,

Limited, Godavarikhani,

Karimnagar District,

Andhra Pradesh.

...Petitioner.

#### AND

The Management of Singareni,

Collieries Company Limited,

Godavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh.

.. Respondent.

APPEARANCES:

Sri G. Bikshapathy, Advocate—for the Petitioner. Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates—for the Respondent.

#### AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act while 1.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-29025/3/85-D. III(B)/(xxiii)]

का. म्रा. 3428:—मीद्योगिक विवाद घघिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कस्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की घारा 33क के अन्तर्गत श्री के. वीरास्थामी द्वारा दायर की गई शिकायत पर प्रनुवंध में यथा निर्दिष्ट श्रीद्योगिक प्रधिकरण हैंद्यराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जुन, 1985 प्राप्त हुआ था।

S.O. 3428.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri K. Veera Swamy a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani Karimnagar Distt (A.P.) which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

Miscellaneous Petition No. 151/83

IN

Industrial Dispute No. 11/82.

BETWEEN

K. Veera Swamsy,

Workman of Singareni Collieries Company, Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh.

... Petitioner-

#### AND

The Management of Singareni, Collieries Company Limited,

Godavarikhani, Karimnugar District, Andhra Pradesh. 458 GI/85—21

., Respondent.

#### APPEARANCES:

Sri G. Bikshapathy, Advocate—for the Peti oner. Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Alvocate—for the Respondent.

#### AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and scal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence

#### NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-29025]3[85-D. III(B) (xx)]

का. श्रा. 34?9:— श्रीद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के धन्मरण में, केन्द्रीय सरकार मिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेंड, गोदावरीखानी. जिला करीमनगर उक्त श्रीधिनियम की धारा 33 के श्रन्तर्गत श्री की. संजीबद्दया द्वारा वायर की गई णिकायत पर श्रनुबंध में यथा निर्दिष्ट श्रीद्योगिक श्रीधकरण हैदराबाव के पंचाट को प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जुन, 1985 श्राप्त दृग था।

S.O. 3429.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderahad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the soid Act, filed by Shri V. Sanjeevaiah a workman of Singareni Collicries Company Limited, Godavarikhani Karimnagar Distr (A.P.) which was received by the Central Government on the 27th June, 1985

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CFNTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

Miscellaneous Patition No. 150/83.

IN

Industrial Dispute No. 11/82.

BETWEEN

V. Sanjeevajah,

Workman of Singareni Collieries Company,

Limited, Godavarikhani, Karimnagar District,

Karimuagar Distr

Andhra Pradesh.

Petitioner.

AND

The Management of Singareni,
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

.. Respondent.

APPEARANCES ·

Sri G. Bikshapathy, Advocate—for the Petitioner.
Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and
Kumari G. Sudha, Advocate—for the Respondent.

#### AWARD

This is a petition fifed Under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

#### Appendix of Evidence

#### NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman Industrial Tribunal [No. L-29025]3[85-D. HI(B)[(xix)]

का. ग्रा. 3430:--- फ्रीद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के ग्रनसरण में, केन्द्रीय सरकार सिस्टेनी कोलरीज कम्पनी लिगिटेड. गोदायरीखानी. जिला करीमनगर प्रधि⊣ियम की घारा 33क शिकायत गई पर ग्रनबंध यथा निर्विष्ट श्रीद्योगिक श्रधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जुन, 1995 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3430. —In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (AP.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri Y. L. Kantha Rao a workman of Singareni Conferies Company Limited, Godavarikhani Distt. Katimnagar (A.P.) which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 143/83 IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82.

#### BETWEEN

Y. L. Kantha Rao,

Workman of Singareni Collieries Company, Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh.

...Petitionet.

#### AND

The Management of Singareni, Collicries Company Limited, Godavarikhani. Karimnagar District, Andhra Pradesh.

... Respondent.

#### APPEARANCES:

Bikshapathy, Advecate-for Sri G. the Petitioner.

Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kuamri G. Sudha, Advocates—for the Respondent.

#### AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

#### Appendix of Evidence

#### NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman Industrial Tribunal

[No. L-29025/3/85-D. 1H(B)/(xviii)]

का. प्रा. 3431:- ग्रौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड. गोदावरी जिला प्रिवित्यम की सुरयाप्रकाण द्वारा दायर की गई शिका यत में यथा निर्दिष्ट श्रीद्योगिक श्रष्ठिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जुन 1985 को प्राप्त हुम्राया।

S.O. 3431.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act. filed by Shri D. Suryaprakash, a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani; Distt. Katim Nagar (A.P.) which was received by the Contral Government on the 27th June. 1985.

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

Miscellaneous Petition No. 141/83

#### IN

Industrial Dispute No. 11|82

#### **BETWEEN**

D. Suryaprakash,

Workman of Singareni Collieries Company, Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh.

...Petitioner.

#### AND

The Management of Singareni, Collicries Company Limited,

Karimnagar District,

Andhra Pradesh.

..Respondent.

## APPEARANCES:

Bikshapathy, Advocate-for the Petitioner. Sri G.

Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha. Advocates-for the Respondent.

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnessary as the noint, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

#### Appendix of Evidence

#### NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman Industrial Tribunal

[No. L-29025/3/85-D. III(B)/(xvii)]

का. था. 343 :-- श्रीचोगिक विवाद प्रधितियम, 1947 (1947 वा 14) की धारा 17 के प्रतुनरण में, केन्द्रीय मरकार मिनरेनी कोलरोज कम्मनी लिमिटेड, गोदावरी खानी, जिला करीमनग उक्त प्रधितियम की धारा 33-क के अन्तर्गत थी थी. रामाराव द्वारा वायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निदिष्ट श्रीचोगिक श्रधिकरण हैवराबाद के पंचाट की प्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 27 जून, 1985 की प्राप्त हुआ था।

S.O. 3432.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri V. Rama Rao a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar Distt. (A.P.) which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT

Sri J. Venugopal Rao,

Chairman, Industrial Tribunal (Central)

MISCELLANEOUS PETITION NO. 139/83

IN

## INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82 BETWEEN

V. Rama Rao, Workman of Singarani Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, (Andhra Pradesh)

...Petitioner.

#### AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District,

Andhra Pradesh.

.. Respondent.

#### APPEARANCES:

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate-for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates—for the Respondent.

#### AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of I.D. Act, while I.D. 11|82 is pending.

Since I.D. No. 11|82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

#### Appendix of Evidence

#### NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman Industrial Tribunal [No. L-29025]3[85-D,III(B)](xv)]

का. थ्रा. 3433.— श्रीधोगिक विवाद अधितियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के ध्रतुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलगीच कम्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनिधम की धारा 33-क के अक्तर्गंत श्री ई. येन्कटे द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट श्रीद्योगिक अधिकरण हैंदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जुन, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3433.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, (A.P.) as shown in the Anne.ure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri E. Venkate, a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavrikhani, Karimnagar Distt. A.P. which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT

Sri J. Vanugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

### MISCELLANEOUS PETITION NO. 152/83

IN

#### INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82

BETWFEN

E. Venkate, workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District (A.P.)

... Pctitioner

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh.

. . Respondent

#### APPEARANCES:

- (1) Sci G. Bikshapathy, Advocate—for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigaï and Kumari K. Sudha, Advocates—for the Respondent.

#### AWARD

This is a petition filed under section 33(a) of I.D. Act, while I.D. 11|82 is pending.

. Since I.D. No. 11|82 disposed of this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and scal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

#### Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman Industrial Tribunal

[No. L-29025[3]85-D. III(B)|(xxvii)]

का. था. 3434.—श्रीयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी निमिटेड, गोरावरोजानी, जिला करोमनार उक्त प्रधिनियम की धारा 33-क के अन्तर्गत श्री जे. मनईया द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निद्धित श्रीदोगिक श्रिक्षिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3434.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri J. Mallaiah, a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani Karimnagar Distt. which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribuual (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 149 83

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11|82

#### BETWEEN

J. Mallaia, workman of Singateni Collicries Company Limited, Godavarikhani, Karinnagar District (A.P.) Petitioner

#### AND

#### APPEARANCES:

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.
- (2) Sarva ri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and ilumari G. Sudha, Advocate for the Respondent.

#### AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of LD. Act while LD. 11|82 is pending.

Since I.D. No. 11|82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this pet tion is already decided. Hence award passed accordingly.

D'etated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

#### Appendix of Evidence NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman. Industrial Tribunal

[No. L-29025]3[85-D. HI(B)](xxiv)]

भा १४३८.--- श्रीबोशिक विदाद ग्रोधेनियम, 1947 (1947 का 13) की धारा 17 के अनुगरण में, केन्द्रीय सरकार सिगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमेटेड, गोदावरी खानी, जिला करीमनगर उन्त प्रधिनियम को धारा 33-क के श्रन्तर्गत श्री च वेंकटाइया हारा की गई शिकायन पर यथा अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीबोशिक अधिकरण हैदराजाद के पंचाट को प्रकाणित करती है जो करोज मन्हार को 27 जुन, 1985 की प्रात हुआ। था।

S.O. 3435.—In pursuance of section 17 of the Industrial Displies Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexu c, in respect of a complaint under Section 23-A of the said Act, filed by Shri Ch. Vengataiah, a workman of Singareni Collieries Company Limited, which was receied by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 142|83 IN

## INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11|82 BETWEEN

Ch. Venkataiah, workman of
Singareni Collicries Company Limited,
Godavari Khani,
Karimnagar District (A.P.). . . . Petitioner

#### AND

The Management of Singarchi
Collicries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh. ...Respondent

#### APPEARANCES

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

#### **AWARD**

This is a petition filed under Section 33(a) of the I.D. Act while I.D. 11|82 is pending.

Since I.D. No. 11|82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

# Appendix of Evidence

### NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman. Industrial Tribunal

[No. L-29025|3|85-D. III(B)|(xiii)]

- का. भ्रा 3436.—भौद्योगिक विवाद स्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के भ्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेंड, गोदावरीखानी जिला करीगगनर उक्त भ्राधिनियम की धारा 33-क के भ्रन्तर्गत जा एन. रामानारायणा द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट श्रीद्योगिक भ्राधिकरण हैदाराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।
- S.O. 3436.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (AP) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri N. Ramnarayana, a workman of Singareni Collieries Company Ltd., Godavrikhani, Distt. Karimnagar, AP. which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBNNAL: AT HYDERABAD

#### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal, (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 162/83 IN INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82.

## BETWEEN

N. Ramnarayana workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District (A.P.)—Petitioner.

#### AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh, ... Respondent.

## APPEARANCES:

- (1) Sri G. Bikshapahy, Advocate for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

#### AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of 1.D. Act while 1.D. 11|82 is pending.

Since I.D. No. 11|82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence.

#### NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman. Industrial Tribunal.

[No. L-29025(3)[85-D.III.B(viii)]

- का. मा 3437.—मीद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के श्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कीलरीज कम्यनी लिमिटेड, गोदावरीखानी जिला करीमनगर उक्त श्रधिनियम की धारा 33-क के श्रम्तर्गंत श्री के. सुधाकर रेड्डी बारा वायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट श्रीद्योगिक श्रधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय मरकार को 27 जुन, 1985 को प्राप्त हुमा था।
- S.O. 3437.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri K. Sudhakar Reddy, a workman of Singareni Collieries Company Ltd., which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

# MISCELLANEOUS PETITION NO. 138|83.

#### IN

### INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11:82.

#### **BETWEEN:**

K. Sudhakar Reddy, Workman of Singareni Collieries Company Limited,

Godavarikhani, Karimnagar Distrlet, Andhra Pradesh.

... Petitioner.

#### AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh. ... Res

... Respondent.

## APPEARANCES:

- (1) Sri G. Bikshapthy, Advocate for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

#### **AWARD**

This is a petition filed under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11|82 is pending.

Since I.D. No. 11|82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

# Appendix of Evidence.

#### NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman. Industrial Tribunal

[No. L-29025(3) 85-D.III.B(xiv)]

- का. भा. 3438.—श्रीद्यांगिक विश्वाद मधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय संग्कार सिंगरेनी कोलरीज कंपनी लिनिटेड, गांदावरीखानों, जिला करोमनगर उन्त अधिनियम की धारा 33-क के अंतर्गत श्री जी. थी. तत्यानारायणा द्वारा दायर की गई गिकायत पर अनुबंध में यथा निदिष्ट भोदोंगिक श्रीधकरण हैदराबाद के पंचाट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।
- S.O. 3438.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri G. V. Satyanatayana, a workman of Singareni Collieries Company Ltd., Godavarikhani, District Karinnagar, A.P., which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 163|83.

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82.

#### BEIWEEN:

G. V. Satyanarayana, Workman of Singareni Colheries Company Limited,

Godavarikhani, Karimnagar District,

Andhra Pradesh.

.. Petitioner.

#### AND

The Management of Singareni Colheries Company Limited, Gedavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh. ...

... Respondent.

#### APPEARANCES :

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner,
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

#### **AWARD**

This is a petition filed under Section 33(a) 1.D. Act while I.D. 11|82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribe by him corrected by me and scal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence.

### NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman. Industrial Tribunal.

TNo. L-20025(3)[85-D.III.B(ix)]

का. आं. 3439 .---भीचोर्गिक विवास अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरंनी कोलरीज कंपनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर उनतं अधिनियम की धारा 33 क के अंतर्गंत श्री एम. नारासहया द्वारा वायर की गई विकायत पर अनुवंध में यथा निर्दिट औद्योगिक अधिकरण हैवराबाद के पंचाट को प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जुन, 1985को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3439.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under

Section 33-A of the said Act, filed by Shri M. Narasiah, a workman of Singareni Collicries Company Ltd., Godavarikhani, Eistrict Karimnagar, which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 161/83.

#### IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82.

SETWEEN -

M. Narasiah,
Workman of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh. ... Petitioner.

#### **AND**

The Management of Singareni Colliertes Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh. ... Respondent.

### APPEARANCES:

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

#### **AWARD**

This is a petition filed under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11|82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this perition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence.

#### NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman, Industrial Tribunal rNo. L-29025(3)|85-D.III.B(xii)₁ का. ग्रा. 3440 — श्रीयोगिक विवाद प्रधिनयम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरैनी कोलरीज कंपनी लिमिटेड, गोदाबरी खानी, जिला करीमनगर उक्त प्रधिनियम की धारा 33क के अंतर्गत श्री ए. एलाइया द्वारा वायर की गई शिकायन पर अनुबंध में यथा निर्दिश्ट श्रीयोगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जुन, 1985 को प्रास्त हुआ था।

S.O. 3440.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri A. Ellaiah, a workman of Singareni Collieries Company Ltd Godavrikhani, District Karimnagar which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 164/83.

#### IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82.

BETWEEN:

A. Ellaiah,

Workman of Singarem

Collieries Company Limited,

Gedavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh. ... Petitioner.

#### AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh. ... Respondent.

## APPEARANCES:

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy. H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

#### **AWARD**

This is a petition filed under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11|82 is pending.

Since I.D. No. 11|82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

### Appendix of Evidence.

#### NIL

Industrial Tribunal

rNo. L-29025(3)|85-D.III.B(xii)₁

का. थ्रा. 3.441.--भीधोगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी ; कोलरीज कंपनी लिमिटेड, गोदावरी खानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33क के अंतर्गत श्री बी. रामाचन्द्रा रेड्डी द्वारा दायर की गई शिकायस पर अनुबंध में यथा निर्विष्ट भौधोगिक श्रधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3441.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri B. Ramachandra Reddy, a workman of Singarchi Colleries Company Limited, Godavarikhani, District Karimnagar A.P. which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 160/83.

#### IN

# INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11182.

#### BETWEEN:

B. Ramachandra Reddy,
Workman of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh. ... Petitioner.

#### AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh,

#### APPEARANCES :

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

the contract of the contract o

#### AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11|82 is pending.

Since I.D. No. 11 82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this it e 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence.

**NIL** 

J. VENUGOPALA RAO, Chairman,

Industrial Tribunal

[No: L-29025|3|85-DillI(B)(vi)]

का. मा. 3442 .— मीर्घोगिक विवाद मिर्घिनियमे, 1947 (1947) का 14) की धारा 17 के मनुसरण में, केन्द्रीय संरकार सिगरैनी कोलरीज कंपनी लिमिटेंड, गोंवावरी खानी, जिला करीमनगर जनत मिर्धिनयम की धारा 33क के मन्तर्गत श्री के. नारायणा रेड्डी द्वारा दायर की गई शिका- येत पर मनुबंध में यथा निविद्ध मौद्योगिक भिष्करण हैवराबाद के पंचाठ को प्रकासित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को भारत हुआ। था।

S.O. 3442.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad (AP) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, field by Shri K. Narayana Reddy, a workman of Singareni Collieries Company Ltd. Godavarikhani, Distr. Karimnagar which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal, (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 159|83.

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11|82.

#### **BETWEEN**

K. Narayana Reddy, Workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District (A.P. .....Petitioner

#### AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh. ... Respondent.

#### APPEARANCES

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

### AWARD

This is a petition filed under section 33(a) of I. D. Act while I. D. 11|82 is pending.

Since I. D. No. 11|82 disposed off, this petition becomes unnecessary at the point, involved in this petition is already decided. Heffee award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Sd|-Industrial Tribunal

Appendix of Evidence.

NIL.

arma 12-6-85.

J. VENUGOPALA RAO, Chairman, Industrial Tribunal

[No. L-29025(3)|85-D.III.B(v)]

कं. झा, 3443 — श्रीबोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 को 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिगरेंगी कोलरीज कंपनी लिमिटेड, गोदाबरी खानी, जिला करीमनगर उक्त प्रधिनियम की धारा 33क के अंतर्गत ए. बीरामचू द्वारा दायर की गई किकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट भौद्योगिक अधिकरण हैंबराबाद के पंचाट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3443.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad (AP) as shown in the Annexure, in respect of the complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri A. Voeramallu, a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godhavarikhani, Karimnagar Distt. which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### **PRESENT**

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central)

MISCELLANEOUS PETITION NO. 158|83

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11|82

## BETWEEN

A. Veeramallu, Workman of Sigareni Collicries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District (A.P.) .....Petitioner

#### AND

The Management of Singarem, Colleries Company Limited, Godavarkhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh. ... Respondent.

#### APPEARANCES

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitionec.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

### **AWARD**

This is a petition field under section 33(a, of I. D. Act while I. D. 11|82 is pending.

Since I. D. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June. 1985.

Appendix of Evidence.

#### NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman.

Industrial Tribunal

[No. L-29025(3)|85-D. III. B(iv]

का. अर. 3444. — औद्योगिक विवाद अधिनियम. 1947 (1947 का 14) घी धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरैनी कोलरीज कस्पनी लिमिटैंड, गोदावरी खानी, जिला करेमनगर उक्त अधिनियम की की धारा 33 क के अन्तर्गत श्री. सी. रामाइया द्वारा दायर की गई शिकावत पर अनुवंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3444.—In pursuance f section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, field by Shri C. Ramaiah, a workman of Singareni Collicries Company Limited, Godavarikhani, Distt. Karimanagar (A. P.), which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENT-RAL) AT HYDERABAD

### PRESENT

Sri J. Venugpala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

MISCELANEOUS PETITION NO. 165|83

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11|82

### BETWEEN

C. Ramaiah, Workman of Singareni Colliertes Company Limited, Godavarikhani, Karimanagar District (A.P)

... Petitioner.

#### AND

The Management of Singaren:
Collieries Compan, Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh. .....Respondent.

#### **APPEARANCES**

- (1) Sri G. Bikhsapathy, Advocate for the Petitioner
- (2) Sarvasri K, Srinivasa Murthy, H. K, Saighal and Kumari G, Sudha, Advocate for the Respondent

#### **AWARD**

This is a petition filed under Section 33,a) of I. D. Act while I. D. 11|82 is pending.

Since I. D. No. 11|82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 185.

Appendix of Evidence.

#### NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman, Industrial Tribunal

[No. L-29025]3[85-D. III(B|(xi))]

٠,

का. अ. 3.445 — औद्योगिक विरुद्ध अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार सिगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरी खानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33-क के अन्तर्गत श्री की. कोमरड्या द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा विनिदिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3445.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A. P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri D. Komaraiah, a wrkman of Sigareni Collieries Company Limited, Godhavarikhani, Karimnagar Distt., which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD.

#### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

Miscelaneous Petition No. 157/83.

#### IN

Industrial Dispute No. 11|82

#### BETWEEN:

D. Komaraiah, Workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District (A. P)

... Petitioner .

#### AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh. .... Respondent.

#### APPEARANCES:

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the petitioner.
- (2) Sarvasri K. Stiniasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the respondent.

#### **AWARD**

This is a petition filed under Section 33(a) of I.D. Act, while I. D. 11|82 is pending.

Since I D. No.. 11 82 disposed off, this petition become unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Industrial Tribunal.

Appendix of Evidence.

#### NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal. [No. L-29025]3[85-D. III. B(iii]

का.आ. 3446:- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 की 34) की धारा 17 के अनुमरण में, कंन्द्रीय मंग्कार सिगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड रामागृडम दि, विवाद 32 रोट वरी खानी जिला वर्ष भागर उक्त अविनियम का भारा 33 व वे अन्तर्भ की ए. रपूर भल् द्वारा दायर की गई मिकायत पर अन्तर्भ भे यवा निदिष्ट केन्द्रीय मण्यार श्रीद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के ज्यार को प्रकाणित करत. है,

S.O. 3446.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by A. Raghuramulu, Vice-President a workman of Singareni Collieries

Company Limited, Ramagundam, Division-II, Godhavarikhani, Distt, Karimnagar,

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal. Miscellaneous Petition No. 82 of 1982. Industrial Dispute No. 12 of 1982.

#### BETWEEN:

A. P. Colliery Mazdoo: Sangh,, Godavari Khani, Karimnagar District.

....Petitioner

#### AND

The Management of Singarent Collieries
Company Limited, Ramagundam Division-II.
Godavari Khani, Karimnagar District. ....Respondent.
APPEARENCES:

Sri G. Bikshapathi, Advocate for the worwman.

Sri K. Srinivasa Murthy Hon. Secretary, A. P. Federation of Chamber of Commerce and Industry for the Management.

#### **AWARD**

This is a petition filed under Section 33(A) of the Industrial Disputes Act, 1947 by A. Reghuramulu, Vice-President, A. P. Colliery Mazdoor Sangh, Godavari Khani, Karimnagar; District preying for not to change service conditions of the workmen by allotting them with heavy workload and new jobs and also not to discontinue the incentive bonus with effect from February, 1982.

2. A notice was served upon the Divisional Superintendent, Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-II, Godavari Khani, Karimnagar District to the his counter statement on or before 15th June, 1982, while serving a copy on the other side. The notice was acknowledged by the Management. After some adjournments Sri K. Sriinvasa Murthy filed authorisation for the Management and Sri G. Bikshapathi, Advocate filed for the workman on 3-9-1982. Even counter was filed on that day. For enquiry the matter was journed to 17-9-1932. From 17-9-1982 it has been adjourning from time to time since both parties were not ready till 29-9-84. On 29-10-84 Sri G. Biskhathapi counsel for the workman called absent. A. P. Collieries Mazdoor Sangh also called absent representing Sri A. Raghuramulu. It is represented that Sri A. Ragburamulu is no more alive. For further steps by the Advocate for substitution of the said Vice President of the Workers in the meanwhile it is adjourned to 26-11-1984. The case was adjourned from time to time till this day i.e. 26-11-1984, 28-12-1 e4, 4-2-1985; 2-3-1985, 29-3-1985, 26-4-85 and 20-5-85. On 20-5-1985 Sri Saigai, counsel for the Manage ment present. Sri G. C. Venkatswamy is present for Sri G. Bikshapathi, counsel for the workmen mentioned that since the main 1. D. No. 12 82 is disposed off, this petition become infructuous as not necessary. Hence Award is passed accordingly treating this petition as not pressed.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal this the 20th day of May, 1985.

Sd:- Industrial Tribunal

Appendix of Evidence.

#### NIL

# J. VINUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L29015(3)|85-D. III(B)(i)]

का. था. १४४७ - प्रांशाति । विभार अधितियन 1947 (1947 का १४) का आरा 17 के अनुसरण में केन्द्राय सरकार समरेता कोलरीज कम्पन् लिमटेड गाइतरा जाती, जिला गर्नातनगर उनत अधिनियम का आरा 33 के के अन्तर्गत था न . पाथाराजू द्वारा दायर के, गई शिका- भते पर अनुअध में थथा निदेग्द याद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पनाट का अकाशित करें। है, जा केन्द्रीय मरकार की 27 ज्ने, 1985 की आरा 34 था।

S.O. 3447.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri V. Potha Raju a workman of Singareni Collieries Company Limited Godavarikhani, Karimnagar Distt which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL 1RIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD.

#### PRESENT:

Sri J. Venugerala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

Miscellaneous Petition No. 147/83

#### IN

## INDUSTRIAL DESPUTE NO. 11|82

Between V. Potha Raju, Workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District (A. P) ... Petitioner .

AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh. .... Respondent.

#### APPEARANCES .

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the petitioner.
- (2) Sarvasri K. Sciniasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the .....Respondent

#### **AWARD**

This is a petition filed Under Section 33(a) of J.D. Act, while I. D. 11|82 is pending.

Since I D. No., 11/82 disposed off, this petition become unnecessary as the point involved in this

petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Sd|- Industrial Tribunal

Appendix of Evidence,

### NIL

# J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal. [No. L-29025|3|85-D. III(B)|(xxii)]

का. आ. 3448--- आंधोनिक विवाद ब्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्र य सरकार सिंगरेनी कोलर ज कम्पन, लिमिटेक गोवावर, खान, जिला कर,मनगर उक्ते ब्रिधिनियम की धारा 33 क के अन्तर्गत श्र. थ., पर्पा रेडड, बारा दायर की गई शिकायत पर अनुदंध में यथा निदिष्ट ब्रौद्योगिक श्राधिकरण हेटरायाद के पचाट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्र य सरकार की 27 जून, 1985 प्राप्त हुश्राथा।

S.O. 3448.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, A.P., as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri B. Papi Reddy, a workman of Singareni Collieries Company Ltd., Godavrikhani, Distt. Karimnagar, A.P., which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

# BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

### PRESENT:

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial (Central). Miscellaneous Petition No. 155|83

#### IN

Industrial Disputes No. 11|82 BETWEEN

 B. Papi Reddy, Workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District (A.P.) — Petitioner.

#### AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh, Hyderabad.—Respondent.

# APPEARANCES ·

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

#### AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of LD. Act while 1.D. 11[82] is pending.

Since I.D. No. 11[82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stonographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Sdl-

Appendix of Evidence.

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal.

[No. L-29025(3)]85-D. III. B(x)[

का. था. 3449:--- श्रोधांगिक थियाद श्रिधनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के धनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेन, कोलराज कम्पन। लिमिटेड गांदाबर: खाना, जिला कर।मनगर उक्त श्रिधिनियम के, धारा 33क के धन्तर्गत थाः बी० किणन राव ग्वारा दायर का गई शिकायन पर अनुबंध में यथा निदिष्ट ग्रीधोगिक श्रिधकरण हैदराबाद के पंचाद को प्रकाणित करन, है, जो केन्द्राय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआथा।

S.O. 3449.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri Ch. Kishan Rao, a workman of Messrs Singareni Collicries Company Ltd., Godhavrikhani, Karimnagar Distt. which was received by the Central Government on the 27th, June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

#### PRESENT:

Sri J. Venugopala Roo, Chairman, Industrial Tribunal (Central)

Miscellaneous Petition No. 156|83

IN

Industrial Dispute No. 11|82

#### BETWEEN

Ch. Kishan Rao. Workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District (A.P.)

--Peritioner.

### AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh.
—Respondent.

#### APPEARANCES:

- (1) Sri G. Bikshaputhy, Advocate for the Petitionr.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

#### **AWARD**

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11|82 is pending.

Since I.D. No. 11 82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Sd|-

Appendix of Evidence NIL

Sd!-

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal.

[No. L-29025(3) | 85-D. III. B(ii)] HARI SINGH, Desk Officer